सिनबाद सीरीज़ की तीसरी किताब
-बाद
और इब्लीस का
उदय
जल्द ही
स्क्रीन पर
दिखाई देते हैं
केविन मिसल

Table of Contents
शीर्षक पेज
अंतर्वस्तु
लेखक के बारे में
समर्पण
एक
दो
तीन
चार
पाँच
छह
सात
आठ
नौ
दस
ग्यारह
बारह
तेरह
चौदह
पंद्रह
सोलह
सत्रह
अठारह
उन्नीस
बीस
इक्कीस
बाईस
तेईस
चौबीस
पच्चीस
छब्बीस
सत्ताईस
अट्ठाईस
उनतीस
तीस
इकतीस
बत्तीस
तैंतीस
चौंतीस
पैंतीस

छत्तीस
उनतीस
चालीस
इकतालीस
पेंगुइन का अनुसरण करें
कॉपीराइट

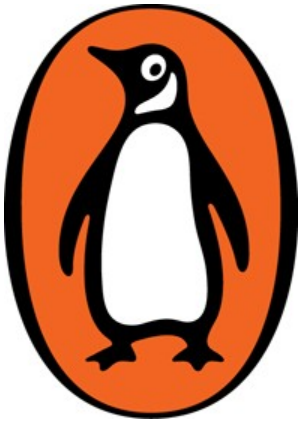

केविन मिसल

सिंदबाद और इब्लिस का उदय

पेंगुइन बुक्स

□□□□□□□□□□□

□□
□□
□□□
□□□
□□□□
□□
□□□
□□
□□
□□
□□□□□□□
□□□□
□□□□
□□□□
□□□□□□□
□□□□
□□□□□
□□□□□
□□□□□□□
□□□
□□□□□□□
□□□□
□□□□
□□□□□
□□□□□□□
□□□□□□□
□□□□□□□□
□□□□□□□□
□□□□□
□□□
□□□□□
□□□□□□□
□□□□□□□
□□□□□□□
□□□□□□□
□□□□□□□
□□□□□
□□□□□
□□□□□□□□
□□□□□□□□ □□ □□□□□□□ □□□□
□□□□□□□□□

पेंगुइन बुक्स

सिंदबाद और इब्लिस का उदय केविन मिसल ने अपने लेखन करियर की शुरुआत चौदह वर्ष की कम उम्र में अपने पहले उपन्यास, डेमियन ब्लैक: द बैटल ऑफ लॉस्ट एजेस के साथ की। उनकी साहित्यिक कृतियों ने हिंदुस्तान टाइम्स और द एशियन एज की बेस्टसेलर सूचियों में शीर्ष स्थान हासिल किया है। उन्होंने पंद्रह बेस्टसेलर उपन्यास लिखे हैं, जिनमें नरसिम्हा त्रयी, कल्कि त्रयी, रावणपुत्र मेघनाद, यम, कर्ण: द किंग ऑफ अंग, सिंदबाद श्रृंखला, देवी श्रृंखला और कई अन्य शामिल हैं। उनकी कुछ पुस्तकों को ऑडियोबुक में भी रूपांतरित किया गया है। केविन ने भारत के शीर्ष प्रकाशकों जैसे फिंगरप्रिंट पब्लिशिंग, हार्परकॉलिन्स इंडिया, साइमन एंड शूस्टर इंडिया और पेंगुइन रैंडम हाउस इंडिया के साथ काम किया है। छह भाषाओं में अनुवादित उनकी पुस्तकों को व्यापक मान्यता और लोकप्रियता प्राप्त हुई है।
सेंट स्टीफंस कॉलेज से इतिहास में बीए ऑनर्स की डिग्री प्राप्त केविन को भारतीय पौराणिक कथाओं, इतिहास और दर्शन में गहरी रुचि है। वे भविष्य में और भी कई पुस्तकें लिखने के लिए प्रतिबद्ध हैं। वे न केवल एक कुशल लेखक हैं, बल्कि TEDx वक्ता और हबहॉक्स के सीईओ भी हैं, जो एक सफल स्टार्टअप है जिसका उद्देश्य पुस्तक विपणन में मौजूद कमियों को दूर करके उभरते लेखकों को सहयोग देना है।
केविन को टाइम्स ऑफ इंडिया, द हिंदू, टेलीग्राफ इंडिया, द हिंदुस्तान टाइम्स, मिड डे और द इंडियन सागा सहित कई प्रतिष्ठित प्रकाशनों में जगह मिल चुकी है।
आप उन्हें इंस्टाग्राम (@kevin_9695), लिंक्डइन और फेसबुक पर फॉलो कर सकते हैं।

[redacted]

एक
दुनिया खत्म हो रही थी। या कम से कम उसे ऐसा ही लग रहा था।
धैर्य रखो। गहरी सांस लो। उसने खुद को याद दिलाया।
जब आप शैतान को नरक से जगाते हैं तो आमतौर पर यही होता है। दुनिया का अंत हो जाता है।
धैर्य रखें। गहरी सांस लें।
सिंदबाद को सांस लेने में तकलीफ हो रही थी और वह इतना कमजोर महसूस कर रहा था मानो उस पर कोई भारी बोझ पड़ा हो। उसकी पुतलियाँ फैल गई थीं और उसे अपनी नसों में खून के बहने की आवाज़ सुनाई दे रही थी। ऐसा लग रहा था जैसे उत्तर के पहाड़ों में किसी संकरी घाटी से होकर बहती हुई कोई उफनती नदी हो। आवाज़ इतनी तेज़ थी कि वह दंग रह गया।
जमीन पर पड़ा सिंदबाद हिलने-डुलने में असमर्थ था। उसका सिर चकरा रहा था और दृष्टि धुंधली हो गई थी। वह अपने साथियों को पागलपन में चिल्लाते और चीखते हुए सुन सकता था। वे हार चुके थे, और वह इसे स्वीकार नहीं कर पा रहा था। वह खुद हार गया था। यह सब इतनी जल्दी हो गया था। शक्तिशाली शैतान इब्लिस का पुनर्जन्म हो चुका था... सब कुछ बिखर रहा था।
सिंदबाद ने एक गहरी साँस ली और मानो सदियों तक ज़मीन को घूरता रहा। फिर, उसकी नज़रों से धुंधलापन दूर हुआ और उसने किसी को अपनी ओर आते देखा। ‘सिनबाद! सिनबाद!’
सदमे में डूबा सिन्बाद समझ नहीं पा रहा था कि कौन है। वह व्यक्ति लगभग सफ़ीना जैसा दिखता था, जो उसकी प्रेमिका थी। 'सन्बाद! सिन्बाद! क्या तुम ठीक हो?'
तभी, एक जोरदार थप्पड़ हवा में गूंजा और उसके गालों पर लगा, जिसकी गूंज उसके कानों में गूंज उठी। उसकी त्वचा कांप उठी और मांसपेशियां सिकुड़ गईं, जैसे ही वह वर्तमान की अराजक स्थिति में वापस आया।
उसने चारों ओर देखा और पाया कि यह प्रेसा थी। वही चीनी सहकर्मी जो आपको धमकाना, धक्का देना, धकेलना और आप पर जोर-जोर से अपशब्द बोलना पसंद करती थी जब उसे लगता था कि आप 'नरम' पड़ गए हैं।
‘मेरी तरफ देखो! होश में आओ, सिंदबाद!’ वह चिल्लाई। ‘पागल लड़के!’
सिंदबाद ने पलकें झपकाईं, उसकी ओर देखा; उसने सिर हिलाया, अपनी भावनाओं पर काबू पाने की कोशिश करते हुए। उसे यहाँ आने से पहले के पल याद आए: वे सिकंदर के मकबरे में दाखिल हुए थे। शैतान जाग उठा था। इब्लिस अपनी बेटी सफीना को अपने साथ ले गया था।

सिंदबाद के जीवन का प्यार सफीना, देवता अनांसी के साथ हुए समझौते के कारण अपनी सारी याददाश्त खो बैठी थी। यह एक सीधा-सा समझौता था: अफ्रीकी देवता अनांसी सिंदबाद को सम्राट की पौराणिक कब्र ढूंढने में मदद करेगा, और बदले में शैतान की बेटी सफीना अपने प्रेमी को भूल जाएगी। और अगर सिंदबाद चाहता था कि सफीना की याददाश्त वापस आ जाए, तो उसे उस दुष्ट देवता को कांच के जार से मुक्त करना होगा जिसमें उसे कैद रखा गया था।
लेकिन मैं नहीं कर सकता... अनांसी अराजकता का देवता है... मकड़ियों और छल का देवता है। सिनबाद ने हार मानते हुए सोचा।
इब्लिस की सुंदर, मासूम बेटी सफीना, जो उसी के अंग से जन्मी थी, बिल्ली जैसी आँखों वाली लड़की थी। वह एक नेक आत्मा थी, अपने पिता से बिलकुल अलग। वह दुनिया का भला चाहती थी और उसे नष्ट करने के बजाय बचाना चाहती थी। एक-एक करके, सारी घटनाएँ याद आने लगीं, जिनमें यह एहसास भी शामिल था कि उसकी तथाकथित माँ, लाल बालों वाली भयानक स्त्री और शैतान की दाहिनी हाथ, फातिमा अभी भी जीवित थी। आख़िरकार, उसने तो अपने माता-पिता को मृत मान लिया था। लेकिन उसने इब्लिस में क्यों शामिल हुई?
उसे कुछ समझ नहीं आ रहा था। उसे विश्वास नहीं हो रहा था कि दुनिया के दो सबसे अनमोल लोग, जिन्हें उसके साथ होना चाहिए था, इब्लिस का साथ दे रहे थे। और वह यहाँ, इस अराजकता के बीच में खड़ा था।
‘सफीना हमें इस तरह छोड़कर क्यों चली गई? उसे क्या हुआ? कुछ तो गड़बड़ है,’ मार्कस जोर से समूह से यही सवाल पूछता हुआ प्रतीत हुआ। सिंदबाद ने अपने कांपते होंठों को दबाया।
मार्कस, लंबा-चौड़ा, हट्टा-कट्टा आदमी जिसके चेहरे के बाईं ओर एक निशान था, वही था जिसने सिंदबाद पर भरोसा किया था और उसे अनांसी के क्षेत्र का उपयोग करके मकबरे का पता लगाने की अनुमति दी थी। सिंदबाद जानता था कि उसे सच बताना होगा और कबूल करना होगा कि उसने अनांसी के साथ एक मूर्खतापूर्ण सौदा किया था, भले ही मार्कस ने उसे मकड़ी की चालों में न फंसने की चेतावनी दी थी। सिंदबाद ने सोचा था कि वह इतना चतुर है कि उसके झांसे में नहीं आएगा, लेकिन वह गलत था। अब, उसने सब कुछ खो दिया था— उसका प्यार, उसके माता-पिता, और उसकी दुनिया बिखर गई थी। जब उसने अपने साथियों को देखा, तो वे इधर-उधर देख रहे थे, डरे हुए थे, उछल रहे थे और चिल्ला रहे थे।
‘ठीक है, सब चुप हो जाओ!’ ये इदरीस थी, उसकी सेकंड-इन-कमांड। बैंगनी, घुंघराले बालों वाली इस सेइड ने अपने ही लोगों के खिलाफ बगावत कर दी थी क्योंकि उसे एक पिशाच से प्यार हो गया था—जो राक्षस शिकारियों का जानी दुश्मन था। इदरीस अनिच्छा से सिंदबाद के दल में शामिल हुई थी, लेकिन अब वह सिर्फ एक साथी से कहीं बढ़कर थी। वह एक दोस्त थी।
‘बस बहुत हो गया!’ वह चिल्लाई। ‘हमें शांत होने की ज़रूरत है। अपने आस-पास देखो। कुछ नहीं हुआ है। हम अभी भी यहीं हैं। साँस ले रहे हैं। ज़िंदा हैं।’ बाय फेट एंड फॉर्च्यून के सभी क्रू और सैनिक अपनी जगह पर रुक गए। उन्होंने एक-दूसरे को देखा। इदरीस गंभीर मुद्रा में खड़ी रही, किसी के फिर से चिल्लाने का इंतज़ार कर रही थी, लेकिन किसी ने कुछ नहीं कहा।

‘बहुत बढ़िया। आप सभी का धन्यवाद। सूरज अभी भी चमक रहा है, बादल ठीक लग रहे हैं, और हम सब ज़िंदा हैं। चलिए अब इस मुसीबत से निकलने का रास्ता ढूंढते हैं, ठीक है?’ इदरीस ने धीरे-धीरे, शांत स्वर में कहा, और गंभीरता से सिंदबाद की ओर उत्तर की प्रतीक्षा कर रही थी।
सिन्बाद ने अपने होंठ चाटे, और जैसे ही उसने अपना वजन एक तरफ किया, उसका लंबा, लहराता हुआ चोला फड़फड़ाने लगा, लेकिन उसके मुंह से एक भी शब्द नहीं निकला। मार्कस ने फिर पूछा, इस बार धीमी आवाज़ में, 'सफीना के साथ क्या हुआ? क्या उसने हमें धोखा दिया?'
कुछ देर रुकने के बाद, सिंदबाद ने आखिरकार कहा, 'नहीं... उसने ऐसा नहीं किया।'
हुसैन, जो सिंदबाद का सबसे अच्छा दोस्त था, बेचैनी से इधर-उधर टहल रहा था, उसके घुंघराले बाल उसकी बेचैन हरकतों से बिखरे हुए थे।
‘फिर क्या हुआ?’ उसने पूछा, हर शब्द के साथ उसकी आवाज़ तेज़ होती जा रही थी। ‘उसके साथ क्या हुआ? वह उसके साथ क्यों चली गई?’ उसकी गहरी आँखें डर से चौड़ी हो गई थीं, और वह साँस लेने के लिए संघर्ष कर रहा था, मानो उसे पैनिक अटैक आने वाला हो।
सिंदबाद ने जवाब देने का साहस जुटाया। चलो शुरू करते हैं...
लेकिन इससे पहले कि वह कुछ बोल पाता, वैम्पायर-डायन अशरफिया उसके सामने प्रकट हो गई। इस अफरा-तफरी में भी, वह अपने काले घने बालों और कढ़ाईदार ओवरकोट में बेहद खूबसूरत लग रही थी, जो उसकी आंखों की तरह गहरा था, लेकिन उसकी जैतून जैसे रंग की पीली त्वचा से बिल्कुल अलग था।
मुझे यकीन है कि उसके पास अपने कारण रहे होंगे। उसकी बात सुने बिना उसे दोषी न ठहराएं। फिलहाल, जिस सवाल पर आप सब ध्यान दे रहे हैं, वह महत्वपूर्ण नहीं है।
‘तो फिर क्या है?’ प्रेसा ने पूछा।
‘एक और।’ अशरफिया ने कहा। इदरीस समझ गया। ‘हाँ।’
हालांकि, हुसैन, प्रेसा और मार्कस असमंजस में दिख रहे थे।
‘आप सब किस बारे में बात कर रहे हैं?’
अशरफिया ने कहना शुरू किया, 'प्रिय, तुम्हें यह सवाल पूछना चाहिए कि शैतान, जो अभी-अभी दुनिया को नष्ट करने के लिए प्रकट हुआ है, उसने हमें क्यों जीवित छोड़ दिया? हमें! हम वही लोग जो उसे रोकने और उसके अस्तित्व को समाप्त करने के लिए दृढ़ संकल्पित थे।'
‘और साथ ही...’ इदरीस ने कहना शुरू किया, ‘दुनिया अब तक खत्म क्यों नहीं हुई? क्या दुनिया का अंत उसी क्षण नहीं होना चाहिए था जब वह सत्ता में आता?’ सिन्बाद ने चारों ओर देखा, स्थिति का जायजा लिया और सिर हिलाया। इन सवालों ने उसे फिलहाल बचा लिया था, लेकिन वह जानता था कि उसे एक दिन सफीना के सवाल का जवाब देना ही होगा। फिलहाल, उसे बख्श दिया गया था।
‘जी-जी-जी,’ उसने खांसते हुए, दोबारा बोलने की हिम्मत जुटाई, हालांकि उसका मुंह अभी भी सूखा था। ‘यह सच है। उसने हमें ज़िंदा क्यों रहने दिया?’ वह हांफते हुए बोला। ‘दुनिया खत्म क्यों नहीं हुई? हमें इसका पता लगाना होगा... और सबसे ज़रूरी बात, अब हम उसे कैसे रोकें?’

‘खैर, मेरे प्रिय, बार-बार पूछने के लिए धन्यवाद, लेकिन वही सवाल पूछने से उनका जवाब नहीं मिलेगा।’ अशरफिया ने आंखें घुमाते हुए कहा।
‘मुझे पता है। मुझे पता है। लेकिन मैं उस व्यक्ति को देख रहा था जिसे पता है।’ सिंदबाद ने प्रेसा की ओर इशारा किया, जो उसे जगाने के बाद चुप हो गई थी। ‘मेरे प्रिय भविष्यवक्ता... मुझे विश्वास है कि अब आपके लिए हमारे सवालों के जवाब देखने का समय आ गया है।’

दो
सिंदबाद जानता था कि स्थिति किसी भी दिशा में जा सकती है—अच्छी या बुरी।
दो ही विकल्प।
जहाज के आम गलियारे, जहाँ आमतौर पर भोजन परोसा जाता था, खाली कर दिए गए थे।
बेंचों को कोने में धकेल दिया गया था और मेजों को दीवारों से सटा दिया गया था। बस यही स्थिति थी। चालक दल के सभी मुख्य सदस्य उपस्थित थे। सिंदबाद कोने में खड़ा था जबकि इदरीस और अशरफिया प्रेसा को कमरे के बीच में ले गए। ‘ओह, मुझे डर लग रहा है।’ प्रेसा ने कहा। ‘मुझे... डर लग रहा है।’ लंबे काले बालों और तीखी हरी आँखों वाली प्रेसा बोलते समय स्पष्ट रूप से घबराई हुई लग रही थी।
‘तुम यह कई बार कर चुकी हो। तो अब क्यों डर रही हो?’ इदरीस ने प्रेसा को रस्सी से कुर्सी पर बांधते हुए पूछा।
‘तुम लोग मेरे साथ ऐसा क्यों कर रहे हो? मुझे कुर्सी से बांध रहे हो।’ प्रेसा ने गुस्से में कहा। ‘हमने पहले कभी ऐसा नहीं किया, तो अब इस प्यारी सी रस्म को निभाने की क्या ज़रूरत है?’
‘मेरे प्रिय, तुम ऐसे भविष्य का सामना कर रहे हो जहाँ इब्लिस जीवित है।’ अशरफिया ने कहा। ‘तुम देखोगे कि उसे कौन हरा सकता है, कौन रोक सकता है... अगर कुछ है तो। इब्लिस एक शक्तिशाली देवता है, वह तुम्हें इसे ठीक से देखने नहीं देगा। वह शायद तुम्हें रोक भी सकता है या तुमसे लड़ भी सकता है, इसलिए तुम्हें सावधान रहना होगा। तुम्हें पूरी तरह से सुरक्षित रहना होगा।’ ‘क्या?’ वह डर के मारे चिल्लाई। ‘उसे पता चल जाएगा कि मैं मिलने जा रही हूँ?’ उसने कुर्सी से अपने हाथ छुड़ाने की कोशिश की, लेकिन वह उससे कसकर बंधी हुई थी। ‘मैं अब और यह सब नहीं करना चाहती... मुझे बताओ, उसे कैसे पता चलेगा?’ अशरफिया ने आह भरी और इदरीस के साथ सावधानी भरी नजरें मिलाईं। 'उम, खैर, यह सिर्फ एक सिद्धांत है।'
‘सिद्धांत क्या होता है?’
‘वह सर्वव्यापी है। द्रष्टाओं में, वास्तविकता में, और मूल रूप से हर जगह।’ इदरीस ने घबराते हुए कहा।
उस बात को सुनकर सिंदबाद को कंपकंपी महसूस हुई। हालांकि वह समझता था कि प्रेसा इस समय किस दौर से गुजर रही है, फिर भी उसने उसे दिलासा देने की कोशिश की। 'मुझे यकीन है सब ठीक हो जाएगा।'
प्रेसा ने उसे घूरकर देखा। ‘चुप रहो, मूर्ख। वह हमारे साथ यहाँ हो सकता था। वह अभी यहाँ हो सकता था,’ उसने धड़कते दिल और कांपती आवाज में कहा। ‘मैं अभी

शैतान से निपटने के लिए तैयार नहीं हूँ। कृपया। मैंने अपने करियर के बारे में सोचा भी नहीं है! मैं इसके लिए बहुत छोटी हूँ।’
तभी हुसैन ने दबी आवाज़ में कहा, 'उसका यहाँ होना... यह तो वाकई डरावना है।' ‘बिल्कुल,’ सिन्बाद ने सिर हिलाया। ‘प्रेसा, तुम ठीक हो जाओगी। बस अपना जादू दिखाओ,’ उसने आगे आकर उसके कंधे पर थपथपाते हुए उसे दिलासा दिया। ‘लेकिन अगर वह सच में यहाँ हो तो?’ प्रेसा ने घबराकर पूछा।
सिंदबाद ने सबकी ओर देखा—वे उसके जवाब का इंतजार कर रहे थे। 'तो उसे देखने दो कि हम उसे कैसे रोकते हैं।'
प्रेसा ने उसकी ओर देखा और उसके शब्दों में शक्ति पाई। विजयी भाव से देखते हुए उसने कहा, 'धन्यवाद।'
सिंदबाद मुस्कुराया।
‘इसे इतना बचकाना बनाने के लिए। अब मुझे अच्छा लग रहा है। पीछे हट जाओ, तुम सब!’
सिंदबाद अचंभित रह गया, लेकिन उसे खुशी थी कि वह अपने पुराने जोशीले स्वभाव में लौट आई थी।
जैसे ही प्रेसा ने अपनी आंखें बंद करना शुरू किया, बाकी सभी लोग उत्सुकता से कोनों में पीछे हट गए।
कुछ देर तक कुछ नहीं हुआ। फिर कमरे में सन्नाटा छा गया, जिसे केवल जहाज के अशांत होने की आवाज ही तोड़ रही थी। उसके बाद सब कुछ बदल गया। बत्तियाँ टिमटिमाने लगीं। मोमबत्तियों की लौ नीली हो गई और बाहर भयंकर तूफान आ गया। ‘इब्लिस उसे देखने नहीं दे रहा!’ इदरीस चिल्लाया। ‘मैंने इसके बारे में किताबों में पढ़ा है। वह भविष्यवक्ताओं से नफरत करता है।’
‘अगर वह उसे रोक दे तो क्या होगा?’ सिंदबाद ने पूछा।
‘उम...उम...अध्याय में बस इतना ही उल्लेख है, इसलिए हमें द्रष्टाओं के भाग्य के बारे में कुछ नहीं पता।’ साथी सेइड ने उदास स्वर में उत्तर दिया। सिन्बाद ने एक घूंट भरी बात निगल ली। बहुत खूब। मैंने अपनी दोस्त को मौत के मुंह में धकेल दिया।
‘मुझे यकीन है कुछ नहीं होगा,’ इदरीस ने खुद को दिलासा देते हुए कहा और तभी प्रेसा जिस कुर्सी पर बैठी थी, वह हवा में लटकने लगी। वह ऊपर उठने लगी। उसकी आँखें खुल गईं और नीली पड़ गईं। उसका मुँह खुल गया, उससे लार टपकने लगी। उसके हाथ मुड़ने लगे, लेकिन रस्सियों ने उसे रोक दिया। वह बड़बड़ाने लगी, उसका मुँह कई दिशाओं में घूमने लगा, उसकी आँखें और नीली हो गईं। फिर वह हिलना बंद कर गई, अभी भी हवा में लटकी हुई थी। प्रेसा ने सबको हैरानी भरी निगाहों से देखा, इससे पहले कि कुर्सी पूरी ताकत से नीचे गिरी और उसके ऊपर गिरते ही टूट गई। मोमबत्ती की लौ सामान्य हो गई और जहाज के बाहर हवा शांत हो गई। एक पल के लिए, सब कुछ ठीक था। सिंदबाद अपनी दोस्त की ओर दौड़ा, उसे अपनी बाहों में भर लिया और उसकी आँखों में सीधे देखने लगा।
‘क्या तुम ठीक हो?’ उसने पूछा।
प्रेसा ने पलकें झपकाईं और सिंदबाद ने राहत की सांस ली।
भगवान का शुक्र है, वह जीवित है।
सिंदबाद ने राहत की सांस ली।

प्रेसा को खांसी आई और उसने एक कमजोर सी मुस्कान दी, क्योंकि कमरे के अंधेरे में उसकी पीली त्वचा गुस्से से लाल होने लगी थी।
‘पहले तो मुझे खूब सारा मलाईदार मक्खन वाला टोस्ट खाने का मन कर रहा है…’ उसने कहा। ‘लेकिन मेरे पास कुछ खबर है।’ वह फिर खाँसी। ‘मैं ठीक से देख नहीं पा रही थी। कोई शक्ति मेरी दृष्टि को पीछे धकेल रही थी। कोई चीज मेरी शक्तियों को रोक रही थी और मुझे नहीं पता वह क्या थी, लेकिन वह कुछ भयानक रूप से अंधकारमय और वीरान था। जैसे कोई ठंडी अनुभूति, मेरी गर्दन के पिछले हिस्से को छू रही हो। ठंडी, बहुत ठंडी…’ वह काँप उठी, उसके होंठ और भी सूख गए, ‘लेकिन मुझे टुकड़ों में जवाब मिल गए… अगर इससे कोई मदद मिले तो।’ सिंदबाद और बाकी सबने उत्सुकता से सिर हिलाया। 'मेरा मानना है कि समय बहुत महत्वपूर्ण है।'
‘वस्तुएँ। कलाकृतियाँ।’ उसने धीमी आवाज़ में कहा। ‘यही तो इब्लिस की जान है।’
‘कौन सी वस्तुएँ?’
‘शक्ति और महत्व की वस्तुएँ।’ प्रेसा ने खड़े होने की कोशिश करते हुए कहा, क्योंकि उसे बैठने के लिए एक और कुर्सी दी गई थी। ‘इतिहास और मिथकों की। एक है सेट का दीपक, दूसरी है बेवुल्फ की तलवार और तीसरी... तीसरी है असाग का विष। मैंने यही देखा। यही वो वस्तुएँ हैं जो भविष्य में उसका नाश करेंगी।’ ‘ठीक है। तो हम इनका इस्तेमाल कैसे करेंगे?’ हुसैन ने पूछा।
प्रेसा ने सिर हिलाया। 'मुझे कोई अंदाजा नहीं। मैं ऐसा नहीं देख सकती। मुझे बस इतना पता है कि हमें ये वस्तुएं हासिल करनी होंगी, जो किसी न किसी तरह हमारी मदद करेंगी।'
इदरीस ने आह भरी। 'विश्वास नहीं हो रहा कि यह सच है।'
‘क्यों?’ प्रेसा असमंजस में थी।
‘क्योंकि आपने अभी जो कहा, उसके अनुसार ये वस्तुएँ—ये तो इस दुनिया में, कम से कम, अस्तित्व में ही नहीं हैं।’
‘यही तो बात है। मैंने जो कुछ भी देखा, और जहाँ कहीं भी देखा, मुझे एहसास हुआ कि वह इस दुनिया का नहीं, बल्कि कहीं और का था। कोई ऐसी जगह जो हमारी दुनिया जैसी दिखती थी, लेकिन थी नहीं। अगर आपको मेरी बात समझ में आई हो,’ प्रेसा ने उलझन भरे लहजे में जवाब दिया।
‘हम्म,’ अशरफिया ने गुनगुनाते हुए कहा। ‘मैंने इसके बारे में जादू-टोने में सुना है। एक पिशाच सरदार के बारे में जो अपने कर्मों के फल से बचने के लिए अलग-अलग लोकों में घूमता रहता था। हर लोक हमारे लोक से काफी मिलता-जुलता है। यहाँ तक कि हम भी वहाँ मौजूद हैं, बस अलग-अलग रूपों में।’ अशरफिया ने आगे कहा। ‘खैर, मुझे लगता है कि वह एक काउंट था और उसे काले लबादे बहुत पसंद थे।’
‘लोकों में छलांग लगाना? अरे बाप रे, तुम क्या बात कर रहे हो?’ हुसैन ने पूछा। ‘तुम्हारा मतलब है कि हमारे अलावा भी और दुनियाएँ हैं? इस दुनिया के अलावा?’

अशरफिया ने सिर हिलाया। 'बेशक, प्रिय। हम इतने खास नहीं हैं। इसलिए, पूरी संभावना है कि ये वस्तुएँ वहीं की हैं। लेकिन ये...' वह रुकी, '...कहानियाँ और मिथक हैं। लोक पार करने जैसी कोई चीज़ असल में कभी अस्तित्व में नहीं रही।' ‘उस हिसाब से तो दुनिया का अंत भी तब तक सिर्फ किताबों में ही था जब तक वह हुआ नहीं। जैसे कि अभी-अभी,’ इदरीस ने कहा। ‘जो भी हो, हमें इसकी जांच जरूर करनी चाहिए।’
'और हमारे पास समय नहीं है,' मार्कस ने अपनी भारी आवाज में कहा।
जैसे ही सिंदबाद ने प्रेसा की ओर देखा, चारों ओर हल्की फुसफुसाहट फैल गई। उसकी आँखों में कुछ और ही था, कुछ ऐसा जो उसे अंदर ही अंदर परेशान कर रहा था।
‘तुमने और क्या देखा?’ सिंदबाद ने पूछा। ‘सच बताओ।’
कमरे में सन्नाटा छा गया और सबकी निगाहें प्रेसा पर टिक गईं, प्रेसा ने अपने होंठ चाटे। उसने फुसफुसाते हुए कहा, 'सिंदबाद, मैंने तुम्हें देखा। मैंने तुम्हें मरते हुए देखा।'

तीन
इसका कोई मतलब नहीं बनता।
सिंदबाद ने बुदबुदाते हुए शेल्फ से कई किताबों में से एक को फेंक दिया और प्रेसा द्वारा उल्लिखित वस्तुओं के बारे में जानकारी की तलाश जारी रखी। उसने जहाज के एक लॉज में बनाई गई अपनी लाइब्रेरी के अनगिनत पन्ने पलटे। वह विशाल कमरा अब दुनिया भर के संग्रहों से भरा हुआ था, जिनमें उसकी अपनी किताबें, इदरीस की किताबें और चालक दल के अन्य सदस्यों की किताबें शामिल थीं।
उसने बीओवुल्फ की तलवार से अपनी खोज शुरू की थी, लेकिन बाकी वस्तुओं की तरह ही उसे भी निराशा ही हाथ लगी।
सिन्बाद का आत्मविश्वास बढ़ गया था और वह कप्तान के रूप में अपने पद के अनुरूप प्रदर्शन करने लगा था। प्रेसा द्वारा उसकी मृत्यु की भविष्यवाणी ने उसे झकझोर दिया था, जिससे उसके पुराने संदेह और असुरक्षाएँ फिर से जाग उठी थीं। 'यह समझ में नहीं आता।' उसने एक और किताब फेंकते हुए दोहराया। उसका धैर्य धीरे-धीरे खत्म हो रहा था, न केवल इसलिए कि जानकारी बहुत कम थी, बल्कि इसलिए भी कि उसे लग रहा था कि उसने अपने दल को गुपचुप तरीके से निराश किया है—वे लोग जिन्होंने कप्तान के रूप में उस पर भरोसा किया था और अपनी जान भी उस पर सौंपी थी। वह उन्हें सब कुछ बताने के लिए समय और ऊर्जा जुटाना चाहता था, लेकिन उसमें हिम्मत नहीं थी। उसने पानी का एक जग लिया, उसमें से पानी पिया और फिर थोड़ा पानी अपने चेहरे पर छिड़क लिया।
दरवाजे पर दस्तक हुई। जैसे ही इदरीस ने दरवाजा खोला, सिंदबाद ने ऊपर देखा।
वह एक लंबी, मजबूत महिला थी जिसकी निगाहें स्थिर और बैंगनी रंग की थीं।
‘क्या हुआ?’ उसने पूछा।
‘लोग चिंतित हैं,’ उसने जवाब दिया।
‘किस बारे में?’ सिंदबाद ने ऐसे पूछा जैसे उसे पता ही न हो।
'जहाज के भविष्यवक्ता ने अभी-अभी भविष्यवाणी की है कि हमारे कप्तान की मृत्यु हो जाएगी। वे इस बात को लेकर चिंतित हैं।'
सिंदबाद ने थके हुए स्वर में सिर हिलाया। 'शायद मैं ऐसा कर लूँगा। लेकिन अगर मैं अपने बारे में कुछ जानता हूँ, तो वह यह है कि मैं अपनी किस्मत बदलने में काफी माहिर हूँ।'
इदरीस मुस्कुराया। 'शोध की स्थिति कैसी चल रही है?'
‘बेओवुल्फ के बारे में पढ़ना कोई खास दिलचस्प नहीं है। कहा जाता है कि वह एक शक्तिशाली योद्धा था जिसने ग्रेंडेल नामक एक भयानक प्राणी से युद्ध किया और यहाँ तक कि उसकी माँ और एक अजगर को भी मार डाला,’ सिंदबाद ने आँखें

घुमाते हुए टिप्पणी की। ‘ह्रुंटिंग और नेगलिंग जैसी तलवारें चलाने के बावजूद, वे उसके लिए कुछ खास काम की साबित नहीं हुईं। ह्रुंटिंग ग्रेंडेल को मारने में नाकाम रही, और उसे अपने खाली हाथों से ही लड़ना पड़ा। अगर वह एक साधारण राक्षस को तलवार से नहीं हरा सका, तो शैतान के सामने उसकी क्या उम्मीद होगी?’ सिंदबाद ने आह भरते हुए एक पन्ना खोला और उसे इदरीस को दिखाया। ‘हालाँकि, एक तलवार ऐसी भी है जिसके बारे में ज्यादा नहीं लिखा गया है। यह तलवार एक दैत्य की थी। उसने इसे उस गुफा में लटका हुआ पाया जहाँ वह ग्रेंडेल की माँ को मारने गया था और उसी से उसने उसे मार डाला। तलवार जाहिर तौर पर कभी नहीं मिली। वह ग्रेंडेल के साथ ही नष्ट हो गई, लेकिन क्या पता...’ ‘दूसरे लोक में शायद यह नष्ट नहीं हुआ होता,’ सिंदबाद ने आगे कहा और इदरीस ने सहमति में सिर हिलाया। ‘और सेट का दीपक? मिस्र के अराजकता के देवता के पास तो कभी दीपक था ही नहीं,’ उसने एक ऐसे देवता की तस्वीर दिखाते हुए कहा जिसका सिर किसी जानवर के सिर जैसा था, जिसे शब्दों में बयान करना मुश्किल था। ‘वह जिन्न तो नहीं था, लेकिन उसके काफी करीब था। वह निश्चित रूप से एक धूर्त था। उसने अपने भाई ओसिरिस को मार डाला, उसके टुकड़े-टुकड़े कर दिए और अपने भतीजे को बुरी तरह घायल कर दिया। वह शुरू से ही एक भयानक देवता था, लेकिन इस लोक में उसकी मृत्यु कम से कम उसके भतीजे होरस के हाथों हुई।’ 'शायद वह दूसरे लोक में नहीं मरा बल्कि किसी दीपक में फंस गया?' इदरीस ने सुझाव दिया।
‘हो सकता है,’ सिन्बाद ने कंधे उचकाते हुए कहा। ‘कोई भी अनुमान लगा सकता है।’
‘असाग के जहर का क्या हुआ?’ इदरीस ने पूछा।
‘यह सबसे दिलचस्प है,’ उसने ऊपर देखते हुए कहा। ‘शिकारियों का संघ, जिसे मेसोपोटामिया के शिकार और वीरता के देवता निनुर्ता के नाम से भी जाना जाता है,’ सिंदबाद ने आगे कहा, ‘वही है जिसने अपने कई युद्धों और शिकारों में से एक में विशालकाय सर्प असाग को हराया था। यह हमारे अपने निनुर्ता संघ के इतिहास का हिस्सा है। पहले सेइड, नुहराद ने तो बगदाद संघ के बीच में इसकी एक पत्थर की मूर्ति भी बनवाई थी। मुझे याद है कि मैंने इसे बचपन में देखा था।’ सिंदबाद को अपने पहले गुरु, मास्टर रीस से डांट खाते हुए संघ के गलियारों में घूमने की प्यारी यादें ताजा हो गईं। वह उन्हें याद करता था, भले ही वह एक बहुत ही बुरे इंसान थे। ‘लेकिन इसमें बस इतना लिखा है कि निनुर्ता ने असाग को मारने के लिए बोलने वाले गदा, शारूर का इस्तेमाल किया था। हालांकि कुछ अफवाहें हैं कि असाग की झील, जहां उसकी मृत्यु हुई थी, जहरीली हो गई थी, जिसे निनुर्ता ने पी लिया और उसकी भी मृत्यु हो गई।’ ‘क्या होगा अगर उसने इसे पिया न हो बल्कि किसी दूसरे लोक में छिपाकर रखा हो?’ इदरीस ने पूछा।
‘हाँ,’ सिंदबाद ने सोचते हुए कहा। ‘ये सारी चीज़ें यहाँ मौजूद नहीं हैं, लेकिन ये दूसरे लोकों में हो सकती हैं। मैं दूसरे लोकों के बारे में जानकारी ढूँढ़ने की कोशिश कर रहा हूँ, और मुझे सिर्फ़ नॉर्स पौराणिक कथाएँ ही मिल पा रही हैं। हेइमडाल की हर लोक पर नज़र रहती थी।’ सिंदबाद असगार्ड के द्वारपाल, यानी देवताओं के लोक के बारे में बात कर रहा था। चित्रों से

उसे पता चला कि हेइमडाल एक विशालकाय व्यक्ति था जिसके सुनहरे दाँत, सुनहरी आँखें और शायद सुनहरी त्वचा भी थी। वह एक सींग पकड़े हुए था जो नॉर्स पौराणिक कथाओं में उसके द्वारा संरक्षित लोकों को सचेत करता था।
'तो फिर हमें सबसे पहले उसी से सलाह लेनी चाहिए,' इदरीस ने आत्मविश्वास से कहा।
'वह राज्यों की रक्षा करता है, निश्चित रूप से, लेकिन नॉर्स पौराणिक कथाओं में केवल नौ राज्यों की,' सिंदबाद ने कहा।
“ये नौ लोक संसार के लिए हैं, सिंदबाद,” इदरीस ने कहा। “मैं इन अन्य रहस्यमय लोकों के बारे में इतना ही जानता हूँ कि इनमें प्रवेश करना मना है। ऐसा करना घोर पाप माना जाता है क्योंकि इससे संपूर्ण व्यवस्था में असंतुलन उत्पन्न हो सकता है।” इदरीस ने समझाया, “इसीलिए इन लोकों का ज्ञान इतने लंबे समय तक छिपा रहा... अब तक। हमें द्वारपाल की खोज करनी होगी। यही एकमात्र उपाय है, इदरीस।”
इदरीस ने सिर हिलाया। 'लेकिन गिल्ड के कई स्रोतों के अनुसार, हेइमडाल से सीधे संपर्क नहीं किया जा सकता। जब वह मिलना चाहेगा, तभी आप उससे मिल सकते हैं।'
‘मुझे पता है,’ उसने जवाब दिया। ‘लोगों ने जादू, टोना, तंत्र-मंत्र और तरह-तरह के फर्जी अनुष्ठानों का इस्तेमाल करके उस तक पहुँचने की कोशिश की है, लेकिन अब तक कोई भी कामयाब नहीं हुआ है। गिल्ड को भी ऐसा करने में काफी मुश्किल हुई है,’ वह मुस्कुराया।
इदरीस भी मुस्कुराई। उसने उसके कंधे पर थपथपाया और फिर सपाट पड़ी किताब की ओर चल पड़ी, जिसमें हाइमडाल की कलाकृति थी।
‘इनका डिजाइन काफी अच्छा है।’
'हाँ, इस भयानक तमाशे के शुरू होने से पहले मैंने मार्कस को उसके खाली समय में जो कुछ काम करने को कहा था, उनमें से एक था कुछ चित्र बनाना। उसके जैसे क्रूर व्यक्ति के लिए, वह दिए गए विवरणों से प्रेरित होकर कुछ नाजुक और कलात्मक काम करता है।'
‘वाह!’ इदरीस थोड़ा अचंभित होकर बुदबुदाया। ‘यह कौन सा सींग है जिसे हेइमडाल लिए हुए है?’
सिन्बाद ने जवाब दिया, 'उम... ग्यालारहॉर्न—वह यंत्र जो प्रलय शुरू होने पर चेतावनी देगा। इसे हेइमडाल बजाता है क्योंकि उसे इसका आभास बहुत पहले हो जाता है। यह एक मिथक है।'
‘मैं समझ गया,’ इदरीस ने सिर हिलाते हुए कहा, ‘लेकिन मैं दूसरे सींग की बात कर रहा हूँ। वह छोटा वाला जिस पर तारे बने हुए हैं।’
‘ओह उम…’ सिंदबाद ने अपनी आँखें सिकोड़ीं। ‘सचमुच कोई अंदाज़ा नहीं। क्यों?’
इदरीस चुप रही, अपनी भौंहें चढ़ाते हुए बोली, 'मैंने इसे कहीं देखा है... और यह इस सुनहरे दांतों वाले देवता पर नहीं था।'
‘तो फिर और कहाँ?’
इदरीस सोच में डूबी हुई थी। लंबे मौन के बाद उसने कहा, 'खलीफा का अध्ययन कक्ष, जो उनके मंत्रिमंडल में है।'

‘क्या?’ सिंदबाद चौंककर बोला। ‘मैं उसके अध्ययन कक्ष में गया था, लेकिन वहाँ कुछ भी नहीं था।’
‘नहीं, आप उनके दफ्तर गए होंगे। उनका अध्ययन कक्ष ही उनकी कलाकृतियाँ रखने की जगह है। मैं वहीं थी जब उन्होंने हमें पिशाचों को पकड़ने का मिशन सौंपा था। यह तब की बात है जब मैं… एमिर से नहीं मिली थी,’ उन्होंने अपने बिछड़े हुए पति का जिक्र करते हुए धीरे से कहा, और फिर रुककर एक गहरी मुस्कान दी। ‘मुझे याद है क्योंकि मैंने उसे देखा था और मुझे उसका डिज़ाइन पसंद आया था। और मुझे पूरा यकीन है कि यह कोई सस्ती नकल नहीं है क्योंकि अध्ययन कक्ष में हर तरह की अनोखी, असली चीजें रखी हुई हैं।’
'क्या आपको लगता है कि हेइमडाल ने यह उसे दिया होगा?'
इदरीस ने कंधे उचकाते हुए कहा, 'जो हुआ सो हुआ, कौन जाने? मुझे इतना पता है कि अब हमारे पास एक सुराग है जो हेइमडाल को जानता है और शायद उससे मिला भी है। हमें इस मामले की तह तक जाना चाहिए, किताबों पर विचार करने का समय नहीं है।'
‘यह सच है,’ सिंदबाद ने दांत पीसते हुए चिंता से कहा, उसे अब्बासिद खिलाफत के उत्तराधिकारी हारून अल-रशीद से मिलने और उसे यह बताने की चिंता सता रही थी कि उसने वह मिशन कैसे खो दिया जो उस व्यक्ति ने उसे सौंपा था, जिसके परिणामस्वरूप सिंदबाद निराश हो गया था। इसके अलावा, अब उसे यह एहसान भी मांगना था, ‘हे, क्या आप मुझे द्वारों के देवता द्वारा दी गई एक अनमोल वस्तु दे सकते हैं ताकि मैं दुनिया को बचा सकूं... और शायद फिर से हार जाऊं?’ 'ठीक है। बगदाद के लिए रवाना हो जाओ। इस बार हम आसमान का इस्तेमाल करेंगे।' 'ठीक है, कैप्टन।' इदरीस मुस्कुराते हुए दरवाजे की ओर बढ़ी, फिर रुक गई। 'इस बार मैं आपके साथ चलूंगी।'
सिन्बाद को वजह पता थी। उसका पिशाच पति, एमिर, अभी भी जेल में बंद था।
‘मैं समझ गया,’ सिन्बाद ने कहा।
इदरीस ने हल्की सी मुस्कान दी। 'दुनिया का अंत होना ही है, और हम एक हारी हुई लड़ाई में बस तिनके का सहारा ले रहे हैं, लेकिन अगर इसका अंत होना ही है, तो मैं अपने पति के साथ अपने अंतिम दिन बिताना चाहूंगी, चाहे जैसे भी संभव हो।'
सिंदबाद ने सिर हिलाया। 'बिल्कुल, मैं समझता हूँ। लेकिन हम उस तक कैसे पहुँचेंगे?'
‘यह मेरी समस्या है। तुम मिशन पर ध्यान दो।’ इतना कहकर इदरीस मुस्कुराते हुए चली गई।
सिंदबाद अपनी लाइब्रेरी में कुर्सी पर बैठा सोच रहा था कि क्या कोई ऐसा व्यक्ति है जिसके साथ वह अपने अंतिम दिन बिताना चाहेगा। आराम करते हुए और अपने द्वारा किए गए सभी कारनामों और यहाँ तक पहुँचने के लिए हासिल की गई उपलब्धियों पर विचार करते हुए, उसने छत और दरवाजों को देखा। धीरे-धीरे गहरी नींद में डूबते हुए, जब उसने आँखें खोलीं तो खुद को एक सफ़ेद बालों वाले, पतली दाढ़ी वाले और कोमल, चमकती नीली आँखों वाले व्यक्ति के सामने पाया।

‘नमस्कार, आप यहाँ हैं,’ उस व्यक्ति ने मुस्कुराते हुए कहा। वह बूढ़ा और बुद्धिमान लग रहा था। ‘सिंदबाद, आखिरकार आपसे मिलकर बहुत खुशी हुई।’ मैं कहाँ हूँ? तुम कौन हो?
‘अरे, क्या आप मुझे पहचान नहीं रहे? बेशक, आप नहीं पहचान रहे होंगे।’ वह गर्मजोशी से मुस्कुराया। ‘आखिरकार, मैं इब्लिस हूँ।’

चार
सिंदबाद सदमे से चीख उठा।
इब्लिस चीख पड़ा। लेकिन जल्द ही उसने खुद को संभाला और गहरी सांस ली। 'मुझे इस तरह मत डराओ, बेटे।'
सिंदबाद असमंजस में था। उसकी आँखें किसी प्रकार के अंधकार और निराशा की तलाश कर रही थीं, पर उसे कुछ नहीं मिला। बल्कि वहाँ गर्माहट और आशा थी। उसे लगा कि वह बंधा हुआ है, पर वास्तव में वह बंधा हुआ नहीं था। वह भाग सकता था, फिर भी भागने की इच्छा नहीं हो रही थी। क्योंकि वहाँ कोई खतरा नहीं था। वह एक जंगल में था, ऐसे वन में जहाँ झींगुर चहचहा रहे थे और बादल सुंदर दिख रहे थे। गौरैया चहचहा रही थीं और पानी चमकते हुए बह रहा था।
‘मैं कहाँ हूँ?’ सिंदबाद ने पूछा।
'खैर, यह एक तकनीकी सवाल है। आप यहां हैं, लेकिन आप अपने जहाज पर भी हैं, मेरा मानना है कि अगर मेरे स्रोत सही हैं। इसका मतलब है कि आपकी चेतना मेरे साथ है, लेकिन आपका शरीर वहीं है जहां आप सो गए थे।'
सिंदबाद असमंजस में पलकें झपकाईं। उसने इब्लिस को देर तक देखा, उसके बालों और मुकुट को निहारा। उसके बाल चाँद की तरह शुद्ध चाँदी जैसे थे और मुकुट उस पर खूब जँच रहा था। उसके चेहरे पर कठोरता थी, मानो वह किसी युद्ध से लौटा हो, फिर भी उसकी आँखें कोमल थीं। लेकिन उसका शरीर छोटा था—काफी छोटा—और बिल्कुल भी बलवान या हट्टा-कट्टा नहीं था। उसने अपने कुर्ते के ऊपर एक बड़ा सा फर का लबादा ओढ़ा हुआ था, जिसके साथ उसने साधारण चप्पलें पहनी हुई थीं। उसके हाथ में एक छोटी छड़ी थी। उसके पास कोई हथियार नहीं था और न ही कोई सेना। बस एक आम आदमी।
मैंने तुम्हें देखा... मैंने देखा...
‘हाँ, मुझे पता है। असल में वो मैं ही था जो खुद को समेट रहा था। ये मैं ही था, क्लिटॉप में बिताए दिनों का, जहाँ मैं लगभग दस हज़ार साल या उससे भी ज़्यादा समय तक फँसा रहा। मैंने गिनती करना बंद कर दिया था। लेकिन ये मैं ही हूँ... ये मैं दिखता हूँ।’ वो एक मसखरे की तरह मुस्कुराया। ‘माफ़ कीजिएगा, आपको निराश करने के लिए। मुझे लगता है कि आपने मेरी एक अलग छवि बनाई थी।’
'हां... बड़े सींग, लाल चेहरा, काली आंखें।'
इब्लिस हँस पड़ा। 'हाँ, यह उन लोगों द्वारा किया गया पारंपरिक चित्रण है जो मुझे पसंद नहीं करते। लेकिन मैं बिल्कुल भी वैसा नहीं हूँ।'

‘लेकिन... लेकिन तुम इब्लिस हो, शापित, शैतान, अंधकार के रक्षक, राक्षसों के अड्डे, लोगों के शत्रु, शैतान...’ सिंदबाद को इसके लिए पर्यायवाची शब्द ढूंढने में मुश्किल हो रही थी।
‘तुम “ओल्ड स्क्रैच” भूल गए। मुझे यह नाम कभी पसंद नहीं आया। इससे मुझे बिल्ली जैसा एहसास होता है,’ इब्लिस ने गंभीरता से कहा, ‘हालांकि, बातचीत के लिए, मैं खुद को हेयलेल, प्रकाश वाहक कहना पसंद करता हूँ। यह मेरा असली नाम है, जानते हो? दुख की बात है कि अब कोई इसके बारे में जानना नहीं चाहता,’ उसने विलाप किया। ‘सबको एक खलनायक चाहिए था, और उन्होंने मुझे ही खलनायक बना दिया।’
इब्लिस खड़ा हुआ और सिंदबाद को अपना हाथ बढ़ाते हुए बोला, 'चलो, खड़े हो जाओ! मैं तुम्हें आसपास घुमा देता हूँ।'
‘आप मुझे आखिर क्या दिखाने वाले हैं?’ सिंदबाद ने पूछा।
'मेरा शिविर, बिल्कुल। दुर्भाग्य से, आप उन्हें केवल देख सकते हैं, उनसे बातचीत नहीं कर सकते क्योंकि आप यहां हैं लेकिन वास्तव में एक ही समय में यहां मौजूद नहीं हैं।'
सिन्बाद ने इब्लिस के हाथ को संदेह भरी निगाहों से देखा। उसने उसका हाथ न पकड़ने का फैसला किया और खुद ही उठ खड़ा हुआ। इब्लिस थोड़ा निराश लग रहा था, लेकिन चलता रहा।
‘तुम मुझे यहाँ कैसे लाए? मुझे यहाँ क्यों लाए?’ सिंदबाद ने पूछा।
'पहले सवाल का जवाब काफी सीधा है: क्योंकि मैं कर सकता हूं।'
और दूसरे के बारे में क्या?
‘क्योंकि आपके मन में प्रश्न हैं, और मैं आपको उनके उत्तर देना चाहता हूँ।’ उनकी आवाज़ शहद की तरह मधुर थी।
शैतान रुका और पीछे मुड़कर देखा। ‘तुम काफी समय से मेरे दुश्मन रहे हो। तुमने मेरी बेटी को चुरा लिया और मेरी योजनाओं को नाकाम कर दिया। मैं तुमसे कभी सीधे बात नहीं कर पाया। मैंने सोचा कि अब मिलने का समय आ गया है ताकि तुम जान सको कि मैं क्या कर रहा हूँ।’
जैसे-जैसे वे आगे बढ़ते गए, सिंदबाद ने पार्क में खेलते हुए एल्फ बच्चों को देखा। मनुष्यों से अलग, वे काले एल्फ थे। ड्रॉगर, जो अपने आसपास की चीजों के मिश्रण से बने मरे हुए प्राणी थे, पत्थरों से खेल रहे थे। नेफिलिम, वे गिरे हुए देवदूत जिनसे सिंदबाद ने कई बार लड़ाई की थी और उन्हें मार डाला था, अब अपने परिवारों के साथ तंबुओं में सो रहे थे, खाना पका रहे थे और हंस रहे थे। क्षितिज से मिलती पहाड़ियों तक बड़े-बड़े तंबू कतार में लगे हुए थे, और वेयरहाइना (जंगली भेड़ियों जैसे जानवर) बाहरी इलाकों की रखवाली कर रहे थे।
सिंदबाद ने जिन दुश्मनों से लड़ाई की थी, वे सब यहाँ मौजूद थे, लेकिन यहाँ वे खतरनाक नहीं थे। वास्तव में, उनके अपने परिवार, बच्चे और जीवन थे। सिंदबाद को विश्वास नहीं हो रहा था कि इब्लिस के प्रकट होने से पहले पिछले कुछ दिनों में इतना कुछ बन गया था। उन सभी प्राणियों के बीच, सिंदबाद को सफीना या फातिमा को देखने की उम्मीद थी, लेकिन वे कहीं भी दिखाई नहीं दे रही थीं।

‘यह क्या है?’ उसने पूछा।
‘एक सुरक्षित ठिकाना।’ इब्लिस ने उत्तर दिया।
‘किसलिए?’ सिंदबाद की आवाज जिज्ञासा से भरी हुई थी।
‘हम जैसे लोगों के लिए, सिंदबाद। खैर, खास तौर पर तुम्हारे लिए नहीं, बल्कि मेरे और बाकी सबके लिए।’ इब्लिस ने स्पष्ट किया। ‘मैं चाहता था कि तुम जानो कि जिन खलनायकों से तुमने इतने लंबे समय तक लड़ाई लड़ी, उन सभी के परिवार हैं। वे सिर्फ प्राणी नहीं हैं। वे भी इंसान हैं, जिनके दिल, दिमाग, बच्चे, उम्मीदें और सपने हैं।’
जैसे ही वे दोबारा जंगल में दाखिल हुए और एक छोटे से खुले मैदान में पहुंचे, जहां वह बीच में रुक गया, उसके दिल में अपराधबोध की एक लहर दौड़ गई।
सिंदबाद को द्वीप की दूर स्थित खाइयाँ दिखाई दे रही थीं, जिनके सामने विशाल महासागर फैला हुआ था, और द्वीप चारों ओर से अंतहीन जल से घिरा हुआ था। जीवों के झुंड के अलावा, दूर-दूर तक कोई भूमि दिखाई नहीं दे रही थी। इस दृश्य को और भी भव्य बनाते हुए, द्वीप पर एक विशाल ज्वालामुखी शान से खड़ा था।
जैसा कि मैंने तुम्हें बताया, जब मेरा सृजन हुआ, तो मैं प्रकाश का वाहक था। हम सब किसी चीज़ द्वारा सृजित हुए थे... हम नहीं जानते क्या, लेकिन हमें नाम दिए गए थे, और यही नाम मुझे दिया गया था। तुम्हें पता है, सिंदबाद, नामों में बहुत शक्ति होती है। हेयलेल, प्रकाश का वाहक होने के नाते, मेरा काम उन स्थानों को प्रकाशित करना था जहाँ मैं जाता था और लोगों को दिशा देना था। जीव, राक्षस, वे सब मेरे थे। मैं उनका नायक था। मैं एक मा'लक, एक देवदूत था, और मुझे उनकी रक्षा करने का दायित्व सौंपा गया था। लेकिन समस्या यह थी कि हम क्लिटोप नामक बंजर भूमि में रहते थे। वह एक भयानक जगह थी जहाँ न पानी था और न खाने को। लोग नरभक्षी बन गए, और मैं अब उनकी रक्षा नहीं कर सकता था। इसलिए, मैंने मदद के लिए पुकारा। लेकिन किसी ने नहीं सुना। और फिर, एक दिन, मुझे एक अवसर मिला...' 'मा'लक? अज़राएल की तरह?' सिंदबाद ने उस शत्रु के बारे में पूछा जो एक पतित देवदूत भी था।
‘उससे भी बड़ा। काफी बूढ़ा।’ उसने सिंदबाद की ओर मुस्कुराते हुए जवाब दिया।
‘मुझे पृथ्वी बनाने का काम सौंपा गया था। कई मा’लकों के साथ मिलकर हमने वह पृथ्वी बनाई जिसे आप जानते हैं और जिस पर आप रहते हैं,’ इब्लिस ने अपनी भौंहें चढ़ाते हुए कहा। ‘यह मेरे और मेरे लोगों के लिए थी। जिस बंजर भूमि पर हम रहते थे, उसके बाद यह उपजाऊ भूमि मिलना एक आशीर्वाद था। मेरी खुशी का अंदाजा लगाइए। जिसने भी मेरी आवाज सुनी, वह मेरी खुशी महसूस कर सका। फिर भी, कुछ गड़बड़ थी। अचानक, मनुष्य उस पृथ्वी पर घूमने लगे जिसे हमने बनाया था।’ उसकी मुस्कान फीकी पड़ गई। ‘जब मेरे लोगों के लिए बनाई गई चीज़ उनसे अचानक छीन ली गई और उन्हें बेसहारा छोड़ दिया गया, तो मेरे सदमे की कल्पना कीजिए। मैं दुखी था, बहुत दुखी। मुझे धोखा महसूस हुआ। इसलिए, मैंने अन्य मा’लकों के खिलाफ मोर्चा संभाला। मैंने उनसे कहा कि मेरे लोग इस तरह नष्ट नहीं होंगे और न ही कष्ट सहेंगे, लेकिन उन्होंने कहा कि उन्हें कोई परवाह

नहीं है। इस प्रकार, युद्ध शुरू हुआ। मैंने पलटवार किया, और मेरे विद्रोह को प्रतिशोध के रूप में लिया गया। मुझे मेरे लोगों के साथ क्लिटोप में निर्वासित कर दिया गया।’ हम वहाँ फँस गए थे, जहाँ मा'लक और मनुष्य एक-दूसरे से लड़ रहे थे।’ सिंदबाद ने इब्लिस के आगे बोलने का इंतज़ार किया, लेकिन उसने कुछ नहीं कहा, इसलिए सिंदबाद ने पूछा, ‘क्या इसीलिए तुम ऐसा कर रहे हो? दुनिया का अंत?’
‘नहीं, नहीं,’ इब्लिस ने सिर हिलाते हुए जवाब दिया। ‘मैं इतनी खूबसूरत चीज़ को क्यों खत्म करना चाहूँगा? नहीं।’ उसने फिर से सिर हिलाया, तभी सफेद सींगों वाला एक हिरण दिखाई दिया और वह उसे सहलाने लगा। ‘मेरी बातों को हमेशा गलत संदर्भ में लिया गया। मेरा मकसद दुनिया को खत्म करना नहीं था,’ इब्लिस रुका, ‘बल्कि इस पर रहने वाले लोगों को खत्म करना था।’
जैसे ही इब्लिस की आवाज़ गरजती हुई और अधिक भयावह होती गई, सिंदबाद की रीढ़ में सिहरन दौड़ गई। यह स्पष्ट था कि उसने ताज क्यों पहना था; एक राजा की तरह उसका एक स्पष्ट मिशन था। 'मैं तुम्हें रोकूंगा।' सिंदबाद ने दांत भींचते हुए धीमी लेकिन स्पष्ट आवाज़ में कहा।
‘तुमने जो यात्रा की,’ इब्लिस ने कंधे उचकाते हुए कहा, ‘उसका मकसद तुम्हें यह एहसास दिलाना था कि तुम किसके खिलाफ हो, किससे लड़ रहे हो। मुझे पता है तुमने अपनी उस प्यारी भविष्यवक्ता दोस्त के साथ क्या करने की कोशिश की। वो एक लड़ाकू है, मैं तुम्हें बता रहा हूँ। उसने भविष्य से सही जानकारी हासिल कर ली, और मैंने उसे रोकने की कोशिश की, लेकिन अफसोस... रोक नहीं पाया।’ उसने आह भरी। ‘तुम मुझे रोकने की कोशिश कर सकते हो, सिंदबाद। लेकिन धरती के लोगों को खत्म करने का इरादा, वो एक पुराना विचार था, एक पुराना मिशन था, इसलिए इसे इतना व्यक्तिगत रूप से मत लो।’ वह ऐसे हँसा जैसे सामूहिक नरसंहार कोई मज़ाक हो। ‘मैंने तुम्हें और तुम्हारे छोटे से दल और तुम्हारे बाकी मुट्ठी भर लोगों को देखा है। अब मुझे तुम्हारी जाति पर पहले से ज़्यादा भरोसा होने लगा है। मैं तुम सबके साथ मिलकर काम करना चाहता हूँ और हमारे सह-अस्तित्व का रास्ता खोजना चाहता हूँ। और मुझे यकीन है कि हम ऐसा कर लेंगे। इसीलिए मैंने तुम सबको बचाया। तुम मुझे मानवता के बारे में उम्मीद देते हो।’
सिन्बाद झूठ का कोई सुराग ढूंढने की कोशिश कर रहा था, पर उसे कुछ नहीं मिला। इब्लिस वाकई बहुत अच्छा था। लेकिन वह सखर की तरह दोबारा उसके झांसे में नहीं आना चाहता था। उस चोटी वाली बुढ़िया ने उसे बहकाया था, लेकिन इब्लिस के मामले में उसे सावधान रहना होगा।
मैं तुम्हारे साथ कभी काम नहीं करूंगा।
“ओह, बेरोज़गारी वाकई बहुत मुश्किल होती है, बेटे,” उसने सिर हिलाते हुए कहा। “मुझे उम्मीद है कि मैं तुम्हारा मन बदल पाऊँगा, और तुमसे फिर मिलने की उम्मीद है। लेकिन तब तक, बस एक ही गुज़ारिश है—उन चीज़ों के पीछे भागना छोड़ दो, उन सब के पीछे भागना छोड़ दो, और मैं वादा करता हूँ, हम कोई बीच का रास्ता निकाल लेंगे।” उसकी मुस्कान फीकी पड़ गई। “यह एक गुज़ारिश है।” लेकिन यह आदेश जैसा लग रहा था। और फिर सिंदबाद पसीने से भीगा हुआ जाग उठा।

जहाज बुरी तरह हिल रहा था। सिंदबाद भ्रमित था और सोच रहा था कि वह कितनी देर सोया है। खिड़की से बाहर देखते हुए उसने पाया कि वे अरब के ऊपर से उड़ रहे थे, लेकिन कोई चीज़ उनके रास्ते में रुकावट डाल रही थी। उसे चालक दल के सदस्यों के आग लगने की चीखें सुनाई दे रही थीं और अफरा-तफरी मची हुई थी। अचानक, हुसैन उसके कमरे में दाखिल हुआ, उसके बाल बिखरे हुए थे और वह हांफ रहा था।
उन्होंने आपातकालीन स्थिति में घोषणा की, 'हमारे पास कोड रेड है।' सिन्बाद चौंक गया। 'कोड रेड क्या होता है?'
‘आपातकाल!’ हुसैन ने अधीरता से कहा।
‘हम कब से कोड का इस्तेमाल करने लगे?’ सिंदबाद ने उलझन में पूछा।
‘अभी यह महत्वपूर्ण नहीं है! हमारे पास कोड रेड है और यह बिल्कुल बाहर है।’ सिन्बाद ने एक बार फिर खिड़की से बाहर झाँका, और जिसे उसने पहले बादल समझा था, वह वास्तव में उसकी अपेक्षा से कहीं अधिक करीब था। वह एक वाइवर्न था।

पाँच
डिजाइन के अनुसार, एक वाइवरन प्राचीन ड्रैगन जैसा दिखता था - बस उसका एक छोटा, अधिक विषैला और खुरदरा दिखने वाला संस्करण।
जब तक सिंदबाद डेक पर पहुंचा, तब तक उसने देखा कि वहां सिर्फ एक नहीं बल्कि कई सारे वाइवर्न थे। सभी जहाज के चारों ओर झुंड बनाकर चक्कर लगा रहे थे। ‘क्या हो रहा है?’ अशरफिया ने उसकी ओर दौड़ते हुए पूछा।
सिन्बाद पूरी तरह से भ्रमित था। वह बगदाद के एक ऊंचे इलाके में था, और शहर की कड़ी सुरक्षा व्यवस्था और गिल्ड द्वारा ऐसे जीवों से बचाव को देखते हुए, यह असंभव था कि यहाँ किसी भी तरह के सर्प जैसे दिखने वाले ड्रैगन, जिनमें वाइवरन भी शामिल थे, दिखाई दें। सिन्बाद ने जल्द ही वाइवरनों में कुछ अजीब देखा। उनकी गर्दन लोहे से जकड़ी हुई थी और उनके पंखों पर चांदी के छेद थे, मानो उन्हें यातना दी गई हो। वे युवा प्रतीत हो रहे थे और किसी बाहरी शक्ति के नियंत्रण में थे, अपनी इच्छा के विरुद्ध चल रहे थे। सिन्बाद को यह समझने में ज्यादा समय नहीं लगा कि उन्हें कौन नियंत्रित कर रहा था।
*

बादलों, आसमान और तूफानी हवाओं के बीच, उसने वाइवरन पर सवार लोगों को देखा। वे सेइड थे, जो इन जीवों को पालतू जानवरों की तरह मानते थे। इन सवारों ने लंबे-लंबे लबादे पहन रखे थे जो उनके पीछे लहरा रहे थे, और उन पर निनुर्ता का चिन्ह बना हुआ था—वही चिन्ह जो सिंदबाद ने अपनी छाती पर उकेरा था। 'जहाज रोको।' सिंदबाद ने आदेश दिया। 'वे सेइड हैं। वे शायद बात करना चाहें।' ‘यह अच्छा विचार नहीं है,’ इदरीस ने उसके बगल में खड़े होकर कहा। ‘पिछली बार जब हम उनसे मिले थे, तो वे हमें मारना चाहते थे।’
सिंदबाद थोड़ी देर रुका। 'यह सच है, लेकिन ये बेहद मुश्किल समय है, और मुझे लगता है कि अब हमारे दुश्मन दोस्त बन गए हैं।'
इदरीस ने उदास भाव से सिर हिलाया, वह इस फैसले से पूरी तरह सहमत नहीं था, लेकिन फिर भी उसने इसे मान लिया। मार्कस ने अपने दल को निचले डिब्बों से चप्पू चलाना बंद करने का निर्देश दिया, जिसके बाद जहाज की गति धीरे-धीरे कम हो गई। इसी बीच, अशरफिया ने अपने जादू का इस्तेमाल करके जहाज को आगे बढ़ने से रोक दिया, क्योंकि आकाश में वाइवर्न उनका चक्कर लगाते रहे।
जब उन्हें एहसास हुआ कि सिंदबाद से कोई खतरा नहीं है, तो अजगर नीचे उतरे और जहाज पर बैठ गए, यहाँ तक कि एक अजगर सिंदबाद के बिल्कुल पास आ गया। सिंदबाद ने उस छोटे अजगर को उसके पूर्ण विकसित, खुरदरे और बदसूरत रूप में देखा, जो

हरे और काले रंग के धारियों और काले पंजों से सजा हुआ था। अजगर ने उन पर गुस्से से घूरते हुए चीख मारी।
‘गिल्ड के आदेश पर…’ ड्रैगन पर बैठे उड़ान मास्टर ने कहना शुरू किया, तभी सिंदबाद की नज़र उस आदमी के तिल पर पड़ी। उस आदमी ने भी सिंदबाद की चिड़चिड़ी निगाहों को देखा और उसे पहचान का आभास हुआ। ‘हे भगवान, हम फिर से मिल गए, सिंदबाद!’
‘ज़ाहिर,’ सिन्बाद ने आँखें घुमाईं। ‘मुझे तुम्हारे लिए अपना जहाज नहीं रोकना चाहिए था,’ उसने अपने उस चालाक प्रतिद्वंद्वी से कहा, जिसने पिछली मुठभेड़ के दौरान सिन्बाद को जान से मारने की कोशिश की थी, जब ज़ाहिर सिन्बाद और सफ़ीना को खोजने के मिशन पर था।
‘बिल्कुल। और देखो यहाँ और कौन है।’ ज़ाहिर ने इदरीस को घूरते हुए हँसते हुए कहा। ‘यहाँ तो खुद गद्दार है। उसे तुम्हारी जासूसी करने भेजा गया था और फिर वह गिल्ड के ही खिलाफ हो गई। और क्या? यहाँ एक पिशाच है। यहाँ एक...’ उसने हुसैन की तरफ देखा, उसे समझ नहीं आ रहा था कि वह कौन है। ‘मैं तुम्हें नहीं जानता। तुम कोई खास नहीं होगे।’
ज़ाहिर शरारती हंसी हंसते हुए चारों ओर चक्कर लगाने लगा, तभी जिस अजगर पर वह सवार था, वह खतरनाक ढंग से गुर्राने लगा। डेक पर मौजूद चालक दल के सदस्य डर के मारे पीछे हट गए, वे इस दृश्य से भयभीत हो गए थे।
‘और सोचो, मैंने तो तुम्हें आसमान में उड़ान भरते समय पकड़े गए कुछ दुश्मन समझ लिया था। इतनी रात को घुसपैठ करने के जुर्म में हम तुम्हें पकड़ लेते, लेकिन... अरे नहीं, तुम सिर्फ़ घुसपैठिए नहीं हो। तुम पर राजद्रोह का आरोप है। तुम गद्दार और बुराई के संग्राहक हो,’ फ्लाइट मास्टर ने सिंदबाद की ओर इशारा करते हुए व्यंग्य किया। फिर उसकी नज़र डेक की ओर गई। ‘बुराई की बात हो, तो प्यारी लड़की कहाँ है? क्या वह डेक पर है?’ पूरा क्रू चुप हो गया। 'आप जानते हैं कि हम उसे ढूंढने तक पूरी तरह से तलाशी लेंगे।'
'वो यहाँ नहीं है।'
‘झूठ।’ ज़ाहिर हँस पड़ा। ‘और अगर वो यहाँ नहीं भी है, तो भी तुम्हारे भले के लिए यही होगा कि तुम उस उड़ने वाले जहाज़ को नीचे उतारो और हमारे स्तर पर आओ। मुझे यकीन है कि गिल्ड का ग्रैंड मास्टर तुम सबसे मिलकर बहुत खुश होगा और न सिर्फ़ खिलाफत की पवित्र भूमि में घुसपैठ करने के लिए, बल्कि और भी बहुत कुछ के लिए तुम पर आरोप लगाएगा।’ वो हँसा। ‘तुम सब, जो उसका साथ देते हो, उस पर उसके साथ संगति करने के आरोप में मुकदमा चलाया जाएगा और मैं... ओह, मुझे तो पक्का बड़ा प्रमोशन मिलेगा।’
सिन्बाद कुछ देर रुका, और सभी साथी कुछ देर तक उसे देखते रहे, जवाब की उम्मीद में। 'ज़ाहिर, इब्लिस उठ खड़ा हुआ है,' उसने बोलना शुरू किया। 'दुनिया का अंत होने वाला है, और यही वो समय है जब हमें मिलकर सब कुछ ठीक करना चाहिए।'
‘मैं समझ गया।’ ज़ाहिर आगे बढ़ा। उसका तिल अब और भी स्पष्ट दिख रहा था। सिंदबाद को यह थोड़ा घिनौना लगा। ‘लगता है, और झूठ बोल रहे हो। इस जहाज़ को नीचे उतारो। मेरी टीम...’ उसने दूसरे वाइवरन सवारों की ओर इशारा करते हुए

कहा, ‘यह सुनिश्चित करेगी कि तुम रेगिस्तानी बंजर भूमि पर सुरक्षित उतर जाओ।’
‘ज़रूर।’ सिन्बाद ने कहा।
जब जहाज पर सवार लोग आपस में फुसफुसा रहे थे, तभी सिंदबाद ने बोलना शुरू किया, क्योंकि उसे समझ आ गया था कि मंदबुद्धि ज़ाहिर से बहस करने का कोई फायदा नहीं है। 'दोस्तों, ज़रा रुकिए। ज़ाहिर सही कह रहा है। हमें वही करना चाहिए जो वह कह रहा है।' सिंदबाद ने कहा, क्योंकि उसे समझ आ गया था कि उससे और बहस करने का कोई लाभ नहीं है, क्योंकि वह एक मंदबुद्धि व्यक्ति था जिसे संकट की कोई समझ ही नहीं थी। 'सभी लोग जहाज पर सवार हो जाइए, मेरा मानना है कि हमें निर्देशानुसार जहाज को नीचे उतार देना चाहिए।'
उसने अशरफिया की ओर देखा और आँख मारी।
अशरफिया ने मुस्कुराते हुए सिर हिलाया। 'इसे नीचे उतार रही हूँ!' उसने कहा और अपनी उंगलियों से बैंगनी बिजली की चिंगारियाँ निकालीं, जिससे जहाज के नीचे एक तरह का बिस्तर बन गया। जहाज धीरे-धीरे नीचे जाता रहा, फिर अचानक हिलने लगा।
अपने सवार ज़ाहिर और पूरे दल के साथ वह जंगली सूअर इधर-उधर हिलने-डुलने लगा और एक-दूसरे से टकराने लगा, करवटें बदलने लगा।
‘क्या हो रहा है?’ ज़ाहिर ने सिंदबाद पर चिल्लाते हुए कहा, वह स्पष्ट रूप से उत्तेजित था।
‘इन घटिया चीज़ों पर लैंडिंग करना हमेशा मुश्किल होता है,’ सिन्बाद ने कहा। जवाब सुनकर ज़ाहिर और कुछ कह नहीं पाया। "अपने-अपने कोनों को थामे रहो," सिंदबाद चिल्लाया और जहाज़ के किनारे को पकड़ लिया, बाकी लोग भी उसके पीछे- पीछे चलने लगे।
तभी अशरफिया ने अपने जादू से अचानक जहाज को उल्टा कर दिया। चीख-पुकार मच गई और ताबूत, बैरल और जहाज पर मौजूद अन्य सभी सामान नीचे गिर पड़े। केवल लोग ही लटके रह गए, जो अपनी जान बचाने के लिए जहाज की रेलिंग को कसकर पकड़े हुए थे।
अचानक हुए हमले से अचंभित ज़ाहिर घबरा गया और हाथ-पैर पटकने लगा। उसने अपने वाइवरन को कसकर पकड़ लिया, क्योंकि वह प्राचीन प्राणी तेज़ी से अपने पंख फड़फड़ा रहा था, स्पष्ट रूप से उत्तेजित था। 'धिक्कार है तुम पर, सिन्बाद!' वह पूरे दिल से चिल्लाया। लेकिन तब तक अशरफ़िया ने जहाज़ को वापस उसकी सामान्य स्थिति में मोड़ दिया था। 'जल्दी से फहराओ और आगे बढ़ो। हमारे पास समय नहीं है। ग्रीक फायर तैयार करो और युद्ध ध्वज फहराओ। हम युद्ध में जा रहे हैं।'
जैसे ही मार्कस ने तीर चलाने का आदेश दिया, तीरंदाजों ने तुरंत उपकरण तैयार कर लिए, जबकि आकाश में बड़े-बड़े जलते हुए पत्थर फेंके गए, जिनका निशाना वाइवरन पर था, जो अब क्रोध और दर्द से चीख रहे थे।
जैसे ही वाइवर्न ने अपना मुंह खोला और जहाज के भीतरी हिस्से और किनारों पर आग बरसाना शुरू किया, सिन्बाद ने अपनी आकाश-लोहे की थोकचा तलवार म्यान से निकाल ली। सिन्बाद ने देखा कि ज़ाहिर अपने वाइवर्न पर सवार होकर उनका पीछा कर रहा है।

'जल्दी करो! धुआं फेंको!'
उसके दल ने जली हुई काली राख से भरे घड़े उठाए और उन्हें आकाश में फेंकना शुरू कर दिया, जिससे चारों ओर अंधेरा छा गया और पीछे आ रहे सैनिकों और उनके वाहनों की निगाहें धुंधली हो गईं। जैसे ही वाइवर्न्स की नज़रें ओझल हुईं, वे चीखने लगे और कुछ समय के लिए अंधे हो गए। 'अच्छा हुआ,' सिंदबाद मुस्कुराया; तभी इदरीस ने उसे पकड़ लिया था। 'खलीफा का क्या हुआ?'
‘हमें हेइमडाल को ढूंढने का कोई और तरीका ढूंढना होगा,’ सिन्बाद ने कहा। ‘मुझे माफ करना, इदरीस। अमीर को इंतजार करना होगा। हम यहां वांछित लोग हैं। हमें जेल हो सकती है और इसका मतलब होगा इस दुनिया को अलविदा।’
इदरीस ने उदास भाव से सिर हिलाया। तभी उन्हें किसी के चिल्लाने की आवाज़ सुनाई दी।
‘कोई जहाज को नीचे से जला रहा है। आग लगी है!’
उन सभी को एहसास हुआ कि ज़ाहिर का अजगर अब सीधे जहाज के नीचे था, और नीचे से उसकी नींव को जला रहा था।
‘धत् तेरे की!’ सिंदबाद गुर्राया और कप्तान के पहियों से डेक की ओर भागा। तलवार मुंह में दबाए उसने जहाज की कई रस्सियों में से एक को पकड़ा और नीचे झूल गया। रात के अंधेरे में उसने यह नहीं सोचा कि वह ऐसा क्यों कर रहा है। उसने बस जोश में आकर ऐसा कर दिया, इससे पहले कि ज़ाहिर जहाज को और ज़्यादा नुकसान पहुंचा पाता। जैसे ही वह झूला, रस्सी घूमी और वह भी घूम गया, जिसका इस्तेमाल करके वह जहाज के नीचे सीधे उस जगह पहुंच गया जहां वाइवर्न और ज़ाहिर थे। उसने तिल वाले आदमी को वाइवर्न से लात मारकर नीचे गिरा दिया, जो आगे की ओर गिर पड़ा।
रस्सी को पीछे फेंकते हुए, वह अजगर पर कूद गया जबकि ज़ाहिर ने उस पर संतुलन बनाने की कोशिश की।
लेकिन ज़ाहिर ने तलवार पकड़ ली और सिंदबाद से द्वंद्वयुद्ध करने लगा। वे दोनों चमकीली चाँदनी में एक साथ वाइवरन पर सवार होकर लड़ रहे थे। वे उसकी खुरदरी खाल पर खड़े थे, तभी जहाज़ उनसे दूर, काफ़ी दूर तैरता हुआ चला गया। सिंदबाद ने देखा कि वाइवरन एक अजीब, चिड़चिड़ी सी चीख निकाल रहा था, जो कानों को चुभ रही थी—और अब वह सीधे ज़मीन पर गिरने की कोशिश कर रहा था। उसने उस प्राणी को पीछे खींचने की कोशिश की, लेकिन जैसे ही वे टकराने वाले थे, वे जमीन पर गिर पड़े और सिंदबाद रेगिस्तानी मिट्टी पर दूर तक लुढ़क गया।
ज़ाहिर थोड़ा घायल होकर उसके पास दौड़ा। जैसे ही सिन्बाद अपनी तलवार ढूंढने लगा, ज़ाहिर ने उसे पीछे की ओर लात मार दी। अजगर ज़मीन पर संतुलन बनाए हुए, उलझन में अपना सिर हिलाते हुए, बस उन्हें देखता रहा।
ज़ाहिर ने सिंदबाद के चेहरे पर एक घूंसा मारा। 'मैं तुमसे हमेशा से नफरत करता आया हूं।'
‘यह भावना दोनों तरफ से है।’ ज़ाहिर के ज़ोर से चिल्लाने पर सिंदबाद ने उसके पैरों के बीच में एक घूंसा मारा। ‘जिस दिन तुमने मुझे कक्षा के बीच में नींद की दवा पिलाई थी, उसी दिन से मैं तुमसे नफरत करता हूँ। यह बहुत शर्मनाक था।’

‘मैंने तुम्हें शर्मिंदा करने के लिए ऐसा किया। क्योंकि तुम कक्षा में सबसे आगे थे।’ और वह सिंदबाद पर झपटा, उसे फिर से मुक्का मारने की कोशिश की लेकिन चूक गया क्योंकि सिंदबाद ने उसकी छाती पर लात मार दी।
‘मैं मेहनती होने के लिए माफी नहीं मांगूंगा। मैं सभी आकलन करने के लिए रात भर जागता था। मैंने अपने गुरु के साथ सबसे ज्यादा शिकार किए। मैं इतने कम समय में इतना कुछ हासिल कर पाया।’ उसने ज़ाहिर के लंबे, घुंघराले काले बालों को पकड़ लिया।
‘अब खुद को देखो,’ ज़ाहिर ने मुस्कुराते हुए कहा। उसके होंठों से खून बह रहा था। ‘कभी एक सेइड जो अब तक मास्टर बन सकता था, अब एक नाविक और गद्दार है। कैसा लगता है?’
सिन्बाद चुप था। उसने कल्पना की कि काश वह ऐसा होता। अगर उसने अपने मालिक की हत्या न की होती तो क्या उसकी ज़िंदगी अलग होती? अगर सफ़ीना खिलाफत और गिरोह के लिए हथियार बन जाती तो क्या होता?
लेकिन जब उसके मन में अनहोनी के संदेह घर कर रहे थे, तभी उसने देखा कि मशालधारी एक घेरे में प्रकट हुए और धनुष उसके स्तर तक ऊपर उठ रहे थे। दूसरे सेइड्स यहाँ आ चुके थे। उन्होंने उसे घेर लिया था, और वह अकेला था।
सभी अकेले।
उसका जहाज गायब हो गया था, बादलों में छिप गया था।
और उसके पास भागने की कोई जगह नहीं थी। ज़ाहिर उठ खड़ा हुआ और उसकी पीठ थपथपाई।
‘बहुत बढ़िया,’ वह हँसते हुए बोला, ‘चलिए अब आपको ग्रैंड मास्टर के पास ले चलते हैं।’

छह
सिंदबाद ने अपने जीवन में कभी अदालत नहीं देखी थी।
उन्हें विशेष रूप से कहा गया था कि वे कभी भी इसका गवाह न बनें। दरअसल, किसी धर्मगुरु के लिए ऐसी स्थिति में होना भी ईशनिंदा माना जाता था, जहाँ कानूनी दांव-पेच उन्हें पकड़ लें और उन पर अत्याचार करें।
लेकिन वह यहीं था।
फंसा हुआ। घिरा हुआ।
सिंदबाद ऐसी जगह पर था जहाँ वह कभी भी सहज महसूस नहीं कर सकता था।
उसने हमेशा कानूनी दांव-पेचों से बचने की पूरी कोशिश की थी, क्योंकि उसके गुरु ने उसे स्पष्ट चेतावनी दी थी कि वह कभी भी कानूनी व्यवस्था में न उलझे। एक सेइड के लिए, कानूनी पेचीदगियों में फंसना ईशनिंदा माना जाता था। फिर भी, वह यहाँ बंधा हुआ और असहाय पड़ा था, बचने का कोई रास्ता नहीं था। अगर काव्यात्मक शब्दों में कहें तो वह पीड़ा में था। सिंदबाद एक ऊंचे चबूतरे पर खड़ा था, अनगिनत सेइड, आम नागरिक और सैनिकों से घिरा हुआ, सबकी निगाहें उस पर टिकी थीं। हालाँकि वह पहले भी इस स्थिति का सामना कर चुका था, फिर भी उसके मन में एक बेचैनी दौड़ रही थी।
मुकदमा एक दिन पहले शुरू हुआ था और उसने रात जेल में बिताई थी। उसके सामने, सिंदबाद को एक बड़ा, बहुत ऊँचा चबूतरा दिखाई दिया, जिस पर दो सिंहासन थे। एक खलीफा के लिए और दूसरा संघ के प्रमुख के लिए।
हालांकि ग्रैंड मास्टर कभी खलीफा के बराबर नहीं बैठते थे, लेकिन किसी शासक के अपराधों से जुड़े मामलों में उन्हें ऐसा करना ही पड़ता था। वे एक अनुभवी और बुद्धिमान व्यक्ति थे। सिंदबाद ने उन्हें बहुत कम देखा था, और वह यह भी निश्चित नहीं था कि वे उनके समय के ही व्यक्ति थे या कोई और, जो उनका उत्तराधिकारी बना था, क्योंकि हर पांच साल में शासक बदलते रहते थे। लेकिन सिंदबाद जानता था कि यह इब्लिस के बारे में सबको आगाह करने का मौका है, ताकि वे तैयारी कर सकें और लड़ सकें। फिर भी, उसने देखा कि उसके आसपास के अधिकारी आने वाले विश्व-प्रलयकारी खतरे से ज़्यादा अपने स्वार्थ की परवाह करते थे। मुकद्दमे के वक्ता ने ज़ोर से घोषणा की, 'हम खलीफ़ा, इस राज्य के आदरणीय स्वामी और राष्ट्रों के शासक, खलीफ़ा हारून अल-रशीद का स्वागत करते हैं। और हम ग्रैंड मास्टर सुल्तान-ए-अहमद का भी स्वागत करते हैं।'
दोनों व्यक्ति सिंहासन के पीछे से निकले और अपनी-अपनी सीटों पर बैठ गए। सिंदबाद का पहले भी आदरणीय खलीफा से सामना हो चुका था, लेकिन अब वह बिल्कुल अलग दिख रहे थे। शाही वस्त्रों से सजे खलीफा ने एक विशाल चोगा पहना हुआ था,

जिसके साथ एक बड़ा, गुब्बारे जैसा हैट और ढेर सारे गहने थे। इसके विपरीत, ग्रैंड मास्टर सेल्टिक सुरक्षा प्रतीकों वाले एक लबादे में सादे दिख रहे थे। उनके सफेद बाल जूड़े में बंधे थे और उनकी दाढ़ी, बिना मूंछों के, करीने से कटी हुई थी। सिंदबाद ने ग्रैंड मास्टर की एक कांच की आंख और एक आंख के आसपास के क्षेत्र में एक निशान देखा। उन्होंने इस ग्रैंड मास्टर के बारे में पहले कभी नहीं सुना था। उन्हें हाल ही में नियुक्त किया गया होगा। अपने साधारण रूप के बावजूद, उनका व्यक्तित्व भयावह और रहस्यमय रूप से आकर्षक था।
ज़ाहिर ने सिंदबाद को पीछे से इस तरह पकड़ रखा था जैसे उसे बलि के लिए तैयार किया जा रहा हो, और कहा, ‘मैंने सुना है कि ग्रैंड मास्टर अपने कार्यों और निर्णयों में काफी सख्त हैं। मुझे यकीन है कि उन्हें तुम्हारी हालत पर ज़रा भी दया नहीं आएगी।’
‘और वह कौन सा पद है?’ सिंदबाद ने पूछा, लेकिन ग्रैंड मास्टर ने उन्हें चुप कराने के लिए अपना गला साफ किया।
पूरी अदालत में सन्नाटा पसरा हुआ था। सिंदबाद यह देखकर हैरान था कि इतने सारे लोग उसकी सुनवाई के लिए तैयार थे, जबकि वह जानता था कि उसकी सुनवाई तय समय से बहुत बाद में हो रही थी।
उसने खलीफ़ा की ओर एक नज़र डाली, जो सीधे उसकी ओर नहीं देख रहा था, शायद निराशा के कारण या यह दिखाने के लिए कि वह सिंदबाद का समर्थन नहीं करता। कुछ समय पहले, खलीफ़ा ने ही सिंदबाद पर भरोसा किया था और उसे गुप्त रूप से सिकंदर की कब्र की खोज करने का आदेश दिया था, क्योंकि उसे उस धार्मिक, जादुई सर्वोच्च संगठन से समस्याएँ थीं, जिसका खलीफ़ा शासन पर गुप्त प्रभुत्व था। हारून जानता था कि वे चरमपंथी थे और उन्हें पसंद नहीं करता था। लेकिन वह सार्वजनिक रूप से उनका मुकाबला नहीं कर सकता था, क्योंकि इससे एक बड़ा गृहयुद्ध छिड़ जाता, जिसका सामना उसके सैनिक नहीं कर सकते थे।
और इसलिए, वह यहाँ उनका साथ दे रहा था।
‘सिंदबाद, महान और दिवंगत उस्ताद रीस के शिष्य,’ ग्रैंड मास्टर सुल्तान ने शुरू किया, ‘तुम क्या कहना चाहते हो?’
‘मैं दोषी नहीं हूँ, महाराज,’ सिंदबाद ने कहा।
गुरुजी मुस्कुराए, और सभी आपस में फुसफुसाने लगे, यह सोचकर कि सिंदबाद इतनी बेबाकी से कैसे बोल सकता है।
'आप कहते हैं कि आप दोषी नहीं हैं,' ग्रैंड मास्टर ने कहा।
उनके सामने एक उड़ता हुआ स्क्रॉल लटका हुआ था, जिससे अब ग्रैंड मास्टर पढ़ रहे थे:
कुछ साल पहले, तुम्हारी कम उम्र के कारण तुम्हें कुछ नरमी बरतते हुए यहाँ लाया गया था। तुम्हें तुम्हारे गुरु की मृत्यु में संदिग्ध माना गया था और तुम पर एक ऐसे हथियार को लीक करने में शामिल होने का आरोप लगाया गया था जिससे गिल्ड को बहुत फायदा हो सकता था।
‘यह हथियार एक युवती थी, महाराज,’ उसने पलटवार करते हुए कहा, जिसका इशारा सफीना की ओर था, जिसे गिल्ड बुराई से लड़ने के लिए उसकी शक्तियों का दोहन

करना चाहता था। हालाँकि, उनके तरीके में उसे यातना देना शामिल था, जिसके कारण सिन्बाद ने उसे मुक्त कराया और अंततः अपने गुरु की हत्या कर दी। बाद में चले मुकदमे में, सबूत अपर्याप्त थे, और उसकी उम्र को ध्यान में रखा गया; उन्हें संदेह था कि बारह साल का लड़का उस समय मास्टर रीस की हत्या कर सकता था।
गुरुजी गुर्राए। 'केवल पूछे जाने पर ही बोलो, अन्यथा तत्काल सिर कलम कर दिया जाएगा।' सिंदबाद ने सिर हिलाकर खुद को चुप कर लिया।
‘तो जी हाँ, हम आगे बढ़ेंगे।’ उन्होंने कहना शुरू किया। ‘अब, मुझे बस जिज्ञासा है। आपको न केवल एक और मौका दिया गया, बल्कि बसरा में सेइद के रूप में काम करने की अनुमति भी दी गई। हालाँकि, हमारी स्थानीय रिपोर्टों से पता चलता है कि आपने सेइद के रूप में पैसा कमाया, जो एक गंभीर अपराध है।’ सिन्बाद ने अपनी भौंहें ऊपर उठाईं। उसने यह उम्मीद नहीं की थी कि वे यह सब उजागर कर देंगे, लेकिन उसके प्रति उनकी गहरी दुश्मनी को देखते हुए, उसने सोचा कि एक पूरी जांच जरूर की गई होगी। 'हमें इसकी जानकारी होनी चाहिए थी; वरना हम तुम्हें इसराफिल का बिगुल ढूंढने का काम नहीं सौंपते, जिसे या तो तुम ढूंढ नहीं पाए या जानबूझकर हमसे छिपा दिया। तुम कभी वापस नहीं लौटे, हमें अंधेरे में छोड़कर। इतना ही नहीं, तुमने हमारी सबसे महत्वपूर्ण संपत्ति, इदरीस शेख को अपने वश में कर लिया, उसे अपना साथी बना लिया और उसका ब्रेनवाश कर दिया। फिर तुम दोनों ने मिलकर उस मोटल में अन्य सेइड्स पर हमला किया जहाँ तुमने हथियार छिपा रखा था। नतीजतन, हम इसराफिल के बिगुल, यानी हथियार से वंचित रह गए हैं और हमने अपने सबसे बेहतरीन सेइड में से एक को खो दिया है। अगर हम तुम्हें भी गिनें, तो अब हमारे दो सदस्य कम हो गए हैं, क्योंकि तुमने गिल्ड के खिलाफ जो अपराध किए हैं, उन्हें तुम्हारी क्षमताओं का प्रदर्शन माना जाता है।'
सिंदबाद चुप रहा। बूढ़े गुरु ने मन ही मन सिर हिलाया।
‘इसमें कोई शक नहीं, सिंदबाद, तुम एक योद्धा रहे हो। तुमने बहुत कुछ सहा है। तुम कभी एक अच्छे सेइड थे, सर्वश्रेष्ठ से प्रशिक्षित। लेकिन तुम्हारे अपराध तुम्हारे किसी भी अच्छे काम से कहीं अधिक गंभीर हैं। हमने शुरू में तुम्हें कम आंका, तुम्हें एक जिद्दी बच्चे की तरह समझा, और इसलिए तुम पर ज्यादा संसाधन खर्च नहीं किए। लेकिन अब हम तुम्हें उस नजर से नहीं देखते, तुम्हारे हालिया अपराध के कारण।’ वह रुका, और लेख पढ़ने लगा, ‘अपने विनाशकारी, काले जादू से भरे जहाज को बगदाद शहर में लाना, जहाँ, शिष्य ज़ाहिर की रिपोर्टों के अनुसार, तुम एक पिशाच, गद्दार सेइड और कई अन्य लोगों को पनाह दे रहे हो। तुम इस जादुई जहाज को यहाँ अरब की राजधानी को नष्ट करने और उसे राख में मिलाने के लिए लाए हो।’ सिंदबाद जोर से हँसा, जिससे श्रोताओं में हैरानी फैल गई।
‘तुम किस बात पर इतने खुश हो, शिष्य?’
‘ये आरोप सरासर बढ़ा-चढ़ाकर पेश किए गए हैं, महाराज।’ सिंदबाद ने कहा। ‘सच कहूँ तो, मैं पिछले आरोप से सहमत हूँ। हाँ, मैंने पैसे लिए क्योंकि मैंने सेइद होने की परवाह करना छोड़ दिया था और उन्हें अपनी इच्छाओं को पूरा करने में इस्तेमाल किया। हाँ, मुझे इसराफिल का बिगुल मिला और मैंने उसे

समुद्र में फेंक दिया। हाँ, मेरी मुलाकात सफीना से भी हुई, जिसे आप “हथियार” कहते हैं, लेकिन वह हथियार नहीं है। हालाँकि, वह एक समय मेरे साथ थी, लेकिन तब से गायब है। हाँ, मैंने ऐसे काम किए हैं जो संघ के विरुद्ध हैं, लेकिन मेरा उन्हें नुकसान पहुँचाने का कोई इरादा नहीं था। मैं हमेशा से नियमों को तोड़ने वाला, विद्रोही रहा हूँ, लेकिन मैं न तो आतंकवादी हूँ और न ही हत्यारा। मैं बगदाद को नष्ट करने के उद्देश्य से नहीं आया था, बल्कि अन्य कारणों से आया था।’
उसने हारून की ओर देखा, इस उम्मीद में कि शायद उसे कुछ याद आ जाए, कोई ऐसा संकेत मिल जाए कि उन्होंने कभी साथ काम किया था। लेकिन हारून चुप रहा, और जानबूझकर उससे नज़रें नहीं मिलाईं।
‘बस करो। तुम्हारे पिछले व्यवहार को देखते हुए, हम तुम पर भरोसा नहीं कर सकते, इसलिए हमें सबसे बुरे की आशंका करनी होगी।’ ग्रैंड मास्टर सुल्तान ने कहा। ‘जब हमारे शिष्य भटक जाते हैं तो मुझे अक्सर दुख होता है और मैं खुद को दोषी मानता हूँ। काश हालात अलग होते और वे अलग रास्ते अपनाते। खैर, यह कहना सही होगा कि तुम्हें दोषी माना जाएगा और तुम्हें कल ही फांसी दी जाएगी।’
कमरे में तालियों की गड़गड़ाहट गूंज उठी, लेकिन हारून चुप रहे। 'आप क्या कहेंगे, माननीय खलीफा?'
खलीफा ने सिर हिलाया। 'न्यायपूर्ण निर्णय मैं आप पर छोड़ता हूँ, महाराज।' इसके बाद और भी तालियाँ बजने लगीं।
'बहुत बढ़िया, तो मामला सुलझ गया,' ग्रैंड मास्टर ने कहा।
अपनी मृत्यु की घोषणा सुनकर सिंदबाद के सीने में चिंता की एक तीव्र लहर दौड़ गई। ज़ाहिर ने असामान्य रूप से खुश होकर मुस्कुराते हुए कहा, 'तुम इसके हकदार थे।'
‘बहुत खूब। लेकिन मेरी एक आखिरी गुजारिश है,’ सिंदबाद ने सबको संबोधित करते हुए कहा। ‘उससे पहले, मैं कुछ कहना चाहता हूँ।’ गुरुजी ने प्रतीक्षा की। 'शैतान उठ खड़ा हुआ है,' सिंदबाद ने घोषणा की, जिससे भीड़ में मौजूद लोग स्तब्ध रह गए।
‘वह एक सेना इकट्ठा कर रहा है, किसी खतरनाक साजिश की योजना बना रहा है, और मुझे उसके सटीक इरादों का पता नहीं है। लेकिन वह सही अवसर की प्रतीक्षा कर रहा है।’
‘बस बहुत हो गया। मलाक लोगों से हमारी बातचीत से यह बिल्कुल स्पष्ट हो गया है कि ऐसी कोई स्थिति नहीं है,’ ग्रैंड मास्टर ने कहा। ‘उन्होंने हमें कोई चेतावनी नहीं दी है, जबकि उन्होंने हमारे पहले सेइद, हमारे पहले शिकारी अल-नुहराद से वादा किया था कि इब्लिस के फिर से प्रकट होने पर वे हमारे साथ खड़े रहेंगे। उनकी अनुपस्थिति इब्लिस की अनुपस्थिति की पुष्टि करती है।’ सिन्बाद ने चिढ़कर कहा, “क्योंकि शैतान बहुत चालाक है! वह जानबूझकर उनकी ओर ध्यान आकर्षित करने से बचता है। वह चुपचाप काम करता है, किसी भयावह योजना की तैयारी में। मुझे पूरी जानकारी तो नहीं है, लेकिन मैं कसम खाता हूँ कि वह कहीं न कहीं मौजूद है। वह जानता है कि अगर उसने शोर मचाया तो अराजकता फैल जाएगी। उसका अंतिम लक्ष्य मनुष्यों का सामूहिक नरसंहार है,

सात
‘99 . . . 100 . . . 101 . . .’
सिन्बाद पुश-अप्स कर रहा था, एक हाथ पर संतुलन बनाते हुए वह खूब पसीना बहा रहा था। उसके नंगे बदन में मौजूद मांसल शरीर में दर्द हो रहा था, पर उसने इस पर कोई ध्यान नहीं दिया। मानसिक रूप से वह बिल्कुल अलग ही दुनिया में था। वह अपने ऊपर पड़ रहे दबाव को महसूस कर रहा था; उसे एहसास हो गया था कि वह बड़ा हो गया है। एक भोले-भाले लड़के से लेकर कल फांसी पर चढ़ने वाले किशोर तक का उसका सफर बहुत लंबा था।
रात गहरी थी और वह अपने साथियों के बारे में सोच रहा था। वे कहाँ थे? क्या वे बचाव की योजना बना रहे थे? अगर हाँ... तो कैसे?
दीवार से टेक लगाकर अपनी कमीज़ के बटन बंद करते हुए सिंदबाद इन विचारों में खो गया। उसका मन इब्लिस की ओर चला गया। शैतान किसी मिशन पर था। वह एक ही समय में युद्ध सरदार और शांतिदूत दोनों था। वह देखने में तो एक नेक इंसान लगता था, किताबों में पढ़े चरित्रों से बिलकुल अलग, फिर भी जब वह नरसंहार की बात करता था तो उसमें एक खतरनाक धार झलकती थी, मानो मनुष्य किसी ऐसी जाति के घुसपैठिए हों जिसे वह न तो समझता था और न ही उससे जुड़ना चाहता था।
लेकिन काश मैं उसे यह एहसास दिला पाता कि इंसानों की वजह से दुनिया एक बेहतर जगह है। ‘मध्यम मार्ग…’ उसने मन ही मन बुदबुदाया।
क्या कोई बीच का रास्ता निकल सकता है? अगर हां, तो कैसे? सिंदबाद अपने साथियों से इस बारे में बात करना चाहता था, पर अभी तक मौका नहीं मिला था। काश कोई रास्ता होता... युद्ध को रोका जा सकता है। आखिर लड़ना कौन चाहता है? लेकिन इब्लिस भी बड़ी चालाकी से काम ले रहा था। किसी को आगाह नहीं कर रहा था। और सिंदबाद को ज़िंदा छोड़ रहा था।
उन्होंने कहा था, 'मुझे तुम पर भरोसा है।'
शायद, मैं उसका मन और बदल सकूँ। शायद, कोई बीच का रास्ता निकल आए। क्या मुझे उससे मिलना चाहिए?
सिन्बाद ने घबराकर अपने होंठ चाटे, उसका मन चिंता और सोच-विचार से भरा हुआ था। उस पर इतना तनाव था कि उसे लगभग ऐसा लग रहा था जैसे वह गंजा हो जाएगा। अपने आस-पास के साथी कैदियों पर नज़र डालते हुए सिन्बाद ने महसूस किया कि उनमें से ज़्यादातर ऐसे लोग थे जिनसे उसने कभी जान-पहचान करने की कोशिश नहीं की थी। अचानक उसके मन में उन बौनों से मिलने की तीव्र इच्छा जागी जिन्होंने जेल में रहने के दौरान उसे खतरा पहुँचाया था। उसी दौरान वह इदरीस के पिशाच पति अमीर को बचाने के मिशन पर निकला था, जो उस समय कोमा में

था। वह अभी भी यहीं होगा। पिछली बार मैं उसे भागने में मदद नहीं कर पाया था... लेकिन इस बार कर सकता हूँ।
‘मैं अपने अंतिम दिन अपने पति के साथ बिताना चाहता हूँ, चाहे उनकी हालत कैसी भी हो,’ इदरीस के इन शब्दों ने उसे झकझोर दिया था। वह अपनी प्रेमिका सफीना के साथ नहीं रह सकता था, लेकिन उसने ठान लिया था कि चाहे कुछ भी हो जाए, वह एमिर को बचाने का रास्ता खोज निकालेगा।
लेकिन मुझे फांसी दी जाएगी। बहुत खूब।
सिन्बाद ने अपनी आँखें बंद कर लीं, आने वाली मुसीबत के लिए खुद को तैयार कर लिया, तभी पास आते कदमों की आहट ने उसका ध्यान खींचा। कदमों की आवाज़ तेज़ होती गई, जिससे सभी कैदी चुप हो गए, उनकी निगाहें एक जानी-पहचानी आकृति पर टिक गईं जो सामने आ रही थी। 'जाफ़र?' सिन्बाद ने सोचा। उसके लिए यह कोई आश्चर्य की बात नहीं थी, क्योंकि खलीफ़ा का वज़ीर हमेशा ऐसी स्थितियों में उसकी मदद के लिए आता था। लेकिन वह जाफ़र नहीं था। उसका ध्यान सफेद बालों का जूड़ा बनाए एक आदमी पर गया—जो ग्रैंड मास्टर की स्पष्ट आकृति थी। उसने सिपाही को इशारा किया, जिसने तुरंत उसके लिए जेल का दरवाजा खोल दिया।
वह लंबा और मजबूत खड़ा था। एक बूढ़े आदमी के लिए, उसका शरीर काफी गठीला था। एम्फीथिएटर में वह खतरनाक लग रहा था। लेकिन अब, वह और भी अधिक दुर्जेय दिख रहा था। 'नमस्ते सिंदबाद,' बूढ़े आदमी ने कहा।
सिंदबाद जमीन पर बैठा हुआ शांत भाव से स्थिर रहा।
‘यहाँ आकर कैसा लग रहा है?’
‘मैं यहाँ लगभग एक महीने पहले आया था,’ सिन्बाद ने कहा। ‘यह तो सामान्य बात है।’
'तुम थे?'
'हाँ।'
मुझे इसके बारे में पता नहीं था। न ही गिल्ड को।
आपको शायद इसकी जानकारी नहीं दी गई थी।
सिन्बाद को एहसास हुआ कि जब मानव सैनिकों ने जाफ़र को पकड़ा था, तब उसने अपनी पहचान छिपाने के लिए अपने संपर्कों का इस्तेमाल किया होगा। लेकिन अब, सेइड्स और गिल्ड इसमें शामिल थे और जाफ़र और खलीफ़ा शक्तिशाली गिल्ड के साथ टकराव मोल नहीं ले सकते थे।
‘मुझे आश्चर्य है कि ऐसा क्यों है,’ बूढ़े व्यक्ति ने कंधे उचकाते हुए कहा। ‘लगता है खलीफा तुम्हें पसंद करते हैं।’
‘ज़रूर होगा।’
मुझे नहीं पता क्यों। क्या आप उससे लेन-देन करते हैं?
सिंदबाद ने सिर हिलाया। 'मैं तो बस एक साधारण नाविक हूँ, महाराज। मुझे अपने देश के खलीफा से क्या लेना-देना?'
उसने सिर हिलाया। 'हम्म।'
मुझे लगता है कि आप मुझ पर विश्वास नहीं करते।
‘मैं व्यावहारिक तथ्यों और प्रमाणों पर काम करता हूँ।’ गुरुजी ने एक ऐसे शिक्षक की तरह कहा जो अपने विद्यार्थियों के प्रति सख्त रवैया अपना रहा

हो। ‘और आपके द्वारा दिए गए कथन के समर्थन में मेरे पास कोई प्रमाण नहीं है। इसलिए, मेरा मानना है कि हम इस विषय को यहीं समाप्त करते हैं।’
'जो आपको पसंद हो, महाराज।'
उस आदमी ने धीमी आवाज़ में गुर्राते हुए कहा, 'तुम उपद्रवी हो, सिंदबाद।' मुझे यह बात अक्सर कही गई है।
हम तुम्हारा क्या करें?
‘साफ़ तौर पर, तुम मुझे मार रहे हो, क्या यही तुम्हारी योजना नहीं है? तो फिर मुझसे क्यों पूछ रहे हो?’
गुरुजी करीब आए। सिंदबाद ने देखा कि बाहर तैनात पहरेदार को हटा दिया गया था। बूढ़ा व्यक्ति सिंदबाद के बगल में घुटनों के बल बैठ गया, जिससे सिंदबाद आश्चर्यचकित रह गया, क्योंकि उसके कद का कोई व्यक्ति उसके बराबर आने के लिए इतना विनम्र हो गया था। 'मैं इसे ठीक कर सकता हूँ।'
'अच्छा ऐसा है।'
'मैं चाहूं तो सबूतों को गायब कर सकता हूं।'
‘बिल्कुल कैसे?’
‘मैं राज्य का एक शक्तिशाली व्यक्ति हूँ, मेरे शिष्य। मुझे उम्मीद है कि तुम यह जानते हो।’
सिन्बाद ने सिर हिलाया। 'मुझे ऐसा ही लगता है।'
और मैं ये सब कुछ पैसे लेकर कर सकता हूँ।
'नाम लो।'
'क्या?'
'अपनी कीमत खुद तय करो।'
बूढ़े आदमी के चेहरे पर घमंडी मुस्कान थी। ‘तुम विद्रोही लगते हो, इसलिए मैं तुमसे उसी भाषा में बात करूंगा। जैसा कि तुम जानते हो, परिषद ने मुझे हाल ही में ग्रैंड मास्टर नियुक्त किया है। यह पहला साल था जब हमने सार्वजनिक मतदान शुरू किया। राक्षसों को काबू में रखने के लिए मैंने जो कारनामे और शिकार किए, उनके आधार पर मैंने यह पद जीता। मैंने कूटनीति भी की, राजनीति भी खेली। संक्षेप में, सब मुझे पसंद करते हैं। मेरी प्रजा, मेरा नौकरशाही तंत्र और बीच में मौजूद हर कोई। अब ईमानदार होने से इतना प्यार तो नहीं मिलता, है ना?’ उसने कहा। ‘मेरे पास एक प्रस्ताव है जो दोनों पक्षों के लिए फायदेमंद हो सकता है। अगर तुम्हारी दिलचस्पी है, तो बहुत बढ़िया। अगर नहीं, तो कल फांसी पर मिलते हैं।’
सिंदबाद ने अपनी निगाहें सिकोड़ लीं। दुनिया के सामने एकदम सीधे-सादे दिखने वाले उस महान गुरु के मन में अनेकों योजनाएँ चल रही थीं।
‘मुझे हथियार चाहिए, सफीना। क्या वह तुम्हारे पास है? उसे हमारे हवाले कर दो और तुम्हारा काम हो जाएगा। तुम्हें जंगल में आज़ाद छोड़ दिया जाएगा। हम तुम्हारी मौत का नाटक करेंगे—दिखाएंगे कि तुम जेल से भाग गई थी और जेल के बाहर कहीं मारी गई। तुम आज़ाद हो जाओगी।’
‘इस प्रक्रिया में, लोग आपको और अधिक प्यार करेंगे, है ना?’

वह मुस्कुराया। 'हर कोई प्रलय के दिन को लेकर चिंतित है, लेकिन हमारे पास हथियार होने से यह चिंता दूर हो जाएगी और मेरी लोकप्रियता और भी बढ़ जाएगी।'
सिंदबाद ने सिर हिलाया। 'सिर्फ मेरी जानकारी के लिए बता दूं—आप जिस लोकप्रियता की बात कर रहे हैं, उसका मतलब सोना है, है ना? आपको परोपकारियों, व्यापारियों से सोना मिलता है जो आपको धन-दौलत से नवाज़ते हैं और बदले में विशेष सुरक्षा चाहते हैं।'
बूढ़े आदमी ने मुस्कुराते हुए कहा, 'ऐसा मत दिखाओ जैसे तुमने भी अपने अवैध कामों से कमाई नहीं की हो।'
सिन्बाद ने सिर हिलाया। अच्छा बनने का सारा श्रेय इसी को जाता है। 'दुर्भाग्यवश, महाराज, मुझे सचमुच नहीं पता कि वह कहाँ है। सफ़ीना बहुत पहले गायब हो गई थी और मुझे बिल्कुल भी पता नहीं कि वह कहाँ गई। वह अब इब्लिस के साथ है।'
गुरु ने सिर हिलाया। 'फिर वही बकवास। भोर का देवता अपनी कैद से नहीं बच पाया है।'
'जब दुनिया तुम्हारी आंखों के सामने खत्म हो जाएगी, तब शायद तुम्हें एहसास होगा कि मैं सही था।'
बूढ़े व्यक्ति की निगाहें खाली थीं, जिससे सिंदबाद की आत्मा में कुछ हलचल मच गई।
‘तो मुझे तुम्हारा जवाब मिल गया। तुम मदद नहीं करोगे,’ उसने निष्कर्ष निकाला। ‘मेरे पास देने के लिए कुछ नहीं है,’ सिंदबाद ने कहा। ‘और पूरे आदर के साथ, महोदय, आपके पास भी देने के लिए कुछ नहीं है। मेरी आज़ादी मुझसे बहुत पहले छीन ली गई थी, जब मैं बचपन में एक सेइड बन गया था। जीवन भर, मैंने एक सेइड मास्टर बनने की ख्वाहिश रखी क्योंकि मेरा मानना था कि वे नायक होते हैं जो भलाई के लिए लड़ते हैं। मैंने सोचा था कि वे कमजोरों की रक्षा करते हैं और राक्षसों और बुराई से लड़ते हैं। लेकिन मैं गलत था। नायकों की पहचान उनके पदनाम से नहीं होती; उनकी पहचान उनके कर्मों से होती है। कम से कम, राक्षसों के मामले में, उनके कर्मों का अनुमान लगाया जा सकता है। आप और मेरे जैसे मनुष्यों के मामले में ऐसा नहीं है।’
ग्रैंड मास्टर खड़े हुए और गार्ड को बुलाया।
‘अच्छी बातचीत रही। फिर मिलते हैं फांसी के समय,’ उसने संक्षिप्त लहजे में कहा।
'मैं ऐसा नहीं कहूंगा।' सिंदबाद एक चतुर राजनीतिज्ञ को देखते ही पहचान लेता था, लेकिन उसने कभी यह उम्मीद नहीं की थी कि संघ का नेता भी इतना चतुर होगा।
उस आदमी के चले जाने के बाद, सिंदबाद जेल के द्वार के सामने खड़ा होकर खाली, सुनसान गलियारे में देखने लगा। तभी बगल वाली कोठरी से एक आवाज़ आई। बगल वाली कोठरी से एक आवाज़ आई, 'अच्छा हुआ पीछा छूटा।' सिंदबाद ने कहा, 'अच्छा, शुक्रिया।' 'क्या तुमने सब कुछ सुन लिया?'
'अच्छी सुनने की क्षमता होने के नुकसान।'
'अरे, मुझे लगता है कि तुम एक वेयरवोल्फ हो।'

'नहीं, एक पिशाच।'
सिंदबाद ने अपनी भौंहें ऊपर उठाईं। 'मैं सिंदबाद हूँ, और आप?'
'अमीर,' इदरीस के पति ने कहा, जो पिछली बार जब सिंदबाद उनसे मिला था तब कोमा में थे। 'मैं अमीर इब्न सैयद हूं।'

आठ
सिंदबाद को किसी से इतनी देर तक बात करने में इतना अच्छा कभी नहीं लगा था। एमिर और सिंदबाद ने पूरी रात बातें कीं। उन्होंने उन सभी कारनामों के बारे में बताया जो एमिर और इदरीस ने किए थे। एमिर ध्यान से सुनता रहा। वे दोनों एक-दूसरे को देख नहीं सकते थे, लेकिन निश्चित रूप से, जब वे बात कर रहे थे तो उनकी आवाज़ में खुशी झलक रही थी।
सुबह होते ही सिंदबाद थका हुआ महसूस कर रहा था और उसे नींद की तीव्र इच्छा हो रही थी। हालांकि, वह जानता था कि अपनी आसन्न मृत्यु से ठीक पहले सोने का कोई फायदा नहीं है। 'आह, मेरे प्यारे नायक,' अमीर ने कहा, 'अगर मुझे कुछ पता है, तो इदरीस इस समय हमारी मदद की योजना बना रहा है।'
‘हम्म,’ सिंदबाद ने जवाब दिया, ‘आपको पता है, मुझे लगा था कि आप कोमा में चले गए हैं। मुझे लगा था कि आपकी मदद करना असंभव है।’
‘तुमने मुझे बुरे समय में पकड़ा। मैं अभी-अभी किसी काम से लौटा था... मेरा दिमाग अस्त-व्यस्त था, इसलिए मुझे पूरा यकीन था, मेरे दोस्त, कि मैं पूरी तरह से जलकर राख हो गया हूँ, जैसे कोई ज़्यादा पका हुआ टर्की, तुम समझ रहे हो ना मेरा मतलब।’ वह हँसा। ‘लेकिन देखो, मेरा दिमाग ठीक हो गया है और मैं भी। मैं बहुत अच्छा महसूस कर रहा हूँ। उतना ही अच्छा जितना कोई जल्द ही फाँसी पर चढ़ने वाला होता है।’
सिंदबाद उठ बैठा। 'तुम्हें भी फांसी दी जा रही है? क्यों?'
'बदले के तौर पर। मैं एक गद्दार का पति हूँ। उन्हें लगता है कि मेरी मौत इदरीस को वापस बुला लेगी और उससे कोई गलती करवा देगी, जिसका फायदा उठाकर वे उसे पकड़ लेंगे।'
सिंदबाद गुर्राया, 'वे हमारे पीछे क्यों पड़े हैं? उन्हें इससे भी बड़े और गंभीर मामलों पर ध्यान देना चाहिए।'
“क्योंकि जिन जीवों का वे शिकार करते हैं, वे अब उनकी नज़र में नहीं आ रहे हैं। आप जानते हैं, इंसानों को अब सुरक्षा की ज़रूरत नहीं है। इसलिए यह गिरोह सबका ध्यान भटकाने के लिए खलनायकों को गढ़ रहा है। कम से कम मैंने तो यही सुना है।”
‘जीवों का गायब होना? यह तो इब्लिस के प्रवेश से बिल्कुल मेल खाता है,’ सिंदबाद ने उत्सुकता से कहा।
‘शायद, अगर शैतान लौट आया है और वे उसे अपना बाप मानते हैं, तो वे यहाँ छोटी- मोटी गड़बड़ियाँ क्यों करेंगे, है ना? वे अपने बाप के बताए रास्ते पर ही चलेंगे।’ अमीर ने तर्क दिया।
‘एक तरह से, वह तुम्हारा रक्षक भी है, है ना?’ सिंदबाद ने पूछा।

‘हाँ, पिशाच, या स्ट्रिगोई, जैसा कि हम आम तौर पर कहलाते हैं, अपनी वंशावली लिलिथ से जोड़ते हैं, जो इब्लिस की पत्नी और कुछ स्रोतों में उसकी बहन भी थी। इस बारे में मिली जानकारी काफी विरोधाभासी है। तो हाँ, बेटा, हम जुड़े हुए हैं।’ एमिर ने कहा।
सिंदबाद ने पहली पिशाचनी लिलिथ के बारे में सुना था, जो क्लिटॉप से ही थी। ‘पर मुझे वो पसंद नहीं है,’ एमिर ने आगे कहा। ‘कम से कम, जितना मैंने उसके बारे में सुना है। इब्लिस ने लिलिथ का इस्तेमाल पिशाच बनाने के लिए किया और फिर उसे त्याग दिया। जब उसे कैद किया गया, तो उसने अपने आदेशों का पालन करवाने के लिए पिशाचों को भेजा... बेचारी लिलिथ का इस्तेमाल उसके बच्चे पैदा करने के लिए किया गया। मुझे माँ के लिए दुख होता है, लेकिन ये सब इतिहास है, किताबों में लिखे शब्द मात्र हैं। हमें ज्यादा कुछ नहीं पता, बेटा। बस इतना ही पता है कि लोगों के बीच बेमतलब के झगड़े छिड़ जाएं।’ सिन्बाद ने सहमति में सिर हिलाया। ‘लेकिन मुझे खुशी है कि हम साथ मरेंगे, तुम और मैं। मुझे हाथ मिलाना अच्छा लगता, लेकिन कोई बात नहीं।’ अमीर ने कहा। वह बेपरवाह, शांत और आत्मविश्वास से भरा हुआ लग रहा था।
सिन्बाद अपने और इदरीस के इतिहास में और गहराई से उतरना चाहता था, लेकिन तभी अचानक पहरेदार आ गए और कैदियों को नाश्ता बांटने लगे। उसने अपने सामने रखी सादे चावल की थाली को एक तरफ धकेल दिया। 'तुम्हें क्या मिला? मुझे तो जई मिली,' अमीर ने कड़वाहट से कहा। 'मुझे अपनी जिंदगी से नफरत है।'
मुझे चावल मिल गए।
‘तुम कितने भाग्यशाली हो। इसे खा लो। आखिरी भोजन भी।’
सिंदबाद ने आह भरी और खाना शुरू किया, तभी उसे चावल के ढेर में कुछ ठोस चीज़ दबी हुई मिली। वह एक चाबी थी और उससे एक छोटा सा कागज़ जुड़ा हुआ था जिस पर लिखा था:
यह सारे ताले खोल देता है। दाईं ओर मुड़ें। खिड़की से बाहर निकलें। नाव आपका इंतज़ार कर रही है।
सिन्बाद मुस्कुराया। लेकिन फिर उसका चेहरा उतर गया। बाहर पहरेदार थे और सिन्बाद उलझन में था कि ये उसे किसने दिया। क्या ये उसके दल ने दिया था? या किसी और ने? उसने तुरंत चाबी उठाई और उसे अपनी जीभ के नीचे मुंह में रख लिया, जबकि उसने थाली को बाहर धकेल दिया।
‘तुमने इतनी जल्दी खाना खा लिया?’ एमिर ने पूछा।
‘खाने का मन नहीं कर रहा।’
‘आपकी आवाज अलग लग रही है।’
मेरे दांतों में कुछ फंस गया था।
मैं समझता हूँ कि तुम क्या महसूस कर रहे हो।
इसका मतलब क्या था?
सिंदबाद असमंजस में था। उसके हाथ में चाबी थी, लेकिन पास के ताले के छेद को खोलने की हिम्मत नहीं हो रही थी। इलाका बेहद सुरक्षित था, और वहां से निकलने की कोशिश करना निश्चित मौत के बराबर था। उसे सही मौके का इंतज़ार करना था। तभी, मानो किसी पूर्व संकेत पर घंटी बजी।

खलीफा पर जानलेवा हमला हुआ है! सैनिकों को तत्काल हमलावर को पकड़ने की आवश्यकता है!
सैनिकों के अपनी चौकियों से इधर-उधर भागने से अफरा-तफरी मच गई। बचे हुए सैनिकों में से एक ने नेता के पास जाकर पूछा, “कैदियों की फांसी के बारे में हमें क्या करना चाहिए?” “छोड़ो इसे। वे भाग नहीं सकते। अभी निकल जाओ। यह ज़्यादा ज़रूरी है,” गार्डों के नेता ने कहा। जल्द ही, सभी गार्ड चले गए।
मुझे अवसर मिल गया।
सिन्बाद ने अपनी जेब से चाबी निकाली और सावधानी से उसे ताले में डाला। वह बिना ज्यादा शोर किए बाहर आया और लगातार खाली गलियारे पर नजर रखता रहा। गलियारा बिलकुल खाली था, और उसे यह देखकर अच्छा लगा। उसकी कोठरी के बगल में बंद दूसरे कैदी उसे हैरानी से देख रहे थे। वहाँ बौने, वेयरवुल्फ, चुड़ैलें और न जाने क्या-क्या थे। सिन्बाद की नजर एमिर की कोठरी पर पड़ी, जहाँ एक रहस्यमय आकृति उसका इंतजार कर रही थी। एमिर, बिना कमीज के, शरीर पर बने जटिल टैटू से सजा हुआ था, उसके सुनहरे बाल चमकदार थे और नीली आँखें मोहक थीं।
हे भगवान, वह कितना सुंदर है!
‘तुम जरूर अमीर होगे।’
‘क्या... तुमने कैसे...’ एमिर ने उलझन में पूछा। ‘ठीक है, तो मुझे खोल दो, बेटा।’
'मैं यह मौका नहीं गंवाऊंगा,' सिन्बाद ने चाबी से दरवाजा खोलते हुए कहा। अमीर बाहर आया और उसने सिन्बाद को गले लगा लिया।
‘क्या हम जा सकते हैं?’ सिंदबाद ने पूछा।
कृपया आगे-आगे चलें।
सिंदबाद ने नोट में बताई गई खिड़की को खोजने की कोशिश की। वह गलियारे के अंत में थी, जहाँ हॉल बंद हो रहा था। वे तेज़ी से आगे बढ़े, राक्षसों, छोटे दानवों और जादूगरों की भीड़ से बचते हुए। उनके चारों ओर शोर बढ़ता गया, हर कदम के साथ तेज़ होता गया, जबकि वे अपने आसपास सतर्क नज़र रखते हुए तेज़ी से आगे बढ़ते रहे। 'हमें बाहर निकालो!' कुछ लोगों ने फुसफुसाते हुए कहा। उस अराजक दृश्य के बीच, एक बंशी ने ईर्ष्या से भरी एक तीखी चीख निकाली। उनका सामना सेर्बेरस से हुआ, जो चिकनी, संगमरमरी त्वचा वाला तीन सिर वाला कुत्ता था, जिसकी ऊंचाई लगभग बीस फीट थी। उसके बड़े, नुकीले पंजे भयावह थे, और उसने एक गहरी गुर्राहट निकाली, जो स्पष्ट रूप से उसके क्रोध को दर्शाती थी।
उन्होंने इसे यहाँ फंसाया ही क्यों? सिंदबाद ने मन ही मन सोचा। सेर्बेरस को तो देखते ही मार देना चाहिए था, लेकिन शायद वे उसे वश में करना चाहते थे, उसने तर्क दिया।
‘ओए! कैदी भाग रहे हैं। उन्हें पकड़ो!’ बचे हुए पहरेदारों में से एक ने पीछे से चिल्लाते हुए कहा और तलवार उठाए तेजी से उनकी ओर बढ़ा।
सिंदबाद और अमीर वापस लौट गए।

‘मैं नाम का व्यर्थ इस्तेमाल नहीं कर सकता,’ अमीर ने कहा, ‘क्योंकि मैं एक स्ट्रिगोई हूँ, लेकिन मेरी प्रिय, अब दर्जनों सैनिक हमारी ओर आ रहे हैं।’ सिंदबाद ने पीछे मुड़कर देखा तो पाया कि अनेक सैनिक तेजी से उनकी ओर बढ़ रहे थे। फिर भी, वे खिड़की के करीब पहुँच रहे थे, हर पल उनके और करीब आते जा रहे थे।
‘बाहर कूद जाओ। मैं तुमसे नीचे मिलूंगा,’ अमीर ने कहा।
‘क्या आपको यकीन है? आपके पास हथियार नहीं हैं। पानी तो होगा ही—’
मुझे उनकी जरूरत नहीं है।
‘क्यों... ठीक है!’ उसने वाक्य पूरा भी नहीं किया था कि एमिर खिड़की से इमारत से बाहर निकल गया।
जैसे ही पहरेदार सिंदबाद के करीब पहुंचे, उसने तुरंत चाबी का इस्तेमाल करके उस भयानक सेर्बेरस की ओर जाने वाले द्वार को खोल दिया। यह एक चालाकी भरा कदम था जिस पर पहरेदारों का ध्यान नहीं गया। इससे पहले कि वे कुछ समझ पाते, बहुत देर हो चुकी थी। तीन सिर वाला कुत्ता भयंकर गुर्राहट और भौंकते हुए गलियारे में घुस आया, जबकि सिंदबाद खिड़की की ओर बढ़ रहा था। पहरेदार उस उग्र कुत्ते को काबू करने के लिए छटपटाने लगे। 'शुभकामनाएं!' सिंदबाद ने जेल की खिड़की से कूदते हुए चिल्लाया।
हवा में तेज़ी से गिरते हुए वह गहरे अंधेरे पानी में जा गिरा। इससे पहले कि वह कुछ समझ पाता, एमिर ने फुर्ती से हाथ बढ़ाकर उसे खींचकर सुरक्षित बाहर निकाल लिया। वे दोनों शहर के कारागारों के ठीक बगल में स्थित नीली झील के विशाल विस्तार में तैर रहे थे। 'अब क्या? तैरते रहें?' एमिर ने पूछा। लेकिन इससे पहले कि सिंदबाद कुछ जवाब दे पाता, उसने एक नाव को पास आते देखा। नाव को एक दुबला-पतला आदमी चला रहा था जिसका चेहरा लंबा और नाक नुकीली थी। उसकी छोटी सी मूंछें थीं और लंबे कानों में सोने के छल्ले लटक रहे थे। उसने माणिक्य जड़े हुए वस्त्र पहन रखे थे।
वह खलीफा का वज़ीर जाफ़र ही था।

नौ
मुख्य भूमि पर पहुँचते ही सिन्बाद को जल्द ही एहसास हो गया कि वे बगदाद के बाहरी इलाके में हैं। उन्हें और अमीर दोनों को पहनने के लिए लबादे दिए गए, जबकि चेहरे ढकने के लिए शॉल प्रदान किए गए। कड़ी सुरक्षा वाली जेल से दो कैदियों के भाग जाने के कारण शहर में हाई अलर्ट जारी कर दिया गया था, जिन्हें खतरनाक माना जा रहा था और जिन्हें फाँसी की सजा दी जानी थी। सिन्बाद को थोकचा, आकाश लोहे की तलवार और उनकी सेल्टिक रूण वाली कमीज (वह कमीज जिसे सभी सेइड अपनी सुरक्षा के लिए पहनते थे) वापस कर दी गई। वह इस बात के लिए आभारी थे कि जाफ़र ने पहले ही उनके सभी सामान इकट्ठा कर लिए थे। जाफ़र उन्हें ज्ञान के घर की ओर ले गया, एक ऐसी जगह जिससे सिंदबाद अच्छी तरह परिचित था। वह जानता था कि यह दुनिया का सबसे बड़ा पुस्तकालय है, एक ऐसा तथ्य जिसने बचपन से ही उसकी जिज्ञासा को जगाए रखा था। दुर्भाग्य से, इस तक पहुँच कुछ ही विशेषाधिकार प्राप्त लोगों तक सीमित थी, और जब भी खलीफ़ा मौजूद होता, यह दूसरों के लिए बंद रहता था। यह प्रतिष्ठित पुस्तकालय खलीफ़ा द्वारा विश्वभर में किए गए अपने अनेक अभियानों के दौरान एकत्रित की गई विभिन्न पुस्तकों का भंडार था। चलते समय, सिंदबाद और अमीर ज़्यादा बात नहीं कर रहे थे, और उन्होंने अपने सिर नीचे रखे हुए थे।
जल्द ही वे पुस्तकालय में प्रवेश कर गए, जो बौद्धिक केंद्र था, जहाँ सुंदर ढंग से सजी हुई किताबों का ढेर लगा हुआ था। वहाँ एक साझा मनोरंजन क्षेत्र था जिसमें रंग-बिरंगी मछलियों से भरा एक छोटा सा तालाब था। किताबों की कतारें ही कतारें थीं और सीढ़ियाँ ऊपरी मंजिलों तक जाती थीं, जहाँ और भी किताबें थीं। पढ़ने के शौकीन किसी भी व्यक्ति के लिए यह एक सपनों की दुनिया थी।
जैसे ही वे अंदर दाखिल हुए, कुछ सैनिकों ने उत्सुकता से सिंदबाद की ओर देखा। लेकिन वे खलीफा के न्यासी थे। उनकी पूरी तरह से जांच करने के बाद, उन्हें आगे बढ़ने की अनुमति दे दी गई।
अंदर, तालाब के किनारे, खलीफा अपने कुछ लेफ्टिनेंटों से बात कर रहा था। आने वाले दल को देखकर उसने अपने एजेंटों को वापस भेज दिया।
‘धन्यवाद, जाफ़र, सिन्बाद, और...’ उसने अमीर की ओर देखा। ‘अभी तक मेरा परिचय नहीं हुआ है। मुझे लगता है कि आप एक पिशाच हैं।’
‘एक सहकर्मी का पति।’ सिन्बाद ने कहा। ‘मुझे उसे बचाना पड़ा।’
'और मुझे तुम्हें कितनी बार बचाना चाहिए?' हारुन ने धीरे से हंसते हुए पूछा।
‘चाहे कितनी ही बार तुम्हारे लोग मुझे पकड़ लें।’

'अरे, सिंदबाद, हम दोनों जानते हैं कि यह गिल्ड न तो जनता का है और न ही खिलाफत का।'
हारून अल-रशीद अपने कार्यालय की ओर आगे बढ़ते रहे। सिन्बाद ने भारी लबादा उतारते हुए उनका पीछा किया।
‘मुझे लगता है कि मेरे पास काम है,’ एमिर ने कहा।
खलीफा ने अमीर की ओर एक नजर डाली।
‘आप उस पर भरोसा कर सकते हैं।’ सिन्बाद ने कहा।
जैसे ही वे दफ्तर में दाखिल हुए, सिंदबाद की नज़र उन दुर्लभ वस्तुओं के संग्रह पर पड़ी जिनके बारे में इदरीस ने बात की थी। उनमें से, उसकी नज़र एक सींग पर पड़ी, जो लापरवाही से एक कांच के कैबिनेट में रखा हुआ था, मानो उसके वास्तविक महत्व की अनदेखी की जा रही हो।
'काम से ज्यादा, मैं यह जानना चाहता हूं कि आपने बिना अनुमति के यहां प्रवेश करने और आने की कोशिश क्यों की।'
‘हम आपसे मिलना चाहते थे। हमें गुप्त रहना था, लेकिन सोचिए हमारी किस्मत कितनी खराब थी कि हमें आसमान में गश्त लगाते हुए वो खूंखार सेइड्स मिल गए।’ सिंदबाद ने कहा।
हारुन ने मेज के पीछे बैठते हुए सिर हिलाया।
‘माफ़ कीजिए…’ अमीर ने सिंदबाद को घूरते हुए कहा, ‘लेकिन आप साम्राज्य के खलीफ़ा के मित्र हैं? यूँ ही?’
सिंदबाद और खलीफा ने एक-दूसरे की ओर देखा और कंधे उचका दिए।
'यहाँ मुझे सिर्फ उसी पर भरोसा है।' हारुन अल-रशीद ने कहा।
‘यह भावना दोनों तरफ से है।’ सिंदबाद ने हल्की मुस्कान के साथ सिर हिलाया। ‘हालांकि, मैं सिकंदर के मकबरे के बारे में कोई खबर नहीं दे सका।’
'मुझे लगता है कि आप हार गए?'
सिंदबाद ने दोषी भाव से फर्श की ओर देखा। 'मुझे चमत्कारिक पत्थर के टुकड़े तो मिल गए, लेकिन उससे कई और समस्याएं खड़ी हो गईं... मैं समय आने पर इसे ठीक कर लूंगा। मेरे पास एक योजना है।'
और क्या यह योजना कारगर है?
जब खलीफा ने अपनी हारी हुई लड़ाई के बारे में पूछा तो सिंदबाद को उसे निराश करने पर थोड़ी शर्म महसूस हुई। 'क्या हमारे पास कोई विकल्प भी है? इब्लिस उठ खड़ा हुआ है।'
हारुन आगे की ओर झुका, उसकी आँखों के नीचे तनाव साफ झलक रहा था। 'मैंने तुम्हारे बयान में यह सुना। क्या यह सचमुच हो रहा है? क्या प्रलय का दिन आ गया है?'
सिंदबाद ने आह भरी। 'यह कहना अच्छा नहीं लगता, लेकिन हाँ, ऐसा ही है।'
‘तो ईश्वर हम पर कृपा करे,’ खलीफा ने सिर हिलाते हुए कहा। ‘क्या तुम उसे देख रहे हो... शैतान को?’
'जितनी बार मैं चाहता था उससे कहीं ज्यादा बार।'
'वह कैसा है?' हारुन ने पूछा।
'अजीब', सिन्बाद ने कहा।
'ऐसा कैसे?' हारुन ने उत्सुकता से पूछा।

'एक पल में, वह कमरे में सबसे ताकतवर, सबसे दुष्ट व्यक्ति होता है और दूसरे पल में, वह सबसे न्यायसंगत व्यक्ति हो सकता है। वह मेरे दिमाग में घुसने की कोशिश कर रहा है, लेकिन वह सुलह भी चाहता है।'
खलीफा ने धीरे से कहा, 'तो चलो उसे वह दे देते हैं। अगर हम उस पर भरोसा कर सकते हैं।'
‘वह...’ सिंदबाद ने कहना शुरू किया, ‘एक ऐसी चीज है जिसका मैं वादा नहीं कर सकता। आखिर वह शैतान है।’
हारून ने सिर हिलाया। 'हालात पहले से भी बदतर लग रहे हैं। हम गिल्ड के पेचीदा नियमों और विनियमों के इस जाल में फंस गए हैं। नौकरशाही बेहद परेशान करने वाली रही है, और गिल्ड पहले से कहीं ज्यादा भ्रष्ट होता जा रहा है।'
लेकिन आप तो जनता के शासक हैं। आपके पास कोई न कोई योजना तो होनी ही चाहिए।' ‘और गृहयुद्ध का खतरा मोल लेना? यह तो नासमझी होगी,’ हारुन ने घबराते हुए जवाब दिया। ‘मैं खून-खराबा नहीं चाहता।’
'निष्क्रियता भी एक क्रिया है,' हारून के जबड़े कसने पर सिंदबाद ने कहा। उसे एहसास हुआ कि वह लड़का सही कह रहा था।
उसने आह भरी। ‘हाल ही में मुझे पता चला है कि उन्होंने महिलाओं पर जादू- टोना करने का आरोप लगाना शुरू कर दिया है। उन्होंने महिलाओं को ज़िंदा जला दिया है... जिसने भी उनके कठोर आचरण के खिलाफ आवाज़ उठाई है, उस पर हमला किया है।’ उसने सिर हिलाया। ‘मैंने उनसे तर्क करने की कोशिश की। उन्हें बताया कि वे बस कुछ विद्रोही हैं, लेकिन वे इस बारे में बहस नहीं करना चाहते। वे मेरे बस से बाहर हैं। मैं उन्हें रोकना चाहता हूँ, लेकिन मुझे नहीं पता कैसे। मैं खुद को शक्तिहीन और बेबस महसूस करता हूँ।’
'क्षमा कीजिए, लेकिन जो नेता अपने लोगों की बात नहीं सुनता, वह सच्चा नेता नहीं होता,' सिंदबाद ने कहा, और हालांकि उसने यह बात संघ के लिए कही थी, लेकिन यह बात खलीफा पर भी लागू होती थी, जो अब तक निष्क्रिय रहा था। सिन्बाद ने आगे कहा, “उन्हें इस बात पर सहमत होने के लिए मजबूर करो कि इब्लिस उठ खड़ा हुआ है और अपनी रक्षा की तैयारी करो। दुनिया के अन्य हिस्सों को सतर्क करो। उन सभी को तैयार रहना चाहिए।”
'हां, सच है। लेकिन किस आधार पर?' हारून ने कहा। 'कोई सबूत नहीं है।'
यह सच है, सिंदबाद ने सोचा। इब्लिस एक रहस्य था। वह छुपकर काम करता था, उसकी योजनाओं के बारे में किसी को पता नहीं था, और वह शोर मचाने से भी बचता था।
‘तो मुझे उसे रोकने दो,’ सिंदबाद ने कहा। ‘मैंने उसे देखा है, और मुझे सबूतों की जरूरत नहीं है।’
हारून ने दृढ़ निश्चय के साथ सिंदबाद की आँखों में देखा। 'तुम्हें मुझसे क्या चाहिए? मैं मदद करना चाहता हूँ।'
सिन्बाद ने आगे झुकते हुए अपने होंठ चाटे। 'मैं चाहता हूँ कि तुम मुझे हेइमडाल से मिलवाओ।'
कुछ देर के लिए सन्नाटा छा गया। सिंदबाद ने देखा कि हारून की निगाहें सींग पर टिकी हुई थीं।

‘हेमडाल, आप यही कह रहे हैं?’
'जी हां। देवताओं का रक्षक।'
आपको उसकी जरूरत किसलिए है?
और इस तरह, सिंदबाद ने हारून को शुरू से अंत तक सब कुछ समझाया। उसने अनेक आयामों के अस्तित्व और उन लोकों से वस्तुओं को वापस लाने के महत्वपूर्ण मिशन के बारे में बताया। बातचीत के अंत तक, हारून स्तब्ध रह गया।
'यह सब समझना काफी मुश्किल है।'
‘सच है।’ आखिरकार अमीर बोला। अब तक वह अपने नाखूनों से खेल रहा था और जो कुछ हो रहा था उसे समझने की कोशिश कर रहा था। ‘कल से मैं इस पर सोच रहा हूँ, प्रिये,’ उसने जेल में पिछली रात सिंदबाद के साथ हुई बातचीत का जिक्र करते हुए कहा।
‘क्या तुमने अभी मुझे ‘अमोर’ कहकर पुकारा?’ खलीफा ने अपनी भौहें ऊपर उठाईं, क्योंकि उन्हें इस तरह से बात करने की आदत नहीं थी।
एमिर सीधा बैठ गया। 'प्यार। मेरे लिए, हर कोई बराबर है, तुम जानते हो यह कैसा होता है।'
‘जो भी हो,’ खलीफा ने आंखें घुमाते हुए कहा, ‘मैं हेइमडाल को जानता हूँ। मैं उससे मिला भी हूँ। फ्रैंक शासक चार्ल्स द ग्रेट के साथ हमारे संबंधों के दौरान उसने लैनफ्राइड का वेश धारण किया था, जो चार्ल्स द ग्रेट का दूत था। उस समय हम सभी का एक ही लक्ष्य था—बीजान्टिन साम्राज्य को हराना। वे खलीफा की धार्मिक सर्वोच्चता के खिलाफ थे, और जानते थे कि हम अपने साम्राज्यों का तेजी से विस्तार कर रहे हैं, इसलिए वे हमें खतरा मानते थे।’ ‘मैं कॉन्स्टेंटाइन से मिला हूँ, और मैं आपको बता दूँ कि वह एक सनकी लड़का है।’ सिंदबाद ने आँखें घुमाईं। ‘उसे लोगों को मारना बहुत पसंद है। उसने तो अपनी माँ को भी कैद कर लिया था। वह एक निर्दयी तानाशाह है।’
‘किसी और लोक में, मैं भी वही होता।’ हारून हँसते हुए बोला। ‘जब मैं मात्र पंद्रह वर्ष का था, तब मुझे पूरे खिलाफत की ज़िम्मेदारी सौंप दी गई थी। मेरे भाई अल महदी की भीषण राजनीतिक संघर्ष के कारण कम उम्र में ही मृत्यु हो गई। यह मेरे वर्तमान हालात से बहुत अलग था, लेकिन एक तरह से काफ़ी मिलता-जुलता भी था। मैं खुद भी बिगड़ैल बच्चा बन सकता था, लेकिन इसके बजाय, अपने भाई की याद में, मैं ज़िम्मेदार बना,’ उसने अपनी उंगली में माणिक जड़ी अंगूठी से खेलते हुए कहा। ‘विद्रोह हुए, उन पर जानलेवा हमले हुए... मुझे एहसास हुआ कि लड़ने से बेहतर चुप रहना है। मैंने खुद पर निवेश किया, अपने देश और दुनिया की कला, संस्कृति और धर्म का अध्ययन किया। मैंने गिल्ड को स्वतंत्र रूप से चलने दिया, लेकिन अंत में उन्हीं के बंधन में बंध गया। ओह, अब मैं कैसा फंसा हुआ महसूस कर रहा हूँ।’ उसने खेद से अपना सिर हिलाया और अपनी उंगलियों से अपने सिर की त्वचा को सहलाया। खैर, हेइमडाल या लैनफ्राइड, जैसा कि उन्हें तब जाना जाता था, ने अपना वेश बदल लिया था और संयोग से मैंने उनकी पहचान कर ली। आखिर उनके दांत सोने के थे। हमने साथ में शरबत पिया। मुझे लगा कि वह मुझे चार्ल्स द ग्रेट की तरह एक न्यायप्रिय और सक्षम शासक समझते हैं। तभी उन्होंने मुझे यह उपहार दिया।’ वह सींग के पास

गए और उसे उठा लिया। ‘उन्होंने मुझसे कहा कि जब भी मुझे उनकी जरूरत हो, मैं उन्हें पुकारूं। यह सींग मुझे उनकी भूमि पर बुलाएगा।’
और क्या आपने कभी ऐसा किया है?
हारून ने सिर हिलाया। ‘मुझे कभी इसकी ज़रूरत नहीं पड़ी। मैं उनके जैसे इतने महत्वपूर्ण देवता का कीमती समय बर्बाद नहीं करना चाहता था,’ उसने कहा। ‘लेकिन उनमें कुछ तो खास बात है... हेइमडाल सभी लोकों में सब कुछ देख और सुन सकते थे, लेकिन उससे भी ज़्यादा महत्वपूर्ण बात यह थी कि वे किसी व्यक्ति को बहुत अच्छी तरह से परख सकते थे, अगर आप समझ रहे हैं कि मेरा क्या मतलब है। वे केवल उन्हीं की मदद करते थे जो दूसरों की मदद करने की इच्छा रखते थे। उस समय मुझे अभी-अभी शासक बनाया गया था। कौन जानता है, शायद उन्होंने पहले ही देख लिया था कि एक दिन मैं आपकी मदद करना चाहूँगा और मुझे उनकी मदद की ज़रूरत पड़ेगी। शायद वह दिन आज ही है।’
सिंदबाद ने खलीफा की ओर देखते हुए कहा, 'दुनिया का अंत एक तात्कालिकता का संकेत है, है ना?'
‘ज़रूर।’ हारुन ने सींग उठाते हुए कहा। ‘शायद उसने सोचा होगा कि एक दिन मुझे इसे तुम्हें देना पड़ सकता है। बस ध्यान रखना कि तुम इसका समझदारी से इस्तेमाल करो।’ उसने सोने की बनी नॉर्स कलाकृति सिंदबाद को सौंप दी, जिसने उसे अपने सीने से लगा लिया।
'अवश्य मैं करूँगा।'
हारुन ने सिर हिलाया। 'हेमडाल को पता चल जाता है कि किसी के मन में दुर्भावना है, इसलिए सुनिश्चित करें कि आपका इरादा नेक हो।'
हालांकि सींग हल्का था, लेकिन खलीफा के बोलने के गंभीर अंदाज़ ने उसे भारी बना दिया। हारून ने सिंदबाद के कंधे पर हाथ रखा। 'शायद अगली बार जब हम मिलें, बेटे, तो हम बिना किसी चिंता के मिलें। शायद अगली बार जब हम मिलें, तो बिना किसी स्वार्थ के, बस पुराने दोस्तों की तरह मिलें। शायद अगली बार जब हम मिलें, तो मुझे तुम्हें फिर से जेल से बाहर नहीं निकालना पड़ेगा।' वह गर्मजोशी भरी मुस्कान के साथ हँसा। 'कहते हैं, तीसरी बार में किस्मत साथ देती है।'
‘महाराज, मैं दोबारा जेल नहीं जाना चाहता, इसलिए मुझे पूरा यकीन है कि हमारी मुलाकात बेहतर परिस्थितियों में होगी।’ सिंदबाद ने मुस्कुराते हुए जवाब दिया।
एक तेज आवाज से पहले उन्होंने एक-दूसरे की ओर देखा, जिससे एक सैनिक के आने का संकेत मिला।
‘मेरे स्वामी, एक समस्या उत्पन्न हो गई है! ग्रैंड मास्टर अपने साथियों के साथ यहाँ आए हैं। उन्होंने आपसे तुरंत मिलने का आदेश दिया है।’
सिंदबाद ने अपनी भौंहें ऊपर उठाईं।
हारुन ने अपने जबड़े भींच लिए। 'वह क्या कहता है?'
‘वह कहता है कि तुम उसके कारागार के कैदियों को पनाह देते हो।’
सिन्बाद ने अमीर की ओर देखा—उन्हें तुरंत निकलना होगा।

दस
“पीछे वाले रास्ते से जाओ,” हारून ने अपने पीछे की दीवार की ओर इशारा करते हुए कहा। “सीढ़ियों से तब तक जाओ जब तक तुम्हें मेरा ग्रिफिन तुम्हारा इंतज़ार करता हुआ न दिख जाए। उस जीव का इस्तेमाल करो,” हारून ने सिंदबाद को आदेश दिया। “वह तुम्हें यहाँ छोड़कर वापस आ जाएगा।”
‘क्या? मुझे नहीं पता था कि तुम्हारे पास पालतू जानवर के रूप में एक ग्रिफॉन है,’ सिंदबाद ने चौंकते हुए कहा।
मुझे वे जीव कभी पसंद नहीं थे—आधे शेर, आधे पक्षी—लेकिन यह मुझे पिछले ग्रैंड मास्टर ने उपहार में दिया था। उस आदमी ने इसे पकड़ा और पालतू बनाया। उसका नाम स्मिथ है। ग्रैंड मास्टर बहुत दयालु व्यक्ति थे। वे उस जीव को मारना नहीं चाहते थे... खैर, बस यही है। अलविदा, मेरे दोस्त। अभी के लिए अलविदा। और एक आखिरी बात, यह सींग जादुई है और मुझे तुम्हारे पास ले जाएगा। अगर मैं ज़िंदा बच निकला, तो मैं तुम्हारी मदद करने आऊंगा।
और इसके साथ ही खलीफा अपने महागुरु के साथ द्वार पर एकत्रित सभी सैनिकों से मिलने के लिए गायब हो गए।
सिन्बाद और अमीर सीढ़ियों की ओर बढ़े। सबसे ऊपरी मंजिल से, सिन्बाद ने एक छोटी खिड़की से मुख्य द्वार पर हो रही हलचल देखी। लंबे लबादे पहने, लाठी, छड़ी और तलवारें लिए दर्जनों सेइड (साम्राज्यवादी) वहाँ जमा थे। वे कवच पहने हुए थे और पूरी तैयारी के साथ आए थे।
हारून बाहर आ गया था, और सिंदबाद ने उसे यह कहते हुए सुना, 'सुल्तान, इसका क्या मतलब है?'
‘खलीफा को बदला जा सकता है,’ ग्रैंड मास्टर ने कहा। ‘जब तुम उत्तराधिकारी बने थे तब तुम्हारे भाई ने तुम्हें यह पद सौंपा था और अब तुम अपराधियों को पनाह दे रहे हो।’
मैं इन निराधार आरोपों को बर्दाश्त नहीं कर सकता, और मेरे भाई को इस बातचीत में घसीटना आपके लिए विशेष रूप से नासमझी भरा काम है।
‘क्यों नहीं? जब मैं छोटा था, तब मैंने उनके निजी सरदार के रूप में उनकी सेवा की थी। और ज़ाहिर है, वे तुमसे कहीं ज़्यादा बुद्धिमान थे,’ बूढ़े ने ज़हर भरे स्वर में कहा। ‘रास्ता साफ़ करो, खलीफ़ा, वरना तुम्हारे सिर पर मुसीबत आ जाएगी। जनता को न्याय मिलना ही चाहिए।’
‘यह एक पुस्तकालय है!’ खलीफा गुस्से से चिल्लाया। ‘मूर्खता करना बंद करो, बूढ़े आदमी।’
मेरे पास प्रवेश करने के अन्य तरीके भी हैं।

अब खलीफा के सैनिक भाले और तलवारें लेकर आगे आ गए, और सेइड्स से लड़ने के लिए तैयार हो गए।
महान गुरु मुस्कुराए। 'तुम्हारा लोहा हमारे कवच को भेद भी नहीं सकता, फिर भी तुम हमें चुनौती दे रहे हो। तुम एक ऐसी लड़ाई छेड़ रहे हो जिसे तुम जीत नहीं सकते।'
हारून चुप था। सिंदबाद लगभग चाहता था कि वह पलटवार करे और घबराए नहीं। युद्ध के मैदान से भागे नहीं।
एमिर ने सिन्बाद को खींचा। 'हमें यहाँ से निकलना होगा। ग्रिफिन बिल्कुल वहीं है।'
सिंदबाद ने अनिच्छा से सिर हिलाया और उस विशालकाय पक्षी के पास पहुँचा। उसके पंख चील जैसे भव्य थे और चेहरा भी चील जैसा ही दिखता था, लेकिन उसका शरीर शेर की तरह मजबूत था, और उसके नुकीले पंजे किसी भी मोटे कवच को भेद सकते थे। वह प्राणी विशालकाय और प्रभावशाली था, और जैसे ही उसने उन्हें देखा, उसने अपने पंख ज़ोर से फड़फड़ाए। 'चलो चलते हैं, स्मिथ। मैं तुम्हारा दोस्त हूँ, दुश्मन नहीं।' सिंदबाद ने उस पक्षी से कहा, जिसने बस एक तेज़ चीख मारी और उलझन में अपनी आँखें झपकाईं। ऐसा लग रहा था कि ग्रिफ़ॉन छत से जंजीरों से बंधा हुआ है।
सिन्बाद ने उसे छुड़ाया और जादुई ग्रिफ़ॉन पर चढ़ने की कोशिश की। एक सेइड होने के नाते, उसने छोटे-बड़े उड़ने वाले जीवों को प्रशिक्षित किया था। ग्रिफ़ॉन मज़ेदार होते थे। वे कुत्तों की तरह व्यवहार करते थे और उन्हें सहलाना पसंद था। वे न केवल थोड़े असुरक्षित थे और अपने मालिक के प्यार की ज़रूरत महसूस करते थे, बल्कि वे अति सक्रिय और अप्रत्याशित भी हो सकते थे, खासकर उड़ते समय।
सिंदबाद और अमीर दोनों उस प्राणी पर बैठ गए।
‘एक दिन—एक सेइड, एक पिशाच और एक ग्रिफॉन सराय में घुस आए,’ एमिर ने कहा। ‘...मुझे लगता है कि इसमें कहीं न कहीं कोई मजाक छिपा हो सकता है।’
मुझे आपका मूड अच्छा लग रहा है, लेकिन हम...
और पक्षी आसमान में तेजी से ऊपर की ओर उड़ गया, जिसे देखकर वे दोनों डर के मारे चिल्ला उठे, फिर वह स्थिर हुआ।
'क्या कह रहे थे?'
‘क्या अब इससे कोई फर्क पड़ता है?’ सिंदबाद ने पूछा।
'भी । । ।'
‘जी?’ सिंदबाद ने पूछा।
क्या आपका कोई दोस्त है जो साथ आना चाहता है?
'नहीं,' सिंदबाद ने उलझन में जवाब दिया।
‘तो फिर एक अजगर हमारा पीछा क्यों कर रहा है?’
सिन्बाद ने पीछे मुड़कर देखा और पाया कि ज़ाहिर तेज़ी से उनके करीब आ रहा है, ग्रिफ़ॉन के पास पहुँच रहा है। 'ठीक है, यह अच्छा नहीं है। वह चैन से नहीं रह सकता।'
‘आप मुझसे क्या करवाना चाहते हैं?’ अमीर ने पूछा।
‘ग्रिफॉन को संभालो।’

‘लेकिन जो हमारा पीछा कर रहा है, मैं उसे मार सकता हूँ। मैं मारने में माहिर हूँ,’ पिशाच ने कहा।
‘हम अपनों को नुकसान नहीं पहुंचाते। यह एक ऐसा सिद्धांत है जिसका मैं पालन करता हूं, जो मुझे सेइड के समय से विरासत में मिला है, सिवाय आत्मरक्षा के मामले के। मैं उनसे तर्क करने का प्रयास करूंगा।’
जैसे ही अजगर करीब आया, ज़ाहिर अपने डंडे को हाथ में लिए हुए पास आया और चिल्लाया, 'तुम्हें लगा था कि तुम बच निकलोगे?'
‘मैं कैसे कर सकता हूँ? तुम मुझे चैन से रहने नहीं देते।’ सिंदबाद ने पलटवार किया। ‘सुनो, ज़ाहिर, मैं लड़ना नहीं चाहता। मुझे पता है तुम लड़ना चाहते हो...’
हालांकि, ज़ाहिर ने तेज़ी से अपना डंडा फेंका और सीधे सिंदबाद की ओर एक अग्नि-प्रक्षेपास्त्र दागा। सिंदबाद ने सहजता से हमले से बचते हुए बाल-बाल वार से खुद को बचाया। 'क्या तुमने मुझे जलाकर मार डालने की कोशिश की?' ‘तुम्हें फांसी दी जानी चाहिए!’ ज़ाहिर चीखा।
सिंदबाद ने अपना सिर हिलाया। वह एक मूर्ख है। वह हमेशा से ही मूर्ख था। तभी एक और ज्वाला उसकी ओर बढ़ी। सिंदबाद ने उसे अपनी तलवार से मोड़ दिया।
‘तेजी से आगे बढ़ो,’ उसने अमीर से कहा।
ग्रिफॉन ने नीचे की ओर गोता लगाया और वाइवरन ने उसका पीछा किया, दोनों एक साथ एक-दूसरे की ओर दौड़ते हुए आगे बढ़े और सिंदबाद पर आग के गोले फेंके, जिन्हें सिंदबाद ने अपनी तलवार से रोक दिया।
'तुम हमेशा से ही क्लास के चहेते थे,' ज़ाहिर चिल्लाया।
‘और तुम ही थे जिसने कभी पढ़ाई नहीं की,’ सिंदबाद ने पलटवार किया।
‘लेकिन देखो हम कहाँ हैं।’ ज़ाहिर ने कहा। ‘तुम अपराधी हो और मैं नायक।’ ‘मुझे माफ़ कर दो!’ सिन्बाद चिल्लाया, उसकी आवाज़ हवा में गूंज उठी।
ग्रिफ़ॉन तेज़ी से ऊपर उठा, और वाइवरन उसके ठीक पीछे-पीछे चल रहा था।
‘क्या?’ ज़ाहिर उलझन में दिख रहा था।
‘मैं हमेशा आपके साथ गलत व्यवहार करने के लिए क्षमा चाहता हूं।’
‘तुम... रुको... क्या? तुमने मेरे साथ कभी गलत व्यवहार नहीं किया।’ ज़ाहिर ने अचंभित होकर कहा।
‘नहीं। मैं... मैंने धोखा दिया।’ सिंदबाद ने सिर झुकाते हुए कहा। ‘मैं चालाक था। मैं एक मज़ाकिया और मसखरा था, और मैंने धोखा दिया। मैं कभी किसी चीज़ में अच्छा नहीं था। मैं कभी अच्छा शिकारी नहीं था। लेकिन मैं हमेशा चालाकी से काम करने में माहिर था, और मैंने वही किया। इसी वजह से सब लोग तुम्हें हमेशा नज़रअंदाज़ करते रहे। मुझे समझ जाना चाहिए था कि इसका तुम पर क्या असर पड़ेगा।’
‘तुमने धोखा दिया?’ ज़ाहिर ने हैरानी से अपनी भौंहें उठाईं। ‘क्या तुम्हें लगा कि इससे मेरा गुस्सा कम हो जाएगा?’
‘मुझे नहीं पता... मैं बस आपको यह समझाना चाहता था कि मैं उतना बुद्धिमान नहीं हूँ जितना आप समझते हैं। आप सही हैं... इसीलिए आप वहाँ हैं और मैं यहाँ। लेकिन, हम और भी बड़ी चुनौतियों का सामना कर रहे हैं, और मैं हिंसा का सहारा लेकर और आपकी जान लेकर उन्हें और जटिल नहीं बनाना चाहता।’

सिंदबाद ने अपनी तलवार म्यान में रख ली। ‘आप एक अच्छे इंसान हैं, आप वही कर रहे हैं जो आपको सही लगता है।’
एमिर ने आगे से कर्कश स्वर में कहा, 'क्या? क्या तुम पागल हो?'
ज़ाहिर एक पल के लिए असमंजस में पड़ गया। तभी वह अचानक आगे झपटा और वाइवरन की पूंछ का इस्तेमाल करते हुए उन्हें ग्रिफ़ॉन से अलग कर दिया। वे ज़मीन पर गिरने लगे, सीधे उनके सिर चकनाचूर होने के लिए।
“क्या यही तुम्हारी योजना थी?” अशांत गति से नीचे उतरते हुए अमीर चिल्लाया। “माफी मांगना? मैं तो उसकी गर्दन तोड़ सकता था। अब हमें क्या करना चाहिए?”
‘क्या योजना?’ सिंदबाद ने पहले भाग को समझने की कोशिश करते हुए जोर लगाया, उसकी उलझन और गहरी होती जा रही थी, जिससे अमीर की चिंता और बढ़ गई।
‘ओह, भयानक!’ अमीर ने घबराहट में चिल्लाते हुए कहा। ‘हम मरने वाले हैं।’ सिंदबाद हवा में करवटें बदलते हुए छटपटाने लगा। उसने सींग निकाला और पूरी ताकत से बजाया। लेकिन कुछ नहीं हुआ। वे अब ज़मीन की ओर बढ़ रहे थे, रेत के करीब। और फिर अचानक अंधेरा छा गया।

ग्यारह
सिन्बाद को एक ऐसा अहसास हुआ जो उसने पहले कभी नहीं किया था—ऐसा लग रहा था जैसे वह अपने नीचे की रेत में घुल रहा हो। गिरते समय, उसे लग रहा था कि उसके सिर पर ज़ोरदार चोट लगेगी, लेकिन इसके बजाय वह और अमीर रेत में समा गए, उनके शरीर रेत में मिल गए। घबराहट ने उसे जकड़ लिया और वह बेताब होकर खुद को आगे धकेलने की कोशिश करने लगा, रेत की पकड़ से मुक्त होने के लिए संघर्ष कर रहा था। 'नहीं! नहीं! मदद करो!'
लेकिन कोई जवाब देने वाला नहीं था। किनारे से अमीर की चीखें सुनाई दे रही थीं, और इससे पहले कि बहुत देर हो जाती, सिंदबाद ने अपनी आँखें बंद कर लीं और उनमें रेत भर गई। जब उसने दोबारा आँखें खोलीं, तो रेत पत्तों और ताज़े ट्यूलिप में बदल चुकी थी। तभी उसकी नाक में प्रकृति की सुगंध आई, और उसने छोटे शैतानों को इधर-उधर दौड़ते देखा, उनके छोटे शरीर फर से ढके हुए थे और उनके चेहरे शरारती मुस्कान से सजे हुए थे। उसने मेंढकों को मक्खियों पर उछलते हुए और उनके चारों ओर फैले ऊँचे पेड़ों को भी देखा। वे खुद को एक हरे-भरे जंगल के बीच में पाए। सिंदबाद की नज़र अमीर पर पड़ी, जो पहली नज़र में स्थिर लग रहा था। हालाँकि, अमीर की आँखें सिंदबाद से मिलीं, और उसने धीमी आवाज़ में पूछा, 'क्या यह परलोक है?' 'ओह! यह उससे भी बेहतर है। बहुत, बहुत बेहतर।' सिंदबाद मुस्कुराया और आगे देखा। एक लंबा और ऊँचा पुल जंगल को सिंदबाद और अमीर के सामने समुद्र से जोड़ रहा था। जैसे ही वे पुल के पास पहुँचे, उन्होंने देखा कि पुल पर मौजूद लोगों के कपड़े उनके लिए अपरिचित थे। कुछ लोग बिना कमीज़ के थे, जबकि अन्य ने ढीले-ढाले कपड़े पहने थे जिनसे उनका शरीर दिख रहा था। उनके असामान्य पहनावे के बावजूद, लोग विभिन्न कार्यों में व्यस्त थे, और कोनों से दीपक निकले हुए थे। पुल पर सोने की परत चमक रही थी, जिससे उसकी अलौकिक सुंदरता और भी बढ़ गई थी। पुल के अंत में एक विशाल द्वार था जो लगभग इंद्रधनुष को छू रहा था।
‘हम हिमिनब्योर्ग में हैं,’ सिन्बाद ने कहा। ‘स्वर्गीय पर्वत।’
‘मुझे कोई पहाड़ दिखाई नहीं दे रहा है,’ अमीर ने कहा।
‘देखो हम कहाँ हैं,’ सिंदबाद ने उत्तर दिया और दोनों ने पुल के नीचे देखा। सचमुच, वे सबसे ऊँचे पहाड़ों के ऊपरी इलाकों में थे, जहाँ गिरने का मतलब तुरंत मौत थी। ‘देखो बिफ्रोस्ट, वह पौराणिक इंद्रधनुषी पुल जो दूसरे लोकों तक पहुँचने का मार्ग प्रदान करता है। मैंने स्वयं कभी ऐसे दिव्य क्षेत्र में कदम नहीं रखा है। मैंने तो बस इसके बारे में सुना है।’
और यह देवता... क्या इसने खलीफा के साथ शरबत पिया था?

‘देवताओं को, विशेषकर नॉर्स पौराणिक कथाओं के देवताओं को, शरबत पसंद होता है। उन्हें थोड़ा शरबत अर्पित करो, और वे बदले में अपना ज्ञान साझा करेंगे। चलो, पुल पार करते हैं। शायद हमें इस दिव्य लोक का शासक मिल जाए।’ दोनों अपनी जगह से उठे और पुल की ओर चल पड़े। जैसे ही वे पास पहुँचे, उनके सामने एक मनमोहक दृश्य खुल गया। वहाँ उन्होंने लोगों को संगीत बजाते, चित्रकारी करते और चेरी बेचते देखा। यह नजारा सुंदरता और खुशी से भरा हुआ था। 'मुझे ये लोग कितने बेफिक्र लग रहे हैं... इन्हें कपड़ों की कोई परवाह नहीं। पता नहीं ये कौन हैं।' सिंदबाद ने अमीर से कहा, जिसने तब तक अपना कुर्ता उतार दिया था। 'तुम्हें क्या हुआ है? तुम अपने कपड़े क्यों उतार रहे हो?'
‘अरे वाह, हवा कितनी सुहावनी है! चलो नाचते हैं, बेटा!’ और वह कूदकर उन लोगों के समूह के पास चला गया जो अपने वीणा पर एक अजीब तरह का संगीत बजा रहे थे। सिन्बाद ने आंखें घुमाईं। 'क्या हम जा सकते हैं, अमीर? हमारे पास ज्यादा समय नहीं है।'
‘अरे, बेटा! मज़ा किरकिरा मत करो। मस्ती में शामिल हो जाओ और खुलकर नाचो!’ एमिर ने चंचल उत्साह से कहा, सिंदबाद को अपने करीब खींचते हुए और उसे नाचने के लिए मनाने की कोशिश करते हुए। ‘हम दुनिया को बचाते रहेंगे, लेकिन अगर हम बीच-बीच में मिलने वाले छोटे-छोटे मज़ेदार पलों का आनंद नहीं लेंगे, तो हम आगे नहीं बढ़ पाएंगे। मैं हमेशा जेल से भागने, इदरीस के साथ रहने और हर बार भागने की कोशिश में दिमाग खराब होने से डरता था। और अब मुझे देखो। अंत में सब ठीक हो जाता है। बस भरोसा रखो।’
‘किस पर भरोसा करूं?’ सिंदबाद ने कहा। ‘ईश्वर पर भरोसा करूं? अपने आस-पास के लोगों पर भरोसा करूं? शैतान पर भरोसा करूं?’
‘नहीं, बेटा,’ एमिर ने शरारती मुस्कान के साथ कहा। ‘खुद पर भरोसा रखो। दीर्घकाल में केवल यही भरोसा मायने रखता है।’
सिंदबाद को इस बात का एहसास नहीं था कि उस कथन में उसकी अपेक्षा से कहीं अधिक शक्ति थी। संगीत तेज़ होते ही सिंदबाद मुस्कुराया और नाचने लगा। जब वह रुका, तो उसने खुद को सुनहरे घुंघराले बालों वाली एक खूबसूरत महिला के सामने पाया। उसने एक सफेद पोशाक पहनी हुई थी जो उसके सीने से लेकर जांघों तक ढकी हुई थी।
‘नमस्कार, साथी यात्रियों। मैं पोक हूँ, जो महान हीमडाल के घर की दासी हूँ। आप कैसे हैं?’ उसने कहा।
‘अरे वाह, इस दुनिया के चमत्कार! क्या वह खूबसूरत नहीं है?’ एमिर ने नाच रोककर कहा, उसकी मुस्कान और चौड़ी हो गई।
'मेरे मित्र, हमें यह नहीं भूलना चाहिए कि तुम शादीशुदा हो,' सिंदबाद ने उसे याद दिलाया।
‘अरे, लेकिन इससे मुझे किसी की सुंदरता की सराहना करने और उसकी तारीफ करने से कोई रोक नहीं सकता, है ना?’ एमिर ने जवाब दिया और महिला का हाथ पकड़कर उसे बड़े ही सलीके से चूमा। ‘आप कैसी हैं, महोदया?’
पोक्क का चेहरा मुस्कान से खिल उठा। 'आपका बहुत-बहुत धन्यवाद, लेकिन लॉर्ड हेमडाल बेसब्री से आपके आने का इंतजार कर रहे हैं।'

सिन्बाद और अमीर ने उस दास का पीछा किया। रास्ते में, सिन्बाद ने देखा कि लोग कितनी लगन और स्नेह से हेइमडाल के घर और उसके आसपास के क्षेत्र की देखभाल करते हैं। यह स्पष्ट था कि ये कार्य उन पर थोपे नहीं गए थे, बल्कि वे इन्हें सच्ची श्रद्धा से करते थे। इससे सम्मान और खुशहाली की संस्कृति का संकेत मिलता था, जो उस शांत और समृद्ध वातावरण में व्याप्त थी।
कुछ देर बाद वे एक विचित्र झोपड़ी में पहुँचे, जिसकी छत फूस की बनी थी और जिसकी मरम्मत कुछ लोग कर रहे थे। वहाँ लिली के फूलों का एक सुंदर बगीचा भी था, जहाँ एक विशालकाय व्यक्ति खड़ा था जिसका पेट असामान्य रूप से बड़ा था। उसने फर जैसा कोट और गैंडे की खाल से बना नॉर्स हेलमेट पहन रखा था, जिसके ऊपर दो उभरे हुए सींग थे। उसकी सुनहरी दाढ़ी और सुनहरे दाँत थे और उसकी आँखें किसी दूसरी दुनिया की सी, रहस्यमयी सी थीं।
‘मेरे प्यारे पोक्क!’ उसने अपने मदिरा के गिलास से एक घूंट लेते हुए गुर्राते हुए कहा, ‘लिली के फूलों की देखभाल नहीं की गई है। अब हम उनकी देखभाल कैसे करेंगे?’
‘मेरे स्वामी, ऐसा ही किया जाएगा,’ पोक्क ने उत्तर दिया।
हेमडाल ने आगे कहा, 'और मीठा पेय खत्म हो गया है। इसे फिर से भर दो, प्लीज़?' पोक्क ने सिर हिलाया और हेइमडाल के प्याले को फिर से भर दिया।
‘और मेरी पीठ में दर्द हो रहा है,’ हेमडाल कराह उठा।
'मैं आपको मालिश दूंगा, महाराज,' पोक ने पेशकश की।
‘सबसे पहले—मैं कहना चाहूंगा, मेरे लिए ब्रोकली और भेड़िये के मांस वाला वह स्वादिष्ट सूप बना दीजिए। वह वाकई बहुत स्वादिष्ट होता है।’
‘मेरे स्वामी, ये आपके दो अतिथि हैं,’ पोक्क ने कहा। ‘और मेरे अतिथिगण, ये कोई और नहीं बल्कि महान हेइमडाल हैं, इस भूमि के शासक, लोकों के लोकों के द्वारपाल और सब कुछ देखने वाले, गजलारहॉर्न के धारक।’
सिंदबाद को विश्वास नहीं हो रहा था कि वह एक देवता से मिल रहा है और उसने हेइमडाल से हाथ मिलाने के लिए अपना हाथ आगे बढ़ाया।
सिंदबाद उत्साह से झूम रहा था, मानो उसके जीवन की हर घटना इसी क्षण के लिए घटी हो। लेकिन तभी, उनके आश्चर्य के लिए, हेइमडाल ने ज़ोरदार डकार ली और लड़खड़ाते हुए सिंदबाद और अमीर दोनों पर गिर पड़ा।

बारह
कुछ ऊंघते हुए हेइमडाल के सामने ब्रोकली और भेड़िये के मांस का सूप परोसा गया, जो नींद से जागने के लिए संघर्ष कर रहा था। सिंदबाद और अमीर लकड़ी की मेज के दूसरे छोर पर बैठे थे और देवता को देख रहे थे, जो सावधानीपूर्वक उस घिनौने, पीले-बैंगनी रंग के मिश्रण को पी रहा था। 'पोक! मुझे वह अमृत दो!' हेइमडाल ने अपने क्रूर अंदाज में कहा। 'इसे मेरे सूप में डाल दो।'
'लेकिन मेरे स्वामी, इससे आपको भयानक बुरे सपने आते हैं,' महिला ने उत्तर दिया।
‘मुझे परवाह नहीं। जब आप लोकों की रक्षा करते हैं, तो बुरे सपने भी बस एक और सपना होते हैं।’ उसने सिंदबाद की ओर देखा। ‘मेरे बेटे, मैंने जो कुछ देखा है, वह सचमुच भयानक है।’
'मुझे पूरा यकीन है, महाराज।'
पोक्क ने शीशी में रखा अमृत निकाला। उसका रंग खून की तरह गहरा लाल था, लेकिन उसमें सोने के कण भी थे। हेइमडाल ने वह पेय पिया और उसके चेहरे पर बड़ी सी मुस्कान फैल गई।
‘आह, कितना आनंद आया!’ उसने कहा और मेज पर ज़ोर से हाथ पटका जिससे मेज हिल गई। ‘मेरी प्यारी पोक की कृपा से, मैं पिछले कुछ दिनों से इसका आनंद ले रहा हूँ।’
‘यह अमृत किस चीज से बना है?’ सिंदबाद ने पूछा।
‘ईट्र,’ उसने कहा।
‘एइत्र?’ सिंदबाद ने अपनी भौंहें उठाईं।
‘मुझे लगता है इसे एटर भी कहते हैं,’ एमिर ने कहा। ‘वही शक्ति जिससे संसारों का निर्माण हुआ। यहां तक कि लिलिथ ने भी जब पिशाचों का निर्माण किया, तो एटर के जादू का इस्तेमाल किया। उसने अपनी कलाई काटकर एटर को अपने शरीर से बहने दिया और एक ऐसी जाति के लिए कामना की जो उसकी रक्षक बने। लेकिन एटर की शक्ति केवल उन्हीं के पास होती है जो मूल रूप से इसके संपर्क में आए हों। एटर आपको लगभग कुछ भी बनाने की शक्ति देता है। आप जातियां बना सकते हैं, संसारों का निर्माण कर सकते हैं और इस शक्ति का उपयोग... किसी भी चीज के लिए कर सकते हैं। डरावना, और फिर भी शक्तिशाली।’
पोक्क ने कहा, 'हम इसका बहुत हल्का रूप इस्तेमाल करते हैं। आप कह सकते हैं कि यह मूल रूप की लगभग नकल है, जो हमारे देवताओं के लिए भी शक्तिशाली है और जिसे ढूंढना भी मुश्किल है। लगभग नामुमकिन।'
हेमडाल ने मेज पर इतनी जोर से हाथ पटका कि वह टूट गई। 'बकवास! मैं इसे पी सकता हूँ और अपनी हड्डियों में फिर से जान आ जाएगी। लेकिन यह सच है,

महाराज!' हेमडाल ने एमिर की ओर इशारा करते हुए कहा। 'ईट्र ही वह है जिसने दुनिया बनाई है। ईट्र में ही वह शक्ति है जिसने देवता यमीर, पहले दानव, को नॉर्स दुनिया को उस रूप में बनाने में मदद की जैसा कि हम जानते हैं।'
'यह इतिहास का एक अच्छा पाठ है, मेरे स्वामी, लेकिन हम यहां एक मिशन पर हैं।' हेमडाल ने सिर हिलाया। 'जी हां। तुमने बगदाद के लड़के से सींग लिया था।' अब वह नशे में नहीं लग रहा था; अमृत पीने से उसकी आंखों में ज्ञान की चमक आ गई थी। 'उसने तुम्हें यह किसी कारण से ही दिया होगा, क्योंकि वह एक बुद्धिमान लड़का था, और तुम्हें यह अनमोल वस्तु देना उसके लिए अनिवार्य था।'
'हाँ।'
मुझे हॉर्न दो।
सिन्बाद ने उसे अपनी कमरबंद से उतारकर पोक्क को दे दिया।
‘अच्छा। अब आपको इसकी जरूरत नहीं है,’ हेइमडाल ने सींग लेते हुए कहा। ‘तो बताइए, मैं आपके लिए क्या कर सकता हूँ?’
सिंदबाद ने अपनी कहानी शुरू से सुनाई, और द्वारों के देवता ने ध्यान से सुना, कभी अपने सोने के दांत खुजलाते हुए, कभी अपने गैंडे के सींग वाले हेलमेट को साफ करते हुए, और अंत में, उसने बस डकार ली और कहा, 'तो क्या तुम मानते हो कि दुनिया खत्म हो रही है?'
'हाँ।'
और शैतान... यह इब्लिस... क्या वह उठ खड़ा हुआ है?
'हाँ।'
‘और आपको लगता है कि मुझे यह पता नहीं होगा?’
'मेरा मतलब है, मुझे नहीं पता, मेरे स्वामी।'
‘मजेदार बात तो ये है कि मुझे पता नहीं,’ हेमडाल ने मासूमियत से कहा। ‘मैंने इसके बारे में ज़रा भी नहीं सुना। मैंने इब्लिस के उदय के बारे में भी नहीं सुना। मैं क्लिटॉप में उस पर नज़र रख रहा था। वो बड़ा शरारती है, और मेरे एक और परिचित बदमाश, लोकी, का दोस्त है।’ हेमडाल ने सिर हिलाया। ‘तुमने लोकी के बारे में तो सुना ही होगा, जो छल-कपट का कुख्यात देवता है। वो बड़ा बदमाश है। लेकिन मुझे उसकी मौजूदगी का कोई संकेत नहीं मिला है, और पूरे लोकों को समझने की अपनी क्षमता के कारण मैं विश्वास से कह सकता हूँ कि मैंने उसे वहाँ नहीं देखा है। इसलिए, मुझे लगता है कि तुम्हारी जानकारी गलत है।’
‘क्या आप दोबारा जांच कर सकते हैं? मैं गलत नहीं हूँ, मेरे स्वामी। आखिरकार, मैंने ही तो उसे रिहा किया था, इसलिए...’
हेमडाल ने धीमी आवाज़ में कुछ बुदबुदाया और फिर अपनी आँखें बंद कर लीं। अगली बार जब उसने आँखें खोलीं, तो वे अनेकों रंगों से भरी हुई थीं। ऐसा लग रहा था मानो वह अलग-अलग लोकों में कुछ खोज रहा हो, इब्लिस को ढूँढ़ने के लिए या उसकी नापाक योजनाओं के बारे में जानने के लिए। कुछ देर बाद, हेमडाल की दृष्टि सामान्य हो गई।
‘मैंने न तो कुछ सुना और न ही कुछ देखा। माफ करना, लड़के, लेकिन तुम किसी और को रिहा कर सकते थे, शायद किसी नकलची को जो उसी नाम से जाना जाता हो।’

हीमडाल ने कुर्सी को पीछे धकेल दिया, जिससे यह संकेत मिला कि मामला यहीं समाप्त होता है।
सिंदबाद लगभग गिड़गिड़ाने लगा। 'फिर भी, महाराज, आइए कम से कम उसे रोकने की कोशिश तो करें। मेरी भविष्यवक्ता ने वादा किया है कि उसने अपने दर्शन में जो वस्तुएँ देखी हैं, वे उसे रोक सकती हैं, और इसलिए यदि हम दूसरे लोकों में जाएँ और...'
‘जाना?’ हेइमडाल हँसते हुए अपने पेट पर मुक्का मारने लगा। ‘क्या तुम्हें पता है कि तुम क्या कह रहे हो? एक लोक से दूसरे लोक में जाना कोई आसान काम नहीं है। यह ब्रह्मांड की व्यवस्था को बिगाड़ देता है। यह व्यवस्था की व्यवस्था को भी बिगाड़ देता है। हर लोक के अपने नियम और कानून होते हैं, और इसके पीछे एक कारण है। एक से अधिक लोकों में जाना मना है, और इसके पीछे भी एक कारण है। यह धोखा है। यह अपनी समस्याओं का शॉर्टकट ढूंढना है। लोगों ने ऐसा किया होगा, इसमें कोई शक नहीं, लेकिन उसके बाद उनका पीछा किया गया और उन्हें मार डाला गया।’
‘किसके द्वारा?’ अमीर ने अपनी भौंहें उठाते हुए पूछा।
‘बेशक, मेरे द्वारा ही,’ हेइमडाल ने कहा। ‘मैं ही तय करता हूँ कि कौन इन लोकों का उपयोग करेगा और कौन नहीं, और मेरी अनुमति के बिना कोई भी ऐसा नहीं कर सकता। धत् तेरे की!’
हेमडाल ने पोक को इशारा किया कि वह उसे अपना फर कोट दे दे, जिसे उसने दोबारा पहन लिया। 'मुझे खेद है, सज्जनों। काश मैं आपकी मदद कर पाता, लेकिन मुझे लगता है कि जिस दुश्मन का आप सामना कर रहे हैं, वह वैसा दुश्मन नहीं है जैसा आप सोच रहे हैं। अन्यथा, मैं उसे देख लेता।'
‘वह चालाक हो सकता है, महाराज।’ सिंदबाद ने अपनी आखिरी कोशिश की। ‘वह आपकी नाक के नीचे यह सब कर रहा होगा। इब्लिस के पास हेरफेर करने का एक तरीका है...’
‘क्या तुम्हें लगता है कि वह मुझे बहका सकता है? छी!’ हेइमडाल हँसा। ‘वह छोटा सा कायर मेरे लिए कुछ भी नहीं है। एक चींटी। बुरे दिन में मेरे सिर पर एक फोड़ा जैसा।’
और इतना कहकर, हेइमडाल कमरे से बाहर निकल गया और बोला, 'आज रात यहीं रुकिए, सज्जनों। कल जाइए। पोक्क, इनके लिए एक अच्छा बिस्तर और कुछ खाना मुहैया कराइए।'
इतना कहकर देवता उन्हें छोड़कर चले गए।
‘हम हार गए हैं,’ सिंदबाद ने हताशा से कहा। ‘हेमडाल की अनुमति के बिना हम इन लोकों में प्रवेश नहीं कर सकते।’
अमीर ने उसकी पीठ थपथपाई। 'लेकिन उसने जो कहा, उस पर गौर करो, लड़के। क्या ऐसा हो सकता है कि जिस इब्लिस को तुमने रिहा किया है, वह असली इब्लिस न हो?' जैसे ही वे कमरे से बाहर निकले, पोक उन्हें गलियारे से होते हुए उनके कमरे में ले गया। यह एक छोटा सा कमरा था जिसमें दो पलंग और एक चिमनी थी। चूल्हे पर एक बर्तन में स्टू उबल रहा था, जिसकी स्वादिष्ट खुशबू पूरे कमरे में फैल रही थी।
सिंदबाद हार मानकर एक पलंग के किनारे बैठ गया। 'अब हम क्या करें?'

अमीर ने आह भरी। 'हम सच्चाई की तलाश जारी रखेंगे, मेरे दोस्त। और जब हमें वह मिल जाएगी, तो हम जान जाएंगे कि क्या करना है।'

तेरह
अगर सिंदबाद की इब्लिस से दोबारा अप्रत्याशित मुलाकात न होती तो उसकी नींद में खलल न पड़ता।
दांत भींचते हुए वह जागा तो खुद को एक लकड़ी के महल जैसे भवन के मुख्य कक्ष में पाया। यह उस द्वीप से बिलकुल अलग था जिसे उसने पहले देखा था। यह जगह ऊबड़-खाबड़ और अंधेरी थी, और बाहर भयंकर तूफान तेज हवाएं चला रहा था। यह एक अप्रत्याशित बदलाव था जिसने उसे भ्रमित कर दिया। सिंदबाद ने हॉल में चल रही एक बैठक को देखा। बहुत से लोग, बड़े और छोटे, लंबी भोजन मेज के चारों ओर बैठे थे और भुना हुआ मेमना, चिकन और टर्की खा रहे थे। शराब से भरे प्याले रखे थे, और उपस्थित मेहमान हंस रहे थे और खुशी से एक-दूसरे से मजाक कर रहे थे। बाहर, तूफान और तेज हो गया था।
अचानक, दृश्य बदल गया और उसने खुद को एक चट्टान के किनारे पर पाया।
‘अरे, तुम यहाँ हो।’ पीछे से एक पतली, मधुर, कुछ जानी-पहचानी सी आवाज़ आई। ‘कैसे हो बेटे?’
सिन्बाद ने मुड़कर देखा तो उसे चांदी जैसे बालों और गर्मजोशी भरी मुस्कान वाला एक बूढ़ा, विनम्र व्यक्ति दिखाई दिया। वह थोड़ा लंगड़ा रहा था, मानो उसके शरीर का कोई हिस्सा काट दिया गया हो, और सच में काट ही दिया गया था, क्योंकि सफीना उसी अंग से पैदा हुई थी। उसका मुकुट टेढ़ा था, मानो वह अभी- अभी किसी ज़रूरी काम से भागा-भागा आया हो।
‘यह अब पहले जैसा नहीं रहा।’ सिंदबाद ने कहा, हालाँकि वह अभी जो कह चुका था उससे कहीं अधिक कहना चाहता था। ‘यह एक द्वीप था, लेकिन अब हम पहाड़ों में हैं। क्या हो रहा है? ये लोग कौन हैं जिन्हें मैं दावत में देख रहा हूँ? क्या वे सचमुच मौजूद हैं?’
‘मैं तुम्हें यकीन दिलाता हूँ, बेटे, सब कुछ असली है।’ इब्लिस ने गर्मजोशी से मुस्कुराते हुए कहा। ‘हाँ, दर्शनों में स्थान समय-समय पर बदलते रहते हैं। ऐसा इसलिए होता है ताकि तुम यह न जान सको कि मैं कहाँ हूँ और दूसरों को मेरी उपस्थिति के बारे में सचेत न कर सको। तुम्हें समझना होगा, मेरे लिए बहुत कुछ दांव पर लगा है और मुझे उन लोगों की सुरक्षा के लिए सावधानी बरतनी होगी जिनकी मैं रक्षा करता हूँ। जिन्हें तुमने पहले देखा था।’
मुझे कैसे पता चलेगा कि वे असली हैं भी या नहीं?
‘क्या सच है, क्या झूठ, ये तो सिर्फ दिल ही जानता है। वैसे, मुझे तुम्हारे गुनाहों की जानकारी मिल रही है। तुम दूसरों से मेरे बारे में बातें कर रहे हो। क्या इसी तरह तुम दोस्ती का हाथ बढ़ाना चाहते हो?’
मुझे तुम्हारी दोस्ती नहीं चाहिए।

इब्लिस रुका और सिंदबाद की ओर देखते हुए अपनी भौंहें ऊपर उठाईं। 'यह सुनकर मुझे खेद हुआ। मैंने सचमुच कहा था कि मैं बीच का रास्ता निकालना चाहता हूँ। इसीलिए मैंने तुम्हें यहाँ बुलाया है, इससे पहले कि तुम मेरे और मेरी योजनाओं के बारे में दूसरों से बात करो, जबकि तुम्हें इसके बारे में कुछ भी पता नहीं है।'
मुझे पूरा यकीन है कि यह बेहद भयावह है।
‘यह घिसा-पिटा लगता है। मैं बुरा आदमी नहीं हूँ। मैं एक मिशन पर निकला हुआ आदमी हूँ। रक्षक। प्रकाश लाने वाला। हेयलेल। यह नाम याद है?’ वह मेज के किनारे पर आ गया, जहाँ अलग-अलग समूहों में लोग बैठे थे जिनके बारे में सिंदबाद को पता नहीं था। ‘ये मेरे करीबी लोग हैं। तुम उनसे बात नहीं कर सकते। वे तुम्हें सुन नहीं सकते। वे तुम्हें देख नहीं सकते। लेकिन तुम हमारी बातचीत सुन सकते हो। और तुम्हें पता चल जाएगा कि मेरा इरादा सच्चा है।’
तब इब्लिस अपने सिंहासन पर बैठा और अपने सामने खड़े लोगों से बोला, ‘हमें मनुष्यों के बारे में क्या करना चाहिए?’
'उन्हें क्लिटॉप भेज दो। वह दुनिया उनके जीवित रहने के लिए बिल्कुल ठीक है,' एक गंजे सिर वाले बूढ़े व्यक्ति ने कहा।
'यह सच है, क्रोनस, मैंने अपनी कैद के दौरान वहां एक काफी आधुनिक दुनिया का निर्माण किया है,' इब्लिस ने कहा।
काले घने बालों वाली, चेहरे पर कफ़न ओढ़े और लंबे काले नाखूनों वाली एक महिला ने कहा, 'और वे सब आखिरकार जंगली ही हैं। आदिम। क्लिटॉप छोड़ने के बाद वे अपने मूल रूप में लौट जाएंगे।'
लेकिन क्या पूरी मानवता को क्लिटॉप में ढाला जाएगा? सच कहें तो, क्लिटॉप इतना बड़ा नहीं है।
सिर पर सांप का टैटू बनवाए एक व्यक्ति ने आगे झुककर पूछा, 'अगर मैं कुछ कहूँ, हेयलेल?'
‘हां, एपप,’ इब्लिस ने अनुमति दी।
‘हम तय कर सकते हैं कि क्लिटॉप कौन आएगा और कौन नहीं। जब हम सब मिलकर रस्म अदा करने के लिए निकलेंगे, तब हम योग्य लोगों को चुनेंगे। शायद आधी आबादी, या शायद उससे भी कम।’ एपप इस तरह बोलता रहा मानो सामूहिक हत्या करना टर्की के टुकड़े को कुतरने जैसा आसान काम हो।
इब्लिस ने सिर हिलाया। 'मैं जानता हूँ कि मेरी तरफ से किसे अनुमति है— सिंदबाद और उसके साथियों को। वे मेरे कट्टर दुश्मन रहे हैं, और मुझे हमेशा ऐसे लोग पसंद आते हैं जो दृढ़ता दिखाते हैं। सिंदबाद अपने भोलेपन और यह सोचने की बचकानी क्षमता से मुझे लगभग बहला देता है कि वह कुछ बदलाव ला सकता है।'
उस बयान पर सिंदबाद ने अपनी मुट्ठी भींच ली।
टेबल के दूसरे छोर पर एक कुर्सी खाली पड़ी थी, जिस पर सिंदबाद की नजर पड़ी। दूसरे सदस्यों में से एक ने कहा, 'उससे सावधान रहना। वह भले ही अक्षम और सरासर लापरवाह हो, लेकिन आंख में चुभने पर कांटा जैसी छोटी सी चीज भी समस्या खड़ी कर सकती है।'

इब्लिस मुस्कुराया। 'सच है। लेकिन हमें चुभने के लिए पहले किसी को कांटे की तरह प्रभावी होना पड़ता है।'
तभी सिंदबाद ने उन चेहरों को पहचाना। हालाँकि वे वैसे नहीं थे जैसा उनके बारे में लिखा गया था, फिर भी वह समझ गया कि गंजा आदमी काल का देवता क्रोनस था। साँप का टैटू बनवाया हुआ आदमी मिस्र की पौराणिक कथाओं का अराजकता का देवता अपोफिस था। वहाँ स्लाव चुड़ैल बाबा यागा भी थी। कुछ और भी थे जिन्हें वह पहचान नहीं पाया, लेकिन वे भी उतने ही खतरनाक, डरावने और... प्रलयकारी लग रहे थे।
सामने वाले छोर पर रखी कुर्सी का एक नाम था। सिंदबाद ने आगे झुककर देखा। 'लोकी।'
अचानक, सिंदबाद ने इब्लिस को पकड़कर ज़मीन पर पटक दिया। हालाँकि, इब्लिस के पूरे दल को इसका पता नहीं चला। फिर भी, ज़मीन पर पड़े इब्लिस के चेहरे पर सिंदबाद ने बार-बार घूंसे मारे। काश उसके पास उसकी तलवार होती, तो वह उसे इब्लिस के शरीर में घोंप देता।
‘हमें तुम्हारी दया नहीं चाहिए।’ उसने इब्लिस को कॉलर से पकड़कर ऊपर खींच लिया, जबकि शैतान शांत बना रहा। ‘हम नहीं चाहते कि तुम हमारे बारे में सोचो। मानव जाति तुम्हारी दया के बिना विकसित हुई है।’
अब इब्लिस से खून बहने लगा और सिंदबाद ने खून पर ध्यान दिया। यह खून पहले से अलग दिख रहा था।
लेकिन अजीब तरह से परिचित।
‘बेटे, मैंने तुम्हारे साथ हमेशा अच्छा ही बर्ताव किया है,’ इब्लिस ने खून की उल्टी की और उसे ज़मीन पर थूक दिया। ‘तुम्हें मुझे इस तरह नहीं मारना चाहिए था।’
'इसे याद रखना। उस दिन को याद रखना जब एक साधारण इंसान की वजह से तुम्हारा खून बहा था।'
इब्लिस मुस्कुराया। हमेशा की तरह, उसने अपनी तिरस्कारपूर्ण मुस्कान बिखेरी। और फिर उसने उंगलियां चटकाईं।
उस बुरे सपने को खत्म होने देते हुए, उसने अनजाने में सिंदबाद को इतना कुछ बता दिया कि वह जान सके कि हेइमडाल इब्लिस को बिल्कुल भी क्यों नहीं देख पाया था।

चौदह
सिन्बाद बुरी तरह हिल रहा था। जब उसने अपनी आँखें खोलीं, तो सबसे पहले उसने अमीर को देखा।
'अब जाने का समय हो गया है, बेटा।'
‘नहीं,’ उसने धीमी आवाज़ में कहा।
‘क्या?’ एमिर ने कहा। ‘तुम्हें क्या हुआ है? मुझे अपनी पत्नी से मिलना है; मैं तुम्हारे साथ लगातार कई यात्राओं पर जा चुका हूँ। क्या तुम्हारा यही हाल हमेशा रहता है?’
‘दुर्भाग्यवश, हाँ।’ सिंदबाद गुस्से में अपने कमरे से बाहर निकल गया। बाहर पोक ने उनका स्वागत किया। 'महोदय, आपका द्वार आपके जाने का इंतजार कर रहा है।'
'जाने से पहले मैं लॉर्ड हेमडाल से मिलना चाहूंगा,' सिंदबाद ने कहा। 'मुझे खेद है, लेकिन वह बिफ्रोस्ट के गेट के ऊपर मलबे से संबंधित कुछ समस्याओं की जांच करने के लिए गए हैं।'
लेकिन मैं अब भी उससे मिलना चाहूंगी। मैं सफलता की ऊंचाइयों तक कैसे पहुंचूं?
‘अह...’ पोक्क सोचने लगा कि क्या कहे। यह देखकर सिंदबाद दौड़कर बाहर निकल गया और पोक्क, अमीर के साथ उसके पीछे-पीछे चलने लगा।
‘सज्जनों, मतलब, उम...’
सिंदबाद ने बात नहीं मानी। कुटिया से निकलते ही वह उस द्वार की ओर बढ़ने लगा, जो आकार में सबसे बड़ा था और जहाँ इंद्रधनुष अंत में मिलता था। हालाँकि वहाँ पहुँचना एक कठिन कार्य था।
ऊपर की मंजिल पर कोई जाता कैसे है?
जैसे ही सिन्बाद भागा, उसने कोनों में छिपी हुई हाथ से चलने वाली लिफ्टों की मौजूदगी देखी। सिन्बाद तेज़ी से ट्रॉली की ओर बढ़ा, और पोक्क और एमिर उसके पीछे-पीछे चलने लगे। एमिर ने कहा, 'अगर तुम जा रहे हो, तो हम भी आ रहे हैं।'
‘वाह!’ सिंदबाद ने उत्साह से कहा और ट्रॉली को ऊपर उठाने के लिए लीवर को कसकर पकड़ लिया। हर पल बीतने के साथ, वे ज़मीन से सैकड़ों फीट ऊपर हवा में लटकते जा रहे थे। जब वे ऊपरी मंजिलों पर पहुँचे, तो उन्होंने इमारतें और लोगों के आने-जाने के लिए और भी चौड़ी सड़कें देखीं। कुछ लोग गेट पर काम कर रहे थे, ताकि किसी भी तरह की दुर्घटना से बचाव के लिए उसे मज़बूत रखा जा सके।

तेज रोशनी के कारण कुछ देर तक कुछ और देखना मुश्किल था, लेकिन सिंदबाद चलता रहा। उसे हेइमडाल मिला, जो अपने एक दास को ईंटों और सीमेंट के उपयोग, उनसे जुड़े जादू और उन्हें बनाने के लिए बनाए जाने वाले प्रतीकों के बारे में निर्देश दे रहा था।
हेमडाल ने सिंदबाद को देखा और आश्चर्यचकित रह गया। 'तुम यहाँ क्या कर रहे हो, लड़के?' अब वह कम नशे में लग रहा था; उसका शरीर भव्य था, पिछली रात की तुलना में तीन गुना बड़ा। वह उन दोनों से कहीं अधिक लंबा दिख रहा था। 'मेरे पास तुम्हारे लिए कुछ खबर है।'
'जाने से पहले, मुझे आपको फिर से बताना होगा। इब्लिस वास्तविक है,' सिंदबाद ने कहा।
हेमडाल ने आंखें घुमाईं। 'तुम कितनी बार कोशिश करोगे?'
‘मैं सच कह रहा हूँ। इब्लिस असली है और अब मुझे पता चल गया है कि आप उसे क्यों नहीं देख सकते।’
हेमडाल ने उसे घूरकर देखा। ‘तुम्हारा क्या मतलब है? उसे नहीं देख पा रहे? मैं सब कुछ देख सकता हूँ। क्या तुम्हें लगता है कि मेरी क्षमताएँ कमजोर हो रही हैं?’ उसने गुस्से से कहा।
‘नहीं। इब्लिस छिपाने में माहिर है। आखिरकार, उसने इसके लिए सबसे योग्य व्यक्ति को नियुक्त किया है,’ सिंदबाद ने उत्तर दिया।
हेमडाल ने अपनी निगाहें सिकोड़ लीं। 'तुम किस बारे में बात कर रहे हो? ठीक क्या करना है?'
‘वह अमृत जिसे तुम सूप के साथ पीते हो। देखो, यह निश्चित रूप से ईट्र से बना है, लेकिन पोक के कहने के अनुसार यह पतला नहीं है। यह शुद्ध है, मानो मूल रूप से प्रकट देवता, इब्लिस जैसे किसी देवता के रक्त से निकला हो, जो अंततः ईट्र से बनी कुछ प्रारंभिक रचनाओं में से एक था।’ सिंदबाद ने कहा। ‘शक्तिशाली ईट्र के माध्यम से, जो एक तरह से उसका रक्त है, उसने खुद को छिपाने और तुम्हें अपने अस्तित्व से अनजान रखने का एक तरीका अपनाया है। इब्लिस ने ईट्र का उपयोग तुम्हें अंधा करने के लिए किया, लेकिन इस तरह से कि जब वह दुनिया को नष्ट करे तो तुम्हें उसे रोकने की सूचना न मिले, इस प्रकार तुम्हें तुरही बजाकर सबको जगाने से रोका जा सके।’
‘यह तो कतई बेतुका है,’ हेमडाल ने कहा, लेकिन फिर सोचने के लिए रुक गया। ‘तुम्हें कैसे पता कि यह उसका खून है?’
क्योंकि मैंने सपने में उसे घूंसा मारा था।
हेमडाल ने हैरानी से कहा, 'क्या तुम्हें पता है कि तुम्हारी बातें कितनी हास्यास्पद लग रही हैं?'
सिंदबाद ने कंधे उचकाते हुए कहा, 'वह मुझसे संवाद करने के लिए सपनों और बुरे सपनों का इस्तेमाल कर रहा है। क्यों? मुझे नहीं पता। लेकिन वह कुछ बड़ा प्लान बना रहा है। बहुत बड़ा। और इसमें तुम्हारा दुश्मन लोकी भी शामिल है।'
‘लोकी? उसके साथ काम कर रहे हैं?’
'हाँ।'
'गलत। मैं उसे जोतुनहेम में देखता हूँ।'

‘यह महज़ एक भ्रम होगा। लेकिन वह वहाँ नहीं है।’ सिंदबाद ने दाँत पीसते हुए कहा। ‘वह तो यहीं है। तुम्हारे साथ।’
'यहाँ क्या?'
सिन्बाद ने पोक्क की ओर मुड़कर कहा, 'क्या तुम यह सम्मान दोगे या मुझे देना चाहिए?'
सुनहरे बालों वाली खूबसूरत महिला पोक्क अचंभित रह गई। 'सज्जनों, मुझे समझ नहीं आ रहा कि आप क्या कह रहे हैं। मेरे स्वामी, मैंने उनसे कहा था कि आप बहुत स्पष्टवादी हैं।'
‘शुरुआत में,’ सिंदबाद उस तथाकथित दास के चारों ओर घूमते हुए बोला, ‘मैं थोड़ा उलझन में था। मैंने यह नाम, पोक्क, कहीं सुना है। यह लोकी का दूसरा नाम है। याद है जब उसने बाल्डुर की मृत्यु पर एक बूढ़ी चुड़ैल का रूप धारण किया था, जो एक आंसू भी बहाने को तैयार नहीं थी। बाद में पता चला कि थोक नाम की वह बूढ़ी चुड़ैल असल में लोकी ही था, जिसने अपना रूप बदला था। यहाँ, वह एक चुड़ैल नहीं बल्कि एक खूबसूरत औरत थी जो तुम्हें मोहित करना चाहती थी। तुम अकेले थे और उसने इसका फायदा उठाया।’
‘तुम्हें क्या लगता है कि अगर यह लोकी होता तो मुझे पता नहीं चलता?’ हेइमडाल ने आत्मविश्वास से कहा, जो जल्द ही भ्रम में बदल गया। ‘मुझे पता चल जाता…’
‘अहंकार ही आपकी कमजोरी है, महाराज।’
पोक्क अचानक हँस पड़ा। 'यह तो सरासर अन्याय है, महाराज। मैं तो बस... हेमडाल ने अपना हाथ ऊपर उठाया। 'मुझे अब याद आ गया। तुम सचमुच कहीं से अचानक आए और मेरे करीबी सेवक बन गए।'
पोक्क ने आंखें घुमाईं और आगे इंतजार नहीं किया। उसका शरीर अचानक एक विशालकाय सर्प में बदल गया, जिसने हेइमडाल पर विष उगला। वह एक तरफ गिर पड़ा, उसकी त्वचा तेजी से जलने लगी।
सिंदबाद ने अपनी तलवार निकाली और सर्प से लड़ने के लिए छलांग लगाई। पीछे से इंद्रधनुषी रंग चमक रहे थे।
सर्प ने कहा, 'मैं अपना काम पूरा करने के बहुत करीब था और तुमने इसे मुश्किल बना दिया।'
वह लोकी के मूल रूप में आ गया—एक लंबा, दुबला-पतला आदमी जिसके लाल बाल थे और उसने एक लंबा हरा लबादा ओढ़ रखा था। वह सुंदर तो था ही, साथ ही उसकी आँखों में धूर्तता की झलक भी थी।
'तुम यहां मरे बिना भी जा सकते थे, लेकिन अफसोस, हमें अभी जो जरूरी है वो करना होगा।'
हेइमडाल दर्द से कराहते हुए जमीन पर लोट रहा था, सांप के विषैले जहर से उसकी त्वचा जल रही थी और उस पर छाले पड़ गए थे। वह दर्द से चीख रहा था। लोकी ने मुस्कुराते हुए कहा, “अच्छी बात तो ये है कि मैंने उसे इतना एइत्र खिला दिया है कि वो कुछ समय के लिए हेयलेल को देख ही नहीं पाएगा, जब तक कि हमारी योजना का फल न मिल जाए। लेकिन मैं तुम्हारा क्या करूँ? हेयलेल ने मुझे हिदायत दी है कि मैं कोई समस्या खड़ी न करूँ, पर मैं हमेशा ये कह सकता हूँ कि ये सब एक हादसा था।”

तभी, पीछे से, एमिर ने लोकी पर झपट्टा मारा, जो पल भर में गायब हो गया और सिंदबाद के पीछे चाकू लेकर उसकी गर्दन पर वार करने लगा। वह इतना फुर्तीला और चालाक था कि उसकी हरकतों को समझना लगभग नामुमकिन था। एमिर गुस्से में गुर्राया, उसके नुकीले दांत बाहर निकल आए और नाखून लंबे हो गए। अब वह बिल्कुल असली पिशाच जैसा लग रहा था।
उस अफरा-तफरी को देखकर, बाकी गुलाम दहशत से चीखते हुए पुल से भागने लगे। ‘ना ना ना, पिशाच लड़के। जब तुम्हारे दोस्त की गर्दन मेरी तलवार पर है, तो मुझ पर हमला करने का कोई फायदा नहीं। तो, यह एक दुर्घटना ही है,’ लोकी ने सिंदबाद की गर्दन पर चाकू घोंपते हुए कहा। ‘अब हम क्या करें? क्या मैं तुम्हें अपने राज्य में ले जाऊं, जहां से हम सवारी करेंगे?’
‘ये सवारी, ये कैसी सवारी है?’ एमिर ने पूछा।
‘अगर मैंने तुम्हें बता दिया तो मुझे बेवकूफ साबित होना पड़ेगा, और मैं बेवकूफ नहीं हूँ। वह जाहिल...’ उसने अभी भी संघर्ष कर रहे हेमडाल की ओर इशारा करते हुए कहा, ‘...एक बेवकूफ है। कितना मूर्ख आदमी है।’
‘कम से कम एक सम्मानजनक व्यक्ति तो है,’ सिंदबाद ने कहा।
‘और सम्मान से क्या मिलता है?’ लोकी ने पूछा। ‘दुर्भाग्यवश, केवल मृत्यु।’ यह कहते हुए उसने चाकू सिंदबाद के गले में घोंप दिया। लेकिन कुछ नहीं हुआ, चाकू वापस उछल गया। सिंदबाद के कुर्ते पर बने सेल्टिक चिह्न चमक उठे।
‘यह क्या है?’ लोकी ने उलझन में पूछा।
सिंदबाद ने इंतजार नहीं किया; वह फिसला और लोकी को लात मारकर जमीन पर पटक दिया।
एक बार फिर, लोकी सर्प में परिवर्तित हो गया और उसने विषैला आक्रमण किया।
सिंदबाद ने चतुराई से लुढ़क कर विष से खुद को बचा लिया। लोकी ने फिर से कोशिश की, लेकिन तभी एमिर पीछे से उस पर कूद पड़ा और अपने नाखूनों से उसकी त्वचा को खरोंचने और उसमें धंसाने लगा। सर्प फुफकारा और एमिर को झटकने की कोशिश की। उसकी पूंछ ने सिंदबाद पर वार किया और उसे ज़मीन पर गिरा दिया। सिंदबाद तुरंत सर्प की ओर दौड़ा, उसके शरीर के नीचे गया और पीछे से कूदकर उसकी गर्दन में वार कर दिया, जबकि एमिर ने उसे पकड़ रखा था।
सर्प ने एमिर को एक तरफ धकेल दिया। असंतुलित होकर वैम्पायर पुल से लगभग गिर ही गया। यह देखकर सिंदबाद उसकी ओर दौड़ा और उसका हाथ पकड़कर उसे ऊपर खींच लिया।
जैसे ही वे दोनों उठे, उन्होंने देखा कि सांप उनसे दूर सरक रहा है। ‘अलविदा; उम्मीद है जल्द ही मिलेंगे।’ इतना कहकर सांप एक चिड़िया में बदल गया और उड़ गया।
हेइमडाल, जो विष से झुलसकर कमजोर हो गया था, ने उठकर पक्षी पर अपनी तलवार फेंकने का प्रयास किया, लेकिन वह लड़खड़ा गया और गिर पड़ा। इसी बीच, लोकी गायब हो गया था।
तीनों ने ऊपर देखा तो लोकी वहां से काफी दूर जा चुका था।

पंद्रह
जब सिंदबाद ने हेमडाल की कुटिया के मुख्य कक्ष में प्रवेश किया, तब हेमडाल अपने सिंहासन पर विश्राम कर रहा था।
जैसे ही उसने देवता को देखा, उसने गौर किया कि दासों के उसे पालने-पोसने के अथक प्रयासों के बावजूद, वह दुर्बल प्रतीत हो रहा था। हेइमडाल ने सिंदबाद और अमीर को देखकर हल्की सी मुस्कान दी।
‘अरे, उद्धारकर्ताओं,’ उसने धीमी आवाज़ में कहा, ‘कैसे हो?’
‘मैं ये सवाल तुमसे ही पूछ रहा हूँ, यार,’ एमिर ने कहा। ‘तुम बहुत बुरे दिख रहे हो।’
‘लोकी के जहर का असर हमेशा धीरे-धीरे उतरता है,’ हेइमडाल ने आह भरी। ‘लेकिन वो इतना चालाक कभी नहीं था।’ उसने सिर हिलाया। ‘तुम सही थे,’ उसने मन ही मन कहा, अनिच्छा से मानते हुए कि दोनों मेहमान सही थे। वह रुका और अपने एक दास को इशारा किया कि वह अपने शरीर से जहर के बचे-खुचे निशान पोंछना बंद करे। ‘तुम सही थे, और मैं मूर्ख था। मैंने अपने सामने जो था उसे नहीं देखा।’ देवता द्वारा प्रशंसा किए जाने पर सिंदबाद को संतोष की अनुभूति हुई। ‘हमें सबको सचेत करना होगा कि इब्लिस यहाँ है। और लोकी उसके खेल का हिस्सा है।’ हेइमडाल ने कहा।
‘महाराज, मेरा सुझाव इससे अलग है,’ सिंदबाद ने कहा। ‘उन्हें उस सींग की चिंता करने दीजिए जो उनकी उपस्थिति के बारे में दूसरों को सचेत करने के लिए बजाया जाएगा। मेरा मानना है कि हमें इब्लिस का पता लगाने को प्राथमिकता देनी चाहिए, लेकिन पहले आपको ईत्र के प्रभाव के कम होने का इंतजार करना होगा।’
उसने सवालिया निगाहों से देखा, 'क्या आपको यकीन है?'
'हां। अगर सबको पता चल जाए तो क्या फायदा? हमें उसका पता नहीं है और वह छिपने में माहिर है।'
हेमडाल ने एक पल सोचा। 'तो फिर हम उसे कैसे रोकेंगे?'
‘मुझे कलाकृतियाँ प्राप्त करने दो। मुझे दूसरे लोकों में प्रवेश करने दो,’ सिंदबाद ने शांत स्वर में कहा।
‘मुझे पता था कि तुम यही कहोगे,’ हेमडाल ने सिर हिलाते हुए कहा। ‘और चाहे यह कितना भी खतरनाक क्यों न हो, मुझे अब यकीन होने लगा है कि यही एकमात्र रास्ता है। बताओ, क्या तुम्हें अपने भविष्यवक्ता पर भरोसा है?’
‘मेरी जिंदगी से भी ज्यादा,’ सिंदबाद ने जवाब दिया।
हेमडाल मुस्कुराया। ‘अच्छा। मैं एक रणनीति बनाऊंगा और देखूंगा कि मैं तुम्हारी कैसे मदद कर सकता हूं। इस बीच मैं उसका पता लगा लूंगा। हे भगवान,

जो सब कुछ देख सकता है, वह तो बिल्कुल अंधा रहा है। इस सब की विडंबना मुझसे छिपी नहीं है।’ यह कहते हुए, देवता ने अपने हाथ मरोड़े और उंगलियां चटकाने लगा। जल्द ही, तीन छोटे गोले हवा में लटक गए। ‘ये उन तीन लोकों के द्वार खोलते हैं जहां वस्तुएं हैं। नीले गोले में असाग का विष है, लाल में तलवार है और सफेद में दीपक है। जाओ, और इन्हें ले आओ।’
गोले हवा में तैरते रहे और फिर सिंदबाद की खुली हथेली के ऊपर आकर रुक गए, जिसे उसने पकड़ लिया। आकार में छोटे होने के बावजूद, सिंदबाद को वे गोले भारी लगे।
जब भी आप उस लोक में प्रवेश करना चाहें, बस अपनी आंखें बंद कर लें और अपने हाथ में मौजूद गोले पर बटन दबाएं, उस लोक का द्वार खुल जाएगा।
सिंदबाद ने सिर हिलाया।
'बस एक बात याद रखना, और यह बहुत महत्वपूर्ण बात है,' हेमडाल ने गंभीरता से कहा।
'हाँ?'
“आप दूसरे लोक से जो भी वस्तु लाएँ, उसे वापस लौटा दें। क्योंकि यदि आप ऐसा नहीं करते हैं या यदि वह किसी ऐसे लोक में नष्ट हो जाती है जहाँ से वह संबंधित नहीं है, तो तीनों लोक आपस में मिल जाएँगे और इससे भारी अराजकता फैल जाएगी। इन वस्तुओं को प्रत्येक लोक की आत्माएँ समझें, इन आत्माओं को अपने शरीर से लंबे समय तक दूर नहीं रहना चाहिए; अन्यथा यह दुनिया के अंत से भी बदतर होगा। यह तीनों लोकों का एक साथ अंत होगा। इन तीनों लोकों की मानवता को एक ही स्थान पर कल्पना कीजिए।”
सिंदबाद ऐसा नहीं करना चाहता था; यह डरावना लग रहा था। 'बेशक,' उसने कहा, 'जब वे अपना उद्देश्य पूरा कर लेंगे तो मैं इसे लौटा दूंगा।'
‘अच्छा। मुझे आपके शब्दों में सम्मान झलक रहा है। मुझे यकीन है कि आप अच्छा करेंगे। मैं समझ गया...’ वह रुका, सिंदबाद को ध्यान से देखते हुए बोला, ‘चलिए उस बारे में बात नहीं करते,’ वह हँसा, ‘मुझे पूरा यकीन है कि आप अच्छा करेंगे।’
‘उम्म... धन्यवाद।’ सिंदबाद ने कहा। ‘मैं अपने जहाज पर लौटना चाहता हूँ।’ उसने अमीर की ओर देखा। ‘मैं अपने दल का हालचाल जानना चाहता हूँ।’
‘जी हां।’ और हेइमडाल ने अपनी उंगली घुमाई। उनके सामने बैंगनी और लाल रंग का एक द्वार खुल गया। जैसे ही वह उसकी ओर बढ़ने लगा, सिन्बाद ने हेइमडाल की ओर देखा और कहा, ‘बुरा मत मानिए, मेरे स्वामी। मुझे लगता है कि आप अपनी क्षमताओं पर संदेह कर रहे हैं, लेकिन आपकी मंशा अच्छी है।’
हेमडाल मुस्कुराया, लेकिन वह एक पराजित मुस्कान थी। सिंदबाद, एमिर के साथ पोर्टल में प्रवेश कर गया। पोर्टल एक विशाल रंगीन गलियारे में खुल गया। ‘मैं तुम्हारे साथ कभी भी किसी साहसिक यात्रा पर नहीं जाना चाहता।’ एमिर चिल्लाया। ‘तुम्हारा भाग्य खराब है, लड़के।’
सिंदबाद हँसते हुए बोला, 'ऐसा बहुत समय से होता आ रहा है।'
अमीर ने एक गहरी आह भरी। ‘मैं अपनी पत्नी से फिर से मिलने के लिए तड़प रहा हूँ। मुझे उसकी बहुत याद आ रही है।’ रंगीन सुरंग से बाहर निकलते ही उनके

कदम उन्हें जहाज के डेक पर ले गए। चारों ओर फैले अथाह जल से घिरे होने के कारण ऐसा लग रहा था मानो वे समुद्र के बीचोंबीच पहुँच गए हों।
अपने दल से दोबारा मिलने पर सिन्बाद के पास कहने के लिए बहुत कुछ था। लेकिन जब उसने इदरीस को खुशी से अमीर की बाहों में कूदते हुए देखा, तो वह चुप रहना ही बेहतर समझा, ताकि वह मार्मिक क्षण बिना किसी रुकावट के बीत सके। सिन्बाद ने यह देखकर मुस्कुराया, लेकिन इससे पहले कि वह कुछ और कह पाता, उसने देखा कि इदरीस के चेहरे पर उसे देखकर खुशी नहीं थी। अचानक, उसे ज़ोर से ज़मीन पर गिरा दिया गया और उसे एहसास हुआ कि मार्कस के आदमियों में से एक ने उसे पकड़ रखा है।
‘यह क्या हो रहा है? अरे! मैं जहाज का कप्तान हूँ!’ वह चिल्लाया।
तभी मार्कस उसके पास आ गया।
‘सिंदबाद, हम जानते हैं। हम जानते हैं तुमने क्या किया,’ उसने कहा। ‘तुमने अनांसी के साथ सौदा किया।’

सोलह
सिंदबाद, जिसके हाथ पीछे बंधे हुए थे, जहाज से फेंके जाने के कगार पर था।
समुद्र सामान्य से कम उग्र लग रहा था। फिर भी, ज़मीन का कोई निशान नहीं दिख रहा था।
‘यह अनावश्यक है!’ सिंदबाद चिल्लाया।
वह देख सकता था कि उसका पूरा दल उसे गुस्से से घूर रहा था, जिससे स्पष्ट रूप से संकेत मिल रहा था कि वे उसे अपने साथ नहीं रखना चाहते थे।
‘यह सजा बहुत कठोर है। मुझे तैरना नहीं आता।’ सिंदबाद ने झूठ बोला।
हुसैन ने चिंता भरे स्वर में कहा, 'वह सही कह रहा है। मुझे लगता है कि हमें इस गलती को भुला देना चाहिए।'
लेकिन मार्कस ने गुस्से में अपनी छाती फुला ली। 'मुझे परवाह नहीं। वह कप्तान बनने के लायक नहीं है। उसने अनांसी के साथ मिलकर काम किया और हम सबको कष्ट सहने दिया।'
'प्लीज़, मार्कस। मैं समझा सकती हूँ, और मुझे आप सबको बहुत कुछ बताना है। अभी अतीत को कुरेदने का सही समय नहीं है।'
अब उसके पीछे कहीं से इदरीस बोला, "कोई बात नहीं, मार्कस। उसे तख्ते से डराना ही अभी के लिए काफी सजा है। मुझे यकीन है कि सिंदबाद को पता है कि उसने गलत किया है।"
‘नहीं!’ मार्कस गुर्राया। ‘क्या तुम समझते नहीं? उसने ऐसे व्यक्ति से सौदा किया है जो निश्चित रूप से बाहर निकल जाएगा। और अगर वह बाहर निकल गया तो...’ वह कांप उठा।
‘अगर मैं पूछ सकता हूँ तो आपको कैसे पता चला?’ सिंदबाद ने पूछा। ‘उन्होंने खुद मुझे सूचित किया। वे आपके द्वारा सौदा पूरा करने का इंतजार कर रहे थे,’ मार्कस ने जवाब दिया।
सिन्बाद ने आह भरी। जहाज थोड़ा हिल गया और वह लगभग अपना संतुलन खो बैठा।
'ठीक है, मुझे माफ़ करना, लेकिन मैं समझा सकता हूँ। मुझे वापस जहाज पर जाने दो।' वह जहाज की ओर मुड़ने ही वाला था कि मार्कस ने अपनी तलवार निकाल ली। “चलो, मेरे दोस्त। मैं माफी मांगता हूँ। मुझे पता है कि मुझे तुम्हें कारण बताना चाहिए था, लेकिन मैंने नहीं बताया क्योंकि मुझे लगा था कि हम जीत जाएंगे। मैं घमंडी और अभिमानी था, लेकिन अब नहीं। खैर, मैंने सब ठीक करने का एक तरीका ढूंढ लिया है। अब हम अलग-अलग लोकों में प्रवेश कर सकते हैं और अलग-अलग दुनियाओं की यात्रा कर सकते हैं। मेरे पास वे गोले हैं जो हमें लोकों की यात्रा करने में मदद करेंगे। हेइमडाल ने उन्हें मुझे दिया है

क्योंकि वह हमारे मिशन पर विश्वास करता है। अब हम इब्लिस को हरा सकते हैं।”
‘तुम्हें लगता है कि अब हम तुम पर भरोसा करेंगे?’ मार्कस ने पूछा।
‘वह सच बोलता है,’ अमीर ने कहा। ‘मैंने इसे अपनी आँखों से देखा है।’ अशरफिया ने अपनी भौंहें ऊपर उठाईं। 'हमें उस पर भरोसा नहीं है। लेकिन हम उस पर नज़र रखेंगे। यही एकमात्र तरीका है।'
‘मुझे कोई आपत्ति नहीं है,’ सिंदबाद ने कहा। ‘अब क्या हम सब बात कर सकते हैं?’
‘कैप्टन, आपको पता नहीं आपने क्या कर दिया है।’ मार्कस ने गुस्से से भरी आँखों से कहा। उसकी आँखें सूजी हुई लग रही थीं, मानो वह रात भर रोया हो। ‘अब आपको अनांसी को रोकने का कोई न कोई तरीका ज़रूर ढूंढना होगा।’
सिंदबाद को समझ नहीं आ रहा था कि यह इतना महत्वपूर्ण क्यों था। अनांसी ने मार्कस के साथ क्या किया था? वह उसके साथ क्या कर सकता था?
जब वह गहरी सोच में डूबा हुआ था, तभी समुद्र में तेज़ लहरें उठीं और जहाज़ हिलने लगा। तख्ता अपनी जगह से खिसक गया और वह उससे गिर पड़ा, पानी में ज़ोरदार छपछपाहट हुई। पूरी तरह भीग जाने के कारण उसका शरीर भारी हो गया। उसने जहाज़ से अपने साथियों की ओर देखा, जो उसे देखकर हंस रहे थे।
'ठीक है। हा हा,' सिंदबाद ने कहा। 'अब मुझे ऊपर खींचो।'
हुसैन ने जहाज से बंधी रस्सी का सिरा ढीला किया और उसे सिंदबाद की ओर फेंक दिया। सिंदबाद ने खुद को छुड़ाने की कोशिश शुरू कर दी।
‘बहुत खूब, अब मुझे एक रस्सी फेंक दोगे? मुझे ऊपर चढ़ने दो।’ सिंदबाद ने विनती की।
हुसैन ने चिल्लाकर कहा, 'ठीक है!'
जैसे ही सिंदबाद ने रस्सी फेंकी, वह उसकी ओर तैरने लगा। अचानक उसे लगा कि यहाँ कुछ है या कोई है। उसने पीछे मुड़कर देखा, पर कोई नहीं था। सागर निर्मल और शांत लग रहा था। दूर क्षितिज पर सूरज की तेज़ रोशनी पड़ रही थी, और उसकी आँखों में थोड़ी चकाचौंध हो गई, तभी उसने पानी से शार्क का पंख निकलते देखा। अब वह तेज़ी से उसकी ओर बढ़ रही थी।
‘ठीक है, यहाँ एक शार्क है!’ वह चिल्लाया। ‘यहाँ एक शिकारी है जो इंसानी मांस खाता है। वाह! मुझे लगता है मैं मरने वाला हूँ। शैतान के हाथों नहीं, बल्कि एक खूंखार शार्क के हाथों।’
जैसे ही वह रस्सी तक पहुंचा और खुद को ऊपर खींचने की कोशिश करने लगा, तभी एक विशाल सफेद शार्क पानी से बाहर निकली और उसकी जैकेट पकड़ ली। फिर वह उसे नीचे खींचने लगी।
‘मुझे हथियार चाहिए!’ सिंदबाद चिल्लाया। ‘एक तलवार, कृपया! मेरी तलवार।’ हुसैन ने चिल्लाकर कहा, 'मुझे मिल रहा है।'
लेकिन जब हुसैन ने तलवार को समुद्र में फेंकने की कोशिश की, तो अस्थिर जहाज के कारण वह खुद भी पानी में गिर गया।
‘तुम कैसे गिरे?’ हुसैन के पानी में छपछपाते और हांफते हुए गिरने पर सिंदबाद चिल्लाया।

जैसे ही उन्होंने शार्क को पानी में वापस गायब होते देखा, जहाज पर सवार सभी लोग घबराकर चिल्ला उठे।
‘जल्दी करो। हमें अंदर खींचो।’
सिंदबाद और हुसैन ने रस्सी को अपनी कमर से बांध लिया। दल ने जल्दी से उन्हें ऊपर खींच लिया।
‘तुम कितने अनाड़ी हो सकते हो?’ सिंदबाद चिल्लाया।
‘क्या यह एक अलंकारिक प्रश्न है?’ हुसैन ने पूछा। ‘यह एक दुर्घटना थी।’ लेकिन वे आगे बात नहीं कर पाए, तभी शार्क पानी से बाहर निकली और उन पर झपटी। चालक दल के सदस्य सदमे में चिल्ला उठे। अचानक ही शार्क ने अपना रास्ता बदल लिया और सीधे रस्सी की ओर बढ़ी, उसके नुकीले दांत रस्सी पर जकड़ गए।
खिंचाव इतना ज़ोरदार था कि सिंदबाद और हुसैन दोनों अपने पैरों से उछलकर गहरे पानी में गिर पड़े। उनके दिल ज़ोर से धड़क रहे थे क्योंकि उन्हें एहसास हो गया था कि शार्क अब उन्हें जान से मारने की कोशिश कर रही है। जैसे ही वे पानी में डूबने से बचने के लिए संघर्ष कर रहे थे, सिंदबाद हुसैन की ओर भागा, तभी उसने देखा कि शिकारी नीचे से उसकी ओर तेज़ी से बढ़ रहा है। मेरे पास समय नहीं है।
सिन्बाद ने अपनी जेबें टटोलीं और एक गोला निकाला। वह यह नहीं देख सका कि उसका रंग क्या था या वह उन्हें कहाँ ले जाएगा, लेकिन समय नहीं था। उसने उसकी सतह पर एक बटन दबाया। और जैसे ही शार्क ने उन्हें खाने के लिए अपना जबड़ा खोला, सिन्बाद ने हुसैन का हाथ पकड़ लिया।
और वे दोनों समुद्र से गायब हो गए, मानो किसी दूसरे लोक में टेलीपोर्ट हो गए हों।

सत्रह
सिंदबाद और हुसैन खुद को एक सुरंग में पाए, जिसने सिंदबाद को हीमडाल के राज्य में अपने पिछले अनुभव की याद दिला दी। सुरंग चमकीले रंगों से जगमगा रही थी, मानो कोई चमकदार इंद्रधनुष चारों ओर घूम रहा हो।
‘ठीक है, हम कहाँ हैं?’ हुसैन ने पूछा जैसे ही वे सुरंग में और आगे बढ़े।
'दूसरे लोक का रास्ता,' सिंदबाद ने चलते हुए कहा।
‘मुझे डर लग रहा है,’ हुसैन ने फुसफुसाते हुए कहा।
मैं भी ऐसा ही हूँ।
मैंने कभी नहीं सोचा था कि हम यहाँ तक पहुँचेंगे।
सिंदबाद ने आह भरी और तभी उसे सुरंग में गूंजती हुई एक जोरदार गड़गड़ाहट सुनाई दी। यह जानी-पहचानी आवाज थी, किसी नॉर्स देवता की याद दिलाती हुई।
नमस्कार, साथी यात्रियों। मैं लॉर्ड हेमडाल हूं, द्वारपाल और रक्षक। यह सुनिश्चित करने के लिए कि सब कुछ नियमों के दायरे में रहे, आपके लिए कुछ नियम हैं जिनका आपको पालन करना होगा, क्योंकि आप एक लोक से दूसरे लोक में जा रहे हैं।
हुसैन ने कंधे उचकाते हुए कहा, 'आवाज अच्छी है। काफी भारी है, जानते हो।' 'हां, वह काफी लंबा-चौड़ा आदमी है,' सिन्बाद ने कहा।
आवाज जारी रही, “जब तुम इस दुनिया में प्रवेश करो, तो यह सुनिश्चित कर लेना कि जिस गोले को तुम अपने साथ लाए हो, वह तुम्हारे पास हो। उसे खोना मत, क्योंकि अगर खो दिया तो शायद कभी वापस न आ सको। इसके भयानक परिणाम होंगे: सारी दुनियाएँ आपस में मिल जाएँगी। दुर्भाग्य से, लोकों की यही समस्या है। अगर तुम उनके मामलों में दखल दोगे, तो वे ढहने लगेंगे। इसे ऐसे समझो, सभी लोक वास्तव में एक ही इकाई हैं, लेकिन वे समझदारी से विभाजित हैं।”
जिस दुनिया में आप प्रवेश करने वाले हैं, वह आपकी कल्पना से कहीं अधिक जटिल है। और अंत में, यदि आप गलती से अपना मिशन पूरा करने से पहले अपनी दुनिया में लौट जाते हैं, तो आप फिर कभी यहाँ वापस नहीं आ सकते। आपको दूसरा मौका नहीं मिलेगा। एक बार आपका काम पूरा हो जाने पर, मुझे पता चल जाएगा और मैं आपसे वह वस्तु लेने आऊँगा। लेकिन आप स्वयं वापस नहीं जा सकते।
इसके बाद हेमडाल ने उस स्थान के भूगोल, संस्कृति और इतिहास का वर्णन किया, और उन्हें इस दुनिया में मिलने वाली चीजों के लिए तैयार किया। तब तक सिंदबाद और हुसैन सुरंग के अंत तक पहुँच चुके थे, और द्वार से गुजरने के लिए तैयार थे।
हुसैन ने कहा, 'ठीक है, यह काफी गंभीर लग रहा है।'
'हाँ।'

वे एक जेली जैसे पदार्थ में प्रवेश कर गए, और जैसे ही वे उसमें से गुजरे, अचानक उन्होंने खुद को आकाश से गिरते हुए पाया।
‘क्या यह सब योजनाबद्ध था?’ हुसैन चिल्लाया।
तेजी से नीचे गिरते हुए, सिंदबाद उस दुनिया को पहचान नहीं पा रहा था जिसमें वह प्रवेश कर रहा था। उसे सामने एक गुब्बारे जैसी संरचना दिखाई दी, और उसका शरीर उससे टकरा गया। हुसैन नीचे की ओर फिसलने लगा, चक्कर लगाते हुए किसी चीज को पकड़ने की कोशिश कर रहा था, जबकि सिंदबाद को डेक पर जाने का रास्ता दिखाई दिया और वह लुढ़क कर नीचे चला गया।
जब उसे अपनी स्थिति का एहसास हुआ, तो उसने सोचा कि वे एक प्रकार के जहाज में हैं जिसके ऊपर एक गुब्बारा लगा हुआ है, और वह आकाश में तैर रहा है। वहां एक जैसे कई जहाज थे, जो रंगीन आकाश के बीचोंबीच तैर रहे थे।
जिस हवाई यान में सिंदबाद सवार था, ऐसा लग रहा था मानो वहाँ किसी तरह की लड़ाई छिड़ने वाली हो, क्योंकि वहाँ अफरा-तफरी मची हुई थी और कामचलाऊ तोपों से गोलियों की बौछार हो रही थी। अगर हेइमडाल ने उसे तोपों के बारे में न समझाया होता, तो सिंदबाद को पता ही नहीं होता कि तोपें क्या होती हैं।
सिंदबाद को लगा कि वह किसी समुद्री डाकू के जहाज पर है क्योंकि वहाँ मौजूद अधिकांश लोग गंदे थे, उनके शरीर पर युद्ध के कई घाव थे और कई लोगों के अंग कटे हुए थे। ये लोग एक पुलिस जहाज जैसी दिखने वाली वस्तु से लड़ रहे थे, जिस पर कुछ विचित्र प्राणी थे जो मनुष्य जैसे नहीं दिखते थे। उन्होंने सैनिकों की वर्दी पहन रखी थी।
ये खलीफा के शाही अंगरक्षकों की वर्दी से मिलती-जुलती हैं। नीले, लाल और बैंगनी रंग की... लेकिन ये जीव आखिर हैं क्या?
ये स्वचालित मशीनें ऐसी थीं जिनके सीने पर घड़ी की कल जैसी यांत्रिक संरचनाएं लगी हुई थीं। समुद्री लुटेरों ने सिंदबाद और हुसैन को नहीं देखा, जो जहाज के किनारे छिपने की कोशिश कर रहे थे।
‘तो संक्षेप में कहें तो,’ हुसैन ने घबराते हुए कहा, ‘हम एक समुद्री डाकू के जहाज पर हैं, आकाश के बीचोंबीच, एक अलग दुनिया में, यहाँ के अधिकारियों से लड़ रहे हैं।’
सिंदबाद ने जहाज के साइडबोर्ड की ओर देखते हुए सिर हिलाया, जिस पर ये शब्द चमक रहे थे: जूलियो वर्ने की संपत्ति।
दिलचस्प।
सिन्बाद ने किनारे तक पहुँचने में मदद करने वाली किसी चीज़ की तलाश करने का फैसला किया। जहाजों और उनमें मौजूद चीज़ों से परिचित होने के कारण, वह चुपचाप एक छोटी नाव (टेंडर) की तलाश में आगे बढ़ा, जो अक्सर जहाजों से जुड़ी होती है, लेकिन वहाँ ऐसी कोई नाव नहीं थी।
तभी समुद्री डाकुओं के जहाज के कप्तान ने चिल्लाकर कहा, 'हमला करो!'
जहाज ने तुरंत अपना टर्बो चालू किया और पुलिस के जहाज से टकरा गया, जिससे सब कुछ उलट-पुलट हो गया। सिंदबाद और हुसैन जमीन पर पड़े थे, किसी सहारे को पकड़ने की कोशिश कर रहे थे।
‘अरे तुम! तुम कौन हो? हम तुम्हें नहीं जानते!’ एक तेज आवाज गूंजी।

सिंदबाद और हुसैन घबराकर मुड़े तो देखा कि कई आँखों वाला, सफ़ेद बालों वाला एक आदमी उन्हें घूर रहा है। उसका एक हाथ इंसान का था, जबकि दूसरा यांत्रिक अंग था।
‘तुम घुसपैठिए हो। तुमने अजीब कपड़े पहने हैं,’ उसने संदेह भरी निगाहों से उनकी ओर देखते हुए कहा।
'अजीबोगरीब लटकती हुई भुजाओं वाला व्यक्ति कह रहा है,' सिंदबाद ने जवाब दिया।
समुद्री डाकू नाराज़ और हैरान दिख रहा था। 'मैंने इसे युद्ध में खो दिया।
राक्षसों के खिलाफ युद्ध में,' उसने अधीरता से कहा।
'मुझे यकीन है,' सिंदबाद ने जवाब दिया, लेकिन उसकी बात उस आदमी के ऊंचे आदेश में दब गई।
‘उसे पकड़ो!’ उस आदमी ने गुस्से से चिल्लाते हुए कहा।
सिंदबाद ने दूसरी तरफ भागने की कोशिश की, तभी कुछ समुद्री लुटेरे उसका पीछा करने लगे और उस पर गोलियां चलाने लगे। बचने का रास्ता ढूंढते हुए, सिंदबाद ने देखा कि कुछ समुद्री लुटेरे अपनी पीठ पर लगे एक उपकरण की मदद से दुश्मन के जहाज की ओर उड़ रहे हैं, जिससे आग का एक छोटा सा धमाका निकलता है और वे आगे बढ़ते हैं।
'हमें उनमें से एक की जरूरत है,' सिंदबाद ने हुसैन से कहा।
तभी, सिंदबाद ने अपनी तलवार निकाली और समुद्री डाकू उनके सामने प्रकट हो गए।
हुसैन ने कहा, 'मुझे माफ करना। मैं यहां बिल्कुल भी नहीं रहना चाहता।' सिंदबाद ने हमलों को रोकते हुए गुर्राया, उसने उन आदमियों के पेट पर लात मारी और उनके चेहरे पर घूंसे मारे।
‘लड़के, मुझे भी ऐसा ही लग रहा है!’ एक आवाज़ आई। आवाज़ सुनते ही सिंदबाद और हुसैन दोनों मुड़े और उन्होंने एक ऐसे आदमी को देखा जिसका चेहरा मछली जैसा था और आँखें पानी से भरी हुई थीं। सिंदबाद ने अंदाज़ा लगाया कि वह किसी पौराणिक जाति का होगा, लेकिन वह लगभग इंसान जैसा दिखता था। फिर सिंदबाद का ध्यान उड़ते हुए थैलों पर गया।
‘मेरे पीछे रहो,’ सिंदबाद ने सैनिकों से लड़ते हुए और उनके हमलों को रोकते हुए आगे बढ़ते हुए कहा। एक सैनिक से लड़ते हुए उसने उनका एक हथियार छीन लिया। हेइमडाल ने उसे इनके बारे में बताया था, इन्हें तोप कहते हैं और ये इस दुनिया के लिए बहुत महत्वपूर्ण हैं। ‘तोप एक घातक हथियार है। बस लीवर को घुमाना है,’ उसने कहा था। सिंदबाद ने अब ऐसा करने की कोशिश की, और जैसा उसे बताया गया था, उससे एक छोटी तोप चल पड़ी। हालांकि वह किसी को निशाना नहीं बना पाई, लेकिन सिंदबाद के तोप चलाने से ध्यान भटक गया और उसे कप्तान तक पहुँचने का समय मिल गया। कप्तान, जिसका एक पैर टेढ़ा था, जहाज पर सिंदबाद और हुसैन की मौजूदगी पर ध्यान नहीं दे रहा था।
कप्तान ने सिंदबाद की ओर मुड़कर पूछा, 'तुम कौन हो?'
सिन्बाद ने अचानक हमला करने का फायदा उठाते हुए जवाब देने की जहमत नहीं उठाई और कप्तान के चेहरे पर जोरदार घूंसा मारकर उसे बेहोश कर दिया। इसके बाद सिन्बाद ने उड़ने वाला यंत्र उठा लिया।

'चूंकि हमारे पास लाइफबोट नहीं है और हम हवा में हैं, इसलिए हमें वही करना होगा जो हमें करना है,' सिंदबाद ने तर्क दिया।
समुद्री लुटेरे करीब आ रहे थे और उन्हें गोली मारने का निशाना साध रहे थे, लेकिन सिंदबाद ने हुसैन का हाथ पकड़ा और चिल्लाते हुए जहाज से कूद गया, 'यह हमारा युद्ध नहीं है।'
‘क्या तुम्हें इसे उड़ाना आता है?’ हुसैन ने चिल्लाकर पूछा, हवा उसके चेहरे पर तेज लग रही थी।
वे सीधे बगदाद शहर की ओर उड़ान भर रहे थे, जिसका नाम उसके संस्थापक बगदाद-अल-मंसूर के नाम पर रखा गया था। यह शहर उनकी अपनी दुनिया से बिल्कुल अलग दिख रहा था।
‘नहीं!’ सिंदबाद ने उत्तर दिया।
‘तो फिर तुमने इसे क्यों लिया?’ हुसैन ने पीला पड़ते हुए पूछा।
‘कोशिश तो करनी ही पड़ेगी, है ना?’ सिंदबाद ने कहा और लीवर की तलाश करते हुए उसे एक बटन मिल गया। उसने उसे दबाया और उसके पीछे उड़ते हुए थैले से आग निकलने लगी।
हुसैन ने कहा, 'इस पर लिखा है कि यह एक जेटपैक है। जेटपैक क्या होता है?' ‘साफ़ तौर पर चाहता है कि हम उड़ें?’ सिंदबाद ने जवाब दिया।
‘क्या इसे “फ्लाई जेट” नहीं कहा जाना चाहिए?’
'अच्छी बात।'
लेकिन आग बुझने लगी और वे तेजी से एक घंटाघर की ओर गिरने लगे, इसलिए स्थिति ज्यादा देर तक नहीं बनी रही। हुसैन ने पूछा, 'मरने से पहले क्या मैं कुछ कोशिश कर सकता हूँ? मुझे कोई लीवर जैसा कुछ दिख रहा है। क्या मुझे उसे दबाना चाहिए?'
‘जो करना जरूरी हो, वही करो,’ सिन्बाद ने कहा।
हुसैन ने लीवर दबाया और जेटपैक के पंख खुल गए, जिससे उन्हें उड़ने की शक्ति मिल गई। सिंदबाद ने उन्हें आसमान में उड़ाया, आधुनिक बाज़ारों, खूबसूरत मीनारों, सड़कों, घोड़ों से सजी गाड़ियों, बड़े-बड़े लैंपों और रंगीन मेलों और उत्सवों के ऊपर। सिंदबाद की नज़र एक बड़ी चमकती स्क्रीन पर पड़ी जिस पर लिखा था:
‘डायरेक्टर म्यूजियम में, उनकी यात्राओं से प्राप्त संग्रह का अनावरण किया जाएगा। अत्यधिक प्रतिष्ठित कलाकृतियों में, बीओवुल्फ की तलवार एक प्रमुख आकर्षण के रूप में सामने आती है, जिसका अनावरण कल किया जाएगा।’ और स्क्रीन पर स्वतः ही, जादुई ढंग से बीओवुल्फ की तलवार की छवि प्रकट हो गई।
संग्रहालय...संग्रह...निदेशक...
सिंदबाद जानता था कि उसे आगे कहाँ जाना है।

अठारह
सिंदबाद और हुसैन बगदाद की सड़कों पर यात्रा कर रहे थे, यह उन्हें पहले कभी देखे गए किसी भी दृश्य से बिलकुल अलग लग रहा था।
'मुझे लगता है कि समुद्री डाकुओं की लड़ाइयों को छोड़कर मुझे यह जगह पसंद आने लगी है,' सिंदबाद ने टिप्पणी की।
हुसैन ने सहमति में सिर हिलाया। सड़कें चौड़ी और बेहतर बनी हुई थीं, इमारतें ज़्यादा चमकदार थीं और लोग सुरुचिपूर्ण कपड़े पहने हुए थे। टोपियाँ, अच्छी तरह से सिले हुए कोट और पैंट, चमकीले जूते आम बात थी और लोग बड़े ही सलीके से चल रहे थे। अखबार बेचने वाले लड़के रोज़ाना की खबरें ज़ोर-ज़ोर से सुना रहे थे और विक्रेता राहगीरों को ताज़े फल दे रहे थे। शहर बेहद साफ-सुथरा था, पुल और फव्वारे देखने में बेहद खूबसूरत थे। रेत, अंधेरा या उस अकेलेपन का कोई नामोनिशान नहीं था, जिसकी उन्हें इतनी आदत हो गई थी। ‘हमें अपने कपड़े बदल लेने चाहिए,’ सिंदबाद ने सुझाव दिया। ‘हम यहाँ बेमेल लग रहे हैं।’
‘हाँ, लेकिन चलिए थोड़ा घूमते हैं। मैं इस दुनिया के बारे में और जानना चाहता हूँ।’ हुसैन ने जवाब दिया और वे आगे बढ़ते रहे। जल्द ही वे एक सार्वजनिक मेले में पहुँचे जिसमें एक सर्कस भी शामिल था।
हुसैन ने एक बूथ की ओर इशारा करते हुए कहा, 'यहाँ एक खेल चल रहा है। दिलचस्प लग रहा है।' और वह खेलने लगा।
‘क्या हम जा सकते हैं?’ सिंदबाद ने बेसब्री से पूछा।
'जी हां, बिल्कुल। बस इसका आनंद ले रहा हूं।'
‘चलो इसके बजाय दुनिया को बचाते हैं। मुझे यकीन है कि यह भी उतना ही रोमांचक होगा,’ सिंदबाद ने व्यंग्यपूर्वक कहा।
हुसैन ने कंधे उचका दिए।
‘क्या हुआ?’ सिंदबाद ने पूछा।
मैं उस मुकाम पर पहुँच गया हूँ जहाँ मुझे लगता है कि दुनिया को बचाने का मेरा काम पूरा हो चुका है। अब मैं बस जीवन के सरल सुखों का आनंद लेना चाहता हूँ और छोटी-छोटी खुशियों को गले लगाना चाहता हूँ। आपको मेरा ऊद याद है ना? मुझे उसकी बहुत याद आती है। मुझे वो मनमोहक धुन याद आती है जो तार छेड़ने पर गूंजती थी। मैं बस एक बार फिर उसके संगीत में डूब जाना चाहता हूँ। ‘अपने पिता के नक्शेकदम पर चलकर हीरो बनने का सपना कहाँ गया?’ सिंदबाद ने पूछा।
हुसैन ने अपनी भौंहें उठाईं। 'मैं भी यही करना चाहता हूँ, लेकिन मुझे एहसास हुआ है कि शायद यह मेरा पेशा नहीं है। कम से कम, पूरी तरह से नहीं। मैंने

वीरता के अपने हिस्से के काम कर लिए हैं, और अब मैं बस एक शांतिपूर्ण जीवन जीना चाहता हूँ, सिंदबाद। मुझे लगता है कि मैंने अपने पिता को गौरवान्वित किया है, और मेरे लिए इतना ही काफी है।'
सिन्बाद अपने दोस्त की भावनाओं को समझ सकता था। वह खुद भी वैसा ही महसूस कर रहा था। वह कल्पना भी नहीं कर सकता था कि अगर उसका जीवन शांत होता तो कैसा होता, लेकिन वह जानता था कि उसके पास इस बारे में सोचने का समय नहीं है। ‘क्या यह सब खत्म होने के बाद आप जाने की योजना बना रहे हैं?’ उसने पूछा। ‘जी हां,’ हुसैन ने कहा। ‘उम्मीद है आपको कोई आपत्ति नहीं होगी?’
‘बिल्कुल नहीं।’ सिंदबाद ने जवाब दिया। उसे अब एहसास होने लगा था कि वह अपने दोस्तों के फैसलों को नियंत्रित नहीं कर सकता। ‘तुम सबने इतने समय तक मेरा साथ देकर बहुत कुछ किया है, और इसीलिए अनांसी के साथ जो हुआ उसके लिए मुझे अपराधबोध हो रहा है।’
हुसैन ने कहा, 'मुझे यकीन है कि आपके पास इसके कारण होंगे। जैसा कि आप जानते हैं, मुझे मकड़ियों से डर लगता है।'
सिंदबाद ने अपने दोस्त की पीठ थपथपाई। कम से कम कोई तो समझा।
दोनों मेले में घूमते रहे, जहाँ कई तरह के खेल थे, जिनमें दीवारों पर लगी चीज़ों पर निशाना लगाकर गोली चलाने वाले खेल और मेज़ पर अंगूठी उछालकर इनाम जीतने वाले खेल शामिल थे। जोशीला संगीत हवा में गूंज रहा था, और तले हुए पकवानों और मिठाइयों की महक लगातार आ रही थी। शहर के बारे में किताबों के स्टॉल लगे थे, और कुछ लेखक अपनी नई समुद्री डाकू-थीम वाली किताबों के बारे में बता रहे थे। पत्रिकाओं को रैक पर सजाकर रखा गया था, जिनमें शहर की लड़ाइयों और उपलब्धियों का ज़िक्र था। उन पर लिखा था: समुद्री डाकुओं का खतरा।
उन्हें रास्ते में कई विशाल मूर्तियाँ भी दिखाई दीं, जिनमें से एक ने सिंदबाद का ध्यान आकर्षित किया। यह शहर के ठीक बीचोंबीच स्थित अब तक की सबसे विशाल मूर्तियों में से एक थी। इसमें दाढ़ी वाले एक बूढ़े व्यक्ति को पंखों वाले राक्षस से लड़ते हुए दर्शाया गया था।
और उस शेल्फ पर, जहाँ हर कोई एक डिवाइस के माध्यम से तस्वीरें खींचता था, उसे बड़े अक्षरों में प्रदर्शित किया गया था:
‘द ग्रैंड फिनाले: सिंदबाद द सेलर का शैतान के खिलाफ अंतिम द्वंद्व’
‘आप यहाँ के स्थानीय नायक हैं,’ हुसैन मूर्ति को देखकर आश्चर्यचकित होकर मुस्कुराया। ‘लगभग देवता समान। देखिए, अभी और भी है। लगता है, इस चीज़ के साथ...’ उसने बटन दबाना शुरू किया और इतिहास पढ़ने के लिए नीचे स्क्रॉल किया। ‘तो, इस दुनिया में, बगदाद वास्तव में वैसा ही था जैसा पहले हमारे राज्य में था, लेकिन सिंदबाद द्वारा इब्लिस को हराने के बाद, उसने खिलाफत संभाली और प्रौद्योगिकी और जादू के सह-अस्तित्व का मार्ग प्रशस्त किया। उसने नई चीजों का आविष्कार भी किया, एक नया बगदाद बनाया और उस ज्ञान को अन्य देशों के साथ साझा किया। यहाँ तक कि क्लिटोप के पुनर्निर्माण में भी मदद की, ताकि सभी संतुष्ट रहें। जीव भी उसे बहुत पसंद करते थे। सिंदबाद को जल्द ही राज्य निदेशक का पद दिया गया, जिसे उसने अपनी मृत्यु तक संभाला। उसने एक सुखद जीवन जिया। ओह, और हाँ... उसकी शादी भी हुई थी।’

‘किसे?’ उसने उत्सुकता से पूछा।
‘सफीना,’ हुसैन ने सिंदबाद की ओर देखकर मुस्कुराते हुए कहा। ‘तो फिर सुखद अंत हुआ। दोनों की मृत्यु प्राकृतिक कारणों से हुई...’
एक पल के लिए, इससे फर्क पड़ा। एक समानांतर दुनिया जहाँ सुखद अंत हुआ, जहाँ अच्छाई की जीत हुई, और जहाँ उसका प्यार कायम रहा।
उनकी सोच में अचानक एक ऐसी चीज़ ने खलल डाला जिस पर उनकी नज़र पड़ी। 'क्या यह बीओवुल्फ की तलवार है?' उन्होंने सिंदबाद की एक मूर्ति को देखते हुए कहा, जिसके हाथ में एक चमकदार हथियार था।
‘जी हां,’ हुसैन ने पाठ पढ़ते हुए कहा। ‘ऐसा लगता है कि बीओवुल्फ की तलवार उन कलाकृतियों में से एक है जो इस दुनिया के सिंदबाद ने अपनी यात्राओं के दौरान प्राप्त की थीं। उसने इसे ग्रेंडेल की गुफा में पाया और इब्लिस के सीने में वार करके उसके खिलाफ इस्तेमाल किया।’
'मैं समझ गया, यह बहुत बढ़िया है,' सिन्बाद ने उत्साहित होकर कहा।
सिन्बाद ने देखा कि एक अखबार बेचने वाला लड़का अखबार बांटते हुए 'जूलियो वर्ने' नाम चिल्ला रहा था।
अखबार पढ़ने जाते हुए सिंदबाद ने गौर किया, 'यही तो उस जहाज का नाम था जिस पर हम सवार थे।' लेकिन लड़के ने पहले पैसे मांगे।
‘दो चांदी के सिक्के, कृपया?’ लड़के ने एक अजीब सी टोपी पहन रखी थी। ‘अरे बाप रे, तुमने तो पुराने जमाने के कपड़े पहन रखे हैं। क्या तुम थिएटर से जुड़े हो?’
‘थिएटर?’
“जी हाँ, आज जो शानदार कार्यक्रम हो रहा है, वो यहीं है ना?” उसने कारवां की ओर इशारा किया, जहाँ और भी लोग थे, सभी सिंदबाद की तरह कपड़े पहने हुए थे। “तो, आप लोग भी सिंदबाद की गाथा का पाठ कर रहे हैं? शुरुआती समुद्री यात्राएँ जब उसने क्रैकन से युद्ध किया था? बहुत ही दिलचस्प है।”
‘आह…’ सिंदबाद अपने दूसरे रूप की इतनी काबिलियत देखकर लगभग ईर्ष्या करने लगा। ‘उम… मैं बस जूलियो वर्ने के बारे में जानना चाहता हूँ, अगर कोई आपत्ति न हो तो।’
‘यह ठीक नहीं है। एक लड़के को कुछ पैसे कमाने की ज़रूरत होती है, आप जानते हैं।’ यह कहते हुए वह रुका। ‘थिएटर समूह से आपके जुड़ाव को देखते हुए, मैं आपकी मदद करूँगा। जूलियो वर्ने, एक कुख्यात व्यक्ति, चोर, समुद्री डाकू और विक्षिप्त लुटेरे के रूप में अपनी काली छवि के लिए जाने जाते हैं। एक समय वह एक सम्मानित व्यापारी थे, मसालों का व्यापार करते थे और सामाजिक हलकों में उनका एक प्रमुख स्थान था। हैरानी की बात यह है कि उनके शहर के शासी प्राधिकरण, ऑर्डर के साथ भी घनिष्ठ संबंध थे और उन्होंने उनके अन्वेषणों का समर्थन किया था। हालाँकि, जब उनका असली रूप सामने आया, तो सब कुछ बिखर गया। वह अपनी प्रतिष्ठा खो बैठे और अब एक रहस्यमय पानी के नीचे के शहर में रहते हैं, जिसका स्थान रहस्य में डूबा हुआ है। उनके अनुयायियों का गिरोह शहर में तबाही मचाता रहता है, चोरियाँ करता है और छिटपुट हमले करके गायब हो जाता है। निर्देशक की अनुपस्थिति, जो कभी शहर की रक्षा करने में सक्षम थे, जनता द्वारा गहराई से महसूस की जाती है।’

मुझे यकीन है। लेकिन ये संगठन... ये कौन हैं?
‘निर्देशक ने खुद इन्हें चुना है,’ लड़के ने कहा। ‘नौ लोगों का एक समूह है जो राज्य के अलग-अलग मामलों को संभालते हैं। वे ठीक-ठाक काम करते हैं। टैक्स कम हैं और भ्रष्टाचार भी कम है, सिवाय जूलियो वर्ने के इस मामले के। दरअसल, इन्हीं लोगों ने निर्देशक के उस संग्रह की शुरुआत की थी जिसमें अद्भुत ‘स्वॉर्ड ऑफ बेओवुल्फ’ शामिल है। क्या आप दोनों यहां नए हैं?’ हुसैन ने सिर हिलाते हुए कहा, 'हां, बहुत दूर से यात्रा करके आया हूं।' 'कितनी दूर?'
‘तुम जानना नहीं चाहोगे, बच्चे,’ सिन्बाद ने कहा, यह समझते हुए कि अगर उसने तलवार को इस दुनिया से ले जाने की कोशिश की तो संगठन उसे वापस ले सकता है। सिन्बाद को अपनी स्थिति अच्छी तरह से समझानी होगी, ताकि सब कुछ ठीक हो जाए। लेकिन उसे संगठन से अनुमति लेनी होगी। ‘मैं संगठन से मिलने के लिए कैसे अपॉइंटमेंट ले सकता हूँ? और मुझे किससे मिलना चाहिए?’
‘नियुक्ति की बात कर रहे हो? ये तो मुश्किल है। लेकिन तुम देख सकते हो कि वे शानदार संग्रहालय का उद्घाटन कर रहे हैं। वे तो हमेशा काफी व्यस्त रहते हैं।’ लड़के ने धीरे से हंसते हुए कहा। ‘लेकिन जिस एक व्यक्ति पर तुम्हें नज़र रखनी चाहिए, वो हैं गवर्नर इस्माइल। अगर तुम विदेश मामलों से जुड़े हो, तो विदेश मामलों के लिए वही सही व्यक्ति हैं।’ उसने एक दुबले-पतले, हड्डी जैसे आदमी की तस्वीर दिखाई, जिसके बाल चिकने और तेल लगे हुए थे और भौंहें घनी थीं।
‘तो क्या गवर्नर इस्माइल ही इस संगठन के नेता हैं?’ सिंदबाद ने मन ही मन नोट्स लेते हुए पूछा, लेकिन वह इसके आगे कुछ भी समझ नहीं पाया क्योंकि अखबार बेचने वाले लड़के ने चौंकाने वाली खबर सुनाकर उसे बीच में ही रोक दिया। ‘हाँ। और वह सिंदबाद का बेटा है।’

उन्नीस
सिंदबाद ने संग्रहालय के भव्य उद्घाटन समारोह में जाने से पहले एक थिएटर मंडली से कुछ कपड़े चुरा लिए थे, जहां तलवार को प्रदर्शित किया जाना था। हुसैन ने पूछा, 'क्या आप कभी रिटायर होने के बारे में सोचते हैं?'
‘नहीं, ऐसा नहीं है,’ सिंदबाद ने जवाब दिया। ‘मुझे नहीं पता कि अगर मैं रिटायर हो जाऊं तो क्या करूंगा। साथ ही, मैं अभी रिटायर होने के बारे में सोचने के लिए बहुत छोटा हूं।’
मुझे नहीं लगता कि उम्र का इससे कोई लेना-देना है। आप जानते हैं, मैं अपने पिता के बारे में सोचता हूँ कि वे कैसे एक हीरो थे, कैसे उन पर दुश्मन से लड़ने की ज़िम्मेदारी थी। लेकिन दूसरी तरफ, उन पर अपने परिवार के प्रति भी ज़िम्मेदारी थी। मैं जीना चाहता हूँ ताकि मैं एक लड़की ढूंढ सकूँ, शादी कर सकूँ, ढेर सारे बच्चे पैदा कर सकूँ और बार में अपना संगीत बजा सकूँ। यही मुझे खुशी देगा।
‘सेवानिवृत्ति डरावनी होती है, और तुम्हारे इसके बारे में बात करने से यह और भी बदतर हो जाती है।’ सिंदबाद ने आह भरी।
जैसे ही वे संग्रहालय के पास पहुँचे, उन्हें बांसुरी बजाते हुए एक छोटे से बैंड की आवाज़ सुनाई दी और बाहर भारी भीड़ जमा दिखाई दी। प्रचार-प्रसार ज़ोरों पर था, बैनर और पोस्टर लगे हुए थे और संग्रहालय के बाहर पैसे मांगे जा रहे थे।
सिंदबाद ने अंदर जाने के लिए किसी का बटुआ चुराने का फैसला किया।
‘क्या हमने चोरी करके सही किया?’ हुसैन ने पूछा।
‘हम इसे सिर्फ उधार ले रहे हैं। हम जाने से पहले इसे वापस कर देंगे,’ सिंदबाद ने बचाव करते हुए जवाब दिया।
‘हर चोर यही कहता है, लेकिन खैर,’ हुसैन ने आंखें घुमाईं।
उन्होंने टिकटों के पैसे दिए और विशाल, रोशन महलनुमा इमारत में प्रवेश किया। अंदर लोग प्रदर्शित कलाकृतियों को देख रहे थे, और सिंदबाद और हुसैन ने तलवार की तलाश शुरू कर दी।
हुसैन ने कहा, ‘इस सिंदबाद को हम द्वितीय सिंदबाद कहेंगे। इसने तो बड़े- बड़े कारनामे किए हैं।’ ‘देखो, एक ट्रोल की आंख!’ फिर उन्होंने पढ़ना शुरू किया कि कैसे सिंदबाद ने सोते हुए ट्रोल की आंख चुरा ली थी। ‘और ये हैं हर्मेस के पैर, जिनका इस्तेमाल करके उसने बहुत तेज गति और फुर्ती पाई थी, और इकारस के पंख। यहां तक कि उसका सिर भी एक रॉक पक्षी जैसा था!’
अपने गुरु के साथ साहसिक यात्रा के दौरान सिंदबाद का रोक नामक राक्षस से सामना होना किसी संग्रहालय में प्रदर्शित करने योग्य घटना नहीं थी। रोक

ने बहुत अराजकता और विनाश मचाया था, लेकिन सौभाग्य से उनके साथ सफीना थी, जिसने उन्हें रोक को हराने में मदद की।
पुरातत्वीय वस्तुओं की जाँच करते समय सिंदबाद ने कुछ देखा। 'यहाँ सेइड्स या गिल्ड का कोई ज़िक्र नहीं है। ऐसा लगता है जैसे उनका अस्तित्व ही नहीं है...'
'शायद इसीलिए सिंदबाद द्वितीय ने इनमें से अधिकांश उपलब्धियां हासिल कीं?'
‘मैंने कभी नहीं सोचा था कि मैं इतना बड़ा हीरो बन जाऊंगा, वो भी अपने पहले ही क्षेत्र में,’ सिंदबाद ने दांत भींचते हुए कहा। ‘इससे बहुत दबाव पड़ता है, खासकर उस व्यक्ति पर जो लगातार हारता रहता है।’
अरे यार, तुम हारते नहीं हो। तुम बस रास्ता भटक जाते हो।
‘हुसैन, हौसला बढ़ाने वाली बातों के लिए धन्यवाद।’
'मैं कोशिश तो करता हूं, लेकिन जाहिर है कि मैं इसमें अच्छा नहीं हूं।' ‘जानते हो क्या? शायद मैं भी रिटायर हो जाऊं, इस और उस चीज़ को बचाने के झंझट से दूर। यह मेरी आखिरी कोशिश है।’ सिंदबाद ने कहा।
हुसैन ने इस पर कोई प्रतिक्रिया नहीं दी।
जल्द ही वे संग्रहालय के केंद्र में पहुँच गए, जहाँ अधिकांश भीड़ जमा थी और सभी लोग बीच में मौजूद चीज़ को देखकर विस्मय में थे। सुरक्षा तो थी, लेकिन पर्याप्त नहीं थी, सिंदबाद ने गौर किया।
तभी बीच में एक जानी-पहचानी, दुबली-पतली आकृति दिखाई दी। गवर्नर इस्माइल। हुसैन ने फुसफुसाते हुए कहा, 'तुम्हारा बेटा।'
‘वह मेरा बेटा नहीं है। वह मेरे ही समानांतर वैकल्पिक रूप का बेटा है।’ ‘तकनीकी रूप से, वह अभी भी आपका बेटा है, है ना?’
वह मुझसे उम्र में बड़ा है।
‘आलू-आलू,’ हुसैन ने जवाब दिया।
मुझे नहीं लगता कि आपने इसे सही ढंग से कहा है। आपको इसका उच्चारण अलग तरीके से करना होगा।
'ओह, मैं समझा । । ।'
काले कोट और पैंट के साथ घुटनों तक ऊंचे बूट पहने गवर्नर इस्माइल ने ताली बजाई और घोषणा की, 'सभी को नमस्कार!' वे एक आयताकार कांच के बक्से के सामने खड़े थे जिसमें बीओवुल्फ की तलवार रखी थी। 'मुझे अंततः इस शानदार हथियार, भविष्यवाणी की तलवार को जनता के सामने पेश करते हुए खुशी हो रही है। वर्षों से यह अफवाहों का विषय रहा है, लेकिन अब यह अफवाह नहीं है। यह हमारे सामने है! कितना सुंदर दृश्य है, है ना?'
दर्शक तालियों की गड़गड़ाहट से गूंज उठे।
“बीओवुल्फ की तलवार कभी एक जर्मनिक वारिस की थी,” इश्माएल ने आगे बताया। “फिर एक आकस्मिक यात्रा के दौरान मेरे पिता, महान सिंदबाद को यह मिल गई। वे संयोगवश एक गुफा में थे जहाँ उनका ग्रेंडेल की माता की आत्मा से युद्ध हुआ। जैसा कि हम जानते हैं, ग्रेंडेल एक भयानक राक्षस था। आत्मा को हराने के बाद, मेरे पिता ने खजाने से तलवार निकाली और जीत हासिल की। वह कितना महत्वपूर्ण दिन था! पिताजी ने कभी नहीं सोचा था कि इस तलवार को पाने से

उन्हें एक दिन दुनिया को बचाने का मौका मिलेगा... यह तलवार जोतुन के रक्त से बनी है जिसके बारे में माना जाता है कि उसमें कई अलौकिक शक्तियाँ हैं, और इसका मूठ, जैसा कि आप देख सकते हैं, बहुत ही अनोखा है, मूनस्टोन से बना है।”
तलवार की मूठ सफेद रंग की थी, लगभग हाथीदांत जैसी, जिस पर माणिक और नीलम के रत्न जड़े हुए थे।
‘मुझे अपने पिता को जानने का सौभाग्य कभी नहीं मिला,’ इश्माएल ने दुख भरी आवाज़ में कहा। ‘जब वे और मेरी माँ का देहांत हुआ, तब मैं बहुत छोटा था, लेकिन उन्होंने मेरे लिए एक नोट छोड़ा था जिसमें उन्होंने बताया था कि उनके द्वारा स्थापित राज्य का आगे का कामकाज कैसे संभालना है। जहाँ तक मुझे याद है, वे एक सख्त मिजाज इंसान थे, हालाँकि मुझे उनके बारे में ज्यादा कुछ याद नहीं है, लेकिन मैं उन्हें हमेशा अपना आदर्श मानूंगा।’
यह सब सुनकर सिंदबाद अवाक रह गया और उसे समझ नहीं आ रहा था कि वह क्या महसूस करे। वह यह अनुमान नहीं लगा सकता था कि उसकी दुनिया का भविष्य भी ऐसा ही होगा। हालांकि, इस समय उसके पास इन बातों पर सोचने का समय नहीं था। उसे किसी भी तरह तलवार हासिल करनी थी, और उसे चोरी किए बिना यह संभव नहीं दिख रहा था। आसपास बहुत सारे लोग थे। उसे इस्माइल से बात करने का कोई रास्ता निकालना ही था। अगर वह समझ जाए और कुछ समय के लिए ही सही, सिंदबाद को तलवार उधार दे दे, तो हमारी दुनिया बच सकती है।
‘हमने इसे संगठन के तिजोरी में रखा हुआ था, लेकिन हमने सर्वसम्मति से इसे जनता के सामने प्रदर्शित करने का निर्णय लिया। और अब आप सभी इस भव्य आयोजन के साक्षी बन सकते हैं...’
इश्माएल के वाक्य पूरा करने से पहले ही, एक जोरदार धमाके से इमारत हिल गई। छत का एक हिस्सा टूटकर गिर गया और मलबा ज़ोर से सब पर बिखर गया।
जब लोग चीखने-चिल्लाने लगे और दहशत में भगदड़ मचाने लगे तो सिंदबाद और हुसैन नीचे झुक गए।
गवर्नर इस्माइल उस अफरा-तफरी के बीच स्तब्ध खड़े थे, उन्हें समझ नहीं आ रहा था कि क्या हो रहा है। तभी सिंदबाद ने देखा कि छत का एक हिस्सा इस्माइल पर गिरने वाला है। वह उनकी ओर दौड़ा और इस्माइल के कंधे पर ज़ोर से धक्का दिया, जिससे छत गिरने से ठीक पहले वह एक तरफ हट गए। इस्माइल ज़मीन पर गिर पड़े और सिंदबाद को ऐसे देखने लगे मानो वह उन्हें जानते हों। तभी, वे स्वचालित मशीनें, जिन्हें सिंदबाद ने पहले समुद्री डाकुओं से लड़ते देखा था, उनकी ओर दौड़ती हुई आईं।
इश्माएल के अंगरक्षक तुरंत उसके पास दौड़े और उसे बाहर ले गए, जबकि बाकी लोग विस्फोट करने वाले संदिग्ध हमलावर पर धनुष और गोलियां चला रहे थे। सिंदबाद को रास्ते में एक आम नागरिक समझकर पीछे धकेल दिया गया।
टूटी हुई छत से एक गर्म हवा का गुब्बारा नीचे उतरा। उसके चारों ओर धातु का कवच लगा था जो गोलियों को रोक रहा था। गुब्बारे के अंदर एक आदमी बैठा था जिसने टोपी पहन रखी थी और अपनी मूंछें घुमा रहा था। वह कद में छोटा था और उसने टर्टलनेक के ऊपर बैंगनी रंग का कोट पहन रखा था।

उन्होंने कहा, 'यहां आने के लिए माफी चाहता हूं, लेकिन मैं और इंतजार नहीं करना चाहता था।'
सुरक्षाकर्मियों ने लगातार गोलीबारी की, लेकिन कोई फायदा नहीं हुआ।
‘मैं इसे अपना बुलेट रोधी यंत्र कहूंगा। यह बौनों की खानों से प्राप्त सामग्री और आधुनिक तकनीक के मेल से बना है। है ना बड़ा रोचक?’ वह पागलों की तरह हँसा और ज़मीन पर पहुँचने से पहले ही गुब्बारे के छेद से लटकते हुए उसने बीओवुल्फ की तलवार के पारदर्शी शीशे को मुक्का मारकर तोड़ दिया। सिन्बाद उस आदमी के करीब पहुंचने के लिए गर्म हवा के गुब्बारे का पीछा करने लगा। सिन्बाद ने गुब्बारे पर लिखे शब्द भी पढ़े, 'जूलियो वर्ने की संपत्ति', लेकिन घुमावदार मूंछों वाले उस आदमी ने सिन्बाद को अपने पीछे आते देख लिया।
सिंदबाद कुछ खास नहीं कर सका, क्योंकि सुरक्षात्मक ढाल ने उसे उछाल दिया और वह पीछे की ओर धकेल दिया गया।
'सचमुच एक बहादुर आदमी। कृपया उनके लिए ताली बजाएं।'
संग्रहालय में अभी भी अफरा-तफरी मची हुई थी, लोग इधर-उधर भाग रहे थे, अपने प्रियजनों को ढूंढ रहे थे और भागने की कोशिश कर रहे थे। भगदड़ को सिंदबाद या गुब्बारे में बैठे आदमी की कोई परवाह नहीं थी, और अंगरक्षकों की गोलियां भी उस आदमी को रोक नहीं पाईं, जो देखने में और सिंदबाद द्वारा देखे गए अखबार से स्पष्ट रूप से जूलियो वर्ने ही थे। उन्होंने तलवार पकड़ी और अपने गुब्बारे में बैठे-बैठे फिर से ऊपर उड़ने लगे।
जब उसने वही किया जिसका उन्हें डर था, तो सिंदबाद और हुसैन ने मन ही मन उसे कोसना शुरू कर दिया।
हुसैन ने कहा, 'वह भाग रहा है।'
‘मुझे पता है। ढाल बहुत मजबूत है, लेकिन मैं एक काम कर सकता हूँ।’ उसने गुब्बारे को उड़ते हुए देखते हुए कहा।
सिन्बाद ने जल्दी से अपने संघ में सीखा हुआ एक मंत्र बुदबुदाया और उसे हवा में उकेरना शुरू कर दिया। उसने उसे गर्म हवा के गुब्बारे की ओर बढ़ाया। यह एक ट्रैकिंग मंत्र था, एक सरल मंत्र; यहाँ तक कि एक ऐसा इंसान भी, जिसका संघ से कोई लेना-देना नहीं है, अगर उसे बुनियादी बातें पता हों तो इसे सीख सकता है।
और जैसे ही गर्म हवा का गुब्बारा आंखों से ओझल हो गया, सिंदबाद को इस कड़वी सच्चाई का एहसास हुआ कि बीओवुल्फ की तलवार, जो उसकी यात्रा का मूल कारण थी, एक बेहद ही अनुमान लगाने योग्य, सनकी खलनायक द्वारा छीन ली गई थी, जो अपनी मूंछें घुमाने में आनंद लेता था।

बीस
उद्घोषक ने चिल्लाकर कहा, 'सब ठीक है। दुश्मन, चोर को पकड़ने के बाद बीओवुल्फ की तलवार हमें वापस मिल जाएगी।'
हालांकि, इस पूरे हंगामे के बाद लोग आक्रोशित हो गए और तख्तियां लेकर मंच के सामने जमा हो गए, और गालियां बकने लगे।
‘मुझे पता है, मुझे पता है, हम काफी मुश्किल में हैं। मैं समझ सकता हूँ कि आप सभी बहुत गुस्से में होंगे, लेकिन जैसा कि आप देख रहे हैं, जूलियो वर्ने अपने पीछे कोई निशान नहीं छोड़ते,’ उद्घोषक ने कहा।
सिंदबाद ने अपनी भौंहें उठाईं और खंडहर हो चुके संग्रहालय की ओर देखा।
हाँ, उसका कोई निशान नहीं बचा।
किसी ने चिल्लाकर कहा, 'सुरक्षा व्यवस्था एकदम घटिया थी।'
हमें धन वापसी चाहिए!
तलवार राज्य की संपत्ति है, चोर की नहीं।
‘अगर निर्देशक यहाँ होते, तो हालात इतने खराब नहीं होते!’
‘यह तो पागलपन है,’ सिंदबाद के बगल में खड़े लंबे बालों वाले एक व्यक्ति ने कहा। एक पल के लिए सिंदबाद को लगा कि यह बात जूलियो वर्ने के साथ हुई घटना के बारे में कही गई है, लेकिन असल में यह बात सिंदबाद के बारे में ही थी। ‘मैं सहमत हूँ,’ सिंदबाद ने मुस्कुराते हुए उस व्यक्ति को देखा, जिसने बेहद आलीशान कपड़े पहने थे और वह देखने में आकर्षक था। ‘आप इस युग के नहीं लगते।’
‘और आप तो इस क्षेत्र के निवासी नहीं लगते,’ उस व्यक्ति ने हंसते हुए कहा। मैं यात्री हूँ और तुम?
‘सिंदबाद।’
‘ओह, निर्देशक की तरह? दिलचस्प नाम है।’
‘तुम्हारा भी।’
‘इतनी लंबी यात्रा के बाद, मेरे दोस्त, तुम अपनी पहचान खो देते हो,’ उसने आँख मारते हुए कहा। ‘मुझे अब अपनी मशीन के पास जाना होगा। आखिर समय बहुत कीमती है।’
पहचान खो गई?
सिंदबाद को सोचने-समझने का समय नहीं मिला था। जैसे ही यात्री चला गया, सिंदबाद विचार करने लगा; उसे एहसास हुआ कि अपने रोमांचक सफर के दौरान उसने अपने कई गुण खो दिए थे, जैसे कि द्वेषपूर्ण, झूठा और धोखेबाज बन जाना; वह जितना सोच सकता था उससे कहीं अधिक चिंतित और स्वार्थी हो गया था। वह जानता था कि ये गुण उसके समानांतर स्वरूप, निर्देशक, से मेल नहीं खाते थे।

सिंदबाद और हुसैन भीड़ से बचकर कोने की ओर जाने लगे, तभी उन्होंने देखा कि राज्यपाल अपने सुरक्षाकर्मियों के साथ घोषणाएँ सुन रहे थे। भीड़ का शोर सुनकर राज्यपाल अपनी गाड़ी की ओर बढ़े और बैठ गए, और वहाँ से जाने का फैसला किया।
‘हमें उसका पीछा करना होगा,’ सिन्बाद ने कहा। ‘मुझे राज्यपाल से बात करनी होगी।’
‘आपका मतलब आपके बेटे से है?’
‘यह तो कभी मजाक ही रहेगा, है ना?’ सिंदबाद ने अपनी भौंहें ऊपर उठाईं।
'ओह हाँ। क्या आप वाकई अपने बेटे से बात करना चाहते हैं?'
'बहुत ज्यादा तो।'
'आप क्या करना चाहते हैं?'
सिंदबाद ने मेले वाले मुख्य मार्गों से गुजरती हुई गाड़ियों को देखा। ‘तुम उनका ध्यान भटकाओ। शॉर्टकट लो और उन्हें बीच में ही रोक दो। मैं ऊपर छत पर चला जाता हूँ।’
‘शॉर्टकट? तुम मुझे क्या समझते हो? मैं इस दुनिया में उसी क्षण प्रवेश कर गया जब तुमने किया। मुझे उतना ही पता है जितना...’
सिन्बाद तेज़ी से पास की इमारत की ओर दौड़ा, फुर्ती से सीढ़ियाँ चढ़ते हुए एक छत से दूसरी छत पर छलांग लगाता गया, उसकी हरकतें सहज और आकर्षक थीं। उसने एक छोटा कोट पहना हुआ था जो हवा में लहरा रहा था और कंधे पर एक धनुष लटका हुआ था। उसके सिर पर एक बॉलर हैट थी, जिससे उसके तीखे चेहरे पर छाया पड़ रही थी। अपनी ऊँची जगह से वह नीचे सड़क पर तेज़ी से आती हुई गाड़ी को देख सकता था। आँखों में दृढ़ निश्चय की चमक लिए, सिन्बाद हवा में कलाबाज़ी करते हुए छत के किनारे पर फिसलते हुए गाड़ी की दिशा में आगे बढ़ा।
उसने देखा कि हुसैन अचानक कहीं से प्रकट हुए और गाड़ियों के ठीक सामने आकर गिर पड़े। उन्होंने अपना घुटना पकड़ लिया और दर्द से चिल्ला उठे।
‘क्या ही नाटकीयता है!’ सिंदबाद ने मुस्कुराते हुए कहा, जैसे ही उसे एक मौका दिखा। जिस इमारत पर वह खड़ा था, उससे सामने वाली इमारत तक एक रस्सी बंधी हुई थी। उसने अपना कोट उतारा और रस्सी में फंसा दिया। जैसे ही वह इमारत के ऊपर से तेज़ी से निकला, उसने नीचे देखते हुए सही निशाना साधा। जैसे ही उसे एहसास हुआ कि वह गाड़ी के ऊपर है, उसने नियंत्रण छोड़ दिया। एक पल के लिए वह हवा में लटका रहा, भारहीन और मुक्त। फिर, एक ज़ोरदार टक्कर के साथ, वह गाड़ी से टकरा गया और बाल-बाल सुरक्षाकर्मियों से बच गया। इस्माइल का दिल डर से ज़ोर से धड़कने लगा, क्योंकि कुछ ही घंटों में यह दूसरी घुसपैठ थी जिसका उसे सामना करना पड़ा था।
‘यह सब क्या हो रहा है?’ वह चिल्लाया।
'गवर्नर साहब, इस तरह बीच में टोकने के लिए मुझे खेद है, लेकिन मुझे आपका ध्यान आकर्षित करना आवश्यक था।'
'आखिर आप हैं कौन?'
‘जिसने तुम्हें बचाया।’
राज्यपाल ने सिंदबाद के चेहरे की ओर देखा और अपनी निगाहें सिकोड़ लीं। 'अरे, वह लड़का!'

'हां। मैं बस इतना ही कहना चाहता हूं कि... मुझे जूलियो वर्ने का पता लगाना आता है।'
तब तक सुरक्षाकर्मी मौके पर पहुंच चुके थे और उन्होंने सिंदबाद के साथ मारपीट शुरू कर दी, उसे गाड़ी से बाहर खींचकर सड़क पर फेंक दिया। हुसैन भी तब तक सिंदबाद को बचाने के लिए आ चुके थे, लेकिन उन्हें भी धक्का देकर गिरा दिया गया।
राज्यपाल हताशा भरे चेहरे के साथ गाड़ी से बाहर निकले। 'मुझे लगता है कि जब तक आप मुझसे बात नहीं कर लेते, आप मुझे जाने नहीं देंगे। आप तो ऐसे ही लगते हैं।'
इसी बीच, अन्य राज्यपाल भी अपनी गाड़ियों से बाहर निकले, वे इस हलचल को देखकर उत्सुक थे।
‘तुम्हें कैसे पता चला?’ सिंदबाद ने पूछा।
'क्योंकि मेरे पिता भी ऐसे ही थे, और आप उनसे कुछ हद तक मिलते-जुलते हैं। बेशक, आप उनसे थोड़े कम सख्त हैं,' गवर्नर ने जवाब दिया।
'एक बार मेरी बात सुनिए, मुझे यकीन है कि आपको मेरी बात सुनने का पूरा फायदा मिलेगा। मेरे पास जो कहानियां हैं, मैं जहां से आया हूं, आप सब जानना चाहेंगे।'
राज्यपाल ने सिर हिलाया। 'उन्हें मेरे कार्यालय में लाओ और निदेशक के नाम पर उन्हें नए कपड़े दिलवाओ।'
और इतना कहकर वह अपनी गाड़ी में बैठकर चला गया।

इक्कीस
‘तो आप कह रहे हैं कि आप मेरे पिता हैं?’ इश्माएल ने मेज पर मुट्ठी पटकी।
सिंदबाद और हुसैन इस्माइल के दफ्तर में थे। उन्हें नए कपड़े दिए गए थे।
उनके पीछे स्वचालित पहरेदार खड़े थे, जो इस्माइल के कुछ भी गलत कहने पर उन पर झपटने के लिए तैयार थे।
‘वैसे, तकनीकी रूप से तो नहीं। लेकिन हां, मैं भी सिंदबाद हूं,’ सिंदबाद ने जवाब दिया।
‘और आपके पास इसे साबित करने के लिए कोई सबूत नहीं है?’ इश्माएल ने कहा। ‘कोई पहचान पत्र नहीं, किसी भी तरह का...’
'खैर, अपने बचाव में हम यही कहेंगे कि हम सिर्फ नाविक हैं और हमारे पास पहचान पत्र जैसी कोई चीज नहीं है,' सिन्बाद ने समझाया।
इश्माएल ने कुर्सी पर बैठते हुए अपनी आँखें सिकोड़ीं, मानो उसे लड़के की अविश्वसनीय बातों पर यकीन ही नहीं हो रहा था। उसका दफ्तर किताबों, ग्लोब, चर्मपत्र और कलमों से भरा हुआ था। वहाँ एक खिड़की थी जिससे सूरज की रोशनी अंदर आती थी। 'तुम अपनी बातें कुछ ज़्यादा ही बढ़ा-चढ़ाकर कह रहे हो, अगर तुमने मेरी जान न बचाई होती, तो मैं ये सब सुनने की ज़हमत भी नहीं उठाता।' ‘मुझे पता है यह अजीब है, लेकिन हमारी दुनिया में इब्लिस उठ खड़ा हुआ है, और हमें बीओवुल्फ की तलवार की ज़रूरत है... हमें इसे उधार लेना होगा। मैं आपसे पहले ही पूछने की सोच रहा था, लेकिन जूलियो वर्न ने मेरी योजना बिगाड़ दी...’
इश्माएल ने अपने होंठ चाटे। गौर से देखने पर सिंदबाद को एहसास हुआ कि वे दोनों दिखने में काफी मिलते-जुलते थे।
उसकी आंखें उभरी हुई थीं और होंठ कागज जैसे पतले थे, लेकिन वह बहुत घबराया हुआ लग रहा था, मानो उसे कुछ छिपाना हो।
और आपको ऐसा क्यों लगता है कि हम आपको तलवार दे देंगे?
‘तुम्हारे पिता भी यही करते। वे दूसरों की मदद करते।’
आप मेरे पिता के बारे में क्या जानते हैं?
‘उम... मैं... तुम्हारा पिता हूँ। मैंने अभी तुम्हें बताया,’ सिंदबाद ने जवाब दिया।
हुसैन खुद को रोक नहीं पाया। वह हल्की सी हंसी हंस पड़ा।
'मुझे यकीन है कि आप उसके जैसे दिखते हैं, लेकिन आप बिल्कुल भी उसके जैसे नहीं हैं। वह आदमी एक अत्याचारी था।'
'मुझे यकीन है कि यह सच नहीं है,' सिन्बाद ने कहा, इस बात पर विचार करते हुए कि कैसे उनके साथी कभी-कभी उन्हें गलत तरीके से समझते हैं।

“ओह नहीं, वो थे। बहुत उम्मीदें रखते थे। बहुत अस्थिर स्वभाव के थे। बड़े होते-होते तो मुसीबत बन गए। उनके आस-पास के सभी लोगों से उनकी अपेक्षाएं हमेशा बहुत ऊंची रहती थीं।” यादों में खोकर उनकी आंखें नम हो गईं। “यहां तक कि उनके बेटे से भी, जो इतना छोटा था कि उसे पता ही नहीं था कि मानदंड क्या होते हैं। एक गलती, और डांट पड़ती थी।”
सिन्बाद की नज़र कुर्सी के पीछे निदेशक की तस्वीर पर पड़ी। उस व्यक्ति के चेहरे की बनावट तीखी थी, दाढ़ी सलीके से संवारी हुई थी और आँखें तीव्र थीं, जो अधिकार का भाव प्रकट कर रही थीं। सिन्बाद ने कभी खुद को उनके जैसा होने की उम्मीद नहीं की थी—इतना सख्त और फिर भी अडिग। किसी कारणवश, यह उसे मास्टर रीस की याद दिला रहा था।
हुसैन ने उसे याद दिलाते हुए कहा, 'आपने संग्रहालय में अपने पिता के बारे में बहुत अच्छी बातें कही थीं।'
‘जनता यही तो चाहती है, है ना?’ इस्माइल ने अपने होंठ चाटे। ‘मुझ पर हमेशा अच्छा करने का दबाव रहता था और मुझे कभी धन्यवाद या तारीफ भी नहीं मिली। उनके लिए तो बस काम ही काम था। आपको पता है, उनके अंतिम संस्कार में, जब उनकी मृत्यु हुई, तो उन्होंने वसीयत में मेरे लिए क्या छोड़ा? मुझे एक पत्र की उम्मीद थी, शायद विदाई के शब्द। शायद एक “आई लव यू”, लेकिन मुझे सिर्फ नंबर मिले। खातों के नंबर, किस बैंक में क्या रखा है, और उन लोगों के नामों की सूची जिन पर मैं भरोसा कर सकता था। उसमें कुछ भी निजी नहीं था। उनके “बेटे” के लिए कोई संदेश नहीं था, सिर्फ उनके “उत्तराधिकारी” के लिए था। क्या एक पिता यही करता है?’
सिंदबाद ने आह भरी। वह समानांतर ब्रह्मांड में मौजूद अपने बेटे को गले लगाना चाहता था। लेकिन वह उसकी संतान का ही समानांतर रूप था, इसलिए उसे उससे दूरी बनाए रखनी पड़ी।
‘खैर, मैं ये सब क्या बड़बड़ा रहा हूँ?’ इस्माइल ने कंधे उचकाते हुए कहा। ‘आपने जूलियो वर्ने का पीछा करने के बारे में कुछ कहा था। जब आपने सड़कों पर ये दावा किया था, तब दूसरे गवर्नरों ने आपको सुन लिया था, और अब वे मेरे पीछे पड़े हैं। तो मुझे सब कुछ बता दीजिए जो आप जानते हैं।’
क्या आपके पास कंपास है?
इश्माएल ने दराजें खोलीं और उसे देते हुए कहा, 'ये लो।'
सिन्बाद ने अपनी उंगलियां झटकीं, और उसी हरी चिंगारी से एक चिंगारी निकली। उसने उसे कंपास में रखा। 'अब इसमें जूलियो वर्ने का स्थान अंकित हो गया है।'
एक पल के लिए, इश्माएल बस उसे देखता रहा। 'यह सब क्या था? क्या तुम जादूगर हो?'
'हाँ, एक तरह से। मैं सेइड-मैजों के एक संघ से आता हूँ, और मुझे इस तरह की कुछ तकनीकों का उपयोग करने का प्रशिक्षण दिया गया है। इसे जादू का एक रूप कह सकते हैं,' सिन्बाद ने अपनी क्षमताओं के बारे में किसी भी गलत धारणा को दूर करने की उम्मीद में समझाया।
‘मैं समझ गया,’ इश्माएल ने सदमे में रहते हुए जवाब दिया।

उसने कंपास उठाया और उसकी जांच की। उसका तीर पूरब की ओर इशारा कर रहा था। 'पूरब में ही समुद्र है।'
'मुझे ऐसा लग रहा है कि यह हमें पानी के नीचे ले जाएगा,' सिन्बाद ने सेइड और गिल्ड में अपने प्रशिक्षण को याद करते हुए कहा।
‘तो, पानी के नीचे का शहर सचमुच मौजूद है?’ इश्माएल ने संदेह से अपनी भौहें उठाईं। ‘मुझे कैसे पता चलेगा कि तुम झूठ नहीं बोल रहे हो? कि यह जूलियो वर्ने का कोई और जाल नहीं है?’
'अगर ऐसा है, तो यह एक बहुत ही खराब ढंग से रचा गया जाल है क्योंकि आपने हमें यहां, ठीक अपने सामने, अपने पहरेदारों से घिरे हुए रखा है,' सिंदबाद ने जवाब दिया।
इश्माएल मुस्कुराया। 'वाह, बढ़िया जवाब। पनडुब्बी तैयार करो।' उसने ऑटोमैटन से कहा, जिन्होंने सिर हिलाया और जाने लगे। 'हम इसे टर्बो मोड में चलाएंगे।'
‘सब?’ हुसैन ने उलझन में पूछा।
‘हमें पानी के नीचे ले जाने के लिए पनडुब्बी चाहिए।’ इश्माएल ने उत्तर दिया।
पानी में डूबने के ख्याल से ही सिंदबाद की रीढ़ की हड्डी में सिहरन दौड़ गई। वह पूछना चाहता था कि पनडुब्बी क्या होती है, लेकिन चुप रहा, क्योंकि वह अज्ञानी नहीं दिखना चाहता था।
अब, मैं सिर्फ आप सबका मनोरंजन नहीं करना चाहता, लेकिन जनता उम्मीद के मुताबिक बेकाबू हो रही है। वे अपने नायक की तलवार को संग्रहालय में वापस देखना चाहेंगे। मेरा मानना है कि हमें हर सुराग का पीछा करना चाहिए। लेकिन इस मामले में, मैं खुद जाऊंगा और किसी भी जनरल या कमांडर को इसे बिगाड़ने नहीं दूंगा। वहां पहुंचने पर, मैं आपको अपडेट दूंगा।
‘अरे नहीं, नहीं। हम भी जा रहे हैं,’ सिंदबाद ने जोर देकर कहा। ‘हम मदद कर सकते हैं।’
‘तुम्हें क्या लगता है कि तुम किस तरह से मेरी मदद कर पाओगे?’ इश्माएल ने हंसते हुए पूछा।
‘मैं सिंदबाद हूँ,’ उसने आत्मविश्वास से कहा। ‘यह मत भूलो कि मेरा समानांतर रूप ही वह है जिसने इस दुनिया को बचाया है, इसलिए तुम्हें मेरी ज़रूरत है।’ इश्माएल ने आंखें घुमाईं। 'ठीक है, चलो फिर। मुझे लगता है कि मुझे यह यात्रा याद रहेगी।'

बाईस
सिंदबाद ने कभी पनडुब्बी में सफर नहीं किया था। उसे बस इतना ही पता था कि यह एक पानी के अंदर चलने वाला जहाज है। यह अपने आप में ही बहुत दिलचस्प था, क्योंकि अब तक वह हवाई सफर कर चुका था। वह समुद्री सफर भी कर चुका था, अब बस यही एक चीज़ बची थी... यही।
वह अपनी छोटी सी पानी के नीचे की खिड़की से बाहर के मनमोहक दृश्य को निहार रहा था—चमकीले मूंगे, सुंदर मछलियाँ और हर आकार के जीवों की भरमार। बहते पानी की आवाज़ उसके कानों में गूंज रही थी, मानो जलीय जीवन का एक मधुर संगीत रच रही हो। सिंदबाद का हाथ पनडुब्बी की निर्माण मशीन की ठंडी, लोहे की सतह से छू गया। जब उसने उसे ध्यान से देखा, तो पाया कि उसमें कई डिब्बे थे, जो किसी जहाज की संरचना की याद दिलाते थे।
एक जहाज की तरह, पनडुब्बी के भीतर अलग-अलग क्षेत्र थे—एक व्यस्त माल गोदाम, एक गोताखोरी कक्ष, एक भंडारण क्षेत्र और कप्तान का कमरा। मुख्य गोदाम एक केंद्रीय केंद्र के रूप में कार्य करता था, जो अक्सर गतिविधियों से गुलजार रहता था, जबकि संकरे गलियारे विभिन्न भागों को जोड़ते थे। सीमित स्थान और घुटन के अंतर्निहित एहसास के बावजूद, अनुभव पूरी तरह से अनूठा और मनमोहक था। हुसैन भी पानी के भीतर की दुनिया को देख रहा था, जबकि इस्माइल दिशा-निर्देश के लिए कंपास का उपयोग कर रहा था और पानी में आने वाले किसी भी खतरे पर नजर रख रहा था। पनडुब्बी में हथियार भी थे—मिसाइलें, जैसा कि इस्माइल ने बताया था, टॉरपीडो और अन्य। लेकिन वे सभी सामने थे।
‘वह समुद्र में बहुत गहराई में है,’ इश्माएल ने टिप्पणी की। ‘मतलब, अगर तुम्हारा ट्रैकिंग मंत्र काम करता है तो।’
‘हाँ, ऐसा ही है; चिंता मत करो,’ सिंदबाद ने रुकते हुए कहा, ‘तुम अपने पिता के करीब नहीं थे, है ना?’
इश्माएल ने कैमरे से नज़र हटाते हुए अपनी भौंहें ऊपर उठाईं। 'वह एक योद्धा, एक यात्री और एक साहसी व्यक्ति थे। मैं बचपन से ही हड्डियों के कम घनत्व के साथ पैदा हुआ था। इससे उन्हें गुस्सा आता था। उन्हें लगता था जैसे उनके साथ धोखा हुआ हो। वह अपने जैसा ही एक साहसी बेटा चाहते थे, तो आप घर में होने वाली बातचीत की कल्पना कर सकते हैं।'
‘मुझे माफ कर दो,’ सिन्बाद ने कहा। ‘मुझे माफ कर दो, बेटा। अगर मैंने अपने ही बेटे के साथ इतना बुरा बर्ताव किया तो मुझे माफ कर दो। तुम जो भी कर रहे हो, बहुत अच्छे से संभाल रहे हो, और मुझे यकीन है कि उसे तुम पर गर्व होगा।’ इश्माएल मुस्कुराया। 'यह सुनकर अच्छा लगा कि यह बात वह व्यक्ति कह रहा है जो समानांतर ब्रह्मांड में मेरा पिता होने का दावा करता है।'

‘तुम्हारी माँ कैसी थीं?’ सिंदबाद खुद को पूछने से रोक नहीं पाया। वह यह जानने के लिए बेताब था कि इस दुनिया की सफीना कैसी थीं।
‘वह एक दयालु महिला थीं,’ उन्होंने मुस्कुराते हुए कहा। ‘वह एक द्वीप की राजकुमारी थीं, एक ऐसी जनजाति की जिससे मेरे पिता संयोगवश मिले थे। अत्याचारी द्वीप राजा को हराने के तुरंत बाद उनका विवाह हो गया।’
‘अरे, तो वह इस दुनिया में शैतान की बेटी नहीं थी? लगता है सिर्फ मेरी जिंदगी ही पेचीदा है,’ सिंदबाद ने मन ही मन बुदबुदाया।
हुसैन को खांसी आई और उसने पूछा, 'क्या तुम्हारे पिता का कोई दोस्त था? शायद उसका नाम हुसैन ही होगा?'
‘बिल्कुल, हालांकि यहाँ उन्हें हुसैन कहा जाता था।’ इस्माइल ने मुस्कुराते हुए कहा। ‘मैं तो उन्हें अंकल हुसैन कहता हूँ।’
‘वह कहाँ है? वह क्या कर रहा है?’ उसने उत्सुकता से पूछा।
‘ओह, वही तो इस संगठन का मुखिया है,’ इश्माएल ने कहा। ‘शहर में सब कुछ स्थिर होने का मूल कारण वही है। मैं तो बस एक बच्चा हूँ जिसे भाई-भतीजावाद की वजह से यहाँ भेज दिया गया है।’
‘क्या वह रिटायर नहीं होंगे?’
‘मेरे चाचा? ओह नहीं। वे अपने पिता की विरासत को निभाते हुए देश की सेवा करना चाहते थे और यही वे कर रहे हैं। अब वे काफी बूढ़े हो चुके हैं, फिर भी वे विरासत को आगे बढ़ाते हुए अधिकांश काम करते हैं।’
हुसैन अचंभित रह गया। वह सेवानिवृत्ति के बारे में बात कर रहा था और यहाँ, उसका दूसरा रूप, जिसे अपने पिता के साथ वही समस्याएँ थीं, एक अलग ही राह पर चल पड़ा था।
सिंदबाद एक और सवाल पूछने ही वाला था कि उसे बीच में ही रोक दिया गया। ‘मुझे कुछ दिखाई दे रहा है! यह एक किला है!’ इश्माएल ने शंखों और मूंगों से बनी एक विशाल संरचना की ओर इशारा करते हुए कहा। प्राकृतिक सामग्रियों से निर्मित होने के बावजूद, किले में ऐसी भव्यता और परिष्कार था जो ज़मीन पर बनी किसी भी इमारत से कहीं बढ़कर था। यह वास्तुकला का एक अद्भुत नमूना था। किसी के कुछ कहने से पहले ही, किसी चीज़ ने उनकी खिड़की पर टक्कर मारी। सिंदबाद ने तुरंत बाहर देखा और उसकी आँखों को रोशनी के अनुकूल होने में कुछ समय लगा, फिर उसने देखा कि एक टेंटेकल ऊपर उठकर खिड़की की जाली से टकरा रहा है। सिंदबाद पीछे हट गया।
‘यह तो एक स्क्विड है!’ सिंदबाद ने हैरानी से कहा।
‘कोई साधारण स्क्विड नहीं, बल्कि एक क्रूर दिखने वाला स्क्विड,’ हुसैन ने आगे कहा, उनके शब्दों से सिंदबाद और वह दोनों भयभीत भावों में एक-दूसरे को देखने लगे। इसके विपरीत, इस्माइल शांत भाव से खड़ा था, मानो सब कुछ उसके नियंत्रण में हो।
‘अरे, ये तो मशीनों से बने होंगे,’ इस्माइल ने कहा। ‘सब लोग हमला करने के लिए तैयार हो जाओ!’ उसने स्वचालित मशीनों को आदेश दिया। ‘टॉरपीडो दागो।’ मिसाइलें दागी गईं, लेकिन स्क्विड ने चतुराई से अपनी सूंड पनडुब्बी के चारों ओर लपेट ली, जिससे वे असहाय हो गए।
हम हिल नहीं सकते।

सभी स्क्रीन पर रेड अलर्ट आ गया।
'और इससे अंदरूनी हिस्सों पर दबाव पड़ रहा है,' इश्माएल ने कहा।
सिन्बाद ने स्कूबा सूट को देखा, जिसमें देखने के लिए कांच की खिड़की वाला एक बड़ा हेलमेट और सांस लेने के लिए लोहे की जालीदार छेद थे। 'क्या मैं इसे पहनकर बाहर जा सकता हूँ?'
‘बेशक, आप ऐसा कर सकते हैं, लेकिन यह बहुत खतरनाक है,’ इश्माएल ने चेतावनी दी।
सिंदबाद ने बिना सोचे समझे सूट पहनना शुरू कर दिया। उसने आखिर में हेलमेट बांधा और उसके साथ आया भाला उठा लिया। 'मुझे तैरना आता है।'
उसने लीवर खोला और पीछे से आ रहे लोगों की बात सुने बिना बाहर निकल गया, जबकि हुसैन और इस्माइल अंदर की स्थिति समझने की कोशिश कर रहे थे। सिंदबाद तैरकर ऊपर आया और उसे एहसास हुआ कि सूट पहने वह पानी के अंदर ठीक से सांस ले सकता है। वह स्क्विड की ओर तैरा, जो बड़ा और गहरा था, लेकिन उसकी आंखें बेजान थीं, मानो उसे किसी चीज द्वारा नियंत्रित किया जा रहा हो।
सिन्बाद ने भाला स्क्विड की ओर बढ़ाया, लेकिन स्क्विड ने आसानी से भाले को मोड़ दिया। सिन्बाद ने फिर से भाला चलाया और उसे स्क्विड के एक टेंटेकल में घुसाकर तोड़ दिया। एक और टेंटेकल निकला और उस पर वार करते हुए उसके पूरे शरीर को कसकर जकड़ लिया। सिन्बाद उससे छूटकर स्क्विड के सिर की ओर बढ़ा और उसकी आंख में वार कर दिया। स्क्विड ने काला तरल पदार्थ उछाला जो सिन्बाद के दस्ताने पर गिरा। इससे उसका सूट गलने लगा और उसे ठंडा पानी अंदर रिसता हुआ महसूस हुआ।
सिंदबाद को एहसास हुआ कि अगर पानी उसके सिर तक पहुँच गया तो वह गंभीर मुसीबत में पड़ जाएगा और दम घुटकर मर सकता है। तभी एक और तंतु प्रकट हुआ और उसने भाले को पकड़कर उसके हाथ से खींच लिया। जैसे ही पानी उसकी गर्दन तक पहुँचा, वह घबरा गया और अपने सूट को संभालने के लिए संघर्ष करने लगा। डर से उसका दिल ज़ोर से धड़कने लगा, क्योंकि उसे एहसास हो गया था कि अगर उसने जल्दी कुछ नहीं किया तो उसकी मौत हो सकती है।
आओ आओ । । ।
सिन्बाद ने स्क्विड की घायल आंख पर लात मारी, और उसने पनडुब्बी से एक टॉरपीडो निकलते देखा। स्क्विड टॉरपीडो से घायल हो गया था, और जब सिन्बाद पनडुब्बी की ओर तैरकर वापस लौटा, तो उसके पीछे से दरवाजा बंद करते समय मलबा उससे टकराया।
सूट के अंदर पानी भर गया था, और सिंदबाद को सांस लेने में तकलीफ हो रही थी।
उसने अपना हेलमेट उतारा और हांफते हुए जमीन पर गिर पड़ा।
यह हो चुका है।
यह हो चुका है।
एक और टॉरपीडो फटा, जिससे किले के द्वार टूट गए, जहां अन्य पनडुब्बियों के लिए एक लैंडिंग बेस था। पनडुब्बी द्वारों से अंदर घुस गई।
इश्माएल ने कहा, 'हम अंदर आ गए हैं। अब शो शुरू होने वाला है।'

तेईस
सिन्बाद किले में दाखिल हुआ, और इस्माइल और हुसैन गलियारे में सावधानी से उसके पीछे-पीछे चल रहे थे। इस्माइल के स्वचालित सैनिक भी उनके साथ-साथ तलवार और राइफल लिए हुए आगे बढ़ रहे थे।
एक गलियारा दूसरे गलियारे की ओर जाता था, और वे जल्दी से आगे बढ़ गए। हुसैन ने पूछा, 'जूलियो वर्ने की कहानी क्या है?'
इश्माएल ने कहा, “एक स्पेनिश विजेता। वह एक छोटे से कस्बे से आया था और राजघराने ने उसे बगदाद के साथ मैत्रीपूर्ण संबंध स्थापित करने के लिए भेजा था। वह यहीं बस गया और धीरे-धीरे उस संगठन के साथ अच्छे संबंध बना लिए। वह एक तरह से अच्छा आदमी था। कोई समस्या नहीं थी। लेकिन फिर उसमें समाज विरोधी होने के लक्षण दिखने लगे। वह धीरे-धीरे शहर का सबसे अमीर आदमी बन गया और खूब दान-पुण्य करने लगा।”
‘तो वह चोर कैसे बन गया?’ सिंदबाद ने पूछा।
‘मुझे लगता है कि वह हमेशा से ऐसा ही था। उसका मकसद संगठन के करीब आना था। वह एक तरह का महान आविष्कारक भी था,’ इस्माइल ने बताया। ‘उसे नई-नई चीजें बनाना बहुत पसंद था, और बगदाद में अधिकांश तकनीकी विकास उसी की और उसकी कंपनी की वजह से हुआ है। वह उन लोगों के करीब आया जिन्होंने उस पर भरोसा और सम्मान करना शुरू कर दिया, तभी उसने अपने असली इरादे ज़ाहिर किए।’ सिंदबाद यह समझ नहीं पा रहा था कि कोई व्यक्ति रातोंरात कैसे बदल सकता है। ‘उसके झूठ का पर्दाफाश संगठन को भी हो गया,’ इश्माएल ने आगे कहा। ‘हमें पता चला कि वह स्पेन से भागा हुआ कैदी था और दूत नहीं था जैसा कि वह खुद को बताता था। असल में, वह भाग रहा था और शरण चाहता था। लेकिन तब तक बहुत देर हो चुकी थी। तब तक उसने काफी शक्ति हासिल कर ली थी। हमने उसका सामना किया, लेकिन वह भाग निकला। जाहिर है, वह पिता की बहुत इज्जत करता था, हालांकि वह उनसे कभी मिल नहीं पाया।’
जैसे ही वे कोने में मुड़े, एक और गलियारा खुल गया, जिसमें निदेशक के चित्र, दृष्टांत और मूर्तियां दिखाई दे रही थीं।
‘निर्देशक का प्रशंसक…’ सिंदबाद ने विस्मय से बुदबुदाया। ‘एक खलनायक जो नायक की पूजा करता है। दिलचस्प।’
‘हां,’ इश्माएल ने सहमति जताई।
‘क्या इसीलिए उसने तलवार चुराई?’ सिंदबाद ने पूछा।
‘शायद,’ इस्माइल ने कंधे उचकाते हुए कहा। ‘आखिरकार, उसकी नज़र हमेशा इस पर रहती थी। जब हमने उसका सामना करने की कोशिश की, तो वह भाग निकला। उसके बाद, उसने संगठन को बर्बाद करने के लिए हर संभव प्रयास किया। शहर का खजाना और

महत्वपूर्ण वस्तुएं चुराईं, बैंकों में सेंध लगाई, जगहों को तहस-नहस कर दिया और नरसंहार किया। हमने उसे ढूंढने और रोकने की कोशिश की, लेकिन वह बहुत चालाक निकला। उसने हमसे लड़ने के लिए कई आविष्कार किए हैं और अब उसके पास समुद्री डाकुओं का एक दल है जो हमारे आदमियों से लड़ता फिरता है। यह एक बड़ा खतरा है।’
जैसे ही वे अंतिम गलियारे में दाखिल हुए, वह एक विशाल हॉल में खुल गया जो तरह-तरह के तथाकथित आविष्कारों से भरा हुआ था। सिंदबाद ने देखा कि वहाँ समुद्र की ओर खुलने वाली एक बड़ी खिड़की थी, जहाँ शार्क, मछलियाँ और ऑक्टोपस तैरते हुए दिखाई दे रहे थे।
'मुझे लगता है कि हम उसके मुख्य केंद्र पर हैं,' सिन्बाद ने कहा। 'वह यहीं से अपना काम करता है।'
वहाँ योजनाएँ, ब्लूप्रिंट और बहुत सी अन्य रोचक चीज़ें थीं। जब उनके पीछे दरवाजा बंद हुआ, तो उनके पीछे-पीछे चल रहे अधिकांश स्वचालित यंत्र दूसरे कमरे में ही छूट गए।
“स्वागत है, मेरे इस छोटे से राज्य में आपका स्वागत है। विशाल स्क्विड कैसा था? क्या आपको उससे लड़ने में मज़ा आया?” सिंदबाद के तलवार उठाते ही जूलियो दूसरी तरफ अंधेरे से बाहर निकला।
उसने मुड़कर देखा तो दूसरी तरफ अंधेरे से एक आवाज आ रही थी।
‘तुम वही बच्चे हो जिसने मुझे रोकने की कोशिश की थी,’ जूलियो ने अपनी मूंछें घुमाते हुए कहा। ‘मुझे तुम याद हो, लड़के।’
सिंदबाद बड़े दुष्ट भाषण की प्रतीक्षा कर रहा था, लेकिन इसके बजाय उसे एक रहस्योद्घाटन प्राप्त हुआ।
‘हालांकि मैं एक खास व्यक्ति से काफी निराश हूं। राज्यपाल जी? मुझे लगा था कि हमारा समझौता हो गया था।’
सिंदबाद और हुसैन ने इश्माएल की ओर मुड़कर पूछा, ‘उसका क्या मतलब है?’ ‘अरे, क्या तुमने उन्हें नहीं बताया?’ जूलियो हँसा। ‘आखिरकार, उसी की वजह से मैं बीओवुल्फ की तलवार इतनी आसानी से चुरा पाया,’ उसने तलवार को मुस्कुराते हुए हाथ में पकड़े हुए कहा।
*

इश्माएल शांत और संयमित रहा।
‘वह क्या कह रहा है?’ सिंदबाद ने उससे पूछा।
‘मैं तुम्हें एक कहानी सुनाता हूँ। इससे सब कुछ स्पष्ट हो जाएगा,’ जूलियो ने कहा। ‘यह एक किस्सा जैसा है। मेरे झूठ का पर्दाफाश होते ही संघ में मेरा समय समाप्त हो गया। फिर मुझे एहसास हुआ कि मेरे प्यारे इस्माइल को जुए की थोड़ी लत है और वह भारी कर्ज में डूबा हुआ है।’ जूलियो हँसा। ‘अब असली बात ये है। मैंने ही सबसे पहले उन घटनाओं को अंजाम दिया था जिनकी वजह से वह कर्ज में डूबा, उसे उस स्थिति में डालकर। एक बार जब वह मेरी दया पर आ गया, तो उसने मेरी समस्याओं को बहुत अच्छे से समझा। वह मेरी बात मानने को तैयार हो गया। मैंने उससे कहा—जब तक वह मुझे बीओवुल्फ की तलवार चुराने और मनमानी करने देगा, मैं उसके राज़ किसी को नहीं बताऊंगा। वह मान गया, और अब

उन्हें पता नहीं चलेगा कि जिस नायक की वे पूजा करते हैं, उसका बेटा, एक धोखेबाज और जुआरी है जिस पर कोई नियंत्रण नहीं है।’
इश्माएल ने शर्म से चेहरा लाल करके नीचे देखते हुए माफी मांगी और कहा, 'मुझे यह बात आपको पहले ही बता देनी चाहिए थी, लेकिन मैं शर्मिंदा और बेबस था।' वह उदास और निराश दिख रहा था, लेकिन अचानक ऊपर देखकर बोला, 'लेकिन... लेकिन... अब सब खत्म हो गया है, जूलियो। मुझे अब उन कर्जों की परवाह नहीं है।' उसने अचानक ऊपर देखते हुए कहा, 'इन नौजवानों से बात करके मुझे एहसास हुआ कि बेईमान जीवन जीने से बेहतर है अपनी गलतियों को स्वीकार करना।' जूलियो ने इस्माइल की सराहना करते हुए कहा, 'शाबाश, मेरे दोस्त! कितनी सम्मानजनक बात कही! हम सब गलतियाँ करते हैं। लेकिन हम हमेशा खुद को सुधार लेते हैं, है ना?'
‘चुप रहो। हमें बताओ कि तुम्हें तलवार क्यों चाहिए।’ हुसैन ने बीच में ही टोकते हुए जूलियो से पूछा।
जूलियो ने जवाब दिया, “अरे, ठीक है, ये बस एक मज़ेदार चीज़ है, बस इतना ही। तुम्हें पता है चोर चोरी क्यों करते हैं? सिर्फ़ दौलत के लिए नहीं, कम से कम मैं तो नहीं। मैं रोमांच के लिए करता हूँ। निर्देशक का बहुत बड़ा प्रशंसक होने के नाते, मैं वो एहसास करना चाहता था जो उन्हें शैतान को मारते समय हुआ था। और अब मुझे वो एहसास हो गया है।” उसने तलवार की ओर मुस्कुराते हुए कहा, “और अब, क्योंकि मेरा काम हो गया है,” उसने तलवार नीचे फेंक दी। “तुम इसे ले सकते हो।”
‘तुम हमारे साथ चल रहे हो,’ इश्माएल ने कहा।
'हाँ हाँ, क्यों नहीं?'
सिन्बाद ने तलवार उठाने की कोशिश की, तभी अचानक कहीं से एक बड़ा पंजा निकला और उस पर वार करते हुए उसे कमरे के दूसरी तरफ फेंक दिया। सिन्बाद ने तारों और मशीनों से बने बड़े-बड़े पंजों वाला एक यांत्रिक केकड़े जैसा वाहन देखा, और जूलियो उसमें कूदकर उसे चलाने लगा।
‘मुझे पहले से ही अंदाजा था कि यह आसान नहीं होने वाला,’ सिंदबाद गुर्राया। ‘हुसैन, तलवार उठाओ।’
केकड़े के पंजे तुरंत आगे बढ़े, लेकिन सिंदबाद ने अपनी तलवार से उन्हें रोक दिया। अचानक, सीलबंद खिड़की पर ज़ोरदार आवाज़ हुई क्योंकि लड़ाई से उत्तेजित शार्क अपना सिर उस पर पटकने लगी। एक और पंजा सिंदबाद की ओर बढ़ा, जिससे वह आगे लुढ़क गया और नीचे से वार कर दिया। जूलियो ने बड़ी कुशलता से केकड़े को चलाने वाली मशीन को इस तरह चलाया कि जब भी सिंदबाद उस पर हमला करने की कोशिश करता, वह एक जगह से दूसरी जगह उछल जाती। 'अरे यार, धिक्कार है!' सिंदबाद बड़बड़ाया और केकड़े के पंजे से बचते हुए उस कांच की खिड़की की ओर कूदा जिससे जूलियो का चेहरा दिख रहा था। सिंदबाद ने उसे मुक्का मारने की कोशिश की, लेकिन कांच की खिड़की बहुत मज़बूत थी। अचानक, एक पंजे ने उसकी कमीज़ पकड़ ली और उसे कमरे में दूर फेंक दिया, जिससे वह दीवार और छत से टकरा गया।

‘अरे बाप रे!’ सिंदबाद खांसते हुए उठने की कोशिश कर रहा था, तभी केकड़ा उसकी ओर बढ़ा, मानो किसी भयंकर लड़ाई के लिए तैयार हो। यह देखकर हुसैन सिंदबाद की मदद के लिए दौड़ पड़ा।
दूसरी ओर, इस्माइल केकड़े की ओर तेज़ी से बढ़ा, वह लगभग अपनी जगह से उछल पड़ा। उसने किसी तरह बीओवुल्फ की तलवार छीन ली और उस पारदर्शी कांच को तोड़ दिया जिससे जूलियो दिखाई दे रहा था। जब इस्माइल ने देखा कि पंजा उसे कांच की खिड़की से टकराने ही वाला है, तो उसने जूलियो की छाती में वार कर उसे मार डाला।
केकड़े बनाने वाली मशीन टूटने और बिखरने लगी और जूलियो को सांस लेने में तकलीफ होने लगी, फिर वह बेहोश हो गया। सिंदबाद दौड़कर इस्माइल के पास पहुंचा, जो हड्डियों के कमजोर होने के कारण कांप रहा था और ठीक से हिल-डुल भी नहीं पा रहा था।
सिंदबाद ने इस्माइल का चेहरा पकड़कर पूछा, 'क्या तुम ठीक हो? तुम्हें ऐसा करने की ज़रूरत नहीं थी।'
‘मुझे ऐसा करना पड़ा,’ इश्माएल ने कांपते हुए जवाब दिया। ‘मुझे खुद को साबित करना था। तुम्हें यहाँ से जाना होगा। कांच टूट रहा है, तुम मरने का जोखिम नहीं उठा सकते।’
‘तुम भी नहीं कर सकते!’ सिंदबाद ने हैरानी से कहा।
‘मैं नहीं करूँगा।’ इश्माएल ने लाल रंग में टिमटिमाते एक छोटे से उपकरण को दिखाते हुए कहा। ‘मैंने संकट का बटन दबा दिया है। वे मुझे लेने आ रहे हैं।’ वह रुका, गहरी साँसें लेते हुए बोला, ‘मैंने अपने जीवन में कभी इतना शारीरिक परिश्रम नहीं किया। इस तरह दौड़ना और कूदना... बहुत रोमांचक था। लेकिन मुझे लगता है कि मैं अब कभी चल नहीं पाऊँगा।’
‘यह सुनकर मुझे बहुत दुख हुआ,’ सिंदबाद ने सहानुभूति जताते हुए कहा, इश्माएल के चेहरे पर तनाव देखकर। ‘लेकिन तुमने फिर भी वही किया जो करना ज़रूरी था। तुम एक हीरो हो, इश्माएल, और यह बात कोई नहीं बदल सकता।’
‘मुझे यकीन है कि तुम्हारे पिता को तुम पर गर्व होता,’ सिन्बाद ने हंसते हुए कहा। ‘तुमने हमारी जान बचाई। और मैंने अपनी और तुम्हारी दुनिया में जो देखा है, उससे मैं उन लोगों का सम्मान करता हूँ जो दूसरों से पहले खुद को रखते हैं। काश तुमने ऐसा न किया होता, तुम कमजोर दिख रहे हो।’
इश्माएल ने सिर हिलाया। ‘तुम गलत हो। मैंने ये अपने पिता के लिए नहीं किया। मैंने ये इसलिए किया क्योंकि मुझे लगा कि ये सही है। मुझे हमेशा से पता था कि क्या सही है, लेकिन उस पर अमल करने की हिम्मत कभी नहीं हुई। पर इस बार मैंने किया, और मुझे इसका ज़रा भी अफ़सोस नहीं है,’ उसने गहरी साँस लेते हुए कहा।
सिंदबाद ने इस्माइल के चेहरे पर अंकित तनाव की रेखाओं और झुर्रियों को देखा।
इश्माएल ने आगे कहा, 'मुझे जूलियो को तलवार चुराने नहीं देनी चाहिए थी।
मुझे बस डर था कि जब मैं उसका कर्जदार था, तो वह मुझे बर्बाद कर सकता था।
लेकिन आज जब उसने मेरे सामने ही तुम्हें जान से मारने की कोशिश की, तो मुझे लगा कि मुझे अपनी गलती सुधारनी चाहिए।'

सिंदबाद मुस्कुराया, 'तुमने अच्छा किया। हम सब गलतियाँ करते हैं, लेकिन अगर हम सुधर जाएँ, तो मानवता की खातिर हमारे पास अभी भी मौका है।' इश्माएल ने मुस्कुराते हुए जवाब दिया, 'तुम्हें तलवार लेकर अभी जाना चाहिए। तुम्हें इसकी ज़रूरत एक बेकार संग्रहालय से ज़्यादा है। जाओ, शैतान से लड़ो।'
मैं इसे आपको लौटा दूंगा।
मुझे पूरा यकीन है कि तुम कर लोगे... सिंदबाद।
सिंदबाद के लिए इस्माइल का नाम लेकर उसे पहचानना बहुत मायने रखता था। उसे गर्व महसूस हुआ कि इस्माइल जैसे किसी व्यक्ति ने उसे एक इंसान के रूप में पहचाना, न कि सिर्फ एक नायक या कप्तान के रूप में। इससे उसे यह एहसास हुआ कि उसे देखा और सराहा जा रहा है। वह बचाव नौकाओं के आने का इंतज़ार करना चाहता था, लेकिन उसे अंदर से लग रहा था कि इस्माइल सुरक्षित होगा। वह हुसैन के पास गया, जो अभी भी सदमे में था। उसका हाथ पकड़कर उसने लाल गोला निकाला और बटन दबा दिया। बटन दबाते ही एक सुरंग खुल गई और वे पानी के अंदर की दुनिया से बाहर आ गए।

चौबीस
सिंदबाद ने बीओवुल्फ की तलवार को मेज पर फेंक दिया।
मार्कस को छोड़कर पूरा दल कप्तान के लॉज में इकट्ठा था।
‘ठीक है, मुझे आप सबसे राज़ नहीं छिपाने चाहिए थे। मुझे अपने समझौते के बारे में और अधिक स्पष्ट होना चाहिए था और इस बात का ध्यान रखना चाहिए था कि इसका आप में से प्रत्येक पर क्या प्रभाव पड़ेगा,’ सिंदबाद ने तलवार उठाते हुए स्वीकार किया। ‘मुझे लगा कि मैं सही काम कर रहा हूँ। लेकिन मैं नहीं था। मैंने भलाई से ज़्यादा हानि की। लेकिन फिलहाल, हमने इसे संभाल लिया है।’
प्रेसा को छोड़कर बाकी सभी मुस्कुरा रहे थे, प्रेसा अभी भी चिंतित थी। 'मुझे बस उम्मीद है कि मेरे विचार स्पष्ट हों। हमें अभी भी नहीं पता कि तलवार का क्या करना है,' उसने अपना कंधा सहलाते हुए कहा।
‘शायद इससे शैतान को मारेंगे?’ अशरफिया ने भौंहें चढ़ाते हुए सुझाव दिया। ‘मुझे यकीन है कि हर तलवार का यही मकसद होता है, है ना?’ उसने मुस्कुराते हुए कहा।
‘यहाँ ज्यादा होशियारी दिखाने की जरूरत नहीं है,’ इदरीस ने बीच में टोकते हुए कहा। ‘हो सकता है कि इसका इस्तेमाल किसी अनुष्ठान के लिए किया जा रहा हो।’
अमीर ने सिर हिलाया। ‘यह सच है। हमने एक पीछा करने वाला जहाज भी देखा है। वे कुछ समय से हमारा पीछा कर रहे हैं... और मैंने संयोगवश उन्हें देख लिया।’ उसने गर्व से घोषणा की। ‘मैंने प्रथम कमांडर को सूचित कर दिया है,’ उसने इदरीस की ओर इशारा करते हुए कहा, ‘और मेरा मानना है कि हमारी अगली कार्रवाई उन्हें पहचानना है।’
'हां, मैंने ही उसे हमारी सुरक्षा की निगरानी का जिम्मा सौंपा था,' इदरीस ने गर्व से मुस्कुराते हुए जवाब दिया।
‘एक और जहाज?’ सिंदबाद ने अपनी भौंहें उठाईं। ‘कितनी दूर?’
‘हमसे पांच सौ कदम दूर। वे यह सुनिश्चित कर रहे हैं कि वे कोहरे में छिपे रहें।’ अशरफिया ने आगे कहा। ‘यह देखकर आश्चर्य होता है कि वे कौन हैं, है ना, मेरे प्रिय?’
‘हमें पता लगाना चाहिए,’ सिंदबाद ने कहा। ‘क्यों न तुम खुद को पक्षी में बदल लो और देख लो?’
अशरफिया ने गुस्से में कहा, 'मैं एक पिशाच हूँ। मेरा काम खून पीना और मौज-मस्ती करना है। और यहाँ, आप मेरे साथ एक आम चुड़ैल जैसा व्यवहार करते हैं। मेरा कहना है कि हम उनका सामना करें और उनसे लड़ें।'

‘अभी तक कोई खून-खराबा नहीं हुआ है। हमें पहले खतरे की पहचान करनी होगी,’ सिन्बाद ने आंखें घुमाते हुए कहा।
‘क्या यह कोई खतरा हो सकता है?’ प्रेसा ने चिंता से पूछा। ‘क्योंकि अगर यह खतरा है, तो उन्होंने अब तक हम पर हमला क्यों नहीं किया?’
'मैं भी यही सोच रहा हूं,' सिंदबाद ने सहमति जताई।
‘क्या यह इब्लिस के जहाजों में से एक हो सकता है? शायद वह आप पर नज़र रख रहा हो?’ हुसैन ने सुझाव दिया।
‘इब्लिस कहीं छिपा हुआ है, जैसा कि वह कहता है, अपने शिकार की तैयारी कर रहा है। वह नहीं हो सकता।’
‘तुमने अभी क्या कहा?’ अशरफिया ने हैरानी से पूछा।
इदरीस ने अपनी भौंहें चढ़ा लीं। 'तुम्हें कैसे पता कि वह छिप रहा है?' ‘क्या तुम शैतान से बात कर रहे थे?’ प्रेसा चिल्लाई।
‘अहम्म,’ सिन्बाद ने अपने सिर के पीछे खुजली की। जल्द ही, उसने इब्लिस के साथ हुई अपनी बातचीत के बारे में बताना शुरू कर दिया। सभी ध्यान से सुन रहे थे। अशरफियाह विशेष रूप से चुप थी, मानो उसने मृत्यु की पुकार सुन ली हो। बातचीत के अंत तक, वे सभी असमंजस में दिख रहे थे। लेकिन अशरफिया झट से झोपड़ी से बाहर निकल गई।
‘उसके साथ क्या हुआ?’ एमिर ने पूछा।
एक लंबे मिनट के बाद, वह एक किताब लेकर वापस आई और उसे चित्रों से भरे एक पृष्ठ पर खोला। उसमें हरे रंग के कुछ घुड़सवार आकाश में उड़ते हुए दिखाई दे रहे थे, जो अपने पीछे हड्डियाँ और मांस छोड़ रहे थे।
‘जंगली शिकार सिर्फ एक जंगली शिकार नहीं है। यह असली जंगली शिकार है,’ अशरफिया ने कहा। ‘हम स्कूल में जादू-टोने में जंगली शिकार के बारे में पढ़ते थे। बाद में इस विषय पर प्रतिबंध लगा दिया गया क्योंकि इसे सामूहिक नरसंहार के विचारों को बढ़ावा देने वाला माना गया। भविष्यवक्ताओं ने भविष्यवाणी की है कि जंगली शिकार दुनिया के अंत के कई परिणामों में से एक है।’
‘लेकिन ये क्या है?’ हुसैन ने पूछा। ‘बस कुछ लोग हवा में उड़ रहे हैं?’ ‘इससे भी बढ़कर। हमारे द्वारा ज्ञात हर मिथक में वर्णित सारी बुराई एक साथ आकर घोड़ों पर सवार हो जाती है। जो भी उन्हें देखता है, वह मौके पर ही मर जाता है। यह तत्काल मृत्यु है, मूलतः बड़े पैमाने पर मानव संहार।’
इदरीस ने सिर हिलाया। 'इब्लिस तुम्हारे साथ शरारत कर रहा था। उसने तुम्हें धोखा दिया।'
सिंदबाद ने मुट्ठी पटकी। ‘अब मुझे समझ आया। क्रोनस, लोकी, एपप, ये सभी पौराणिक कथाओं के दुष्ट देवता हैं। तो यही उसकी योजना है। वह जंगली शिकारियों को इकट्ठा करके हमारी दुनिया में तबाही मचाना चाहता है,’ सिंदबाद ने आगे कहा।
‘इब्लिस इस दुनिया को नष्ट नहीं करना चाहता। वह इससे प्यार करता है। वह बस इंसानों से छुटकारा पाना चाहता है।’
हुसैन ने उलझन में पूछा, 'उड़ने वाले घोड़ों पर एक साथ सवारी करने से दुनिया का अंत कैसे हो सकता है? इसमें क्या तर्क है?'

"कल्पना कीजिए कि दुनिया भर के हर मिथक, हर धर्म से आए शैतानों का एक समूह एक साथ मिलकर एक असली बुराई का निर्माण करे। सोचिए क्या हो सकता है," इदरीस ने हुसैन को समझाया।
सिन्बाद ने अपने दोस्त की ओर देखा। 'अशरफिया, मुझे लगता है कि अब तुम्हारे लिए उस जहाज पर जाने और यह पता लगाने का समय आ गया है कि कौन हमारा पीछा कर रहा है।'
‘जी जी कैप्टन,’ उसने कहा और चली गई।
कुछ ही देर में सब चले गए, सिवाय इदरीस के, जिसने सिंदबाद की ओर मुड़कर फुसफुसाते हुए कहा, 'धन्यवाद, सिंदबाद,' उसकी आँखों में आँसू थे। 'अमीर को वापस लाने के लिए।'
सिंदबाद को खुशी थी कि उसने कुछ तो सही किया।
लेकिन अब किसी और के साथ भी सब कुछ ठीक करने का समय आ गया था।
उसने उसे देखकर मुस्कुराया और शुभ रात्रि की शुभकामनाएं दीं, फिर वह डेक की ओर चल पड़ा, जहां उसने विशालकाय अफ्रीकी मार्कस को देखा, जो अपनी भौंहों से हवा के झोंकों को महसूस करते हुए सामने समुद्र को निहार रहा था। सिंदबाद उसके बगल में खड़ा हो गया और बोला, 'मुझे खेद है।'
मार्कस ने उसकी ओर ध्यान नहीं दिया।
‘मैं सचमुच ऐसा कह रहा हूँ,’ सिंदबाद ने आगे कहा। ‘इस यात्रा के दौरान मुझे एहसास हुआ कि लोग गलतियाँ कर सकते हैं, लेकिन उन्हें यह जानना ज़रूरी है कि उन्हें कैसे सुधारा जाए।’ उसे इस्माइल की याद आ गई। सिंदबाद को उसकी चिंता सता रही थी। यह एक ऐसी भावना थी जिससे वह परिचित नहीं था। यह लगभग पिता तुल्य थी। हैरानी की बात यह थी कि सिंदबाद वापस जाकर उस आदमी का हालचाल जानना चाहता था, लेकिन उसके पास ऐसा करने का कोई ज़रिया नहीं था। उसे हर दुनिया में सिर्फ़ एक ही मौका मिलता है।
मार्कस बोलने लगा, “जब मैंने अनांसी को पकड़ा, तो उसने मेरी बेटी मावू को जान से मारने की कसम खाई, जिसके लिए मैं आज भी हर दिन अंधेरे के राक्षसों से लड़ता हूँ। मावू अफ्रीका में रहती है; वह वहाँ खुश है, स्कूल जाती है, अपने साथियों के साथ पढ़ती है, खुबानी पसंद करती है और अपनी बीमार दादी की देखभाल करती है। वह लंबे समय से मेरा इंतज़ार कर रही है। अगर अनांसी भागने में कामयाब हो गया, तो वह उसका पीछा करेगा और उसे मार डालेगा।” यह सुनकर सिंदबाद को गहरा सदमा लगा।
‘मुझसे वादा करो, सिंदबाद,’ उसने कहा। ‘और वो वादा नहीं जो तुमने पिछली बार किया था। तुम उसे भागने नहीं दे सकते, चाहे इसका मतलब सफीना को हमेशा के लिए कुर्बान करना ही क्यों न हो। मैं अपनी बेटी को खो नहीं सकता।’ सिंदबाद ने अपने जबड़े भींच लिए। अपनी कमजोरी के क्षणों में, उसने अनांसी को भागने देने के बारे में सोचा था ताकि सफीना वापस आ जाए, लेकिन वह अपने दोस्त की बेटी को मरने नहीं दे सकता था।
‘मुझसे वादा करो, सिंदबाद?’ उसकी आवाज़ लगभग कांप रही थी। इतने बड़े आदमी को रोते हुए देखना, उसने कभी सोचा भी नहीं था कि आज रात ऐसा होगा।
‘मैं वादा करता हूँ।’ सिन्बाद ने कहा, उसे खुद भी यकीन नहीं था कि वह अपना वादा निभाने की हिम्मत कहाँ से जुटाएगा।

पच्चीस
सिंदबाद ने खुद को पुस्तकालय में पाया।
वह कुछ ही पल के लिए सोया था, लेकिन बुरा सपना फिर से आ गया और उसने खुद को इब्लिस द्वारा चुने गए लोक में पाया। यहाँ, वह एक लाइब्रेरियन के वेश में था, चश्मा, टोपी और एक लंबी शॉल ओढ़े हुए, और कई किताबें पढ़ रहा था।
‘क्या तुम कहानियों पर विश्वास करते हो?’ आवाज ने पुकारा।
सिंदबाद हताश हो रहा था, वह शैतान से और समय नहीं बिताना चाहता था। उसने पुस्तकालय से बाहर निकलने की कोशिश की, लेकिन खुद को उसी पुस्तकालय में पाया जहाँ से वह बाहर निकला था।
अब आवाज और भी स्पष्ट हो गई। 'भागने का कोई फायदा नहीं। तुम सपने में हो। बस खुद को चुटकी काट लो और परेशानी से बच जाओ।'
सिंदबाद ने खुद को चुटकी काटने की कोशिश की, लेकिन कुछ नहीं हुआ और हंसी का माहौल बन गया।
‘क्या तुमने सचमुच ऐसा करने की कोशिश की? तुम्हें पता है, एक कहानी है।’ जैसे ही वह हाथ में किताब लिए फ्रेम में दाखिल हुआ, आवाज शुरू हुई। ‘कहानी कुछ इस तरह थी: “ध्यान से सोओ वरना शैतान तुम्हारी छाती पर बैठ जाएगा और तुम्हें बिस्तर से चिपका देगा। धीरे-धीरे यह एक नींद की बीमारी में बदल गया, जिसे स्लीप पैरालिसिस भी कहते हैं। तांत्रिकों को एहसास हुआ कि यह शैतान ने नहीं किया था।’ और फिर उसने धीमी आवाज में कहा, ‘उन्हें क्या पता था। हेह।’
‘तो क्या यह स्लीप पैरालिसिस है?’ सिन्बाद ने पूछा।
‘क्लिटॉप में रहने के दौरान मैंने जो कुछ तरकीबें सीखी हैं, उनमें से एक यह भी है। समय बीतने के साथ-साथ इंसान वास्तव में बहुत शक्तिशाली बन सकता है,’ इब्लिस ने कहा।
सिंदबाद ने आह भरी। 'सुनो, चलो सीधे मुद्दे पर आते हैं। मुझे उस बेबुनियाद खोज के बारे में पता है। मुझे पता है कि तुम क्या करने की योजना बना रहे हो।'
‘और मुझे पता है कि तुम प्रथम लोक में प्रवेश कर चुके हो और वह कलाकृति प्राप्त कर चुके हो,’ इब्लिस ने सिर हिलाते हुए कहा। ‘मुझे कितनी बार तुम्हें बताना पड़ेगा कि तुम्हें ऐसा नहीं करना चाहिए? लेकिन चिंता मत करो। मैं तुम्हारे पिछले अपराध को क्षमा कर दूंगा। हालांकि, मैं तुमसे आग्रह करता हूं कि तुम इससे आगे न बढ़ो, अन्यथा, मैं तुम्हें विश्वास दिलाता हूं, तुम्हारे लिए बहुत अधिक समस्याएँ खड़ी हो सकती हैं। तब मुझे तुम्हें रोकना पड़ेगा।’

‘तो फिर आपने ऐसा क्यों नहीं किया?’
इब्लिस ने आह भरी। ‘सिंदबाद, तुम बेवजह बातें मुश्किल बना रहे हो, लेकिन फिर भी मैं शुरू करता हूँ। जो कहानी मैं तुम्हें सुनाने वाला हूँ, उसमें बहुत शक्ति है। शब्दों का मानव जाति पर किसी भी चीज़ से कहीं अधिक प्रभाव होता है। एक शब्द से किसी का पूरा बचपन नष्ट किया जा सकता है। जी हाँ।’ ‘जी?’ सिंदबाद ने पूछा।
‘जी हां,’ इब्लिस मुस्कुराया। ‘तो फिर, जो कहानी मैं आपको सुनाने जा रहा हूं, वह एक चोर और उसके परिवार के बारे में है।’
उसने किताब खोली और उसमें से अलौकिक रंग और चिंगारियां निकलीं, जिससे इब्लिस द्वारा बोले गए शब्दों की दृश्य अभिव्यक्तियाँ उत्पन्न हुईं।
‘वह चोर बड़ा ही शातिर था। बगदाद के सबसे बेहतरीन चोरों में से एक। वह कुछ भी और सब कुछ चुरा लेता था। हर कोई उससे तंग आ चुका था, हालाँकि वह अपने परिवार का पेट पालने के लिए चोरी करता था। चोरी करना ही एकमात्र ऐसा काम था जिसमें वह माहिर था।’
प्रेत एक चोर के रूप में परिवर्तित हो गया जिसने एक मुकुट चुराया था। उसने सोने के बदले में वह मुकुट व्यापारियों को दे दिया और अपने परिवार और बेटे को उपहार दिए।
परिवार को एक बात पता नहीं थी—चोरी करने की उसकी असली वजह। वह मरने वाला था। चोर को एक आनुवंशिक बीमारी थी जिसके कारण उसकी जल्द ही मृत्यु हो जाएगी, इसलिए उसे जितना हो सके उतना धन जमा करना था। लेकिन वह जानता था कि वह आनुवंशिक बीमारी उसके बेटे को भी कम उम्र में ही मिल गई थी।
“चोर डरा हुआ था। वह इस सब में शामिल नहीं होना चाहता था, इसलिए उसने हर जगह समाधान खोजने की कोशिश की, लेकिन अफसोस, कोशिश करते-करते उसकी मौत हो गई और वह अपनी पत्नी के लिए सिर्फ एक नोट छोड़ सका,” इब्लिस ने फुसफुसाते हुए कहा। “उसने अपनी पत्नी से कहा था, “उसे बचा लो। हमारे पास ज्यादा समय नहीं है, इससे पहले कि वह भी दम तोड़ दे और जल्दी मर जाए।””
पत्नी की छवि बदल गई क्योंकि उसे दुकानों, व्यापारियों और अन्य जगहों पर जाते और सभी प्रकार के कठिन काम करते हुए देखा जाने लगा।
‘उसने सब कुछ किया। हर संभव कोशिश की। लेकिन जादू भी उस बीमारी से नहीं लड़ सका। इस दुनिया की कोई भी वस्तु उस बच्ची को नहीं बचा सकी,’ उसने कहा। ‘जब तक कि कोई रास्ता नहीं निकला, कुछ ऐसा जो चुड़ैलों ने उसे बताया। शैतान के साथ एक सौदा।’
‘अपनी आत्मा शैतान को बेच दो और बदले में तुम्हें वह सब मिल जाएगा जो तुम चाहते हो। इस बीमारी से लड़ने वाला केवल शैतान ही हो सकता है।’
सिंदबाद ने अपनी भौंहें ऊपर उठाईं। किसी कारणवश, यह कहानी उसे अजीब तरह से जानी-पहचानी सी लगी।
तो उसने शैतान को पुकारा, और शैतान, जो एक अच्छे सैनिक, एक अच्छे गुलाम की तलाश में था, मान गया। लेकिन बदले में, वह स्त्री हमेशा के लिए उससे बंध गई। और जब तक वह उसकी सेवा करती रहेगी, लड़का जीवित रहेगा।
नहीं।
सिंदबाद ने दांत पीसते हुए कहा, 'हिम्मत मत करना। हिम्मत मत करना!'

इब्लिस ने किताब बंद कर दी और वे धुंधली छवियां गायब हो गईं। 'तुम्हें गिल्ड के सामने रखा गया था, जहां तुम्हारे गुरु ने तुम्हें पाया, तुम्हें अपने साथ ले गए और तुम्हारी सारी यादें मिटा दीं।'
‘तो क्या इसीलिए मेरी माँ आपके यहाँ काम करती है? मुझे ज़िंदा रखने के लिए?’ सिंदबाद ने आँखों में आँसू लिए पूछा।
इब्लिस ने कहा, ‘फातिमा हमेशा तुम्हारा भला चाहती थी। मैंने उसे सब कुछ दिया, लेकिन वो सिर्फ मेरी सेवा करना चाहती है। शैतान से किया सौदा तोड़ा नहीं जा सकता, यहाँ तक कि शैतान खुद भी नहीं। इसके परिणाम बहुत गंभीर होते हैं। इसे तभी तोड़ा जा सकता है जब वो शपथ तोड़े, और उसने बार-बार साबित किया है कि वो ऐसा करने में असमर्थ है।’
‘इसका मतलब है,’ सिंदबाद के पास शब्द नहीं थे और वह कांप रहा था, उसके हाथ पसीने से तर और चिपचिपे थे और उसका चेहरा तनाव से सिकुड़ गया था।
‘हाँ, माँ के प्यार से बंधी हूँ कि तुम्हें चोट न पहुँचाऊँ।’ इब्लिस ने सिंदबाद को मारने का ख्याल मन से हटाते हुए आह भरी। ‘वरना, मैं तुम्हें बहुत पहले ही मार डालना चाहती थी। लेकिन सच कहूँ तो, समय के साथ मुझे तुम अच्छे लगने लगे हो। मुझे तुम इसलिए अच्छे लगने लगे हो क्योंकि मेरी बेटी तुमसे प्यार करती है, और हम परिवार जैसे हैं, इसलिए मैं चाहती हूँ कि तुम भी इसका हिस्सा बनो। ताकि तुम उसके साथ रहो, उससे शादी करो और बच्चे पैदा करो। आओ, उस स्वर्ग में रहो जहाँ कोई अपराध नहीं, कोई बेबसी नहीं, कोई राजनीति नहीं, बस प्यार और रोशनी है। रोशनी फैलाने वाला, जैसा कि मेरे नाम का अर्थ है।’
सिन्बाद अब और बर्दाश्त नहीं कर सका, उसने खुद को जोर से चुटकी काटी, और इस बार इब्लिस ने उसे जाने दिया। सिन्बाद आँखों में आँसू लिए चला गया।
जब सिंदबाद जागा, तो उसके चारों ओर अफरा-तफरी मची हुई थी। वह अपने बिस्तर से गिर पड़ा और गलियारे से होते हुए पतवार तक और फिर डेक तक लुढ़क गया, जहाँ उसने देखा कि क्या हो रहा है: यह दुश्मन का जहाज था।
‘उन्हें पता चला कि अशरफिया उनकी जासूसी कर रहा था,’ इदरीस दौड़कर उसके पास आया। ‘जैसा कि आप देख सकते हैं, वे युद्ध में उतर आए हैं।’
‘वे कौन हैं?’ सिंदबाद ने पूछा।
अशरफिया, जो चील के रूप में डेक के चारों ओर चक्कर लगा रही थी, अचानक नीचे झपटी। एक चिंगारी के साथ वह एक इंसान में बदल गई और डेक पर लुढ़क गई। 'ये हमारी पुरानी साथी हैं। तुम्हारी प्यारी सफीना, और वो लाल बालों वाली मुसीबत।'
‘फातिमा...’ सिंदबाद ने सामने वाले जहाज पर मौजूद लाल बालों वाली महिला से निगाहें मिलाईं, जिसने गुलेलें खड़ी कर दी थीं।
और उसने पलटकर उसकी ओर देखा।
'माँ । । ।'

छब्बीस
दोनों जहाज आपस में भिड़ गए, जिससे आमतौर पर शांत रहने वाली रात शोरगुल से भर गई। दोनों जहाजों ने एक-दूसरे पर गोले दागे—जिनमें ग्रीक फायर से लेकर प्राकृतिक रूप से विषैले बड़े-बड़े पत्थर शामिल थे।
सिंदबाद ने अपनी तलवार निकाली और लड़ाई में कूद पड़ा, अपने साथियों से गोलीबारी रोकने के लिए चिल्लाते हुए कहा।
‘क्या तुम पागल हो?’ सब एक साथ चिल्लाए। अशरफिया और अमीर ने अपने दांत दिखाते हुए जादू की तैयारी कर ली थी, जबकि इदरीस ने अपना दोधारी भाला, मार्कस ने अपना हथौड़ा और हुसैन ने अपना धनुष-बाण लहराया। प्रेसा को अंदर धकेल दिया गया और उसकी छाती पर चाकू रख दिया गया ताकि वह कोई भी लापरवाही भरा काम न कर सके।
‘मैं उनसे बात करना चाहता हूँ,’ सिंदबाद ने दुश्मन के जहाज की ओर मुड़कर कहा। उसने देखा कि उसकी माँ सफ़ीना के बगल में खड़ी है, उसकी बिल्ली जैसी आँखें अँधेरे में चमक रही थीं। उनके चारों ओर एक भयंकर तूफान चल रहा था, जिससे पानी में हलचल मच गई थी और आसमान बारिश से काला हो गया था। सिंदबाद सोचने लगा कि क्या उसकी माँ इस तूफान के लिए ज़िम्मेदार थी।
उसने हमला न करने का संकेत देने के लिए अपनी तलवार उठाई, और दुश्मन दल शांत रहा।
‘वे चुप क्यों हैं?’ इदरीस ने पूछा। ‘यह तो समझ से परे है।’
‘मुझे इस बारे में कुछ बुरा सा महसूस हो रहा है,’ अशरफिया ने कहा। ‘वे किसी चीज़ का पता लगा रहे हैं, और मुझे नहीं पता कि वह क्या है।’
'उनसे निपटने के बाद हम इस बारे में सोचेंगे,' सिन्बाद ने कहा। 'मैं लड़ना नहीं चाहता। मैं अपने रास्ते जाना चाहता हूं और उन्हें उनके रास्ते जाने देना चाहता हूं।'
सभी लोग चुप थे। हमले बंद हो गए थे, लेकिन बारिश बहुत तेज हो रही थी। उसकी निगाहें सफीना पर टिक गईं; कुछ देर सन्नाटा छा गया। फिर अचानक, उसने अपने हाथों को मरोड़ा, उसकी उंगलियों से एक लाल चिंगारी निकली और उसके जादू से जहाज पर कब्जा हो गया। जहाज के निचले डेक पर मौजूद चालक दल घबराकर इधर-उधर भागने लगे, कुछ चीख रहे थे तो कुछ ऐसे चिल्ला रहे थे जैसे उन पर किसी बुरी शक्ति का प्रभाव हो।
‘ओह, वह गंदी बुढ़िया!’ अशरफिया ने दांत पीसते हुए कहा।
चालक दल के सदस्यों ने सिंदबाद और अशरफिया की ओर मुड़कर देखा।
‘जब तक मैं इस जादू को उलट देती हूँ, तब तक इन्हें व्यस्त रखो।’ अशरफिया ने सिन्बाद से कहा।

मार्कस और इदरीस, अमीर के पास हथियार लेकर खड़े थे। हुसैन अपने धनुष और बाण लेकर तैयार था, किसी के भी हमले की स्थिति में तीर चलाने के लिए। सिंदबाद ने देखा कि रस्सी पकड़कर दूसरे जहाज पर चढ़ने का उसका प्रयास असफल रहा, और वह असहाय होकर अपनी माँ के जहाज को ड्रॉगरों के साथ जाते हुए देखता रहा। जहाज पास ही मौजूद टेलीपोर्टेशन कोहरे की ओर बढ़ रहा था, और उसमें गायब होने ही वाला था।
मुझे अपनी मां से बात करनी है।
सिंदबाद ने अमीर को पुकारा, 'क्या यह सच है कि पिशाचों में बहुत ताकत होती है?'
'ये सच है।'
‘क्या तुम मुझे वहाँ फेंक सकते हो?’
क्या तुम पागल हो?
'मैं गंभीर हूं।'
‘एक गेंद की तरह?’
‘बिल्कुल गेंद की तरह।’
अमीर को योजना के बारे में पूरी तरह से यकीन नहीं था।
‘फिर गेंद की तरह लुढ़क जाओ,’ उसने कहा।
सिंदबाद ने अपने पैरों को अपनी छाती से सटा लिया और अपने हाथों को अपने घुटनों के चारों ओर लपेट लिया। 'मैं तैयार हूँ।'
एमिर ने उसे ऐसे उठाया जैसे उसका कोई वजन ही न हो और कहा, 'यह सबसे पागलपन भरा काम है जो मैंने किया है।'
जब मार्कस प्रेतग्रस्त दल से निपटने में व्यस्त था, तब इदरीस उनके पास पहुंचा। 'क्या तुम पागल हो?'
‘मैंने भी यही कहा था,’ एमिर ने सिर हिलाते हुए कहा।
उसने कहा, 'वे तुम्हें मार डालेंगे।'
‘मुझे लगता है कि वे ऐसा नहीं करेंगे,’ सिन्बाद ने जवाब दिया। ‘मुझ पर भरोसा करो।’
उसने अपनी नाक फुलाई। 'तो अब आप जाइए। एक त्वरित सलाह - हवा में कलाबाजियां करते रहिए, ताकि गति स्थिर रहे।'
अमीर ने उसे समुद्र के पार फेंक दिया, और यद्यपि उसकी शक्ति अजेय थी— सिंदबाद ने इदरीस के सुझावानुसार हवा में कलाबाजी मारी। वह जहाज के कोने पर ज़ोर से गिरा और किनारे को कसकर पकड़ लिया, धीरे-धीरे खुद को ऊपर खींचते हुए समुद्र में गिरने से बचने की कोशिश की। ऊपर आने पर उसने खुद को जहाज पर मौजूद ड्रॉगरों से घिरा पाया।
उसकी माँ ने आँखें घुमाईं। 'क्या तुम इसे जाने दे सकते हो, सिंदबाद? इस भागदौड़ को बंद करो और दुनिया को बचाने की कोशिश करना छोड़ दो।'
इसके बाद सफीना जहाज को बादल की ओर धकेलने के लिए अपनी जादूई शक्ति का इस्तेमाल करने की तैयारी कर रही थी।
‘मुझे पता है तुम्हारे साथ क्या हुआ था। अब तुम्हें मेरी रक्षा करने की कोई जरूरत नहीं है,’ सिन्बाद ने कहा।
‘तुम्हें कुछ नहीं पता।’ फातिमा ने पलटवार किया।

‘क्या मैं वही हूँ जो तुम मुझे बनाना चाहते थे?’ सिंदबाद ने पूछा। ‘क्या तुम्हें मुझ पर गर्व है?’
'तुम सुरक्षित हो,' फातिमा ने सफीना की ओर मुड़ते हुए कहा, जिसने फिर अपनी चिंगारियों का इस्तेमाल करते हुए सिंदबाद की ओर एक बल का गोला फेंका।
जब ड्रौगर बीच में आ गए तो वह उनसे बच निकलने में कामयाब रहा। उसने उन पर वार किए और उन्हें छुरा घोंपा, भाले वाले एक ड्रौगर के वार को रोकते हुए उसे समुद्र में लात मार दी। उसने ड्रौगरों से लड़ाई की, उन पर वार किए और उन्हें छुरा घोंपा, भाले वाले एक ड्रौगर के वार को रोकते हुए उसे समुद्र में लात मार दी। फिर सिंदबाद ने सफीना की ओर देखा, जबकि फातिमा वहां से चली गई और जहाज कोहरे में गायब होने लगा।
‘कृपया ऐसा मत करो,’ सिंदबाद ने सफीना से विनती की। लेकिन सफीना ने उसे ऐसे देखा मानो वह उसे जानती ही न हो और उसे कोई परवाह न हो। उसका चेहरा ठंडा था, उसमें कोई गर्माहट नहीं थी।
ड्रॉगर उसे धक्का देने ही वाला था कि सफीना ने अपनी जादूई शक्ति से उसे दूर धकेल दिया, लेकिन सिंदबाद ने उसका हाथ पकड़कर उसे नीचे खींच लिया, जिससे दोनों समुद्र में गिर पड़े। गिरते समय सिंदबाद ने अपनी जेब से एक गोला निकाला और उसे कसकर पकड़ लिया।
इससे पहले कि वह गोले पर बटन दबा पाता, सफीना मुस्कुराई और बोली, 'मैं जानती हूँ तुम क्या करने की कोशिश कर रहे हो।' फिर वह हवा में लटकी रही, अपनी उड़ान पर अपना नियंत्रण दिखाते हुए, और फिर जहाज पर वापस आ उतरी। सिंदबाद समुद्र में गिर गया, साँस लेने में तकलीफ हो रही थी और अँधेरे पानी में तैरने के लिए संघर्ष कर रहा था। अकेले तैरते हुए उसने कल्पना की कि इस दुनिया में सफीना का साथ होना कैसा होता, लेकिन यहाँ वह समुद्र में फँसा हुआ था।
सभी अकेले।
*

वह पूरी तरह भीगा हुआ था और तौलिए से ढका हुआ था, ठंड से कांप रहा था। उसके साथियों ने उसे हैरानी से देखा, उनके मुंह खुले रह गए, जब उसने बताया कि उसने ऐसा क्यों किया। हुसैन ने कहा, 'तो सिंदबाद मर नहीं सकता, जो बहुत अच्छी बात है। लेकिन इसका मतलब यह नहीं है कि हम बाकी लोग नहीं मर सकते। तो इब्लिस ने हमें क्यों नहीं मारा?'
‘मैंने भी यही सोचा है,’ इदरीस ने बीच में कहा। ‘शायद हम उसके कुछ काम आ सकें?’
‘वह ऐसा ही है,’ सिन्बाद ने कहा। ‘जितनी थोड़ी बहुत बातचीत मैंने उससे की है और उसने जो प्रदर्शन मुझे दिखाया है, उससे यही लगता है कि वह मानता है कि किसी भी जीवन को अपने लक्ष्य पूरे किए बिना व्यर्थ नहीं जाना चाहिए। जब आप किसी से मदद ले सकते हैं तो बेवजह उसे मारने की क्या ज़रूरत है?’
‘हम उसकी मदद कैसे कर रहे हैं?’ मार्कस ने कहा।
सब लोग चुप थे।
‘हमें इसके पीछे के कारणों पर विचार करना चाहिए,’ सिंदबाद ने कहा। ‘मुझे दूसरे लोक में जाकर सेट का दीपक ढूंढना होगा। हमारे पास समय नहीं है।

सफीना भी भाग गई है। हम इतना ही जानते हैं कि वे फिलहाल हमें मारना नहीं चाहते। लेकिन उन्हें पता है कि हम उन वस्तुओं की तलाश कर रहे हैं।’ ‘एकमात्र सिद्धांत जो सामने आता है और जो आश्चर्यजनक रूप से सरल भी है...’ अमीर ने नाखून चबाते हुए कहा, ‘वह यह है कि वे चाहते हैं कि हम इन वस्तुओं को खोजें। यह समझ में आता है कि वे हमें मार क्यों नहीं रहे हैं और इसके बजाय हमारा पीछा क्यों कर रहे हैं। वे जानते हैं कि हम अपने लक्ष्य की ओर बढ़ रहे हैं।’
‘नहीं, लेकिन इब्लिस ने मुझे उन वस्तुओं की तलाश न करने के लिए कहा था,’ सिंदबाद ने कहा।
एमिर ने सिर हिलाया। 'शायद इसलिए कि वह यह दिखाना नहीं चाहता कि वह उन चीजों को कितना चाहता है, है ना?' सब चुप हो गए। सिंदबाद ने अपना माथा पीट लिया। 'बिल्कुल, मैं कितना बेवकूफ था। अब मुझे आश्चर्य हो रहा है कि एडमिरल सखर को इन सब बातों का पता कहाँ से चला।' उसने अपने पुराने दुश्मन का जिक्र किया जिससे उसने पिछले अभियान में लड़ाई की थी और जो उस समय इब्लिस जैसी ही रणनीति अपना रहा था। उस स्थिति में तो बहुत देर हो चुकी थी, लेकिन यहाँ—वे जानते हैं। 'वह हमसे अपने इशारों पर काम करवा रहा है, इसीलिए वह हमें जिंदा रख रहा है।'
‘तो फिर आप मेरे दृष्टिकोण को कैसे समझाएंगे?’ प्रेसा ने आखिरकार बोलना शुरू किया। वह स्पष्ट रूप से नाराज थी।
‘यह सच है। आप उसके दर्शनों की व्याख्या कैसे करेंगे?’ अमीर ने सिंदबाद से पूछा।
‘यह तो तुम्हारी थ्योरी है! मुझसे क्यों पूछ रहे हो?’ सिंदबाद ने हैरानी से कहा।
अमीर ने कंधे उचकाए और माफी मांगी।
'हो सकता है कि ऐसा इसलिए हो क्योंकि वह इब्लिस के साथ काम कर रही है?' मार्कस ने उस युवा चीनी लड़की को देखते हुए सुझाव दिया।
‘क्या! क्या तुम्हारे उस मोटे दिमाग में अक्ल नहीं है?’ प्रेसा ने कर्कश स्वर में कहा। ‘मैं सिंदबाद और हुसैन को तुम सबसे पहले जानता था। यहाँ तक पहुँचने के लिए मैंने बहुत कुछ कुर्बान किया है, यहाँ तक कि अपना परिवार भी। इसलिए नहीं, तुम गलत हो।’
अशरफिया ने बीच में दखल दिया। 'ठीक है, ठीक है, शांत हो जाओ, प्यारी। क्या पता इब्लिस तुम्हारे दिमाग में घुस गया हो और उसे एक अलग ही दृष्टि से भर दिया हो? जैसे कोई रंगमंच? एक सुनियोजित दृश्य? शायद यह बिल्कुल भी वास्तविक न हो। इसी वजह से तुम्हें पूरी दृष्टि नहीं मिली। जैसे ये वस्तुएँ... हमें ये क्यों मिलीं? कोई अंदाजा नहीं, है ना?'
‘क्या यह संभव है?’ प्रेसा ने दीवार से टेक लगाकर खुद से पूछा।
‘इतिहास में केवल एक बार ही द्रष्टाओं द्वारा मस्तिष्क-प्रबंधन किया गया है। बहुत समय पहले।’ इदरीस ने आगे कहा। ‘वह भी स्वयं इब्लिस द्वारा। मुझे इस बात की चिंता थी, लेकिन मैंने इसे महज एक कहानी समझ लिया।’
सिंदबाद ने वही दोहराया जो इब्लिस ने सपने में कहा था, 'कहानियों में शक्ति होती है।'

‘क्या?’ इदरीस ने उत्सुकता से पूछा। ‘अब हमें क्या करना चाहिए?’
समूह में तनाव स्पष्ट रूप से दिखाई दे रहा था। सभी आपस में झगड़ने लगे। सिंदबाद ने उन्हें शांत करते हुए ऊँची आवाज़ में कहा, “चलो उसकी योजना के अनुसार चलते हैं। इस तरह हम ज़िंदा तो रहेंगे, भले ही कुछ समय के लिए ही सही, और इससे हमें समय मिल जाएगा। मेरे दिमाग में एक विचार चल रहा है कि इस पूरी बात को उसी के खिलाफ कैसे इस्तेमाल किया जाए। दुश्मन को यह सोचने दो कि वह बेहतर जानता है, कि वह ज़्यादा बुद्धिमान है। जिस क्षण उसका अहंकार उसके अगले कदम पर हावी होगा, उसी क्षण हम हमला कर देंगे।”
‘लेकिन उन हथियारों को हासिल करना उसके लिए फायदेमंद हो सकता है, है ना?’ इदरीस ने पूछा। ‘इस तरह हम उसकी मदद ही कर रहे हैं।’
सिंदबाद ने एक पल सोचा। ‘इन हथियारों में एक समानांतर दुनिया में इब्लिस को रोकने का तरीका था। उदाहरण के लिए, बीओवुल्फ की तलवार ने वास्तव में उस दुनिया में इब्लिस को मार डाला था। इसलिए ये हथियार जो वह हमें दूसरी दुनियाओं से इकट्ठा करने के लिए कह रहा है, मुझे नहीं लगता कि ये नकली हैं या इनका इतिहास नकली है। उसके पास इनके साथ कोई और कुटिल योजना होनी चाहिए। मेरे पास इन हथियारों को हासिल करने की योजना है, वह यह जानता है।’ सिंदबाद ने आगे कहा, ‘वह हम पर नज़र रख रहा है। अगर हम ये हथियार हासिल नहीं करते हैं, तो उसे पता चल जाएगा और वह हमें मारने की कोशिश करेगा। वह बीओवुल्फ की तलवार के बारे में जानता है। हमें सेट का दीपक और असाग का विष प्राप्त करना होगा। इस तरह हम जीवित रह पाएंगे। हमें बस इतना करना है कि ये हथियार उसके हाथों में न पड़ें। देखो, इब्लिस शक्तिशाली है—हमारी कल्पना से कहीं अधिक। अब हम यह स्वीकार कर सकते हैं। हम केवल इसलिए जीवित हैं क्योंकि उसने हमें जीवित रहने दिया है।’ और उसे हराने का एकमात्र तरीका बड़ी लड़ाइयों, बड़ी ताकत या यहाँ तक कि बड़ी बुद्धि से भी नहीं है। हम केवल एक ही चीज़ पर भरोसा कर सकते हैं।'
‘क्या?’ सबने एक साथ पूछा।
'भाग्य।'
वे सब हताशा में अपने चेहरे पर हाथ पटकने लगे।
प्रेसा, जो अभी भी सदमे में थी, बोली, 'अच्छी बात यह है कि सिंदबाद की मौत का मेरा सपना भी शायद झूठा ही था।' उसकी आवाज़ में अनिश्चितता थी।
कुछ पल की खामोशी छाई रही, फिर मार्कस ने एक सवाल पूछकर खामोशी तोड़ी। 'तो तुम्हारे पास कोई योजना है या नहीं? पिछली बार तो बात नहीं बनी।'
सिंदबाद ने एक गहरी आह भरी। वह पहले से ही संकट में था, निराश और चिंतित महसूस कर रहा था। 'हाँ, पिछली बार बात नहीं बनी। लेकिन मुझे लगता है कि इस बार ज़रूर बनेगी।' उसने अपने विचारों को इकट्ठा करने और अगली चाल सोचने की कोशिश करते हुए खुद से सहमति जताई।

सत्ताईस
जैसे ही अशरफिया और सिन्बाद ने नए क्षेत्र में प्रवेश किया, अशरफिया ने उत्सुकता से पूछा, 'गर्म गुब्बारे और जेट स्की कहाँ हैं?'
सिन्बाद ने अपने आसपास का जायज़ा लिया और उसे लगा कि कुछ गड़बड़ है। वे उसी जगह पहुँच गए थे जहाँ वे पहले थे, यह बगदाद जैसा लग रहा था। सुबह उतनी ही गर्म और धूप वाली थी, लेकिन रंग ज़्यादा चटख थे और हवा में नमी ज़्यादा थी। हालाँकि, इसके अलावा शहर पहले जैसा ही था।
‘यह तो बिल्कुल वैसा ही दिख रहा है! क्या इसने हमें सही जगह पहुँचाया? क्या तुमने गेंद को सही तरीके से खेला?’ अशरफिया ने सिंदबाद के हाथ में पकड़ी गेंद को देखते हुए पूछा। ‘मुझे लगता है कि यह काम नहीं किया।’
वे बंदरगाह के पास खड़े थे, जहाँ लोग जहाजों पर माल लाद रहे थे। वहाँ कई नावें और अन्य मालवाहक जहाज थे, और लोगों के चेहरे पर तरह-तरह की रंग-बिरंगी चमक थी।
‘फर्क तो है। यहां लोग ज्यादा भड़कीले कपड़े पहनते हैं,’ सिन्बाद ने कहा। ‘जी हां, ऐसा होता है। लेकिन मैं सिर्फ वही चीजें देखने के लिए इतनी दूर तक नहीं आई थी,’ अशरफिया ने कहा। ‘कहते हैं कि समानांतर लोक अलग होता है।’ उन्होंने कुछ अलग खोजने की उम्मीद में शहर का भ्रमण करने का फैसला किया, लेकिन उन्हें कुछ नहीं मिला। वे गलियों, शहर के भीतरी इलाकों और सार्वजनिक स्थानों पर घूमे। भिखारी वही थे, और यहाँ तक कि कुलीन व्यापारी भी नीलामी कर रहे थे, मजदूर रख रहे थे और तरह-तरह की चीजें बेच रहे थे।
'मुझे आपको निराश करने के लिए खेद है, लेकिन अगर यह एक समानांतर लोक है, तो यह एक समानांतर लोक है,' सिंदबाद ने कहा।
‘हुसैन ने खूब मजे किए,’ अशरफिया ने आह भरते हुए कहा।
‘क्या तुम सचमुच सिर्फ जिज्ञासावश ही दूसरे लोक को देखने यहाँ आए हो?’ सिंदबाद ने पूछा।
‘हाँ,’ अशरफिया ने आँखें घुमाईं। ‘और भी कई बातें हैं। हमें बात करने का मौका ही नहीं मिला। तब से लगातार सफर चल रहा है... मुझे याद भी नहीं कब से।’ ‘हां। मैं तो अपना जन्मदिन भी भूल गया। अब मैं अठारह साल का हो गया हूं,’ सिन्बाद ने कहा।
‘हमें जश्न मनाना चाहिए,’ अशरफियाह हंस पड़ी। ‘मुझे याद है जब मैं अठारह साल की थी। हालांकि, यह बहुत-बहुत पहले की बात है।’
सिंदबाद हमेशा पिशाच होने के अभिशापों में से एक के बारे में सोचता रहता था—हमेशा जीवित रहना। 'तुम्हारे मन में क्या चल रहा है?'

‘इब्लिस वाली घटना के बाद से ही मैं जागृत हो रही हूँ। मैं अभ्यास और शोध कर रही हूँ,’ अशरफिया ने धीमी आवाज़ में कहा।
‘क्या?’ सिंदबाद ने उत्सुकता से पूछा।
‘मृत्यु की ओर लौटना,’ अशरफिया ने कहा।
‘तुम ऐसा क्यों करोगे?’ सिंदबाद ने हैरानी से पूछा।
लेकिन उसे तुरंत एहसास हुआ कि उसे पूछना ही नहीं चाहिए था। ज़ाहिर है, वह उसी रास्ते पर जाना चाहती थी। 'ओह, उसकी वजह से।'
'हाँ।'
‘मेरी अभी तक उससे मुलाकात नहीं हुई है,’ सिन्बाद ने कहा।
‘तुम दुनिया को बचाने में व्यस्त थे। एक बार जब हम यह काम खत्म कर लेंगे, मेरे प्यारे, मैं हम तीनों के लिए एक अच्छी सी डेट तय कर दूंगी,’ अशरफिया ने कहा।
‘बहुत बढ़िया लग रहा है,’ सिंदबाद मुस्कुराया। ‘क्या वह चाहती है कि तुम नश्वर बनो?’
‘नहीं,’ अशरफिया ने कंधे उचकाते हुए कहा। ‘वह मुझे जैसी हूँ वैसी ही पसंद करती है। लेकिन मैं बस... मैं नहीं चाहती कि वह मुरझा जाए और मैं अमर हो जाऊँ। यह सोचना ही बहुत डरावना है।’
बाजार की ओर बढ़ते हुए सिंदबाद ने सिर हिलाया, जहाँ भारी भीड़ जमा थी। बंदर नाच रहे थे, मछलियाँ बिक रही थीं और फल-सब्जी विक्रेता ग्राहकों को पुकार रहे थे। सड़क पर कलाकार दर्शकों के लिए प्रदर्शन कर रहे थे। व्यस्त सड़क से गुजरते हुए उन पर सूरज की तेज गर्मी पड़ रही थी।
'क्या आपको कुछ मिला?'
‘हां, मुझे लगता है मैंने किया था,’ अशरफिया ने जवाब दिया।
‘और?’ सिंदबाद ने जोर देकर पूछा।
‘इसका मतलब मेरी मौत हो सकती है,’ अशरफिया ने कहा। ‘या फिर मैं दोबारा इंसान बन सकती हूँ। अब और पिशाच नहीं। यह एक प्राचीन अनुष्ठान है और बहुत कठिन है।’
‘तुम्हें पता नहीं है और तुम निश्चित नहीं हो कि तुम्हें आगे बढ़ना चाहिए या नहीं?’ सिंदबाद ने पूछा।
‘हां। लेकिन उससे भी ज्यादा—मैं अपनी जादुई शक्ति भी खो दूंगी।’ अशरफिया ने कहा। ‘मैं वो सब कुछ खो सकती हूं जो मैंने समय के साथ सीखा और हासिल किया है।’
सिंदबाद इस स्थिति में फंस गया था, और उसकी सलाह का कोई मतलब नहीं था। उसे समझ नहीं आ रहा था कि यहाँ क्या कहे। 'तुम क्या सोच रहे हो?'
‘जोखिम और लाभ,’ उसने कहा। ‘अगर उसके बाद वह मुझे छोड़ दे तो क्या होगा? और मैं एक नीरस इंसान बनकर रह जाऊंगी।’
'धन्यवाद।'
‘कोई बात नहीं,’ अशरफिया मुस्कुराई।
वे एक सेकंड-हैंड गिफ्ट शॉप पर पहुँचे, जहाँ अशरफिया रुक गई और एक बहुत ही सुंदर कलम को देखने लगी। 'मैं इसे आपके जन्मदिन पर आपको उपहार में देना चाहती हूँ।'

'क्यों?'
‘तो तुम मुझे चिट्ठियाँ लिख सकते थे। यही हमारी खास बात थी। याद है? या फिर बाकी सब चीजों की तरह तुम इसे भी भूल गए हो?’
सिंदबाद ने आह भरी। 'बेशक, मुझे याद है। तुम्हें पत्र लिखना हमेशा अच्छा लगता था। हमारी दोस्ती मेरे लिए अनमोल है।'
‘उन दिनों में आप ही मेरी सहारा थीं,’ अशरफिया मुस्कुराई। ‘याद है उस समय मेरे पिता के साथ मेरी क्या समस्याएँ थीं? हे भगवान, मैं अब उनका चेहरा याद नहीं करना चाहती।’ उसने विक्रेता से पूछा, ‘इसकी कीमत कितनी है?’ विक्रेता ने कहा, 'दो सोने के सिक्के, महोदया।'
अशरफिया ने अपनी जेब से एक पर्स निकाला और उस आदमी को दो सोने के सिक्के दे दिए। 'यह क्या है?' वह आदमी गुस्से में बड़बड़ाते हुए पीछे हट गया।
‘आपका मतलब क्या है?’
‘यह सोने का सिक्का है।’ उसने अपने कैश काउंटर से एक सिक्का निकालकर दिखाया।
दोनों ने सिक्के को ध्यान से देखा तो उस पर एक भारी-भरकम आदमी की आकृति उभरी हुई थी, जिसकी बड़ी दाढ़ी थी और उसने गुब्बारे जैसी विशाल टोपी पहन रखी थी।
‘सात नरकों में से यह कौन है?’
‘ज़ाहिर है, खलीफ़ा!’ उस आदमी ने चीखते हुए कहा। ‘क्या आप दोनों विदेश से हैं? अरे, मैं विदेशियों की सेवा नहीं करता!’ उसने संदेह भरी नज़रों से कहा।
सिंदबाद को खलीफा जवान और सुंदर याद था, जबकि यह आदमी मोटा, आडंबरपूर्ण और किसी कारणवश बहुत गुस्से वाला दिख रहा था।
‘तो क्या यह एक ऐसा क्षेत्र है जहाँ लोग अलग दिखते हैं?’ सिंदबाद ने अशरफिया से फुसफुसाते हुए पूछा।
तभी एक युवा उद्घोषक प्रकट हुआ—एक छोटा लड़का जो अपनी पूरी ताकत से जोर-जोर से चिल्ला रहा था:
‘सिनबाद नाविक आ गया है! सिनबाद नाविक अपने साहसिक कार्य से पीतल के शहर लौट आया है!’
इस घोषणा से बाज़ार में मौजूद हर कोई अपना काम छोड़कर शोरगुल की ओर दौड़ पड़ा। भीड़ बेकाबू थी और ऐसा लग रहा था मानो सिंदबाद कोई बहुत महत्वपूर्ण व्यक्ति हो।
‘तो आप यहाँ एक तरह से सेलिब्रिटी हैं?’ अशरफिया ने पूछा। ‘दिलचस्प। देखते हैं सिंदबाद सेलिब्रिटी कैसा है।’
विक्रेता बड़बड़ाया मानो उसने बातचीत सुन ली हो। “सिनबाद नाविक तो बिल्कुल ही घटिया इंसान है। हमेशा सबको मात देती है, लेकिन जब से उसने खिलाफत से समझौता किया है, तब से इधर-उधर छोटे-मोटे काम कर रही है और एक साहसी, दिलेर योद्धा की तरह बर्ताव कर रही है। कितनी आवारा है!” वह और भी गुर्राया।
चिड़चिड़े विक्रेता को नज़रअंदाज़ करते हुए, सिंदबाद और अशरफिया भीड़ में घुलमिल गए और महान नाविक की एक झलक पाने के लिए आगे देखने लगे। सिंदबाद ने

जहाज को देखा, जो पहले से बड़ा था, जिसमें ज़्यादा सैनिक थे और आधुनिक हथियार थे, और उसे थोड़ी जलन महसूस हुई।
खिलाफत के साथ काम करना? सिंदबाद यही कर रहा है।
‘यह बहुत मजेदार होने वाला है,’ अशरफिया ने ताली बजाई और हंसते हुए कहा। ‘मुझे यहां बहुत मजा आ रहा है।’
सिंदबाद ने चिढ़कर उसकी ओर देखा। 'हमें सेट का दीपक ढूंढना है। इसलिए हमें समय बर्बाद नहीं करना चाहिए।'
‘अरे, चलो भी,’ अशरफिया ने शरारती अंदाज़ में उसके कंधे पर थपकी देते हुए कहा। ‘तुम्हारे इस रूप के बारे में सुनने के बाद, हम थोड़ा मज़ा क्यों न करें?’
जहाज बंदरगाह पर पहुंचा और चालक दल के सदस्यों के उतरते ही भीड़ ने तालियां बजाईं और जयकारे लगाए। वे पीतल के शहर से लौटे थे और अफवाह थी कि वे चांदी, सोना और अन्य रत्न लेकर आए हैं। पीतल का शहर अरबों के मरे हुओं के शहर के रूप में प्रसिद्ध था, या यूं कहें कि कुख्यात था, क्योंकि रानी का मानना था कि वे सोने और भयंकर अकाल में मरने वालों को खाकर अपना पेट भर सकते हैं। पूरी स्थिति किसी काल्पनिक कथा जैसी लग रही थी।
लेकिन सिंदबाद ने जब सफीना को देखा, तो वह पल सबसे ज्यादा अद्भुत था। वह दल का हिस्सा थी, ढीली गहरे रंग की पैंट, आधी जैकेट के साथ सफेद ब्लाउज, चौड़ी किनारी वाली टोपी पहने हुए थी और उसके हाथ में एक कृपाण थी।
इस दुनिया में, सफीना सिंदबाद के दल का हिस्सा है। वह लगभग उसी उम्र की लगती है। यहाँ उसमें कुछ भी अलग नहीं है। कुछ भी असाधारण नहीं। वे शायद साथ हैं और खुश हैं।
भीड़ में से किसी ने चिल्लाकर कहा, 'नाविक सिंदबाद यहाँ है!'
‘मैं उसे देख नहीं पा रहा,’ सिंदबाद ने उलझन में कहा। ‘क्या तुम देख पा रहे हो?’
‘अह, सिंदबाद?’
'हाँ?'
‘आप उसे देख नहीं सकते, इसका एक कारण है,’ उसने कहा, जैसे ही सारी भीड़ सफीना की ओर बढ़ने लगी और उससे हाथ मिलाने लगी। ‘क्योंकि इस दुनिया में सिंदबाद नाविक एक महिला है।’

अट्ठाईस
रात हो चुकी थी और सिंदबाद और अशरफिया इलाके की छानबीन कर रहे थे। अशरफिया रोटी चबाते हुए बोली, 'यहां का खाना भी अलग है।'
सिन्बाद ने खड़े-खड़े सिर हिलाया और लेडी सिन्बाद के जहाज को देखा—हाँ, वे उसे इसी नाम से पुकारते थे—जहाँ जहाज साफ दिखाई दे रहा था। कुछ देर बाद भीड़ छंट गई क्योंकि जहाज के चालक दल दिनभर के काम में व्यस्त हो गए थे। सिन्बाद इस भीड़ में मौका ढूंढ रहा था ताकि वह जाकर उससे बात कर सके। लेकिन वह क्या कहेगा?
उसे सेट के दीपक की खोज के लिए पुस्तकालय जाना चाहिए था, फिर भी वह यहाँ था, इस विचार से उत्सुक था कि उसकी दुनिया की सफीना इस दुनिया में वही है।
कुछ तो गड़बड़ है। यह ठीक नहीं बैठ रहा।
‘यह क्षेत्र अलग है, लेकिन बिल्कुल वैसा नहीं है। यही तो अजीब बात है,’ उसने सोचा।
‘हां,’ सिंदबाद ने बेपरवाही से कहा।
'मैं एक हुला डांसर हूं जिसे बंदर की पोशाक पहनकर छल्लों से कूदना पसंद है।'
'लगभग सही लगता है,' सिंदबाद ने जवाब दिया।
‘तुम सुन नहीं रहे हो!’ अशरफिया चिल्लाई।
सिंदबाद दंग रह गया। 'क्या तुम चुप रह सकते हो? हम जासूसी कर रहे हैं।' ‘किसलिए? इस दुनिया में तुम्हारा एक महिला रूप मौजूद है। इसमें बड़ी बात क्या है?’
'सबसे बड़ी बात तो यह है कि वह सफीना जैसी दिखती है।'
'नहीं, वह ऐसा नहीं करती,' अशरफिया ने आंखें घुमाते हुए कहा।
‘तुम्हारा क्या मतलब है?’ उसने हैरानी से पूछा।
‘वह तुम्हारी या हमारी दुनिया की सफ़ीना जैसी दिखती है। इस दुनिया में, सफ़ीना और सिंदबाद एक ही हो सकते हैं। हमें यहाँ बैठे रहने के बजाय उस खूनी चिराग की तलाश करनी चाहिए...’
सिंदबाद ने देखा कि एक नकाबपोश आकृति बंदरगाह से निकलकर सड़कों की ओर बढ़ रही है, तभी उसने पिशाच चुड़ैल को चुप कराया। 'चलो चलते हैं। देखते हैं कि ये कौन है और कहाँ जा रहा है।'
‘महिलाओं को पीछा करने वाले लोग पसंद नहीं होते, और मैं भी एक महिला हूँ। मुझे यकीन है कि वह व्यक्ति यहाँ नहीं होना चाहिए। चलो चलते हैं,’ अशरफिया ने फुफकारते हुए कहा।

'यह अच्छी बात है,' सिन्बाद ने कहा, एक इमारत से दूसरी इमारत तक पीछा करते हुए, अंधेरे में चलते हुए। 'वह एक लड़की है।'
आह!
सिन्बाद और अशरफिया तेज़ी से आगे बढ़े; उनके कदम हल्के थे और वे एकदम शांत थे। सब ठीक था, तभी वह आकृति कोने से मुड़ी और उन्हें फुसफुसाहट सुनाई दी। सिन्बाद और अशरफिया दीवार से टिक गए जब उन्होंने देखा कि उस आकृति ने अपना नकाब हटाया। उसके सामने दो बड़े खलीफा सैनिक खड़े थे, जिन्होंने बड़े-बड़े कुर्ते, बड़ी-बड़ी पैंट और विशाल टोपियाँ पहन रखी थीं। वे काजल लगे होने के कारण कार्टून जैसे लग रहे थे।
‘सब कुछ इतना बढ़ा-चढ़ाकर क्यों दिखाया जा रहा है?’ सिंदबाद ने अपनी भौंहें ऊपर उठाईं। ‘जैसे कोई नाट्य प्रस्तुति हो?’
उन्होंने छुपकर बातें सुनने का फैसला किया।
एक सिपाही ने कहा, 'आप हमें अपना सामान दे दीजिए, फिर हम चले जाएंगे। खलीफा नाराज हैं। आपने दुगना निवेश ले लिया है, और अफवाह है कि आप पीतल से वह सामान नहीं लाए जो आपको लाना था, बल्कि खाली रत्न और सोना लाए हैं।' ‘अफवाहें निराधार नहीं हैं,’ सफीना ने कहा, उसकी आवाज़ में पहले से कहीं अधिक समृद्ध लहजा था, और उसमें उस तरह की अस्पष्टता नहीं थी जो बाद में भाषा सीखने वाले व्यक्ति में होती है। ‘मैंने वह चीज़ नहीं लाई जो मांगी गई थी, यह सच है, लेकिन ऐसा इसलिए है क्योंकि मुझे वह नहीं मिला जिसकी आपको तलाश थी,’ सफीना ने आगे कहा।
'लेकिन अल मिराज को आखिरी बार वहीं देखा गया था,' सैनिकों में से एक ने कहा। अल मिराज? सिंदबाद ने अपनी निगाहें सिकोड़ीं। मैंने यह नाम कभी नहीं सुना।
‘सभी किताबें, नक्शे और लिखित फरमान उसी शहर की ओर इशारा करते हैं। रानी उसे बहुत पसंद करती थी, और अब आप कहते हैं कि आपको वह नहीं मिला,’ दूसरे व्यक्ति ने अब बोलना शुरू किया।
‘शायद बच निकली होती?’ सफीना की आवाज में हास्य का हल्का सा पुट था।
‘ये तो एक खरगोश है!’ दूसरे सैनिक ने हैरानी से कहा। ‘सींगों वाला। इसे ढूंढना कितना मुश्किल हो सकता है?’
‘यह मुश्किल नहीं था। बस यह मौजूद ही नहीं था,’ उसने दृढ़ता से कहा। ‘क्षमा कीजिए सज्जनों, लेकिन मैं यहाँ आपकी सहायता नहीं कर सकती। कृपया अपने खलीफा को मेरी खेद व्यक्त करें।’
दोनों गार्डों ने एक-दूसरे को देखा और उसे पकड़ लिया। 'तुम खुद ही उसे क्यों नहीं बता देती?'
'अरे, उसने इस बात पर सहमति जताई है कि अगर मुझे कुछ नहीं मिला तो मुझे जाने दिया जाएगा।'
'उसे कोई परवाह नहीं है,' गले पर तलवार रखी एक सैनिक ने कहा। 'उसने तुम पर इतना पैसा खर्च किया है, वह बस अपना फर्ज पूरा करना चाहता है।'
लेकिन मैंने मुझे दिए गए सभी कार्यों को हर बार पूरा किया है। बस इस बार ही ऐसा हुआ...

सिपाही ने बीच में ही टोकते हुए कहा, 'खलीफा के साथ गलती की कोई गुंजाइश नहीं है।'
लेडी सिंदबाद ने खुद को छुड़ाने की कोशिश की; उसने एक गार्ड को मुक्का मारा और उससे तलवार छीनने की कोशिश की, इससे पहले कि उसे पकड़कर जमीन पर पटक दिया गया।
सिन्बाद जानता था कि उसे दखल देना होगा और वह छिपने की जगह से बाहर कूद पड़ा। 'अरे, तुम!'
दोनों सैनिक चौंक गए और एक मिनट के लिए जम गए, वे असमंजस में पड़ गए और उसे देखने लगे। इसका फायदा उठाते हुए, लेडी सिंदबाद ने उनमें से एक की एड़ी पर लात मारी और एक छोटा सा चाकू निकाला, जिसे घुमाकर दूसरे सैनिक के गाल पर वार किया। वह सिसकने लगा और पीछे हट गया। 'खलीफा को बता देना कि मैं किसी की गुलाम नहीं हूँ,' उसने अपने नकाब के अंदर से गहनों से भरा एक थैला निकाला। 'यह मुझे मिला है, और यही तुम्हें मिलेगा,' उसने थैला जमीन पर फेंकते हुए कहा और सिंदबाद की ओर बढ़ी और उससे आँखें मिलाईं।
‘तुम्हें क्या लगता है तुम निजी बातचीत क्यों सुन रहे हो...’ उसने कहना शुरू किया, लेकिन फिर उसके शब्द रुक गए क्योंकि उसकी आँखें अचानक चौड़ी हो गईं और चेहरा पीला पड़ गया। ‘सिंदबाद? क्या तुम हो? क्या तुम वापस आ गए हो?’

उनतीस
टेबल पर खुबानी के रस के दो मग लाए गए, और सफीना ने एक गिलास बकरी का दूध मंगवाया।
चकाचौंध भरी आवाज़ों और चमकदार रोशनी के बीच, तीनों लोग एक सराय में पैर पटकते और मुट्ठी उठाते हुए शोर मचा रहे थे। गली में हुई मुलाकात के बाद सफीना उन्हें इस जगह पर लेकर आई थी।
‘तो क्या यहाँ कई लोक हैं?’ सफीना ने दूध पीते हुए सीधे चेहरे से पूछा। ‘और तुम उस लोक से आए हो जहाँ इब्लिस जीवित है और जीवन को नरक बना रहा है?’ सिंदबाद ने उसे विभिन्न लोकों में छलांग लगाने के अपने अनुभव के बारे में बताया था।
'हां,' उसने मुस्कुराते हुए सिर हिलाया।
सफीना से सामान्य रूप से, पुराने दोस्तों की तरह बात करना अजीब लग रहा था। यह एक ऐसा सपना था जिसके बारे में उसने कभी सोचा भी नहीं था कि वह इस जीवन में सच हो जाएगा।
“दिलचस्प,” उसने एक और घूंट लेते हुए कहा। “और मैं तो यह सोचकर खुश हो रही थी कि मेरा सिंदबाद लौट आया है।”
‘ठीक है, मैं उलझन में हूँ, महोदया,’ अशरफिया ने अपने काले बालों को खुजाते हुए कहा। ‘मैंने सोचा था कि आप इस लोक में सिंदबाद हैं। तो आप अपने सिंदबाद को कैसे खो सकती हैं?’
लेडी सिन्बाद खुद पर काबू न रख पाने के कारण हंस पड़ीं, 'मुझे सफीना कहिए। यही मेरा असली नाम है। सिन्बाद तो बस एक उपाधि है जो मुझे विरासत में मिली है।'
'जिस से?'
‘मेरे पति।’
‘तुम्हारा क्या?’ सिंदबाद ने अपना रस थूक दिया, उसका दिल ज़ोर से धड़क रहा था।
‘हाँ,’ सफीना ने आह भरी। ‘हमारी शादी हो गई थी। मैं एक नर्तकी के रूप में काम करती थी, एक निर्दयी मालिक के अत्याचारों में फंसी हुई थी, जब तक कि वह मेरी मदद के लिए नहीं आया। साथ मिलकर, हमने समुद्री डाकुओं के रूप में रोमांचक कारनामों पर निकले, सातों समुद्रों के विशाल विस्तार में यात्रा की। लेकिन, भाग्य ने बेरहमी से खेल खेला, और वह दुर्भाग्यपूर्ण परिस्थितियों का शिकार हो गया।’ उसने दुख से अपनी नज़रें झुका लीं।
‘फिर क्या हुआ?’ सिंदबाद ने उत्सुकता से पूछा।

‘यहीं से इब्लिस की कहानी शुरू होती है। एक जिन्न था, इब्लिस, जो सबको सपनों और बुरे सपनों के जाल में फंसाने की योजना बना रहा था। सिंदबाद को इस योजना का पता चला और उसने उसे पकड़ लिया। लड़ाई के दौरान, सिंदबाद उसे छल से सेट के दीपक में ले जाने में कामयाब रहा और इस प्रक्रिया में वह खुद भी उसी में फंस गया।’
सफीना ने गहरी सांस लेते हुए आह भरी, मानो इस बारे में बात करना अभी भी उसके लिए मुश्किल हो। 'तब से मैंने दुनिया से बुराई को खत्म करने का जिम्मा उठा लिया है और उसके नाम को सही तरीके से सबके सामने ला रही हूं।'
सिंदबाद मुस्कुराया।
'तुम इतने अजीब तरह से खुश क्यों हो?' सफीना ने ऊपर उसकी ओर देखते हुए पूछा। 'तुम अच्छा कर रहे हो,' सिन्बाद ने उठते हुए कहा, जबकि अशरफिया ने अपनी आँखें घुमाईं।
‘मैं अपना काम भूल गई थी। बीच में आकर उन्हें हैरान करने के लिए धन्यवाद।’ उसने अपने कंधे खुजाए। उसके कपड़े सिंदबाद जैसे ही थे, लेकिन ज़्यादा भड़कीले थे। ‘सालों से वह वापस नहीं लौटा है और मज़े की बात यह है कि किसी को नहीं पता कि उसने दुनिया को बचाया था।’
‘हम्म,’ सिंदबाद ने थोड़ा उदास होकर कहा। ‘क्या यहाँ कोई संघ है?’
‘माफ़ कीजिए, गिल्ड क्या होता है?’ सफीना ने उलझन भरी नज़रों से देखते हुए पूछा।
अरे, तो यहाँ कोई गिल्ड नहीं है? सिंदबाद ने ये सारी कलाएँ कहाँ से हासिल कीं?
जिसके बाद उन्होंने अगला सवाल पूछा, 'आपने सेट के दीपक के बारे में बात की थी? क्या आप जानते हैं कि वह कहाँ है?'
उसने अपनी भौंहें चढ़ा लीं। 'तुम क्यों पूछ रहे हो?'
उन्होंने कहा, 'हमारा मानना है कि इसका संबंध इब्लिस के अंत से है। हम गलत हो सकते हैं, लेकिन अगर हम इस लोक के सिंदबाद द्वारा किए गए कारनामों को दोहराने में सक्षम हो जाते हैं...'
‘अरे नहीं। बिलकुल नहीं। जो भी उस दीपक को रगड़ेगा, वह उसका हिस्सा बन जाएगा। सिंदबाद के साथ भी यही हुआ था। नहीं। ऐसा नहीं होने दे सकते,’ उसने सिर हिलाते हुए कहा। ‘और एक बार अंदर चले गए तो बाहर नहीं निकल सकते। चाहे कितनी भी कोशिश कर लो। सिंदबाद यह जानता था जब उसने इब्लिस को फंसाया था। तुम सेट को जानते हो ना? वह अराजकता और युद्ध का शक्तिशाली देवता था, और एक ऐसा धूर्त भी था जिसे अपने शिकारों को फंसाना पसंद था। जबकि आम तौर पर हर कोई जहां भी फंसा होता था, वहां से भागना चाहता था, सेट ऐसा नहीं करता था। उसे वह दुनिया पसंद थी जो उसने उस दीपक के अंदर बनाई थी। और अगर तुम ऐसा करोगे, सेट को बाहर निकालने के बजाय, तुम वहीं फंस जाओगे। अराजकता होगी, और उससे भी बढ़कर—यह तुम्हारी जान ले लेगा। मैं विनम्रतापूर्वक सुझाव दूंगी कि तुम कोई दूसरा रास्ता ढूंढो।’
सिन्बाद ने अपने जबड़े भींच लिए, और अशरफिया ने उससे एक नज़र मिलाई। सफीना बेहद थकी हुई लग रही थी, और सिन्बाद आगे कुछ बोलने ही वाला था कि अशरफिया ने बीच में दखल दिया।

‘मैं समझ सकती हूँ कि कैसा लगता है,’ उसने सफीना की बांह को छुआ। ‘लेकिन हम एक ऐसे लोक से आए हैं जहाँ जादू इस दुनिया से कहीं अधिक प्रमुख और शक्तिशाली है। मैं स्वयं एक चुड़ैल हूँ, बुरी चुड़ैल नहीं। बल्कि ऐसी चुड़ैल जो चिराग की कार्यप्रणाली को समझ सकती है। अगर तुम हमें वहाँ ले चलो, तो शायद मैं सिंदबाद को चिराग से मुक्त कर सकूँ।’
‘तुम क्या कर सकती हो?’ सफीना की आँखों में आशा की चमक आ गई।
‘लेकिन मैं तुम पर भरोसा कैसे करूँ?’ उसने पूछा। ‘मैं तुम दोनों के बारे में कुछ नहीं जानती। क्या मुझे सिर्फ इसलिए तुम पर भरोसा करना चाहिए क्योंकि तुम मेरे पति जैसे दिखते हो?’
‘अरे, यही तो काफी वजह है,’ सिंदबाद मुस्कुराया।
सफीना ने मुस्कुराते हुए जवाब दिया। वह खुश लग रही थी। 'मुझे एक बात बताओ, तुम्हारे लोक में मेरी हमशक्ल कैसी है?'
‘खैर,’ सिंदबाद ने कंधे उचकाते हुए कहा, ‘वह ज्यादातर समय मुझे मारना चाहती है।’
'इससे इस लोक के सिंदबाद के साथ मेरे रिश्ते की कुछ हद तक व्याख्या हो जाती है, इसलिए मुझे समझ आ गया,' सफीना ने हंसते हुए कहा।
वे सब हँस पड़े, जिससे एक खुशनुमा और हल्का-फुल्का माहौल बन गया, जो सिंदबाद के लिए इतने लंबे समय से चल रही तनावपूर्ण परिस्थितियों से एक सुखद बदलाव था।
“लड़ाई खत्म होने तक,” उसने कहानी पूरी करते हुए कहा, “वे दोनों चिराग में फंस गए थे। सिंदबाद को अपने कारनामों के दौरान इस चिराग के बारे में पता चला था और वह इसका इस्तेमाल इब्लिस को रोकने के लिए करना चाहता था। यही एकमात्र तरीका होता। उसे मिस्र के कई द्वीपों में से किसी एक पर कई परीक्षाओं से गुजरते हुए इसे ढूंढना था। आखिरकार, मैं उस जगह पर पहुंच गई, लेकिन वे गायब हो चुके थे। एक व्यापारी ने चिराग को सुरक्षित रखने में मेरी मदद की, और यह एक बहुत ही महत्वपूर्ण जगह पर छिपा हुआ है जिसका खुलासा वह तब तक नहीं करेगा जब तक मैं आपके साथ न चलूं।”
‘चलो चलते हैं,’ सिंदबाद उठते हुए बोला। ‘हमारे पास ज्यादा समय नहीं है।’ ‘ठीक है, ठीक है,’ सफीना ने खड़े होते हुए और कुर्सी को पीछे धकेलते हुए कहा। ‘मैं आपको व्यापारी के पास ले चलती हूँ।’
जैसे ही तीनों लोग सराय से गुज़रते हुए उस जगह से निकले जहाँ संगीत बज रहा था, सिंदबाद का ध्यान किसी चीज़ पर गया। एक परिचित व्यक्ति ऊद बजा रहा था। वह कोई और नहीं बल्कि हुसैन थे!
यहां वह कम परेशान और ज्यादा बेफिक्र लग रहा था, क्योंकि वह बड़े शांत भाव से खेल रहा था। इससे सिंदबाद को अपने शुरुआती दिनों की याद आ गई जब वे सराय में काम करते थे।
‘क्या तुम उसे जानते हो?’ सिंदबाद ने पूछा।
‘हुसैन? ओह हाँ, वह वाकई बहुत प्रतिभाशाली है,’ सफीना ने जवाब दिया।
क्या सिंदबाद और हुसैन एक दूसरे को जानते थे?
सफीना उलझन में दिखी। ‘हूँ? वे ऐसा क्यों करेंगे?’ उसने रुकते हुए कहा।
‘अरे रुको... वे एक-दूसरे को थोड़े समय के लिए जानते थे जब वे दोनों सराय में

काम करते थे, लेकिन हुसैन ने सिंदबाद के साथ साहसिक यात्रा पर न जाने का फैसला किया और उनकी दोस्ती वहीं खत्म हो गई। वह सिर्फ एक परिचित था, इससे ज्यादा कुछ नहीं। तुम क्यों पूछ रही हो?’ सफीना ने सवाल किया।
'बस उत्सुक।'
इस लोक में, हुसैन कभी सिंदबाद के साथी नहीं बने और एक कलाकार के रूप में उन्होंने एक अच्छा जीवन व्यतीत किया।
‘वैसे, हम जिस व्यापारी से मिलने जा रहे हैं, वह कौन है?’ अशरफिया ने अपने विचारों की श्रृंखला को बीच में ही रोकते हुए पूछा।
“वह पहले कुली का काम करता था। होशियार लड़का था। लेकिन चोरों के एक गिरोह से उसका नाता टूट गया और उसने उनसे चोरी की। उसने सारी दौलत को समझदारी से निवेश किया और देखते ही देखते वह अमीर बन गया,” सफीना ने कहा। “उसे अली बाबा के नाम से जाना जाता है।”

तीस
लेडी सिंदबाद या सफीना?
मैं उसे सफीना कहकर बुलाती हूँ।
जब वे सिंदबाद और अशरफिया के साथ सफीना की गाड़ी में रात भर यात्रा कर रहे थे, तब सफीना ने उस व्यक्ति की पृष्ठभूमि साझा की जिससे वे मिलने वाले थे। ‘उसका नाम अली बाबा है,’ उसने कहना शुरू किया। ‘वह एक समय में एक युवा किसान था, एक कुली, जिसे उसके आस-पास के सभी लोग तंग करते थे। लेकिन एक दिन, जंगल में आराम करते समय, उसने चालीस चोरों को एक गुफा में घुसते देखा। कोई साधारण गुफा नहीं—वह गुफा खजाने से भरी हुई थी जिसे उन्होंने इकट्ठा किया था। तो उसने क्या किया? उसने अपने भाई कासिम के साथ मिलकर लुटेरों को लूटने का फैसला किया।’
सिंदबाद ने भौंहें चढ़ा लीं। 'तो हम एक लुटेरे से मिलने जा रहे हैं?'
‘सच कहूँ तो, वो उतना बुरा नहीं है जितना लगता है।’ सफीना ने कंधे उचकाते हुए कहा। ‘खैर, जब वो गुफा में पहुँचा, तो उसने पाया कि गुफा का कोई प्रवेश द्वार नहीं था। घबराकर वो झाड़ियों में छिप गया और जब चालीस चोर आए, तो उसने सुना कि गुफा केवल “खुल जाओ, तिल” कहने पर ही खुलेगी।’
'यह तो बच्चों के लिए लिखी गई कहानी जैसी लग रही है,' अशरफिया ने आंखें घुमाते हुए कहा।
सफीना हंस पड़ी। 'हां, कुछ हद तक। खैर, अली को खजाना अंदर मिला और ज़ाहिर है, उसने उसे चोरों से चुरा लिया। शुरू में उसने थोड़ी-थोड़ी मात्रा में चुराया, इस उम्मीद में कि चोर ध्यान नहीं देंगे, लेकिन जैसे-जैसे उसका लालच बढ़ता गया, उसने सब कुछ चुरा लिया। उसके बाद, वह व्यापारी बन गया, निवेशक बन गया और उसने कई तरह के काम किए। असल में, वह कभी-कभी मुझे उसके लिए खजाने ढूंढने के लिए छोटे-मोटे काम देता है।'
‘तो आप उनके लिए काम करते हैं?’ उसने आश्चर्य से पूछा।
उसने आह भरी। 'हम्म, शायद आप ऐसा कह सकते हैं। लेकिन इसे लुटेरों का अभिशाप कहो या जो चाहो कह लो, उसके बाद उसे कभी कोई खजाना नहीं मिला।'
‘लुटेरों का क्या हुआ?’ अशरफिया ने पूछा।
उन्होंने आगे बताया, ‘उन्हें समझ आ गया था कि क्या हुआ है। अली रातोंरात अमीर हो गया था। उन्होंने उसे पकड़ने की कोशिश की, लेकिन अली उनसे बच निकला और भागकर बसरा आ गया।’ ‘वह मेरे पति से मिला और उसके कारनामों में भी पैसे लगाए, और अधिक खजाने की उम्मीद करता रहा, जब तक कि उसे सेट के चिराग के बारे में पता नहीं चला। सिंदबाद उसे लेने गया और इब्लिस से लड़ पड़ा, और अंत में वह चिराग मेरे हाथ में आ गया। अली ने मुझे उसे अपने पास रखने को कहा, लेकिन

मुझे लगा कि चिराग उसके पास ज्यादा सुरक्षित रहेगा क्योंकि उसके पास एक जादुई गुफा थी।’
‘तो हम एक चोर से मिलने जा रहे हैं,’ सिंदबाद ने कहा। ‘मैं वाकई बहुत उत्साहित हूँ।’
जैसे ही वे उस नखलिस्तान की ओर बढ़े जहाँ शिविर स्थापित था, सिंदबाद ने वहाँ भारी हथियारों से लैस अफ्रीकी सैनिकों के एक समूह को पहरा देते हुए देखा, जिनमें से एक परिचित लग रहा था।
मार्कस।
वह मार्कस था। मार्कस को वहां खड़ा देखकर सिंदबाद मुस्कुराए बिना नहीं रह सका।
मार्कस ने उनकी घुड़सवार सेना को रोककर पूछा:
‘सफीना, कितना गर्मजोशी से स्वागत हुआ। कैसा चल रहा है?’
‘मैंने अली से मिलने का इंतजाम किया है।’ सफीना ने जवाब दिया।
'वह व्यस्त है,' मार्कस ने सिंदबाद को संदेह भरी नजरों से देखा।
सिंदबाद के लिए यह अजीब था कि वह किसी ऐसे व्यक्ति को देख रहा था जिसे वह बहुत अच्छी तरह जानता था जबकि दूसरा व्यक्ति यह नहीं जानता था कि वह कौन है।
‘चलो, मार्कस। मेरे लिए कर दो। अगली बार मैं कुछ बांस का रस लाऊंगा।’ मार्कस मुस्कुराया। 'तुम्हें ठीक से पता है कि क्या कहना है।' फिर वह अपने सैनिकों की ओर मुड़ा और उनकी भाषा में उन्हें आदेश दिया कि तीनों को अंदर आने दें।
सिन्बाद को एहसास हुआ कि अगर मार्कस की मुलाकात सिन्बाद से नहीं हुई होती, तो वह इस अली बाबा के लिए काम कर रहा होता—जिससे उसे यह बात समझ में आई कि उसकी दुनिया में भी एक अली बाबा मौजूद था।
वे अपने घोड़ों से उतरे और सिंदबाद ने शिविर देखा, जहाँ सैनिक, रसोइये, बच्चे और अन्य लोग उनके चारों ओर चहल-पहल कर रहे थे। वह शिविर के अंतिम छोर पर गया और उसने देखा कि एक आदमी चट्टान पर बैठा अपने मजदूरों को और खोदने का आदेश दे रहा है।
चांद और तारों की आकृति वाले एक बड़े से चोगे को पहने हुए अली बाबा गुस्से में थे, उनके माथे पर नसें साफ दिखाई दे रही थीं।
सफीना को देखते हुए उसने ज़ोर से कहा, ‘महबूबा! क्या गजब का नज़ारा है!’ वह मुस्कुरा उठा। सिंदबाद ने गौर किया कि उस आदमी के चेहरे पर घनी दाढ़ी थी।
जैसे-जैसे उसकी मुस्कान और चौड़ी होती गई, सिंदबाद की नज़र उसके सोने के दांत की चमक पर पड़ी, जिससे उसकी मुस्कान और भी खूबसूरत लग रही थी।
‘सोने की खुदाई कर रहे हो?’ सफीना ने पूछा।
हमेशा की तरह।
‘यह कब रुकेगा?’ सफीना ने कहा। ‘अली, सोने की कोई भी मात्रा तुम्हें संतुष्ट नहीं कर सकती।’
उस आदमी ने हंसते हुए कहा, 'मुझे शक होने लगा है कि मुझे कोई बीमारी हो गई है।'

‘इसे लालच कहते हैं, जान। खैर, हमें तुम्हारी मदद चाहिए।’ सफीना ने कहा और फिर उसने सब कुछ समझाना शुरू कर दिया।
अली ने ध्यान से सुना और अपनी छोटी-छोटी आँखों से सिंदबाद और अशरफिया को संदेह भरी निगाहों से देखता रहा।
अंत में उसने पूछा, 'तो तुम्हें सेट का दीपक चाहिए?'
'हां। उन्हें लगता है कि वे सिंदबाद को वापस लाने में हमारी मदद कर सकते हैं,' उसने उम्मीद से कहा।
‘यह सब बकवास है। एक और लोक? बकवास। समानांतर दुनियाएँ... बकवास!’ वह चिल्लाया।
सिंदबाद ने उसके जैसा अति नाटकीय व्यक्ति पहले कभी नहीं देखा था, लेकिन तभी उसे छठे कॉन्स्टेंटाइन की याद आ गई, जिससे वह अपने पिछले अभियानों में से एक के दौरान मिला था।
‘लेकिन अगर तुम ज़िद कर रहे हो, तो मैंने दीपक गुफा में ही रखा है। मेरे पीछे आओ,’ उसने कहा और फिर उन्हें शक की निगाह से देखते हुए आगे बोला, ‘वे जो भी जादू करते हैं, मैं उसे अपनी आँखों से देखना चाहता हूँ। अगर वे इसमें माहिर हैं, तो शायद वे किसी चीज़ को सोने में बदल सकते हैं। जैसे मिडास की कहानी में हुआ था। क्या कहते हो?’
अशरफिया ने आगे कहा, 'तुम्हें पता है कि राजा मिदास के साथ क्या हुआ था, है ना?'
'क्या?'
जैसे-जैसे वे आगे बढ़े, सिंदबाद ने देखा कि घाटियाँ खुल गई थीं, जिससे एक बंद गुफा दिखाई दे रही थी।
वह सदा सुखपूर्वक जीवन व्यतीत करता रहा।
‘वह स्वयं सोना बन गया,’ सिंदबाद ने आंखें घुमाते हुए कहा।
‘यही तो सपना है,’ अली ने हंसते हुए कहा।
‘खुल जाओ, तिल!’ गुफा की ओर देखते हुए जब वह जोर से चिल्लाया तो बाकी सबने अपने कान ढक लिए। ‘गुफा को सुनने में कुछ दिक्कत है।’
‘ज़रूर,’ सिंदबाद ने दांत पीसते हुए कहा। ‘मुझे लगा था कि तुम्हारी गुफा कहीं और स्थित है?’
‘लगता है और भी हैं।’ अली ने कहा। ‘मुझे बिना किसी वजह के “ओपन, सेसम” चिल्लाते हुए कई गुफाओं से गुजरना पड़ा। मैं सचमुच एक बेवकूफ लग रहा था।’ उस आदमी ने ढेर सारी सोने की चेन, बड़े-बड़े सोने के झुमके और सुनहरे रंग की पगड़ी भी पहन रखी थी।
गुफा के अंदर उन्हें बाकी सभी जगहों से ज़्यादा सोना मिला। गुफा एक विशेष चबूतरे तक जाती थी जहाँ सेट का दीपक रखा जाना था।
‘यह कहाँ है?’ अली चिल्लाया, अपने हाथ ऊपर उठाते हुए। ‘मुझे समझ नहीं आ रहा।
यह तो यहाँ होना चाहिए!’ वह फिर चिल्लाया।
‘ओह, कितना मजेदार!’ सिंदबाद ने बुदबुदाया।
‘किसी ने इसे चुरा लिया! गार्डो! किसी ने इसे चुरा लिया!’ अली लगातार घबराकर चिल्ला रहा था, जबकि आसपास कोई गार्ड नहीं था।

□□□□□□□□ □□□ □□ □□ □□□ □□ □□□ □□ □□□□□□□□□ □□□□□ □□ □□ □□□□ □□: '□□□□ □□□□□□□, □□□□□□□'

इकतीस
सिंदबाद खुद को बसरा के भूमिगत काले बाजार के अंधेरे कोनों में पाया, उसके साथ अशरफिया, सफीना और अली बाबा भी थे, जो गुस्से से आग बबूला दिख रहे थे और उनकी नाकें उत्तेजना से फूल रही थीं। इस अवैध क्षेत्र में जाने का उनका मकसद इस विश्वास पर आधारित था कि कुख्यात चोर अलादीन यहीं मिल सकता है। ‘मैं उसे अच्छी तरह जानता हूँ,’ अली ने आगे बढ़ते हुए गूंजती हुई आवाज़ में कहा। ‘वह चीन के एक शहर का कुख्यात चोर है।’
‘क्या वो चीनी मूल का है?’ सफीना ने उत्सुकता से पूछा। ‘अरे नहीं। उसका पालन-पोषण वहीं हुआ है। पता नहीं वो वहाँ कैसे पहुँचा। कुछ लोग कहते हैं कि उसका बाप तस्कर था जो चीनियों के साथ मिलकर मसालों का आयात-निर्यात करता था। कुछ लोग कहते हैं कि वो अनाथ था और किसी तरह वहाँ पहुँच गया। खैर, वो इस दुनिया के बाकी लोगों की तरह दौलत और सोना कमाने बसरा आया था। और यहाँ आकर चोर बन गया। एक नीच चोर। आखिरी बार मैंने उसके बारे में सुना था कि वो मगरेब के एक सेवानिवृत्त वज़ीर के यहाँ छोटे-मोटे काम करता था। लगता है उसकी नज़र काफी समय से सोने पर थी। उसने यह सब अच्छी तरह से प्लान किया होगा,’ अली बाबा ने दाँत पीसते हुए कहा। ‘अलादीन जो कुछ भी चुराता है, उसे यहाँ नीलाम करने आता है। मुझे यह पता है क्योंकि, मैं अक्सर उसकी नीलामियों से चीजें खरीदता हूँ,’ उसने शरमाते हुए कहा।
सिन्बाद ने हैरानी से अपनी भौंहें चढ़ा लीं। 'जिसके घर में चोरी हुई हो, उसे खुद चोरी के बारे में इतनी जानकारी क्यों है?'
‘और नीच चोर? क्या तुम भी नीच चोर नहीं थे?’ अशरफिया ने गुस्से से पूछा। अली बाबा ने उस बयान को नजरअंदाज करना बेहतर समझा, क्योंकि वे काला बाजार वाले इलाके में थे जहां अन्य लोग भी थे - कुछ की आंखों पर पट्टी बंधी थी, कुछ के पैर टेढ़े थे और सभी से शराब और मीठे पेय की गंध आ रही थी।
सामने एक मंच था जहाँ विभिन्न वस्तुओं की नीलामी अलग-अलग व्यापारियों, मकान मालिकों आदि को की जा रही थी। प्रस्तुतकर्ता एक बूढ़ा व्यक्ति था जिसके हाथ में हथौड़ा था, और वह वस्तुओं, उनके महत्व और उनके चोरी होने के तरीके के बारे में बता रहा था।
“यह पायल फ्रैंक आक्रमणकारियों के शहर की एक युवती की थी,” बूढ़े व्यक्ति ने चर्मपत्र पढ़ते हुए कहा। “इसके बारे में ज़्यादा जानकारी नहीं है, लेकिन हमारा मानना है कि यह सोने की बनी है। चोरी का तरीका अजीब था। इसे एक मोची ने अंजाम दिया था।”
वे सब हंस पड़े।

सिंदबाद ने हैरानी से अपनी भौंहें ऊपर उठाईं। हालाँकि वह जानता था कि उसके बसरा में भी बदमाश मौजूद हैं, लेकिन उसने ऐसा पहले कभी नहीं देखा था। भीड़ कार्टून जैसी और अतिरंजित लग रही थी, और वे सभी शातिर अपराधी लग रहे थे। उसके राज्य में, अच्छाई और बुराई को अलग करना असंभव था, क्योंकि सब एक जैसे दिखते थे। अचानक, उसे एहसास हुआ कि यह दुनिया ऐसी है जहाँ सब कुछ काला और सफेद है।
‘ओह, ओह, मुझे एक चाहिए, मैं बोली लगाता हूँ, मैं बोली लगाता हूँ!’ अली बाबा ने हाथ उठाते हुए चिल्लाया।
‘आप किस चीज पर बोली लगा रहे हैं?’ नीलामीकर्ता ने पूछा।
‘मैं अदला-बदली करना चाहता हूँ। मैं आपको ये बालियाँ दे दूँगा,’ अली ने उन्हें अपने कानों से निकालकर उस आदमी को दिखाया। ‘ये असली सोने की नहीं हैं, लेकिन दिखने में सोने जैसी लगती हैं।’
‘बिक गया!’ बूढ़े आदमी ने कहा। ‘हम इसे सोने के रूप में बेच सकते हैं, पक्का।’
पायल और बालियों का आदान-प्रदान हुआ। अली ने खुशी से पायल अपनी कलाई पर पहन ली।
‘उन्होंने नकली सोने को असली सोने से बदलने की अनुमति क्यों दी?’ अशरफिया ने पूछा।
सफीना ने बीच में दखल देते हुए कहा, 'तुम्हें ऐसा क्यों लगता है कि पायल असली सोने की है? सबको पता है, यहाँ कुछ न कुछ नकली है।'
सिंदबाद ने सिर हिलाया।
‘आज की कमाई शहर के बीचोंबीच स्थित पानी की टंकी की मरम्मत के लिए इस्तेमाल की जाएगी। इसमें दरारें पड़ने लगी हैं और इसे ठीक करने की जरूरत है,’ बूढ़े नीलामीकर्ता ने घोषणा की, जिस पर भीड़ ने सहमति जताई।
अब अगले आइटम की ओर बढ़ते हैं। रोमांच को बरकरार रखते हुए, मैं एक दिलचस्प वस्तु प्रस्तुत करना चाहूंगा जो हमें मिली है। यह एक दीपक है। अलादीन के अनुसार, जिसने इसे चुराया था, संभवतः इसमें एक जिन्न रहता है।
अलादीन एक आकर्षक मुस्कान के साथ आगे आया। उसकी बड़ी-बड़ी आंखें, भूरी त्वचा, बिखरे हुए बाल थे, उसके सीने पर कपड़े का एक छोटा सा टुकड़ा लिपटा हुआ था जिससे उसका नंगा, मांसल सीना दिखाई दे रहा था। उसने बैंगनी रंग की आधी जैकेट और सफेद गुब्बारेनुमा पजामा पहना हुआ था।
‘हे भगवान!’ अशरफिया ने हैरानी से कहा, ‘मैं तो सीधे उसकी ओर मुड़ जाऊंगी।’ सिंदबाद ने अपनी निगाहें सिकोड़ीं। 'उसमें ऐसी क्या खास बात है?'
‘वह बेहद खूबसूरत है।’ अशरफिया ने जवाब दिया।
‘वह ठीक है।’ सिंदबाद ने कंधे उचका दिए।
सफीना मुस्कुराई। 'वह काफी प्यारा है।'
‘तुम भी? दूसरे लोक से आए तुम्हारे पति के रूप में, मुझे ईर्ष्या हो रही है।’
बूढ़े आदमी ने बीच में ही टोकते हुए कहा, "अब, चलिए बोली शुरू करते हैं। हम वस्तु विनिमय भी स्वीकार करने को तैयार हैं। इससे मिलने वाली रकम का इस्तेमाल पानी की टंकी की मरम्मत और अलादीन के लिए किया जाएगा, जो काफी

शरारती हो गया है। उसने इतनी सारी चीजें चुराई हैं कि वह हमारे पुराने दोस्त सिंदबाद के नक्शेकदम पर चलते हुए बगदाद का अगला चोर बनने की राह पर है।"
भीड़ ने एक साथ जयकार की।
अलादीन ने अपनी मधुर आवाज में कहा, 'सिंदबाद कई लोगों के लिए आदर्श रहे हैं। खासकर मेरे लिए। हम सभी उन्हें याद करते हैं और आशा करते हैं कि अगर वे कभी लौटेंगे तो जल्द ही उनसे मिलेंगे।'
बूढ़े आदमी ने आगे कहा, “इस चिराग को कोई लेना चाहेगा? अदला-बदली में या फिर अच्छी-खासी रकम देकर?” भीड़ में सन्नाटा पसरा रहा, तभी अंधेरे में छिपे अली बाबा ने हाथ उठाया। रोशनी की वजह से अलादीन उसे ठीक से देख नहीं पा रहा था। बूढ़े आदमी ने पूछा, “यह लड़का कौन है?”
‘मैंने ही पायल खरीदी थी,’ अली बाबा ने कहा।
‘अरे, ये तो अली बाबा है।’ बूढ़े आदमी ने अलादीन की तरफ देखा, जिसका चेहरा पीला पड़ गया।
‘उसने मुझसे यह दीपक चुराया! उसे इसकी कीमत चुकानी पड़ेगी। यह कोई साधारण दीपक नहीं है। इसमें मिस्र की पौराणिक कथाओं का एक क्रूर देवता विराजमान है, कोई जिन्न नहीं।’
बूढ़े आदमी ने हथौड़ा पटका और भीड़ खिलखिलाकर हंस पड़ी। उसने पूछा, 'क्या तुमने यह दीपक चुराया है, अलादीन?'
अलादीन असमंजस में दिख रहा था, सफीना चुप रही।
अलादीन ने भीड़ पर नज़र डाली और उसकी निगाह अली बाबा पर टिक गई। अचानक उसने बूढ़े आदमी से चिराग छीन लिया और ज़ोर से सीटी बजाई। एक बड़ा उड़ने वाला कालीन छत तोड़ते हुए नीचे आया। अलादीन कालीन पर कूद पड़ा और चिल्लाते हुए बोला, 'फिर मिलेंगे!' और उड़ गया। सिंदबाद और अली बाबा अचंभित रह गए। उन्होंने एक साथ पूछा, 'अभी क्या हुआ?'

बत्तीस
सिन्बाद यह पता लगाने के लिए बाहर भागा कि कालीन कहाँ जा रहा है। उसके पीछे उसके गिरोह के बाकी सदस्य भी थे।
‘यह वही कालीन है जिस पर तुमने जादू किया था, याद है?’ सिंदबाद ने अशरफिया से पूछा। ‘याद है जब हम उस वार्डन का पीछा कर रहे थे?’
'हां। मुझे आश्चर्य होता है कि उसे यह कैसे मिला,' उसने आश्चर्य से कहा। अली बाबा ने दांत पीसते हुए कहा, 'उसने इसे चुराया होगा! वह तो...'
सिंदबाद ने अली बाबा की बात नहीं सुनी और शहर की संकरी गलियों और चौड़ी सड़कों से होते हुए भागने लगा। उड़ने वाला कालीन अविश्वसनीय रूप से तेज़ गति से हवा में लहराता हुआ घूम रहा था। सिंदबाद का सीना हल्का महसूस हो रहा था और दौड़ते समय उसे अपने अंदर एड्रेनालाईन का प्रवाह महसूस हो रहा था। जब सिंदबाद ने अपनी तलवार को आकाश में कालीन की ओर घुमाया, तो उसमें एक छेद हो गया और कालीन पानी की टंकी से टकराते हुए तेजी से घूमने लगा।
सिंदबाद अपनी तलवार की ओर दौड़ा, जो अब ज़मीन में धंसी हुई थी। उसने तलवार उठाई और धूल साफ करते हुए हुए नुकसान का जायज़ा लिया। नीलामी में चर्चा का विषय रहा बड़ा पानी का टैंक टूट गया था और कई गैलन पानी सड़कों पर बह गया था। पिछड़े इलाके अब जलमग्न थे और जानवर डूब रहे थे।
सिंदबाद ने देखा कि उसके पैर भी पानी में डूबे हुए थे और उड़ने वाला कालीन पहले ही उड़ चुका था। उसे तुरंत कुछ करना था, तभी उसकी नज़र एक बढ़ई पर पड़ी जो गीली लकड़ी पर रो रहा था।
'मुझे वह सरकंडे की नाव चाहिए जो आपके पास दुकान में है,' सिन्बाद ने कहा। 'एक पैसा भी कम नहीं।'
मेरे पास पैसे नहीं हैं, लेकिन मेरे पास एक वादा है।
‘क्या वादा?’
'किसी दूसरी दुनिया में, किसी दूसरे लोक में, मैं तुमसे मिलूंगा और जब मेरे पास इसके लिए पैसे होंगे तो मैं तुम्हें इसका भुगतान करूंगा।'
व्यापारी के कुछ कहने से पहले ही, सिंदबाद ने नाव और चप्पू उठाया और उन्हें उस गली में फेंक दिया जहाँ पानी गहरा हो गया था। वह उड़ते हुए कालीन का पीछा करते हुए गली के बीचोंबीच नाव चलाने लगा। उसने खुद को और पानी को सीढ़ियों की ओर बढ़ते हुए पाया। जैसे ही नाव सीढ़ियों से टकराई, वह कांपने लगी, जबकि अलादीन अपने कालीन पर झूलते हुए लगभग उसके पास आ पहुँचा और चिल्लाया, 'तुम मेरा पीछा क्यों कर रहे हो? मुझसे क्या चाहते हो? तुम कौन हो?'

सिंदबाद ने कोई जवाब नहीं दिया, सीढ़ियों के कारण उसकी नाव हिल रही थी। तभी उसने घोड़े के सरपट दौड़ने की आवाज़ सुनी और मुड़कर देखा तो अली बाबा घोड़े पर सवार थे। वे उस गली में थे जहाँ पानी जमा नहीं हुआ था। तीनों - सिंदबाद, अलादीन और अली बाबा - क्षैतिज दिशा में चल रहे थे, हर कोई अपने- अपने उद्देश्य के लिए दीपक चाहता था।
अलादीन ने अपने कालीन की गति तेज कर दी और सीढ़ियाँ खत्म होते ही आगे बढ़ गया, पानी बंद हो गया। बीच में एक बड़ा फव्वारा था, और सिंदबाद उसमें जा गिरा!
टक्कर के कारण वह अपनी नाव से उछलकर अली बाबा के घोड़े की ओर जा गिरा, जहां वह अनाड़ीपन से गिरा।
‘यह बहुत ही चतुराई से योजना बनाई गई थी,’ अली ने कहा।
'यह तो संयोगवश ही हुआ,' सिंदबाद ने अली के साथ घोड़े पर खुद को संभालते हुए जवाब दिया।
सिंदबाद और अली एक साथ घोड़े पर सवार हुए।
‘और पास आओ। मैं कालीन पकड़ लूंगा। मैंने जो नुकसान पहुंचाया है, उसकी वजह से यह पहले ही धीमा हो रहा है।’ सिंदबाद ने निर्देश दिया।
‘ठीक है, बॉस। चलिए शुरू करते हैं,’ अली ने जवाब दिया।
घोड़ा तेजी से दौड़ा और कालीन के पास पहुंचा, तभी सिंदबाद ने उसका कोना पकड़ लिया। फिर, कालीन और घोड़े के बीच संतुलन बनाते हुए, वह बड़ी मुश्किल से खड़ा हो गया।
सामने से एक घोड़ागाड़ी पूरी रफ्तार से आती हुई दिखाई दी।
‘सावधान! पैर ऊपर करो!’ अली बाबा चिल्लाया।
सिंदबाद किसी तरह समय रहते खुद को संभालने में कामयाब रहा और सामने से आ रही गाड़ी से बचते हुए वह अलादीन के साथ उड़ने वाले कालीन पर आ गया, जो पहले से ही तलवार से लैस था।
अलादीन ने कहा, 'मुझे आपको चेतावनी देनी होगी, मैं मुक्केबाजी में माहिर नहीं हूं।'
सिंदबाद ने अपनी तलवार निकाल ली। 'मुझे इसकी उम्मीद नहीं थी।'
वे शहर की गलियों और इमारतों से गुज़रते हुए एक-दूसरे पर वार करते, प्रहार रोकते और चकमा देते रहे। सिंदबाद ने अलादीन के पेट में लात मारी, जिससे वह पीछे गिर गया। अलादीन ने कालीन का किनारा मरोड़ दिया, जिससे वह झटका खाकर सिंदबाद का संतुलन लगभग बिगड़ गया। जैसे ही उसने संभला, उसने देखा कि अली बाबा अपने घोड़े पर सवार होकर उनके पीछे आ रहा है।
उड़ता हुआ कालीन एक इमारत की खिड़की तोड़कर एक भीड़ भरे सराय से गुजरा। एक पर्दा सिंदबाद के पैर में फंस गया, और अली बाबा ने लटकते हुए कपड़े का सहारा लेकर ऊपर चढ़ने का मौका देखा। उसके वजन से सिंदबाद का संतुलन बिगड़ गया। सिंदबाद ने अपनी तलवार से अलादीन को रोके रखा, जबकि अली बाबा उस पर हमला करने के लिए ऊपर चढ़ रहा था। अली बाबा के झपटने पर अलादीन कालीन के दूसरे छोर पर गिर गया, जिससे सिंदबाद को पीछे हटने का मौका मिल गया। लेकिन इस दुनिया के दोनों चोर समुद्र तट के पास पहुँचते ही चिराग के लिए लड़ते रहे।

तभी सिंदबाद को एक अंतर्दृष्टि प्राप्त हुई। अपने खाली हाथ से उसने बार-बार अपनी तलवार से कालीन पर वार किया, जब तक कि वह टूटकर जमीन पर नहीं गिर गया, जिससे वह अराजक पीछा समाप्त हो गया।
वे तीनों जमीन पर गिर पड़े और लुढ़कने लगे। अली ने जमीन पर पड़ा दीपक उठाया, उसके बाद सिंदबाद ने और फिर अलादीन ने।
जब अशरफिया और सफीना वहाँ पहुँचीं, तो वे आपस में धक्का-मुक्की करने लगे। ‘ये क्या हो रहा है? इसे रोको!’ सफीना चिल्लाई। ‘दीया नीचे रखो, इसे छोड़ दो। नहीं तो तुम इसे रगड़ते रहोगे और—’
लेकिन बहुत देर हो चुकी थी। हालाँकि उन्होंने दीपक गिरा दिया था, लेकिन उन्होंने उस पर इतना घर्षण पैदा कर दिया कि दीपक हवा में ऊपर उठ गया, चमकता हुआ और हिलता हुआ।
‘ठीक है, मैंने इसके लिए साइन अप नहीं किया था,’ अलादीन की आंखें चौड़ी हो गईं।
और इसके लिए कोई भी तैयार नहीं था और इससे पहले कि सिंदबाद कुछ समझ पाता— दीपक के चारों ओर मौजूद हर कोई उसमें फंस गया।

तैंतीस
सेट की दुनिया सिंदबाद ने अपने पूरे जीवन में कभी नहीं देखी थी।
सब कुछ लाल था: मिट्टी, आकाश, पहाड़ियाँ और यहाँ तक कि हवा भी लाल रंग की लग रही थी।
वह जगह बेहद दुर्गम थी, भयंकर तूफान चल रहे थे और दूर-दूर तक रेत के टीले ही टीले थे। सिंदबाद को वहां से भागना था, लेकिन पहले उसे बाकी लोगों को ढूंढना था। 'सिंदबाद!' अचानक, उसने एक जानी-पहचानी आवाज को अपना नाम पुकारते सुना।
सिंदबाद मुड़ा और शोर की ओर बढ़ा, हवाएँ ज़ोर से चल रही थीं और बादल बिजली की तरह गरज रहे थे। वह घने लाल अंधेरे के बीच दौड़ रहा था, लेकिन उसे कोई नहीं मिला।
‘सिंदबाद!’
आवाज फिर से गूंज उठी।
सिंदबाद को भागना ही था। उसे इस जाल में नहीं फंसना चाहिए था। उसे सेट की इस दुनिया का हिस्सा नहीं बनना चाहिए था। जो भी इसमें प्रवेश करता है, वह कभी वापस नहीं लौटता। इस दुनिया की सफीना ने उसे यही बताया था। अब वह असहाय महसूस करने लगा; उसका दिल धड़क रहा था और ऐसा लग रहा था जैसे वह अपना मानसिक संतुलन खो रहा हो।
‘सिंदबाद!’ आवाज लगभग फुसफुसाहट में बदल गई।
सिंदबाद ने पीछे मुड़कर देखा, क्योंकि आवाज़ अब उसके पीछे थी। यह एक जानी- पहचानी आवाज़ थी।
मास्टर रीस?
वहाँ उसका पुराना मार्गदर्शक, गुरु और पृथ्वी पर अब तक के सबसे महान सेइडों में से एक खड़ा था। सिंदबाद ने उससे सब कुछ सीखा था।
‘कैसे हो, बच्चे?’ उसके चेहरे पर मुस्कान आ गई। वह अपने आसपास के तूफानों से बिल्कुल भी विचलित नहीं हुआ।
सिंदबाद अपनी तलवार लेने गया, जो वहाँ नहीं थी। 'मुझे ज़रूर सपना आ रहा है। तुम सच में मौजूद नहीं हो।'
‘मैं उतना ही वास्तविक हूँ जितना आप मुझे बनाना चाहते हैं,’ मास्टर रीस ने कहा। ‘क्या आपको मेरी याद आई?’
‘बेशक…’ सिंदबाद ने उलझन और दुविधा में जवाब दिया। ‘लेकिन तुम एक बुरे इंसान थे।’
‘अपने बचपन के प्रेम प्रसंग में न पड़ने के लिए?’ उसने उपहास उड़ाते हुए कहा। ‘और उसका क्या हुआ? वह कैसा चल रहा है?’ मास्टर रीस ने पूछा।

सिंदबाद ने मन ही मन बड़बड़ाया।
उसने आगे कहा, 'वह अब तुम्हें मारना चाहती है।'
'उसे पता नहीं है कि वह क्या कर रही है,' सिन्बाद ने बचाव किया।
‘उसे कभी पता नहीं चलेगा,’ उसने उसे सुधारते हुए कहा। ‘तुमने मुझे बुरी तरह निराश किया है, सिंदबाद। तुम हमेशा से नाकाम रहे हो। तुम एक मज़ाक के सिवा कुछ नहीं हो, और तुम्हें मेरी मृत्यु के दिन ही खुद को मार लेना चाहिए था क्योंकि मेरे बिना तुम्हारी कोई पहचान नहीं है। अब खुद को देखो। क्या तुम वह सब भूल गए हो जो तुमने सीखा था? और यहाँ आना कितना बेवकूफी भरा था, इस बारे में तो बात ही मत करो। यह किसका विचार था? क्या मैंने तुम्हें अराजकता के देवता, सेट के बारे में पर्याप्त नहीं सिखाया?’
सिन्बाद ने सिर हिलाया, मानो वह फिर से एक छात्र बन गया हो। 'हाँ, तुमने किया था।'
‘और? वह क्या था?’
‘वह एक क्रूर चाचा था। शासक के रूप में, उसने अपने भतीजे होरस के दावे का विरोध किया। उसने अपने भाई के टुकड़े-टुकड़े करके दुनिया भर में बिखेर दिए,’ उसने दोहराया।
‘नए साम्राज्य ने यही उपदेश दिया था। मैंने तुम्हें मिस्र के प्रारंभिक राजवंशों के इतिहास के बारे में भी पढ़ाया था। वहाँ सेट का क्या महत्व था?’ मास्टर रीस ने सख्ती से पूछा।
अपने प्रयासों के बावजूद, सिंदबाद को ज्यादा कुछ याद नहीं था।
‘तुम नाकाम हो,’ मास्टर रीस ने गुस्से से कहा। ‘खुद को मार डालो।’
सिंदबाद ने अपनी नाक फुलाई, लेकिन वह और लड़ नहीं सका और लगभग पराजित होकर रेत पर गिर पड़ा। 'अगर तुम्हें ऐसा लगता है, तो मुझे मार डालो।'
‘कितना आसान शिकार है। छी, छी, छी।’
मास्टर रीस का शरीर एक सियार के सिर वाले व्यक्ति में बदलने लगा, जिसका शरीर सुनहरे कवच से ढका हुआ था और वह एक छड़ी लिए हुए सिंदबाद के चारों ओर चक्कर लगा रहा था।
‘तुमने बहुत आसानी से हार मान ली। मैं भी तुम्हारे साथ खेलना चाहता था, हे इंसान। मजे करना चाहता था, हंसी-मजाक करना चाहता था, खाने से पहले अपने खाने के साथ खेलना चाहता था।’
‘तैयार,’ सिंदबाद ने ऊपर देखा।
‘तुम इस दुनिया के नहीं हो,’ सेट ने मुस्कुराते हुए कहा। ‘इससे मुझे आश्चर्य होता है कि तुम कहाँ से आए हो?’
‘उस दुनिया से जहाँ तुम मर चुके हो।’ सिंदबाद ने अनिच्छा से कहा, जैसे ही वह अपने पैरों पर खड़ा हुआ और खुद को फिर से तलवार के साथ पाया।
आह! सचमुच! वह सेट की दुनिया में फंसा हुआ था, इसलिए जब भी देवता चाहता, उसकी तलवार गायब हो सकती थी।
‘दिलचस्प,’ सेट हँसते हुए बोला। ‘मुझे तुम्हारा हास्य पसंद आया। कम से कम थोड़ा व्यंग्यात्मक तो है। यहाँ जो दूसरा सिंदबाद आया था, वह तो बेहद उबाऊ था।’
सिंदबाद ने आह भरी। 'बाकी लोग कहाँ हैं?'

‘अरे, तुम्हें वे मिल जाएँगे, चिंता मत करो। अपनी चिंता करो। तुम कैसे बच निकलोगे?’ सेट ने शरारती अंदाज़ में कहा।
मैं सबके साथ भाग जाऊंगी।
‘बेशक तुम करोगे,’ वह हँसते हुए बोला। ‘आखिरकार, ऐसा करना बहुत आसान है। यहाँ लोग इसकी माँग ही नहीं करते,’ उसने कहा। ‘बताओ, सिंदबाद, मैं कभी तुम्हारी दुनिया में नहीं आया, तो फिर तुम मेरी दुनिया में क्यों आए?’ 'यह एक गलती थी। बस मेरे दल को वापस दे दो और हम शांति से चले जाएंगे।'
आधा सियार, आधा इंसान, ने बस अपना सिर हिलाया। ‘दुर्भाग्य से, यह कारण काफी नहीं है। लेकिन मैं ज्यादा कठोर नहीं होऊंगा। तुम अपने दोस्तों को ढूंढ सकते हो—अगर तुम उन्हें बचा सको, तो। रोशनी का पीछा करो और तुम उन्हें पा लोगे।’ सेट हँस पड़ा। ‘निश्चिंत रहो, इस जगह से भागने के विचार रखना महज़ कोरी कल्पना है।’
सेट गायब हो गया। सिंदबाद रोशनी की तलाश में इधर-उधर देखने लगा। वह दांत भींच रहा था। सेट दिमागी खेल खेल रहा था, और उसने जो किताबें पढ़ी थीं, उनके अनुसार ये खेल उसके चरित्र से पूरी तरह मेल खाते थे। वह एक तरह का धूर्त था।
‘ओह, और एक बात और,’ एक आवाज ने कहा।
सिंदबाद के हाथ में एक रेत घड़ी प्रकट हुई।
‘घड़ी की रेत खत्म होने तक तुम्हारे पास समय है। और बस एक छोटी सी हौसलाअफजाई के लिए, मेरे प्रिय, यहाँ जो आखिरी सिंदबाद था, वह चुनौती हार गया था। अब वह रेत में विलीन हो गया है।’
सिंदबाद के पैरों के नीचे अचानक प्रकट हुई हड्डियाँ चमकने लगीं। उस दृश्य को देखकर सिंदबाद तुरंत पीछे हट गया, उसे बहुत भय लगा।
और सिंदबाद को सच्चाई का पता चलने से पहले ही एक ठहाका सुनाई दिया। समय की कमी को भांपते हुए वह तुरंत वहां से भाग निकला।
मुझे अपने दोस्तों को ढूंढना है। मुझे उन्हें बचाना है। वे कहाँ हैं? सिंदबाद ने तेज़ी से सोचना और हरकत करना शुरू किया। वह प्रकाश के स्रोत की ओर बढ़ा, और संयोगवश वह ठीक उसी स्थान पर पहुँच गया जहाँ विशाल रेगिस्तान के बीच अली बाबा खड़े थे, जो सोने के चमकते सागर से घिरे हुए थे। आनंद से झूमते हुए, वह उस सोने में उन्मादपूर्वक नाच रहे थे, मानो उन्हें इस बात की परवाह ही न हो कि वे एक ऐसे अलौकिक लोक में हैं जिस पर अराजकता के मिस्री देवता का शासन है।
‘अली! अली! यह सिंदबाद है।’
अली बाबा ने उसे संदेह भरी नजरों से देखा, तुरंत अपना कुछ सोना उठाया और सिंदबाद पर व्यंग्य करते हुए कहा, 'मुझसे दूर रहो।'
‘कोई बात नहीं। सब ठीक है। मैं यहाँ नहीं हूँ—’
‘हां, हां। तुम मेरा सोना चुराने आए हो। तुम मुझसे सोना चुराने आए हो,’ उसने कहा।
‘हे भगवान! तुम्हें होश में आने की जरूरत है,’ सिंदबाद ने थके हुए स्वर में उत्तर दिया।

‘नहीं। मेरे पास दुनिया का सारा सोना है। मैं यहाँ से नहीं जाऊँगा। यह भूमि एकदम सही है।’ उसने हाथ में सोने की छड़ें पकड़े हुए और उन्हें कसकर गले लगाते हुए कहा।
‘यह वास्तविक नहीं है।’
‘हाँ, यह सच है। मुझे पता है, यह सच है। मैं इसे महसूस कर सकता हूँ। देखो।’ उसने सिंदबाद को सोना दिखाया।
मुझे उसे यह एहसास दिलाना होगा और उसे इस सम्मोहन से बाहर निकालना होगा! ऐसा लग रहा था मानो सोने के प्रति दीवानगी के चलते अली लगभग पागल हो गए थे। सिंदबाद ने धीमी आवाज़ में कहा, “एक पहाड़ी है जहाँ बहुत सोना है। पूरब की ओर। क्या तुम मेरे साथ आओगे?”
अली ने अपनी भौंहें ऊपर उठाईं। 'अह, अह...'
चलो, मजा आएगा। तुम्हें और सोना मिलेगा। और मुझे... मुझे घूमने का मौका मिलेगा।'
‘अह, अह... ठीक है।’ अली मुस्कुराया, उसके हाथ में सोने की कुछ छड़ें थीं। वह सिंदबाद के साथ चलने लगा। ‘मुझे उम्मीद है कि तुम झूठ नहीं बोल रहे हो।’ वे धीरे-धीरे आगे बढ़ते गए, तभी अली को एहसास हुआ कि उसके हाथ में मौजूद सोने की छड़ें गायब होने लगी हैं।
‘नहीं! नहीं! ये क्या हो रहा है?’ वह हताशा से चिल्लाया। ‘ये लोग कहाँ जा रहे हैं? ये मुझे छोड़कर क्यों जा रहे हैं?’
'वे तो कभी अस्तित्व में ही नहीं थे,' सिंदबाद ने धीमी आवाज़ में कहा।
‘हं?’ उसने हैरानी से उसकी तरफ देखा। ‘कम से कम मैं एक नई जगह जा रहा हूँ जहाँ और भी बहुत कुछ है, है ना?’ उसने आशा भरी नज़रों से पूछा।
सिंदबाद ने सिर हिलाया। 'नहीं।'
अली गुस्से और आंसुओं से भर उठा और उसने सिंदबाद को पकड़कर ज़मीन पर पटक दिया। लेकिन सिंदबाद के सामने अली एक साधारण आदमी था, जो युद्ध कला में माहिर था। उसने तुरंत उसे ज़मीन पर गिरा दिया और कहा, 'लालच का यही हाल होता है। यह कभी संतुष्ट नहीं होता। और धन-दौलत किसी को भी कभी संतुष्ट नहीं कर सकती।'
अली एक पल के लिए चौंक गया, फिर खांसते हुए वह होश में आया। 'मेरे साथ क्या हुआ था?'
‘बहुत खूब, तुम वापस आ गए। सेट ने तुम्हारे लालच को और बढ़ा दिया था, जो तुम्हारी सबसे बड़ी कमजोरी है। मेरा मानना है कि वह सबके साथ ऐसा ही कर रहा है। आओ। मेरे पीछे आओ। हमें बाकी लोगों को बचाना है।’ सिंदबाद ने दृढ़ निश्चय से कहा।
सिन्बाद और अली, जो अभी भी थोड़ा निराश था, एक और प्रकाश की ओर तेज़ी से बढ़ने लगे जो अचानक प्रकट हुआ। जैसे ही वे उसके पास पहुँचे, उन्होंने रेत से बने एक महल के सामने एक छोटे लड़के को देखा। वह एक बूढ़ी औरत को गले लगाए खड़ा था।
‘अम्मी, मैंने यह आपके लिए खरीदा है ताकि आप रानी की तरह रह सकें।’ बुजुर्ग महिला दुखी थी और रो रही थी, उसने उसे बगल से गले लगा लिया। 'इसकी कीमत कितनी है, मेरे अलादीन?'

‘सब कुछ,’ अलादीन मुस्कुराया। ‘लेकिन मैंने तुम्हारे लिए सब कुछ चुराने का फैसला किया,’ उसने मजाक में कहा। ‘आखिरकार, मेरे पास समय नहीं है और तुम्हारे जाने से पहले मुझे तुम्हें सब कुछ देना है।’
दोनों ने एक-दूसरे को देखकर मुस्कुराया। सिंदबाद समझ गया कि अलादीन अपनी माँ के लिए चीजें चुराता था। वह चाहता था कि उसकी माँ का जीवन सुखमय हो। ‘अलादीन!’ सिंदबाद ने उसे पुकारा।
अलादीन चौंककर उनकी तरफ मुड़ा। 'तुम लोग यहाँ किसलिए आए हो?'
‘मैं चाहता हूँ कि तुम वापस आ जाओ। हमें अपने…’
तभी कुछ तगड़े सैनिकों के आने से सिंदबाद की बात बीच में ही रुक गई, जिन्होंने अलादीन की मां को पकड़ लिया और उसे घसीटते हुए ले जाने लगे। ‘नहीं!’ अलादीन ने विरोध में चिल्लाकर कहा।
हम उसे चोरी के आरोप में गिरफ्तार कर रहे हैं!
‘नहीं! यह मैं था,’ लड़के ने दया की भीख मांगते हुए रोते हुए कहा।
अलादीन ने अपनी काल्पनिक तलवार निकाली और सैनिकों से लड़ना शुरू कर दिया, जिन्होंने बेरहमी से पलटवार किया।
‘बस करो!’ सिंदबाद ने अलादीन और सैनिकों के बीच आकर कहा। उसने अलादीन के चेहरे पर ज़ोरदार थप्पड़ मारा, जिससे महल, बुढ़िया और सैनिक सब रेत और धुएं में गायब हो गए।
लड़का सिसकते हुए रोने लगा।
‘अलादीन, इनमें से कुछ भी सच नहीं है,’ सिंदबाद ने उदास स्वर में कहा। ‘तुम किसी और के लिए चोरी नहीं कर सकते, चाहे कारण कितना भी सही क्यों न हो। बेईमानी भरे जीवन से ईमानदार जीवन कहीं अधिक महत्वपूर्ण है।’ सिंदबाद ने अलादीन की आँखों में सीधे देखते हुए कहा, ‘यह सब सच नहीं है, लेकिन यह सच हो सकता है, तुम्हारी माँ को सचमुच इस तरह ले जाया जा सकता है। इसे एक सबक समझो।’
अलादीन तुरंत अपनी तंद्रा से बाहर आ गया। 'हे भगवान, मुझे अच्छा लग रहा है। मुझे बहुत घुटन हो रही थी। ये बस... ये क्या था?'
‘चलो चलते हैं। समय नहीं है। हमें अशरफिया और सफीना को ढूंढना है,’ सिन्बाद ने कहा।
अलादीन ने अपनी आँखें सिकोड़ लीं। 'कौन?'
‘मेरा दोस्त और मेरी दूसरी दुनिया की पत्नी, ठीक है? मुझे उन्हें बचाना होगा ताकि हम जा सकें।’
‘क्या तुम्हें इस जगह से निकलने का रास्ता भी पता है?’ अली ने पूछा। ‘सेट का चिराग किसी को भी भागने नहीं देता। पिछला सिंदबाद भी नाकाम रहा था।’
‘ओह हाँ,’ अलादीन ने सहमति जताई।
‘सिर्फ मेरी बात मान लेने से तुम्हारा उद्धार नहीं हो जाएगा,’ अली ने फटकार लगाते हुए कहा। ‘यहाँ से निकलते ही मैं तुम्हें खरी-खोटी सुनाऊंगा।’ सिंदबाद अलादीन और अली के बीच लगातार हो रही नोकझोंक सुन रहा था और उन्हें बचाने पर लगभग पछता रहा था। तभी, मास्टर रीस की परछाईं उसके सामने प्रकट हुई, जो तूफ़ान में छिपकर देख रहे थे और एक धूर्त मुस्कान और आँखों में एक दर्द भरी हल्की सी फड़कन के साथ 'विफलता' शब्द बुदबुदा रहे थे।

‘तुम दोनों को मारने में मुझे ज़रा भी संकोच नहीं होगा,’ सिंदबाद ने ऐलान किया। ‘हमारे बीच मतभेद हैं, यह सच है, लेकिन हम एक-दूसरे के लिए बने हैं। हालांकि, किसी ने यह योजना बनाई है, इसलिए बेहतर होगा कि हम अपनी क्षमताओं का इस्तेमाल करके एक दूसरी दुनिया में अपने दोस्त और मेरी पत्नी सफीना को ढूंढें।’ अलादीन और अली बाबा चुप रहे।
अलादीन ने लगभग विरोध करते हुए कहा, 'ये कौन-कौन सी वैकल्पिक दुनियाओं की बात कर रहे हो? खैर, हम तुम्हारी मदद करेंगे। इस मुसीबत से निकलने के लिए हम कुछ भी करेंगे।'
सिंदबाद ने अपनी रेत घड़ी देखी और पाया कि आधी रेत पहले ही बह चुकी थी। वह दूसरी रोशनी की ओर आगे बढ़ा, और एक भयंकर रेत के तूफान के बीच, उन्हें बड़े- बड़े स्कारैब भृंग दिखाई दिए।
इन कीड़ों के खोल चट्टान की तरह कठोर थे जिन पर जटिल आकृतियाँ बनी हुई थीं और वे अपने नुकीले मुखों से अजीब सी घरघराहट की आवाजें निकालते थे।
‘ठीक है,’ सिंदबाद ने अपनी तलवार निकालते हुए कुछ भृंगों पर वार किया। ‘सेट हमें रोके हुए है ताकि हमारा समय खत्म हो जाए।’
‘अब हम क्या करें?’ अलादीन और अली बाबा ने एक साथ पूछा।
‘हम भागेंगे,’ सिंदबाद ने जवाब दिया।
कीड़ों से बचते हुए वे प्रकाश की ओर बढ़े, और कीड़े उनका पीछा करने लगे। एक कीड़ा अलादीन पर झपटा और उसे गिरा दिया। अली बाबा के मोटे कोट में लिपटे होने के कारण, उन्होंने कीड़े को लात मारी और पैरों से मारकर अलादीन को और चोट लगने से बचाया। दूसरे कीड़े ने अली बाबा पर हमला किया। लेकिन सिंदबाद ने तुरंत प्रतिक्रिया करते हुए अपनी तलवार चलाई। उनके तेज हथियार ने कीड़े को भेद दिया और उसे चीर दिया, जिससे नीले रंग का तरल पदार्थ फैल गया। इसी बीच, अलादीन ने अपने छोटे चाकू से उस कीड़े की छाती पर वार किया जिसने उस पर हमला किया था। कीड़े ने उसके शरीर पर नीला तरल पदार्थ छोड़ दिया, जिससे वह डर के मारे चीख उठा। सिंदबाद और अली बाबा उसे कीड़े से दूर खींचकर प्रकाश की ओर धकेलने लगे।
‘मेरे साथ अब तक जो कुछ भी हुआ है, यह सबसे घिनौनी बात है,’ अलादीन चिल्लाया जब वे रोशनी की ओर दौड़ रहे थे।
‘तुम मेरे जीवन में देखी गई सबसे घिनौनी चीज हो,’ अली बाबा ने चिल्लाकर जवाब दिया। ‘मुझे अपना दीपक चाहिए।’
‘अरे, क्या तुम भूल गए कि हम चिराग के अंदर हैं? अगर मुझे पता होता, तो मैं इसे छूता ही नहीं,’ अलादीन ने धीमी आवाज़ में कहा।
तब तक वे उजाले तक पहुँच चुके थे, और सिंदबाद ने अशरफिया को देखा। उसे उम्मीद थी कि वह किसी के साथ होगी, लेकिन वह अकेली थी। और वह चिल्ला रही थी।
‘क्या यहाँ कोई है? क्या कोई मुझे सुन सकता है? क्या कोई मुझे सुन सकता है?’ सिंदबाद उसके पास आया और उसे हिलाने लगा, लेकिन वह उसे ठीक से महसूस या सुन नहीं पा रही थी। उसकी आँखें बेचैनी से लोगों को खोज रही थीं, और यह स्पष्ट था कि वह उन तीन लड़कों को नहीं देख पा रही थी जो ठीक वहीं खड़े थे।
‘ऐश! ऐश!’ सिन्बाद ने उसे झटकने की कोशिश की। ‘अशरफिया! मैं यहाँ हूँ!’

वह अब भी अपने आप से कुछ बुदबुदा रही थी। सिंदबाद को गुस्सा आया और उसने उसे गाल से झकझोरने की कोशिश की, लेकिन तभी उसे समझ आया कि बात क्या है। ‘तुम अकेली नहीं हो,’ सिन्बाद ने कहा। ‘मैं अमरता के साथ आने वाले भय को समझता हूँ, लेकिन याद रखो कि हम, दल और मैं तुम्हारे साथ हैं। तुम अकेलेपन से भाग रही हो, चोट लगने से डर रही हो और सोच रही हो कि दूसरे लोग भी गायब हो जाएँगे, लेकिन अतीत को भुलाकर नए अनुभवों को अपनाना ठीक है।’ सिन्बाद ने उसकी उस दुविधा का जिक्र किया जिसमें वह अपनी शक्तियों को छोड़ने से डर रही थी। ‘तुम्हारी भावनाओं के कारण तुम भाग्यशाली हो। तुम भाग्यशाली हो कि कम से कम तुम जानती हो कि तुम किसे चाहती हो। और यह शक्ति कुछ ही लोगों के पास होती है।’
अशरफिया ने उसकी ओर देखा। उसने पलकें झपकाईं। 'सिंदबाद?' सिंदबाद को अचानक पीछे से ताली बजने की आवाज सुनाई दी और उसने अपनी भौंहें ऊपर उठाईं जब उसने अली बाबा और अलादीन को बड़े गर्व से जयकार करते देखा।
मैंने कभी कल्पना भी नहीं की थी कि मुझे आज रात आपके मुंह से निकले उन शब्दों से अधिक ज्ञानवर्धक शब्द सुनने को मिलेंगे।
‘बिल्कुल,’ अली बाबा ने आगे कहा। ‘मुझे यह चोर पसंद नहीं है, लेकिन मैं इसे मंज़ूर करता हूँ।’
‘तुम भी चोर थे,’ उसने आंखें घुमाते हुए कहा।
‘मैं था…’ अली बाबा लगभग चिल्लाने ही वाला था कि रुक गया। ‘ठीक है, मान लिया, मैं चोर हूँ।’
सिन्बाद और अशरफियाह खिलखिलाकर हंस पड़े, और अशरफियाह ने उसे कसकर गले लगा लिया।
वे अंतिम प्रकाश की ओर बढ़े, आवश्यकता पड़ने पर हमला करने के लिए तैयार थे, लेकिन जैसे ही वे उसके पास पहुँचे, उन्होंने देखा कि तूफान थम गया था और रेत एक सुंदर नखलिस्तान में बदल गई थी। सिंदबाद ने सफीना को एक अन्य लड़के के साथ बैठे देखा, जिसकी केवल पीठ दिखाई दे रही थी। वे एक बड़े शाहबलूत के पेड़ के पास आपस में बातें कर रहे थे, और वहाँ एक तालाब था जिसमें उनके पैर डूबे हुए थे।
सफीना मुड़ी और उसने उस समूह को देखा। उसने लड़के से कहा कि वह अभी वापस आती है, और मुस्कुराते हुए सिंदबाद के पास चली गई। 'तुम मुझे बचाने आए हो?' 'हां, चलो चलते हैं।' सिंदबाद को उसके बोलने के तरीके में आत्म-जागरूकता साफ झलक रही थी।
‘मैं यहाँ ठीक हूँ,’ उसने मुस्कुराते हुए कहा।
'आपका क्या मतलब है?'
‘सिंदबाद यहीं है,’ उसने उस लड़के की ओर इशारा किया जो अभी भी मुड़ा नहीं था। ‘मुझे किसी और की जरूरत नहीं है।’
‘यह एक मृगतृष्णा है, एक भ्रम है,’ अशरफिया ने आगे कहा। ‘उसने मुझे भी अकेलापन महसूस कराया। यह सब नकली है।’
‘ज़रूर,’ सफ़ीना ने मन ही मन मुस्कुराते हुए कहा। ‘और यह कहना शायद पागलपन लगे—लेकिन उसके बिना असलियत में जीने से ज़्यादा मुझे उसके साथ एक काल्पनिक दुनिया में रहना ज़्यादा अच्छा लगता है।’

सिन्बाद का दिल ज़ोर से धड़क उठा और वह एक पल के लिए मानो जम ही गया। उसने देखा कि सफ़ीना खुश थी। उस पल, उदासी का हल्का सा निशान भी मिट गया और वह उसे बताना चाहता था—अपने दूसरे रूप की हड्डियों के बारे में। कि उसने उन्हें ढूंढ लिया था। इस लोक का सिन्बाद मर चुका था, लेकिन...
‘ठीक है। यहीं रहो,’ सिन्बाद ने कहा।
अशरफिया ने मुड़कर सिंदबाद की ओर देखा। 'क्या तुम पागल हो गए हो? तुम उसे मरने दे रहे हो।'
‘नहीं,’ उसने सिर हिलाकर कहा। ‘मैं उसे जीने दूंगा।’
‘यह सब नकली है।’
'मुझे पता है।'
सफीना ने सिन्बाद और अशरफिया दोनों को कसकर गले लगाया, हालांकि अशरफिया अभी भी उसे पीछे छोड़ने पर असहमति जता रही थी। फिर वह तालाब की ओर वापस चली गई, ठंडे पानी में अपने पैर डाले और लड़के को देखकर मुस्कुराई। सिन्बाद को उसके बदले की बात जानने की उत्सुकता हुई, लेकिन उसने इसे नजरअंदाज करते हुए कहा, 'हमें अब जाना होगा।'
अब हम यहाँ से कैसे निकलें?
जब उसने यह सवाल पूछा तब वह फिर से तूफानों के बीच में था।
'यही तो मुश्किल हिस्सा है,' सिंदबाद ने फिर सोचा।
‘हे भगवान, अगर मुझे पता होता…’ अलादीन ने मन ही मन बड़बड़ाते हुए कहा, ‘जब उस धूर्त जादूगर ने मुझे तुमसे इसे चुराने के लिए कहा था, तब मुझे इसके लिए हाँ नहीं कहनी चाहिए थी। अरे हाँ, शायद उसने मुझे दूसरी गुफा से इसे चुराने के लिए कहा था,’ उसने अपना सिर खुजाते हुए कहा।
‘कौन सी गुफा?’ अली बाबा ने पूछा।
‘उसमें एक चिराग भी था। एक ऐसा चिराग जिसमें मनोकामना पूरी करने वाला जिन्न बना हुआ था। वही चिराग मुझे चुराना पड़ा।’ उसने सिर हिलाते हुए कहा। ‘और मैंने यह घटिया चिराग चुराया।’
अलादीन को चिराग का जिक्र करते हुए सुनकर सिंदबाद ने अपनी निगाहें सिकोड़ लीं और पूछा, 'तुमने अभी क्या कहा?'
जब समय लगभग समाप्त हो रहा था और रेत की घड़ी में केवल कुछ ही रेशे बचे थे, तो अलादीन ने जवाब दिया, 'क्या मैंने इसे चुराया था?'
नहीं, आपने उससे पहले क्या कहा था?
‘क्या यही वो चिराग है जिसे मुझे चुराना पड़ा था?’ अलादीन ने जवाब दिया। ‘ओह मेरी प्यारी, और उससे पहले?’ सिंदबाद ने पूछा।
‘एक जिन्न जो मनोकामनाएं पूरी करता है,’ अलादीन ने उत्तर दिया।
सिंदबाद ने मिस्र की कक्षाओं में प्रारंभिक राजवंश काल के अपने अध्ययन को याद करते हुए, तथ्यों को जोड़ना शुरू किया।
निश्चिंत रहें, उसके बाद इस जगह से भाग निकलना एक कोरी कल्पना ही होगी।
सिंदबाद को सेट के कहे शब्द याद आ गए।
वह नखरे दिखा रहा था।
कोय.

सिन्बाद मुस्कुराया और ज़ोर से चिल्लाया, 'मैंने तुम्हारी पहेली सुलझा ली है। अब मुझे पता चल गया है कि तुम मास्टर रीस क्यों बन गए और मुझे प्रारंभिक राजवंश के अध्ययन के बारे में क्यों बताया। तुम मुझे इतने समय से संकेत दे रहे थे।'
बाकी सभी लोग उसके पीछे खड़े होकर सुन रहे थे, उन्हें समझ नहीं आ रहा था कि सिंदबाद किससे बात कर रहा है।
‘अपने पुराने रूप में, फ़राओ के शासनकाल के दौरान, आप केवल अराजकता के देवता नहीं थे। यह बात नए साम्राज्य के अध्ययन के दौरान सामने आई। आप वास्तव में इच्छाओं के देवता थे।’ सिंदबाद मुस्कुराया। ‘और कोई भी इस लोक से बच सकता है, लेकिन समस्या यह है कि किसी ने भी बचने के तरीके के बारे में नहीं सोचा। यह सरल है, आपको बस इसके लिए प्रार्थना करनी होगी। इच्छा करनी होगी,’ वह रुका। ‘तो, मैं अपने दोस्तों और खुद के लिए यहाँ से निकलने की कामना करता हूँ।’
एक पल के लिए कुछ नहीं हुआ और वह सेट के प्रकट होने की उम्मीद कर रहा था, लेकिन फिर तूफान धीरे-धीरे थम गया, जिससे उनके चारों ओर रेत का एक घूमता हुआ भंवर बन गया।

चौंतीस
वे सभी लौट आए।
वे वापस उन गलियों में आ गए हैं जहां वे पहले लड़ रहे थे।
सिंदबाद और बाकी सबने एक-दूसरे को देखा, फिर वह झपटा और ज़मीन से दीपक उठा लिया। अली बाबा और अलादीन ने अंगड़ाई ली।
‘यह तो हद से ज्यादा सरल था।’ अशरफिया ने टिप्पणी की। ‘अगर यह इतने समय से इतना सरल था, तो किसी ने इसे क्यों नहीं किया?’
'लोग जटिल समाधानों की तलाश करते हैं जबकि सरलता से उनकी समस्याओं का समाधान हो सकता है,' सिन्बाद ने मुस्कुराते हुए कहा।
‘मुझे बचाने के लिए धन्यवाद,’ अली बाबा सिर हिलाते हुए आगे आया। ‘जब मैंने कहा था कि तुम ऐसा नहीं कर पाओगे और तुम एक नंबर के बदमाश हो, तो मैं गलत था।’
सिंदबाद ने अपनी भौंहें चढ़ा लीं। 'उस घटना का उत्तरार्ध कब हुआ?'
‘ओह, मेरे मन में तो यही है,’ अली बाबा ने कहा। ‘लेकिन मैं हमेशा ऋणी रहूंगा। आपको जो भी चाहिए, मैं दे दूंगा।’
'हां, मैं भी,' अलादीन ने पीछे से अजीब तरह से कहा।
सिंदबाद हँसा। 'अपने आप को मुसीबत में मत डालो, लड़के।'
“हाँ, ठीक है, हमें अभी भी सही चिराग ढूंढना है,” अलादीन ने आह भरी। “मुझे लगता है कि यह यात्रा आसान नहीं होने वाली है।”
सिंदबाद मुस्कुराया। ‘ऐसा कभी नहीं होता। लेकिन हम फिर भी आगे बढ़ते रहते हैं। यही फर्क है जीत हासिल करने वालों और हारने वालों में। और तुम...’ उसने अली बाबा की ओर देखा, ‘...सोने से दूर रहना।’
‘बिल्कुल, पूरी तरह से,’ उसने लैंप की ओर देखा। ‘मुझे अभी वह लैंप चाहिए।’ ‘और मैं अब आपका कर्ज वसूलना चाहता हूँ,’ सिंदबाद ने जल्दी से कहा।
‘इतनी जल्दी?’ अली बाबा थोड़ा असहज दिखे।
‘हां। मुझे लैंप चाहिए। मुझे यह पता लगाना होगा कि मैं इसे इस पर कैसे काम में लाऊंगा, लेकिन मुझे यह चाहिए।’ सिंदबाद ने कहा।
‘ठीक है। कम से कम मैं जिंदा तो हूँ,’ अली बाबा ने अनिच्छा से कहा। सिंदबाद और अशरफिया ने हाथ हिलाकर विदाई दी, और अलादीन और अली बाबा दोनों पीछे हट गए। सूरज फिर से उग रहा था, सिंदबाद को उन्हें अलविदा कहते हुए थोड़ी उदासी हुई—भले ही वे लड़े-झगड़े किए थे और लगभग मरते-मरते बचे थे, लेकिन इस दुनिया में उनसे मिलना अच्छा लगा था। उसने वापस लौटने के लिए गोले का बटन दबाया। लेकिन खुद को ज़मीन पर पाया।
दोबारा।

सिंदबाद ने उसे दीपक के पीछे से निकाला और अपने हाथ में पकड़ लिया।
'दे।'
सिन्बाद के पास वही करने के अलावा कोई चारा नहीं था जो उसे कहा गया था।
उसने उसे मेज पर रख दिया। मात्र अनुरोध करने मात्र से ही इब्लिस के पास चीजों को गति देने की शक्ति थी।
शैतान ने दीपक उठाया और उसका अध्ययन करने लगा।
‘यह तो वाकई एक खूबसूरत कलाकृति है, है ना? जिस लोक से तुम आए हो, वहाँ तो इसने मुझे हरा दिया था,’ उसने सिर हिलाया। ‘मरने का कितना तुच्छ तरीका है। मुझे तो अपने दूसरे रूपों पर तरस आता है।’ फिर उसने दीपक सफीना को सौंप दिया, जिसने उसे सीने से पकड़कर एक थैले में रख दिया, जिसमें सिंदबाद ने देखा कि बीओवुल्फ की तलवार भी थी। ‘मुझे माफ करना, मैंने तुम्हारी दूसरी महत्वपूर्ण वस्तु ले ली।’
‘तो हम सही थे,’ सिंदबाद मुस्कुराया, मानो उसे थोड़ी सी जीत का एहसास हो रहा हो। ‘तुम चाहते थे कि हम उन्हें ढूंढें।’
'आह हाँ।'
'क्यों?'
'ट्रॉफी कहना ज्यादा सही रहेगा।'
सिंदबाद ने अपनी भौंहें ऊपर उठाईं।
‘देखो, जिन लोकों के बारे में मैंने तुम्हारे भविष्यवक्ता को सोचने को कहा, वे वे लोक हैं जहाँ मेरे रूप हार गए।’ उसने कुर्सी से उठकर सिंदबाद के करीब आते हुए समझाया। ‘केवल यही वो लोक हैं जहाँ मैं हारा हूँ। अन्यथा, हर दूसरी दुनिया में, मैं किसी न किसी रूप में जीता हूँ। अच्छी बात यह है कि क्लिटॉप में अपने दंड के दिनों में बदला लेने और क्रोध की भावना से व्याकुल रहते हुए, मुझे हर दुनिया देखने का मौका मिला और मैं वास्तव में उन सभी में जीत रहा था, सिवाय इन तीन लोकों के, जिससे मुझे उन तीन लोकों के बारे में चिंता होने लगी। क्या होगा जब मैं वहाँ अस्तित्व में नहीं रहूँगा?’
वे काफी ठीक-ठाक लग रहे हैं। बल्कि खूब तरक्की कर रहे हैं।
“तुम्हारे नज़रिए से देखें तो, जो कि काफी संकीर्ण और नश्वर है, हाँ। लेकिन मैं तुम्हें दोष नहीं देता। आदतों का गुलाम होने के नाते, मुझे दूरदर्शिता रखनी पड़ती है।” उसने सिर हिलाया। “सच कहूँ तो, यह एक अभिशाप है। मुझे तुमसे ईर्ष्या होती है, बेटे। लगभग होती ही है। फिर भी, मैंने इन वास्तविकताओं से निपटने का एक तरीका ढूंढ लिया है।”
सिन्बाद ने अपनी आँखें बंद कर लीं। जवाब वहीं था। 'लोकों का अभिसरण,' हेइमडाल ने समझाया था कि यदि हथियारों को लंबे समय तक लोक से बाहर रखा जाए तो वे नष्ट होने लगेंगे।
'हाँ। इसे एक बना दो और फिर मैं अपना बेतहाशा शिकार शुरू करूँ, ताकि जिन तीन राज्यों में समस्याएँ थीं, जहाँ इब्लिस नहीं था, वे एक हो जाएँ और मैं उन्हें आसानी से ठीक कर सकूँ,' इब्लिस ने आह भरी।
तो अब आप इन हथियारों का इस्तेमाल करके इन्हें नष्ट करने की योजना बना रहे हैं, और इससे दुनियाएँ एक साथ आ जाएँगी?

“हाँ,” उसने कहा। “लेकिन मैं इन्हें नष्ट नहीं करना चाहता। ये मेरे लिए ट्राफियों की तरह हैं—जब ये सब खत्म हो जाएगा, तो मैं इन्हें अपनी दीवार पर टांगूँगा। मैं इन्हें हर दिन देखना चाहता हूँ, हँसना चाहता हूँ और अपने उन विचारों का मज़ाक उड़ाना चाहता हूँ कि वे कैसे असफल रहे और मैं नहीं। इतनी सुंदर चीज़ों को नष्ट करने की क्या ज़रूरत है? ऐसा हर दिन नहीं होता कि आपके पास ऐसी कलाकृतियाँ हों जिन्होंने आपको नष्ट कर दिया हो। चाय की चुस्की लेते हुए इन्हें निहारना कितना अद्भुत होगा! क्या मैंने तुम्हें बताया कि मुझे चाय बहुत पसंद है, बेटे? मुझे इंसानों में एक बात बहुत अच्छी लगती है। उन्हें अच्छी चाय बनाना आता है। लाजवाब।” इब्लिस हँसा। “मुश्किल काम था हेइमडाल। उसे ढूँढना तो आसान होता, लेकिन उससे पार पाना—ओह, यह तो बहुत कठिन था। और अगर वह मुझे पकड़ लेता, तो वह मेरे भाइयों को बदल देता, इसलिए मैं तुमसे गोले छीनकर लोकों में प्रवेश भी नहीं कर सकता था। सर्वोच्च देवताओं को इस गड़बड़ी के बारे में पता चल जाता।” उसने ऊपर की ओर इशारा किया जहाँ मा'लक्स थे। वे ज़रूर मुकाबला करते और सच कहूँ तो, मैं अपनी इस रोमांचक खोज को जितना हो सके कम झंझटों के साथ शुरू करना चाहता हूँ। मैं युद्ध की इन घिसी-पिटी कहानियों से तंग आ चुका हूँ। ये बहुत पुरानी हो चुकी हैं। इसलिए मैंने तुम्हें आगे भेज दिया, यह जानते हुए कि हेइमडाल तुम पर भरोसा करेगा। लेकिन तुम पर भरोसा करने के लिए, उसे तुममें कुछ अच्छाई देखनी थी—इसलिए उसने तुम्हें योजना में शामिल नहीं किया। वरना, तुम दूसरे लोक में नहीं जा पाते।
सिंदबाद शांत और संयमित रहा। सब कुछ समझ में आ रहा था। और जैसे-जैसे उसे एहसास हुआ कि तीनों लोक कल्पना से परे भयावह हैं, वैसे-वैसे यह और भी डरावना होता गया।
‘लेकिन तुम्हें पता लगाना ही था,’ इब्लिस ने सिर हिलाते हुए कहा। ‘तुम्हारी नादानी या मूर्खता और तुम्हारी टीम का भोलापन ही उन्हें बचा रहा था। और अब हम मुश्किल में फंस गए हैं। तुम्हें मेरी योजना के बारे में पता है, इसलिए मुझे यहाँ आना पड़ा।’
‘तुम्हें यहाँ क्या हो रहा है, इसकी जानकारी कैसे होती है? हर बार?’ सिंदबाद ने पूछा।
इब्लिस ने अपनी भौंहें ऊपर उठाईं। 'अरे, मैं तुम्हें बताता हूँ कैसे।' उसने दरवाजे की ओर इशारा किया।
एक विशाल, लेकिन परिचित आकृति प्रकट हुई।
यह एक जाना-पहचाना चेहरा था—मार्कस।
*

'नहीं,' सिंदबाद लड़खड़ाते हुए पीछे हटते हुए फुसफुसाया।
मार्कस नीचे की ओर देख रहा था और चुपचाप रो रहा था। वह भी बंधा हुआ था।
‘तुम ऐसा क्यों करोगे?’ सिंदबाद ने अंदर से खालीपन महसूस करते हुए पूछा।
‘दरअसल, उन्होंने मुझसे संपर्क किया था,’ इब्लिस ने मुस्कुराते हुए कहा।
‘नहीं, नहीं!’ मार्कस चिल्लाया। ‘वह मेरे सपनों में आया था।’
‘मैं तभी आता हूँ जब मुझे अनुमति होती है।’ इब्लिस ने उसे सुधारते हुए कहा।
‘मैं उसे दोष नहीं दे सकता। वह अपनी बेटी को लेकर चिंतित था। मैंने उसे

उसकी बेटी की सुरक्षा का आश्वासन दिया था, और बदले में उसे मुझे जहाज के बारे में रोज़ाना अपडेट देना था।’
सिन्बाद ने अपने जबड़े भींच लिए। उसने खुद को इसके लिए दोषी ठहराया। मार्कस के इतने बड़े कदम उठाने का कारण वही था।
‘शैतान से सौदा!’ इब्लिस ने कहा। ‘यह तो सबसे बढ़िया बात है! अब…’ वह उत्साह से ताली बजाते हुए बोला। ‘आखिरी लोक। क्या तुम मेरे लिए ज़हर लाने के लिए तैयार हो?’
'जब आपने मुझे सब कुछ बता दिया, तो आपको ऐसा क्यों लगा कि मैं ऐसा करूंगा?' इब्लिस ने आंखें सिकोड़ीं और जोर से हँसा, मानो यह कोई मूर्खतापूर्ण सवाल हो। 'तुमने मुझे चौंका दिया, बेटे। मैं दल के हर सदस्य को मार डालूंगा और जब नई दुनिया बनेगी, तो तुम्हारे पास रोने के लिए कोई नहीं बचेगा। तुम्हारे पास खोने के लिए बहुत कुछ है।'
सिन्बाद के दिल की धड़कन तेज़ हो गई। 'और इसकी क्या गारंटी है कि तुम फिर भी ऐसा नहीं करोगे?'
‘शैतान से सौदा,’ इब्लिस ने अपना हाथ उठाया। ‘मेरे लिए ज़हर लाओ और मैं उन्हें ज़िंदा छोड़ दूंगा। और तुम जानते हो कि मैं अपने सौदों से पीछे नहीं हटता। मैं कभी नहीं हट सकता। सच कहूँ तो, यही एक चीज़ है जो मुझे अपनी शक्तियों का उपयोग करने से रोकती है।’
सिन्बाद ने नीचे देखा। उसी क्षण, उसने फातिमा की आँखें देखीं; वह उसे देख रही थी। एक पल के लिए उसे लगा मानो उसकी कठोर आँखों में चिंता छिपी हो। उसने शैतान से हाथ मिलाया। 'ठीक है।'
‘बहुत खूब!’ इब्लिस ने आनंद से ताली बजाई। ‘तो चलिए शुरू करते हैं। मैं अपने कुछ आदमियों को भेजूंगा…’
नहीं, मैं अकेले जाऊंगी।
‘नहीं? आपको मदद की ज़रूरत नहीं पड़ेगी?’ उसने अपनी भौंहें ऊपर उठाईं। ‘जिस लोक में आप जाने वाले हैं—मैं इसके बारे में जानता हूँ, और यह बाकी दोनों जितना सुंदर नहीं है। मेरी बात पर विश्वास कीजिए।’
‘मुझे परवाह नहीं,’ सिन्बाद ने कहा। ‘मैं अकेले काम करता हूँ।’
‘ठीक है,’ इब्लिस ने कहा। ‘जाओ, मेरे चैंपियन।’
सिन्बाद ने उस छोटी सी जादुई वस्तु को देखा और उसे दबाया, मार्कस की ओर देखते हुए, जिसने उसे इशारे से कहा: 'मुझे खेद है।'

पैंतीस
सिंदबाद ने खुद को बर्फ और हिम से ढके बंजर इलाके में पाया, जहाँ सन्नाटा पसरा हुआ था।
अब तक वह लगातार यात्रा करने से थक चुका था, लेकिन भला किसने कहा था कि दुनिया को बचाना इतना आसान काम होगा?
सिंदबाद ने अपने कंधों को कसकर पकड़ लिया, कड़ाके की ठंड से खुद को बचाते हुए वह किसी भी तरह की गर्माहट की तलाश में था—कोई गुफा या कोई भी गर्म जगह जो उसे मिल सके। उसे मीलों दूर तक सिर्फ बर्फीला तूफान ही दिखाई दे रहा था।
उसकी नाक लाल थी, और ठंड के कारण उसके गाल और भी लाल हो गए थे, जब वह कुछ खोजने की उम्मीद में चलने लगा।
इसे वस्तु के बिल्कुल निकट होना चाहिए था।
लेकिन इस भयानक ठंड में असाग का ज़हर कैसे मिलेगा? पिछली बार जब वह किसी ठंडे इलाके में गया था, तब वह सिकंदर के मकबरे की खोज कर रहा था। वह अनुभव कहीं ज़्यादा अप्रिय था, क्योंकि पिछली बार जब वह गया था, तब उसे एहसास होने लगा था कि जिस द्वीप पर वह है, वह स्वयं एक जीव है।
यहां सिंदबाद शून्यता में था। फर्श बर्फीले थे और ठंड भयानक थी।
उसकी नजर एक छोटी सी गुफा पर पड़ी, जिसके अंदर वह दौड़कर गया और ठंड से बचने के लिए खुद को छिपा लिया।
मुझे पहले ही सूचित कर देना चाहिए था कि यहाँ बर्फबारी होगी।
सिंदबाद की आँखें जब रोशनी में ढलीं तो उसके दाँत किटकिटाने लगे, क्योंकि उसे एक फर का कोट दिखाई दिया। वह खुश हो उठा, खुद को भाग्यशाली समझते हुए, और उसे पहनने लगा, तभी उसे एहसास हुआ कि वह गीला है। अंदर और भी कपड़े थे, और उसने ध्यान से देखा तो पाया कि उन कपड़ों पर खून लगा हुआ था। उसने अपने कोट के भीगे हुए हिस्से को भी छुआ, और वह गहरा लाल रंग का था।
यह महसूस करते हुए कि कोट के पिछले मालिक की हत्या करने वाला कोई भी तत्व अभी भी आसपास ही हो सकता है, सिंदबाद ने अपनी तलवार निकाली और हमले के लिए खुद को तैयार कर लिया।
बहुत खूब। मेरी किस्मत उतनी अच्छी नहीं है जितनी मैंने सोची थी।
जैसे ही वह आगे बढ़ने लगा, उसे एक धीमी सी गुर्राहट सुनाई दी।
‘एह्ह्ह!’
पीछे मुड़कर देखने पर उसने एक व्यक्ति को पास आते देखा। यह स्पष्ट था कि कोई घायल था और उसे सहायता की आवश्यकता थी। सिंदबाद गुफा के पिछले हिस्से की ओर भागा और वहाँ उसे एक भयावह दृश्य दिखाई दिया। लाशें कतार में पड़ी

थीं, और उनके बीच उसने दाढ़ी और गंजे सिर वाले एक व्यक्ति को देखा। अपने मजबूत शरीर और दृढ़ निश्चय के बावजूद, वह बुरी तरह घायल था, मानो उस पर किसी क्रूर जीव ने बेरहमी से हमला किया हो। उसने मदद की गुहार लगाई। ‘वह... मेरी मदद करे।’
‘अरे नहीं!’ सिंदबाद ने उस आदमी की बांहें पकड़ लीं और उसे गुफा से बाहर खींचने लगा। दाढ़ी वाले आदमी ने आगे बढ़ते हुए अपने रक्षक के कंधे का सहारा लिया।
‘आप कहाँ रहते हैं?’ सिंदबाद ने पीछे मुड़कर देखा कि कहीं कोई उनका पीछा तो नहीं कर रहा है।
‘इग्लू... पूरब...’ उसने कहा।
सिन्बाद पूरब की ओर बढ़ता रहा। 'तुम उस बदबूदार गड्ढे में मरे कैसे नहीं?' 'क्या?'
‘तुमने कैसे किया, अरे छोड़ो,’ उसने बड़बड़ाते हुए उस आदमी को चलने में मदद की, जो इस भारी वजन के नीचे लड़खड़ा रहा था।
'कौन कौन । । ।'
'क्या?'
‘कौन...कौन...कौन समझदार व्यक्ति येती की गुफा में आएगा?’ उस आदमी ने खांसते हुए पूछा।
सिंदबाद का खून जम गया जब उसे एहसास हुआ कि कोई उसका पीछा कर रहा है। 'येती। तुमने येती का नाम लिया?'
उस आदमी ने कुछ और नहीं कहा। वह बेहोश हो गया था। सिंदबाद यति से परिचित था। वे समूहों में यात्रा करते थे और उनका शरीर ओरंगुटान जैसा होता था। एकमात्र अंतर उनका विशाल आकार, बड़े सिर, नुकीले दांत और उनकी प्रजाति की आदिम प्रकृति थी।
‘ठीक है, मुझे लगता है यति को कुछ गड़बड़ का एहसास हो गया है। मुझे पक्का लग रहा है कि कोई हमारा पीछा कर रहा है। हमें जल्दी कार्रवाई करनी होगी!’ सिंदबाद आदमी को उठाने और खींचने की कोशिश करते हुए खुद से बुदबुदाया। ‘तुम बहुत भारी हो।’ वह पूरब की ओर बढ़ता रहा, उसके दिमाग में तरह-तरह के विचार उमड़ रहे थे। वह दुनिया के सबसे शक्तिशाली प्राणी को मात देने के बारे में सोच रहा था। इब्लिस ने खुद को अजेय बनाने का फैसला किया था, और सिंदबाद अब कुछ कर नहीं पा रहा था। वह अपने दल की जान बचा सकता था—फिलहाल के लिए। उसके बाद, सौदा पूरा होते ही, इब्लिस सबसे पहले उन्हें मार डालेगा। वह अब उन्हें चारा नहीं बनाएगा।
जैसे ही सिंदबाद इग्लू के करीब पहुंच रहा था, उसकी मांसपेशियां थकने लगीं, तभी अचानक कहीं से एक बड़ा पंजा आया और उसके चेहरे पर जोरदार प्रहार किया, जिससे वह दूर जा गिरा।
दाढ़ी वाला आदमी जैसे ही ज़मीन पर गिरा, सिंदबाद उठ खड़ा हुआ, उसके चेहरे पर एक ताज़ा निशान था और उसके हाथ में एक चमकती तलवार कसकर पकड़ी हुई थी। अचानक, बर्फीले तूफान से एक विशालकाय यति उनके सामने प्रकट हुआ। वह प्राणी बहुत बड़ा था, उसका शरीर शक्तिशाली और बंदर जैसा था और उसका चेहरा क्रोध से

भरा हुआ था। उसका मुँह चौड़ा खुला हुआ था और उससे एक भयानक, अलौकिक गर्जना निकली जो बर्फीले इलाके में गूंज उठी।
‘दोस्त, तुम्हारा खाना छीनने के लिए क्षमा करना,’ सिन्बाद ने कहा। ‘लेकिन मुझे लोगों की जान बचाने का हुनर आता है। क्या तुम मुझे बता सकते हो कि मुझे वह खास जहर कहाँ मिल सकता है?’
येती ने ज़ोर से गुर्राया और सिंदबाद पर झपटा, जो पल भर के लिए जम गया, लेकिन फिर हमले से बच गया। येती मुड़ा, बर्फ़ का एक बड़ा गोला बनाया और उसे सिंदबाद पर फेंक दिया। सिंदबाद लुढ़क कर रास्ते से हट गया और उसके हमलों से बचने के लिए गोल-गोल दौड़ने लगा। लेकिन येती चालाक था और सिंदबाद की गति से ही चल रहा था। अचानक, येती प्रकट हुआ और सिंदबाद को पकड़कर ज़मीन पर पटक दिया, जिससे उसके ज़्यादातर कपड़े फट गए। सिंदबाद ने किसी तरह अपनी ताकत जुटाकर तलवार से पीछे से उस पर वार किया, जिससे येती चीख उठा और फिर गुर्राने लगा।
सिंदबाद अपने पैरों पर खड़ा हुआ और अपने कंधों से यति पर जोरदार प्रहार किया, लेकिन वह पीछे की ओर उछल गया और भ्रमित रह गया।
‘सिर... सिर...’ दूर से दाढ़ी वाले आदमी ने सिंदबाद को पुकारा, शायद उसे बता रहा था कि उस प्राणी की कमजोरी क्या थी।
सिंदबाद ने सिर हिलाया और यति की ओर दौड़ने लगा, और वह प्राणी भी उसके पीछे-पीछे तेजी से अपना हाथ हिलाते हुए भागा।
सिन्बाद कूदने के बजाय फिसल गया और येती के पैरों के बीच में आकर पीछे से वार करते हुए उसकी पीठ और कंधों पर कूद गया। फिर वह येती की पीठ और कंधों पर उछल पड़ा, जिससे येती दर्द से कराह उठा और उसे झटकने की कोशिश करने लगा। सिन्बाद ने अपनी तलवार येती के शरीर में घुसा दी, जिससे वह फिर से कराह उठा और ज़मीन पर गिर पड़ा।
सिंदबाद हांफते हुए बर्फ में रेंग रहा था। कुछ देर तक वह ठंड में वहीं पड़ा रहा, फिर खुद को संभालकर दाढ़ी वाले आदमी की ओर बढ़ा।
‘हम इग्लू के करीब हैं। चलो चलते हैं।’
दाढ़ी वाला आदमी फिर बेहोश हो गया था। सिंदबाद ने उसे जगाने के लिए उसकी जेबों में कुछ ढूंढने की कोशिश की, शायद पानी की बोतल या कुछ और। 'जागो। तुम्हारा नाम क्या है? जागो!'
दाढ़ी वाले आदमी ने एक पल के लिए अपनी आँखें खोलीं और सिंदबाद को तिरछी नज़रों से देखते हुए कहा, 'तुम... तुम्हारा चेहरा जाना-पहचाना सा है।' सिंदबाद ने अपनी आँखें सिकोड़ लीं। 'तुम्हारा क्या मतलब है? क्या तुम मुझे पहचानते हो?'
उस आदमी ने कमजोर भाव से सिर हिलाया।
‘हम्म... हाँ, मुझे ऐसा लगता है।’
सिन्बाद और करीब झुक गया। 'हम पहले कहाँ मिल चुके हैं? क्या आप मुझे बता सकते हैं?'
वह आदमी बोलने के लिए संघर्ष कर रहा था, और सिंदबाद ने धीरे से उसके गाल पर थपथपाया।

‘मेरे साथ रहो। बेहोश मत हो जाना। मैं तुम्हें किसी सुरक्षित जगह ले जाऊंगा। तुम्हारा नाम क्या है?’
उस आदमी ने घबराकर फुसफुसाते हुए कहा, 'सिंदबाद।'

छत्तीस
सिंदबाद बूढ़े सिंदबाद के साथ इग्लू में था।
कम से कम, उसने तो उसे इसी तरह से वर्णित किया था।
अपने वृद्ध रूप को देखकर, जो पहले से कहीं अधिक वृद्ध था लेकिन जरा भी बुद्धिमान नहीं था, उसे अजीब सा लगा। बूढ़ा सिंदबाद बिस्तर पर लेटा हुआ था, गंजा और कमजोर, खांसता और हांफता हुआ। वह कंबल में लिपटा हुआ था जबकि कमरे में आग जल रही थी।
वृद्ध सिन्बाद ने अपने युवा रूप को ऑक्टोपस के दिल से बने गर्म सूप का कटोरा पीते हुए देखा। 'इसका स्वाद खराब है,' सिन्बाद ने कहा।
‘तुम्हें इसका स्वाद पसंद आने लगेगा,’ उस आदमी ने थके हुए स्वर में कहा।
मैं इसकी आदत नहीं डालना चाहता।
‘हमेशा जिद्दी,’ वह हँसते हुए बोला और फिर खांसने लगा।
सिंदबाद ने उसे पूरी कहानी बताई थी और यह भी बताया था कि वह यहाँ कैसे आया था।
‘मुझे याद है मैं जिद्दी था, लेकिन जिंदगी इसके लिए बहुत छोटी है,’ बूढ़े सिंदबाद ने कहा। ‘मेरी जान बचाने के लिए धन्यवाद।’
‘खैर, हमारे पास हम खुद ही हैं, कोई और नहीं, है ना?’ सिंदबाद ने कंधे उचका दिए।
‘सच है।’ बूढ़े आदमी ने भी कंधे उचका दिए।
‘तुम यहाँ कड़ाके की ठंड में क्यों हो, यति तुम्हारा पीछा कर रहे हैं?’ सिंदबाद ने पूछा। ‘क्या तुमने इब्लिस के खिलाफ जीत हासिल नहीं की थी? तुम उस दिन के नायक रहे होगे।’
बूढ़े सिंदबाद ने सिंदबाद को देखा, जिसकी आँखों के नीचे झुर्रियाँ थीं। ऐसा लग रहा था मानो वह जीवन में बहुत जल्दी बूढ़ा हो गया हो। 'तुम्हें क्या लगता है कि हीरो होना ग्लैमरस होता है?'
सिंदबाद ने अपने जबड़े भींच लिए। 'क्या ऐसा नहीं है?'
'अरे नहीं। मेरी कहानी हमारी अन्य कहानियों जितनी परिपूर्ण नहीं है,' उसने गहरे रंग के तरल से भरी बोतल लेने के लिए हाथ बढ़ाने से पहले फिर से खांसा। तो वह भी शराबी था। कमजोर। लगभग जीवन से विमुख।
‘वैसे तो तुम्हें इसकी परवाह नहीं करनी चाहिए। क्या तुम्हें असाग का ज़हर चाहिए? ले लो।’ उसने अपना हाथ आगे बढ़ाया। ‘और इब्लिस की मदद करो। भगवान न करे, इब्लिस के खिलाफ जीतना व्यर्थ है।’
सिंदबाद ने उस आदमी का फैला हुआ हाथ देखा। उसने त्वचा का हरापन देखा, जो उसने पहले नहीं देखा था। 'क्या तुम्हारे अंदर जहर है?'

‘हाँ। मेरा हाथ दुख रहा है। इसे ले लो। इसे चीर दो और मेरा काम तमाम कर दो।
मैं अब और जीना नहीं चाहता।’ उसने आह भरी।
‘तुम्हारे साथ क्या हुआ? क्या गलत हुआ?’
‘तुम्हें जानने की ज़रूरत नहीं है। तुम्हें परवाह भी नहीं करनी चाहिए।
मेरे साथ सब कुछ खत्म हो जाएगा। मैं तुम्हें बस इतना बता सकता हूँ कि मैं येती की गुफा के बीचोंबीच कैसे पहुँच गया। मैं वहाँ गया था ताकि वो मुझे मार सके। लेकिन मैं कायर था। मैं अब इस तरह जीना बर्दाश्त नहीं कर सकता।’ लेकिन तुम जीत गए।
बूढ़े सिंदबाद ने अपना हाथ पीछे खींचा और इग्लू की छत की ओर बेतरतीब ढंग से देखा। 'जीतने की प्रक्रिया में मैंने क्या खोया? सब कुछ। सब कुछ चला गया।' ‘क्या?’ सिंदबाद ने उलझन में पूछा।
‘मैं जवान था। मैं साहसी था। मैं आशाओं और सपनों से भरा हुआ था। मैं एक बेहतर कल चाहता था। लेकिन मैंने शैतान को हराना सीख लिया था, मुझे असाग का जहर ढूंढना था, जो बर्फीले बंजर इलाकों में फंसा हुआ था। मैं उसे पाने में कामयाब रहा। मुझे इब्लिस को वह जहर पिलाना था और उसने पिलाया भी। एक शर्त पर। मैं भी उसके साथ पीऊंगा।’
‘फिर क्या हुआ?’ सिंदबाद खड़ा हो गया। ‘क्या? और वह इतनी आसानी से कैसे मान गया?’
‘शैतान से सौदा करो। वे सौदे के लिए कभी मना नहीं करते, लेकिन उसकी कीमत हमेशा बहुत भारी होती है।’ उसने आगे कहा। ‘तो मैंने वही किया। मैंने उसकी बात मानी। वह तो ज़हर से मर गया, लेकिन मैं? नहीं। देखो, असाग—वह दुष्ट साँप—इंसानों पर अलग तरह से असर करता है। वह उन्हें कुछ समय के लिए पागल कर देता है। और इब्लिस और उसके ज्ञान को जानते हुए, उसने मुझे बहकाकर पागल कर दिया और मेरे सभी प्रियजनों को मरवा दिया। मेरे साथी। मेरी सफ़ीना...’ वह उन दिनों को याद करते हुए सदमे और आँसुओं में डूबा हुआ धीरे से बुदबुदाया। ‘जब मैं जागा, तो मेरे चारों ओर खून था। मेरे लोगों, मेरी टीम, मेरे दोस्तों के शव थे। मैं उनके खून, पछतावे और अपराधबोध से लथपथ था।’ सिन्बाद ने अपने होंठ सिकोड़ लिए। ‘तुमने हत्या की…’ उसने फुसफुसाते हुए कहा। ‘तो तुमने खुद को सबसे अलग कर लिया और जंगल में चले गए? सजा के तौर पर? जहाँ तक मुझे समझ आता है… पागल होने से पहले तुम लंबे समय तक इससे परेशान रहे… अकेलेपन के कारण। क्या इसीलिए तुमने उन्हें मार डाला? क्या तुम्हारे मन में कहीं न कहीं उनसे द्वेष पैदा हो गया था?’
'हां। तुम सचमुच मेरे ही दूसरे रूप हो। तुम मुझे बहुत अच्छी तरह जानते हो।' ‘लेकिन इसमें तुम्हारी कोई गलती नहीं है,’ सिंदबाद ने कांपते हुए कहा। बूढ़े आदमी ने कर्कश स्वर में कहा, “मेरी गलती यह सोचना था कि इब्लिस बेवकूफ था। मुझे उसे जीने देना चाहिए था। कम से कम तब तो मेरे पास सब लोग थे। अब? मैंने दुनिया जीत ली है, लेकिन जश्न मनाने के लिए कोई नहीं है।” सामने जलती आग की लपटों के बीच सिंदबाद चुप रहा। 'मुझे नहीं लगता कि यही वजह है कि तुम यहाँ हो। मेरा मतलब है, हाँ, तुम पागल हो गए थे और तुमने सब कुछ किया, लेकिन तुम येती की गुफा में जिंदा खाए जाने के लिए नहीं गए थे। तुम वहाँ उन लोगों को बचाने गए थे जिन्हें वो खा रहा था। कहीं न कहीं, किसी

न किसी तरह, तुम लोगों को बचाना चाहते थे। तुम हमेशा से ऐसा करते आए हो। हम सिंदबादों के बारे में यह बात कभी नहीं बदलती। हम हमेशा दूसरों को बचाना चाहते हैं।'
बूढ़ा सिंदबाद सामान्य से अधिक शांत था। 'जो तुम चाहते हो उसे करो और चले जाओ। यह तुम्हारी लड़ाई नहीं है। यह मेरी जिंदगी है। मुझे मार डालो। मैं पहले से ही मर रहा हूँ,' उसने अपने घावों की ओर इशारा करते हुए कहा।
'तो मैं करूँगा,' सिंदबाद ने इतनी गंभीरता से कहा कि बूढ़ा सिंदबाद उस कथन को सुनकर लगभग अचंभित रह गया।
‘मुझे हमेशा असफल होने का डर रहता था। मुझे अपने दोस्तों, अपनी सफीना, रीस, अपने गुरु (जो अब इस दुनिया में नहीं हैं) को निराश करने का डर था। लेकिन मुझे एहसास हुआ कि कम से कम असफल होने और लाश की तरह सड़ने में फर्क तो है...’ उसने बूढ़े सिंदबाद की ओर देखा, ‘और खुद को संभालकर उन असफलताओं के बारे में कुछ करने में भी फर्क है।’
बूढ़े सिंदबाद की आंखों में लगभग आंसू आ गए थे।
बूढ़े सिंदबाद ने अपना हाथ उठाया तो सिंदबाद ने सिर हिलाया। सिंदबाद ने अपनी तलवार से अपने हाथ पर एक छोटा सा कट लगाया, नसें चीरते हुए खून को एक पुरानी खाली बोतल में टपकने दिया। धीरे-धीरे खून बोतल में भर गया। सिंदबाद ने कहा, 'अब मैं तुम्हें मार डालूंगा। कहने की जरूरत नहीं है, खुद को चोट पहुंचाना एक अजीब हरकत है। लेकिन मुझे लगता है कि अब तुम्हें ऐसा करना ही पड़ेगा।'
और उसने अपनी नसों को छूते हुए कहा, तभी बूढ़े सिंदबाद ने बोलना शुरू किया, ‘मैं यति की तलाश में गया था। मैंने कुछ लोगों को उस रास्ते न जाने की चेतावनी देने की कोशिश की थी। मुझे लगा कि मैं उन्हें रोक सकता हूँ, लेकिन फिर... मैं बस... उस गुफा में मेरी सारी उम्मीदें टूट गईं। मैं अब जीने के बारे में सोचना भी नहीं चाहता था, और सफीना की यादें बार-बार मेरे दिमाग में आती रहीं... वे मुझे सताने लगीं।’ ‘बताने के लिए धन्यवाद,’ सिंदबाद ने आकाश लोहे की तलवार को अपनी त्वचा के पास लाया। ‘कोई आखिरी शब्द?’
‘भाग्य और किस्मत से,’ बूढ़े सिंदबाद ने जहाज का नाम पुकारा और सिंदबाद मन ही मन मुस्कुराया।
सिंदबाद ने लोहे को त्वचा पर दबाने के बजाय गोले को दबाया।
और बूढ़े सिंदबाद को एक और दिन के लिए ज़िंदा छोड़ दिया। ताकि वह फिर से कोशिश कर सके।

उनतीस
सिंदबाद सही सलामत लौट आया।
उसने खुद को उसी कमरे में पाया जहां वह पहले था, शैतान और उसके अनुयायियों का सामना करते हुए, जो सभी उस पर मुस्कुरा रहे थे।
‘यह तो बहुत जल्दी हो गया।’ इब्लिस ने कहा। ‘बेटे, तुम्हें अक्सर अकेले ही रोमांचक यात्राओं पर जाना चाहिए। मुझे लगता है कि इससे तुम्हें ज़्यादा सफलता मिलेगी।’
सिन्बाद शांत भाव से इब्लिस को बोतल सौंप दी। उसने सफीना को उसे अपने थैले में रखने दिया। उसकी आँखें ठंडी और निर्जीव थीं।
‘अब जब हमारा काम पूरा हो चुका है, तो बस कुछ ही समय की बात है,’ उसने आह भरते हुए कहा, ‘जानते हो, मुझे खुशी है कि ऐसा हो रहा है। अब हमारी स्थिति काफी बेहतर है। हम इस नई विश्व व्यवस्था में परिवार के रूप में साथ रह सकते हैं। तुम अपनी माँ के साथ, सफीना के साथ रह सकती हो और मैं भी खूब मस्ती कर सकता हूँ।’
उसने अपने सैनिकों की ओर देखा। 'अभी दल को मार डालो।'
सिंदबाद तुरंत भयंकर क्रोध में आ गया और रुक गया। 'नहीं, नहीं। बस...उम्म...मुझे उनके साथ कुछ समय दीजिए। मैं बस उनसे आखिरी विदाई लेना चाहता हूँ। अकेले में।'
‘और फिर से मेरे खिलाफ साजिश रचोगे?’ इब्लिस ने सिर हिलाया। ‘क्यों परेशान हो रहे हो? ठीक है, जैसा तुम चाहो। मैं तुम्हें थोड़ा समय देता हूँ। मुझे मौत के सामने भी इंसानी उम्मीद की भावना की तारीफ करने का मन करता है। दुनिया चारों ओर बिखर रही है: महामारी फैली है, अपराध हो रहे हैं और फिर भी इंसान हार नहीं मानते। वे वाकई बहुत प्यारे होते हैं, है ना?’
इब्लिस और उसके सैनिक चले गए, फातिमा और सफीना उनके पीछे-पीछे गईं। दल के जिन सदस्यों को बांधकर मुंह बंद कर दिया गया था, वे अब बंधनों से मुक्त हो चुके थे और उन्हें कप्तान के कमरे में लाया गया था। सिंदबाद ने अपने साथियों के चिंतित चेहरों को देखा; वह जानता था कि उन्होंने सारी उम्मीद छोड़ दी थी।
लेकिन उसने ऐसा नहीं किया था।
उन्होंने कहा, 'आप सभी के साथ मेरी खूबसूरत यादें हैं।'
‘आप सभी ने मुझे बहुत कुछ सिखाया। मुझे नहीं पता कि मैंने आपको कुछ सिखाया या नहीं, लेकिन मैंने हमेशा आपका साथ देने की पूरी कोशिश की है।’
सबने उसकी तरफ देखा। मार्कस ने भी। सिंदबाद अपने विश्वासघात के बारे में बात नहीं करना चाहता था, क्योंकि वह अंधेपन में था। वह नहीं चाहता था कि

मरने से ठीक पहले दूसरे उससे नफरत करें। आखिर, वे एक टीम के रूप में साथ लड़े थे, और एक टीम के रूप में ही मरेंगे। तो ठीक है।
'सिंदबाद, मुझे उम्मीद है कि तुम्हारे पास कोई योजना होगी,' इदरीस ने कहा। प्रेसा ने सिर हिलाया। 'हाँ, ब्राउन बॉय, हम तुम्हारी उस अद्भुत, बेवकूफी भरी योजना का इंतजार कर रहे हैं।'
मार्कस ने अपने होंठ सिकोड़ लिए। 'भाई के लिए कुछ भी।'
सिन्बाद ने अमीर, अशरफिया और हुसैन पर एक नज़र डाली। बेचारा हुसैन... सिन्बाद के मन से सराय में ऊद बजाते हुए उसकी छवि नहीं निकल रही थी। अब वह मरने ही वाला था।
‘हां, मेरे पास एक योजना है। और मुझे नहीं पता कि यह काम करेगी या नहीं,’ सिंदबाद ने कहा। ‘इसलिए मैं आपको यह नहीं बताने वाला कि मैं क्या करने वाला हूं। लेकिन मुझे आपकी मदद चाहिए।’
‘तुम्हें क्या चाहिए?’ अशरफिया ने पूछा।
मुझे अनांसी के घड़े के अंदर ले जाओ।
‘नहीं।’ मार्कस ने धीमी आवाज़ में कहा। ‘वह तुम्हें फिर धोखा देगा।’
'शायद। लेकिन मुझे कोशिश करनी होगी,' सिंदबाद मन ही मन हिसाब लगा रहा था कि क्या होगा और उसे कितनी मुश्किलों का सामना करना पड़ सकता है।
‘ठीक है। लेट जाओ। जल्दी करो।’
सिंदबाद ने ऐसा किया, क्योंकि अनांसी का घड़ा मेज के किनारे रखा हुआ था।
मार्कस उसे अपनी कमरबंद में बांधकर रखता था।
सिंदबाद ने अपनी आंखें बंद कर लीं।
*

उसने अपनी आंखें खोलीं और खुद को मकड़ियों की दुनिया में पाया।
पहले अनांसी की दुनिया उसके लिए एक भयानक जगह थी, लेकिन अब नहीं। उसने इब्लिस को देख लिया था, और सिंदबाद को एहसास हुआ कि भयावह होने के लिए बदसूरत या घिनौना होना ज़रूरी नहीं है। एक दयालु, बुजुर्ग सज्जन भी समस्या हो सकते हैं। इसलिए अंधेरा उसे परेशान नहीं करता था।
सिंदबाद मकड़ियों के घने जंगल, आसमान को ढकने वाले अंधेरे के गुच्छों और पूरे जंगल में फैले मकड़ी के जालों के बीच से तेजी से आगे बढ़ा।
वह जंगल के छोर पर ऊबकर बैठी उस विशाल मकड़ी की ओर तेजी से बढ़ा।
मकड़ी का शरीर टारेंटुला जैसा और ऊपरी आधा हिस्सा मनुष्य जैसा था, जिसमें दो भुजाएँ, काली त्वचा और लाल आँखें थीं। 'ओह, तुम वापस आ गए,' भगवान ने जम्हाई लेते हुए बुदबुदाया। 'मुझे लगा था कि तुम कभी नहीं आओगे।'
'तुमने मुझसे एक सौदा किया था,' सिंदबाद ने उसे याद दिलाया।
“हां, मैंने तुम्हें साफ-साफ कहा था कि अगर तुम सिकंदर का मकबरा चाहते हो और मुझे रिहा नहीं करते, तो तुम्हारी प्रेमिका तुम्हें भूल जाएगी। और दुर्भाग्य से, ऐसा ही हुआ।” उसने कंधे उचकाते हुए कहा। “इसलिए मेरा सुझाव है कि तुम ज़रूरी कदम उठाओ और मुझे इस खतरनाक, भयानक जगह से भागने में मदद करो।”

सिंदबाद ने अनांसी की पौराणिक कथा को याद करते हुए अपनी भौंहें उठाईं। 'अगर मैं गलत नहीं हूँ, तो तुम्हारे पास एक ऐसा पात्र था जिसमें दुनिया का ज्ञान समाहित था, है ना?'
‘नोम-नोम, हाँ। इसके बारे में बात मत करो।’ उसकी आवाज़ अचानक काँप उठी, मानो सिंदबाद ने उसे किसी दर्दनाक, लेकिन प्यारे अतीत की याद दिला दी हो। ‘तुम नोम-नोम के बारे में क्या जानते हो?’
'मैं जानता हूं कि आप उस ज्ञान के पात्र को किसी भी चीज से ज्यादा प्यार करते थे और दुर्भाग्य से, वह एक दिन झील में गिर गया और वह ज्ञान पूरी दुनिया में फैल गया, जिससे पृथ्वी पर प्रत्येक व्यक्ति को कुछ ज्ञान प्राप्त हुआ।'
‘हाँ। फिर भी मुझे लगता है कि उनमें से अधिकांश के लिए यह संख्या कम है। शायद वे शुष्क क्षेत्रों में रहते थे।’ उसने आँखें घुमाईं। ‘लेकिन बताओ। तुम नॉम् नॉम् की बात क्यों कर रहे हो?’
‘अगर मैं तुमसे कहूँ कि मैं तुम्हें ज्ञान का घड़ा फिर से दे सकता हूँ तो?’ उसने धीमी आवाज़ में कहा।
मकड़ी ने उसे तीखी नज़र से देखा। 'मज़ाकिया। तुम कह रहे हो कि तुम इस पूरे संसार का ज्ञान लाकर मुझे दे दोगे?'
'हां। लेकिन मेरी बात ध्यान से सुनो। उस बर्तन में ज्ञान होगा। मैं वादा करता हूं।'
‘नोम नोम मेरा होगा?’ उसकी आँखें चमक उठीं।
'बर्तन में ज्ञान होगा,' सिंदबाद ने अपने शब्दों को सावधानीपूर्वक दोहराया ताकि कोई भ्रम न रहे।
अनांसी ने अपनी निगाहें सिकोड़ीं। 'ठीक है। किसी भी प्रकार की बुद्धिमत्ता सराहनीय है। और बदले में... तुम चाहते हो...'
‘पहले हुए समझौते से पीछे हटना होगा। मेरे जीवन के प्यार की यादों को फिर से लौटाना होगा।’
उसने आह भरी। 'काश, यह इतना आसान होता।'
“चलो, तुम जानते हो कि तुम यह कर सकते हो। तुम जानते हो कि तुम्हें वह ज्ञान चाहिए। क्या तुम उस मीठे अमृत जैसे स्वाद को भूल गए हो?”
‘इसका स्वाद अमृत जैसा बिल्कुल नहीं था।’ उसने सिर हिलाया। ‘फिर भी इसका स्वाद बहुत अच्छा था।’
अनांसी ने सिंदबाद को गौर से देखा, यह सोचते हुए कि सौदा सच है या नहीं। 'तुम्हें पता है ना कि अगर तुमने अपना वादा नहीं निभाया, तो तुम्हारी प्रेमिका की भयानक मौत हो जाएगी।'
‘बिल्कुल, मैं हालात समझता हूँ। ज्ञान का घड़ा तुम्हें मिलेगा, जो मैं तुम्हें सौंप दूँगा। मेरे अपने तरीके हैं।’ वह रुका। ‘और इस बीच, मैं तुम्हें कुछ गिरवी के तौर पर दे सकता हूँ।’
अनांसी सजग होकर उठ बैठा और सिंदबाद की ओर देखने लगा, और दोनों एक-दूसरे को घूरने लगे। अनांसी रेंगकर सिंदबाद के करीब आया और धीरे से अपना मुंह खोलकर लड़के के कान में कुछ फुसफुसाया।

चालीस
सिंदबाद कमरे में तभी लौटा जब दरवाजे जोर से खुल गए।
‘जाने का समय हो गया है!’ उन जीवों ने चिल्लाकर कहा।
बाकी के चालक दल ने सिंदबाद को धक्का देकर डेक पर लाद दिया। इब्लिस अपने बाकी लोगों के साथ इंतज़ार कर रहा था। सिंदबाद ने देखा कि उनका जहाज, इब्लिस के एक दर्जन अन्य जहाजों के साथ, एक विशाल द्वीपसमूह के पास लंगर डाले खड़ा था, जिसमें एक आधा टूटा हुआ पहाड़ और एक खड़ी चट्टान थी जो आसमान की ओर खुलती थी।
‘बस इतना समझ लो, ऊपर से तुम्हें पता चल जाएगा कि हम कहाँ से सवारी करेंगे। ऊपर वो हरी चीज़ दिख रही है?’ इब्लिस ने पूछा।
सिंदबाद ने ऊपर देखा और चट्टान पर घोड़ों पर सवार प्रेतों को प्रतीक्षा करते हुए पाया। 'हाँ।'
‘ये हम हैं। तब तक यहीं इंतजार करो।’
‘तुम खुद को जितना अच्छा समझते हो, उतने अच्छे नहीं हो,’ सिन्बाद ने कहा। ‘क्योंकि अंततः तुम न तो कोई सेनापति हो और न ही किसी मिशन पर निकले हुए व्यक्ति। तुम तो बस एक पागल, सनकी सनकी हो जो सिर्फ इसलिए इतने सारे लोगों को मारना चाहता है क्योंकि तुम ऐसा कर सकते हो।’
इब्लिस ने अपने जबड़े भींच लिए। उसकी आवाज़ ज़हरीली हो गई, “खुद को चूहों के बराबर समझो। तुम चूहों की तरह मेरे घर में घुस आए हो। क्या तुम्हें नहीं लगता कि मैं कीटनाशक बुलाऊँगा? और अगर मैं उन्हें नहीं बुला पाया, तो मैं खुद ही कीटनाशक बन जाऊँगा। तुमने मेरी दुनिया तबाह कर दी है, और इसके लिए तुमने मेरे साथ ज़रा भी नरमी नहीं बरती। मैंने इन चूहों के साथ जितना हो सका उतना अच्छा बर्ताव किया, लेकिन अब मुझे जो करना होगा वो करना पड़ेगा।” ‘बाकी देवता आपके साथ काम करने के लिए क्यों सहमत हो रहे हैं? आपने उनसे क्या वादा किया है?’
‘एक नए राज्य का एक अंश,’ इब्लिस ने कंधे उचकाते हुए कहा। ‘पुराने समय का एक अंश जब उन्हें सम्मान दिया जाता था और इतिहास की किताबों में उनका ज़िक्र नहीं होता था। उस शक्ति का एहसास अक्सर खो जाता है,’ इब्लिस ने सफ़ीना को अपने साथ चलने का आदेश देते हुए कहा। ‘चलो, बेटी। हमें चलना होगा।’ सिन्बाद ने सफीना को निर्देशानुसार चलते हुए देखा, जबकि फातिमा वहीं रुकी रही।
इब्लिस ने फातिमा को आदेश दिया, 'उसके दल को मार डालो। और अपने बेटे को अक्ल सिखाओ।'
सिंदबाद ने अपनी माँ की ओर विनती भरी निगाहों से देखा।

इब्लिस, सफीना के साथ जहाज से उतरा और चट्टानों की ओर बढ़ा। सिंदबाद और उसके साथियों को ज़मीन पर धकेल दिया गया। फातिमा अपने पसंदीदा चाकुओं और धारदार हथियारों से खेलते हुए साथियों के चारों ओर चक्कर लगाने लगी और उन्हें अशरफिया, इदरीस और हुसैन की गर्दन के बेहद करीब ले आई।
‘मां, आपको उसकी बात सुनने की जरूरत नहीं है,’ सिंदबाद ने विनती की। ‘बिल्कुल,’ फातिमा ने कहा। उन्हें ‘मां’ कहकर संबोधित किए जाने पर थोड़ी असहजता हुई। ‘आप जानती हैं क्यों। आपको इसे मुश्किल बनाना ही था। वह बहुत शक्तिशाली है। वह शैतान है। शैतान से लड़ाई नहीं करनी चाहिए।’
‘तुम नहीं कर सकती। लेकिन तुम उसे धोखा दे सकती हो,’ सिंदबाद ने उसकी बात काटते हुए कहा। ‘मैंने अपनी आत्मा को मकड़ियों के देवता को गिरवी रख दिया है।’
फातिमा ने अपनी भौंहें ऊपर उठाईं।
‘हमारा एक समझौता हुआ था जिसमें तुमने मेरी आत्मा को बचाने का वादा किया था और बदले में तुम उसकी रक्षा करोगे। मेरी आत्मा अब इस लोक में विद्यमान नहीं है। वह देवता अनांसी के पास है... इस प्रकार तुम्हारा शैतान के साथ किया गया समझौता... अब निरर्थक हो गया है।’
फातिमा ने एक गहरी साँस ली। वह हिचकिचा रही थी। सिंदबाद ने देखा कि ड्रौगर अशरफिया की ओर बढ़ रहा है और उसके गले के पास चाकू खींच रहा है—काटने के लिए तैयार है जब...
फातिमा ने तुरंत अपनी लाल तलवार निकाली और ड्रौगर के शरीर को चीर डाला। उसने आकाश में लहराते हुए काले बौनों पर अपने चाकू फेंकने शुरू कर दिए। 'उसे रोको।'
‘खुशी से।’ सिन्बाद ने कहा।
सिन्बाद ने अपने दोस्तों को बंधनों से मुक्त करने के लिए दौड़ लगाई और पास पड़ी तलवार को ज़मीन से उठाकर अपने ऊपर ले आया। तब तक इब्लिस के अन्य जहाजों ने इस झड़प को देख लिया था और हमले की तैयारी शुरू कर दी थी।
‘मेरी माँ की मदद करो,’ सिंदबाद ने अपने दल को निर्देश दिया। ‘मैं जाकर इब्लिस को रोकूंगा।’
‘तुम ऐसा करने की योजना कैसे बना रहे हो?’ हुसैन ने चाकू उठाते हुए पूछा। ‘तत्काल काम चलाओ।’ सिंदबाद मुस्कुराया, और उसने वही शब्द कहा जो वह हमेशा तब इस्तेमाल करता था जब उसे आखिरी क्षण में कुछ करना होता था।
सिंदबाद और उसके साथी, अपनी माँ के साथ, जहाज को दूसरों से वापस लेने के प्रयास में लगे रहे। अचानक, आकाश में अफरा-तफरी मच गई क्योंकि अन्य जहाज टकराने लगे, आग के गोले क्षितिज पर तेजी से उड़ने लगे, जिससे भारी तबाही मच गई। उस क्षण सिंदबाद को समझ नहीं आ रहा था कि वह क्या करे।
हालांकि, क्षितिज पर जहाजों की एक कतार दिखाई देने से उसका भ्रम टूट गया। ये जहाज सिंदबाद और उसके दल को निशाना नहीं बना रहे थे, बल्कि बचे हुए दुश्मन जहाजों पर अपनी ग्रीक तोपें बरसा रहे थे। सिंदबाद को समझ नहीं आया कि इस अप्रत्याशित सहायता के पीछे कौन है, जब तक कि उसने अपनी कमर से लटकी दूरबीन से नहीं देखा।

इब्लिस ने गुर्राते हुए अपनी हथेली का इस्तेमाल करके उसे अपनी ओर उठाया, उसका गला पकड़ा और उसे कसकर जकड़ लिया।
इब्लिस का चेहरा भयानक और विकृत हो गया। उसकी आँखें लाल रंग की हो गईं और उसकी आवाज़ क्रोध से भर गई। 'मैंने तुम्हें सब कुछ दिया,' वह गुस्से से भरी ज़हरीली आवाज़ में गुर्राया। 'शक्ति, तुम्हारे बेटे की सुरक्षा, और तुमने मुझे कैसे चुकाया? मुझे धोखा देकर!' उसके कभी मानवीय रहे चेहरे के भाव बिगड़ गए और उसका शरीर एक राक्षसी रूप में बदल गया, खुरदरी, पपड़ीदार त्वचा और बढ़े हुए आकार के साथ। 'अब,' वह दहाड़ा, 'मैं तुमसे वह सब कुछ छीन लूँगा जो तुम्हें प्रिय है, ठीक वैसे ही जैसे तुमने मुझसे सब कुछ छीन लिया!' सिन्बाद ने उठने की पुरजोर कोशिश की, लेकिन इब्लिस ने अपने पैरों से उसकी छाती पर वार किया। निर्मम पकड़ के साथ, इब्लिस ने फातिमा का गला पकड़कर उसे ऊपर उठाया और... उसकी गर्दन मरोड़ दी।
सिंदबाद ने तीखी चीख मारी। 'नहीं!'
फातिमा का बेजान शरीर ढीला पड़ गया और ज़मीन पर गिर पड़ा। इब्लिस ने सिंदबाद को छुड़ाया और वह झट से उसे पकड़ने के लिए दौड़ा, उसका दिल दुख और शोक से भरा हुआ था। 'माँ... माँ,' वह सिसकते हुए बोला। 'मुझे आपसे बात करने का मौका भी नहीं मिला।' उसने उसे कसकर गले लगा लिया।
इब्लिस के हंसने के बीच फातिमा का चेहरा पीला पड़ गया था और उसे ठंड लग रही थी।
‘अब तुम्हारा समय आ गया है। मरने का।’ उसने सफीना को अचानक पुकारते हुए कहा, मानो वह कहीं और से टेलीपोर्ट हो गई हो। ‘लेकिन मैं अपनी बेटी को तुम्हारा ख्याल रखने दूंगा। तुम मेरे लिए बस एक मामूली मुसीबत हो। और यही तुम्हारे लिए सही सजा होगी। एक बड़ी सजा।’
सिंदबाद की आंखें लाल थीं और आंसुओं से भरी हुई थीं। अपने आंसुओं को काबू में रखने और टूटने से बचने की कोशिश में उसका चेहरा भी लाल हो गया था। मैं तुम्हें हरा दूंगा।
इब्लिस, जो अब एक राक्षस बन चुका था, थूकते हुए बोला, 'क्या तुम समझते नहीं? तुम मुझे मार नहीं सकते। कोई नहीं मार सकता। मैं अविनाशी हूँ।'
‘नहीं, तुम नहीं हो।’ सिंदबाद ने उसकी आँखों में देखते हुए कहा। ‘तुम्हारा क्या मतलब है?’ इब्लिस ने उलझन भरी नज़र से देखते हुए कहा। सिंदबाद मुस्कुराया। 'मैंने झूठ बोला।'
'क्या?'
‘मैंने अपनी आत्मा गिरवी रखकर जो वादा किया था, वो झूठ था। उम्मीद के अलावा, यही एक और बात है जो इंसानों के बारे में है। हम कभी-कभी खुद को ऐसी स्थिति में डाल लेते हैं जहाँ हमें झूठ बोलना पड़ता है।’ सिंदबाद ने कहा। ‘मेरी माँ को लगा कि वह समझौते से बाहर हो गई है क्योंकि मैंने उसे यही बताया था कि मैंने अपनी आत्मा दे दी है। इसलिए उसने तुम्हारा विरोध किया और तुमने उसे मार डाला। तुमने समझौता तोड़ दिया। शैतान के साथ किया गया सौदा दोषपूर्ण होता है।’

"बकवास," इब्लिस ने अनिश्चितता से कहा, क्योंकि उसे अचानक अपनी शक्तियों में कमजोरी महसूस होने लगी, उसका शरीर पहले की तरह विकिरण नहीं कर रहा था, जैसे ही उसे इस बात का अहसास हुआ।
‘आपने कहा था कि आपको मारा नहीं जा सकता, लेकिन आपको “पकड़ा” जा सकता है।’ जैसे ही सिंदबाद ने कहा, 'और अनांसी ने बिना किसी गिरवी के प्रस्ताव स्वीकार कर लिया,' इब्लिस को लगा कि उसकी शक्तियां विस्मृति में विलीन हो रही हैं।
सफीना, जो इब्लिस के पीछे खड़ी थी, ने अपने हाथ में मौजूद छुरी निकाली और जैसे ही वह जमीन पर गिरा, उसने उसकी पीठ में, रीढ़ की हड्डी में वार कर दिया।
‘तुम… तुम… मेरी बेटी…’
‘भाड़ में जाओ बूढ़े आदमी।’ सफीना ने कहा।
जैसे ही इब्लिस ज़मीन पर लेटा, उसका रूप बदलने लगा और सारे राक्षस गायब हो गए। भोर के देवता ने उनका पीछा किया और वे जीव भागने लगे। अचानक, बादल छंट गए और एक तेज़ रोशनी नीचे आई, जिससे जंगली शिकार के बचे हुए सदस्य डर से कांप उठे। लेकिन सिंदबाद का ध्यान पूरी तरह से सफ़ीना पर केंद्रित था। और सफ़ीना ने भी उसकी ओर देखा। उसकी आँखों में अब कोई ठंडक नहीं थी।

इकतालीस
कुछ दिनों के बाद । । ।
एक सुहावने दिन सिंदबाद अपनी माँ की समाधि को निहार रहा था, इस बात से कृतज्ञ था कि कठिन समय के बाद हालात सुधर गए थे। जीवन बदल देने वाली घटनाओं के बाद के दिनों की यादें उसके मन में उमड़ पड़ीं।
हेमडाल के नेतृत्व में मा'लक्स आ चुके थे और उन्होंने वाइल्ड हंट के बचे हुए सदस्यों का सफाया कर दिया। हेमडाल ने उनकी गुस्ताखी के लिए तुरंत न्याय का वादा किया। इब्लिस के बारे में सिन्बाद को पता नहीं था कि उसका क्या हुआ, लेकिन अनुबंध तोड़ने से मानो उसका पूरा अस्तित्व ही मिट गया हो, जैसे उसे पूरी तरह मिटा दिया गया हो।
हेमडाल ने सफीना और सिन्बाद से तीनों वस्तुएँ वापस प्राप्त कर लीं और उन्हें उनके सही लोकों में लौटा दिया। हारुन-अल-रशीद को नुकसान उठाना पड़ा, फिर भी वह अधिकांश प्राणियों को हराने और संघर्षों को समाप्त करने में सफल रहा। वह विजयी होकर लौटा और गिल्ड पर पुनः नियंत्रण प्राप्त कर लिया। हारुन ने दिखाया कि वह शहर में कला और व्यापार का संरक्षक मात्र नहीं था; वह एक शक्तिशाली नेता भी हो सकता था।
उसके दल के सदस्य, सफीना सहित, उसके साथ थे और एक अज्ञात द्वीप पर खड़े अपने जहाज, फेट एंड फॉर्च्यून की ओर पहाड़ी की ढलान से नीचे जाने से पहले चुपचाप मकबरे को देख रहे थे।
‘वह एक अच्छी माँ थीं,’ सिन्बाद ने कहा। ‘मेरी भी एक अच्छी माँ थी। और मुझे खुशी है कि मैंने उनके साथ मिलकर लड़ाई लड़ी—आप जानते हैं, शैतान को मार गिराने में।’
सभी ने कुछ क्षणों का मौन धारण किया, फिर वे पहाड़ी की ढलान से नीचे उतरकर एक अज्ञात द्वीप पर स्थित एक छोटी सी झोपड़ी की ओर बढ़ने लगे, जहाँ उनका विशाल जहाज खड़ा था।
अमीर ने पूछा, 'तो अब क्या, लड़के?'
‘मुझे नहीं पता,’ उसने सफीना का हाथ पकड़ते हुए कहा। ‘सफीना और मुझे अभी बहुत कुछ जानना बाकी है।’
‘हाँ, तुम करते हो।’ इदरीस मुस्कुराया।
हुसैन ने अपना सिर खुजाते हुए कहा, 'वैसे, अनांसी के सौदे का क्या हुआ? अगर तुमने उसे उसकी मनचाही चीज़ नहीं दी, तो क्या सफ़ीना की भयानक मौत नहीं हो जाएगी?'
सिंदबाद ने मार्कस की ओर देखा और दोनों खिलखिलाकर हंस पड़े।
'अरे नहीं, मैंने उसे वही दे दिया जो वह चाहता था।'

*

सिंदबाद मकड़ी के जालों की भूमि पर लौट आया और हाथ में एक घड़ा लिए तेजी से जंगल में आगे बढ़ा।
जैसे ही वह उस खुले मैदान में पहुँचा जहाँ भूखा अनांसी खड़ा था, उसके मकड़ी जैसे पैर उत्साह से चलने लगे। 'जैसा वादा किया था,' सिंदबाद ने बर्तन को ज़मीन पर रखते हुए कहा, 'मैं तुम्हारे लिए ज्ञान लेकर आया हूँ।'
अनांसी उत्साह से उछलते हुए जार की ओर दौड़ा। उसने अंदर झाँका और पाया कि उसमें एक कागज़ रखा हुआ है। उसने उसे बाहर निकाला और खोला, जिस पर मार्कस द्वारा बनाया गया एक चित्र था।
और उस चित्र में, सिंदबाद के अलावा और कोई नहीं था। 'ये क्या बकवास है?' 'बुद्धि। बुद्धि से भरा पात्र। आपके पास एक ऐसे लड़के की तस्वीर है जिसने शैतान को मात दे दी है। यही तो बुद्धिमत्ता है, और यह आपके हाथों में है।' अनांसी ने ऐसे भौंहें चढ़ाईं जैसे यह सब कुछ बेहद निराशाजनक रहा हो। 'तुम झूठ बोल रहे हो, है ना?'
‘अरे नहीं, मैं नहीं हूँ,’ सिंदबाद मुस्कुराया। ‘मैंने अपना वादा निभाया।’ लेकिन यह ऐसा नहीं है...
‘त्स्क, त्स्क, त्स्क।’ सिंदबाद ने अपना सिर हिलाया। ‘मुझे आपकी राय की परवाह नहीं है, मैंने अपना काम कर दिया।’
और इतना कहकर वह चला गया।
*

‘तुमने धोखेबाज को ही चकमा दे दिया?’ हुसैन ने आश्चर्य से पूछा। ‘बहुत बढ़िया। बिल्कुल सही लग रहा है।’
वे सब हंस पड़े।
'प्यारे बेटे, मुझे नहीं लगता कि तुम हमारे साथ आने का इरादा रखते हो। और यह देखने के लिए मुझे भविष्यवक्ता होने की जरूरत नहीं है।'
‘अरे, अभी नहीं,’ उसने सफीना की तरफ देखा। ‘हमें बात करनी होगी। हमारे बीच की बहुत सारी गलतफहमियां दूर करनी होंगी।’
'बिल्कुल सही,' सफीना ने कहा। 'हमें बहुत कुछ कवर करना बाकी है।'
सभी ने सहमति में सिर हिलाया।
सिंदबाद ने पूछा, 'अब आप सब कहाँ जाने की योजना बना रहे हैं?'
'दुनिया को बचाने के काम में दोबारा जुट जाने से पहले, अपनी बेटी मावू के साथ छुट्टी पर जाना अच्छा रहेगा,' मार्कस ने सुझाव दिया।
'हां। चलो किसी ग्रीक द्वीप पर जाकर आराम करते हैं।'
‘आपकी अपनी-अपनी यात्राओं का अनुसरण करने के बारे में क्या ख्याल है?’ उन्होंने सभी की ओर देखा, उनके जवाबों पर आश्चर्यचकित होते हुए।
पूरा दल शरमाते हुए हँस पड़ा। ‘खैर, हमारे पास एक-दूसरे का साथ है। हमेशा ऐसा मत कहो, डार्लिंग,’ अशरफिया ने कहा। ‘मुझे लगता है कि जब तक हम सब कुछ सुलझा नहीं लेते, तब तक साथ रहना अच्छा रहेगा।’
अपनी-अपनी यात्रा शुरू करने से पहले, आखिरी बार जहाज की ओर बढ़ते हुए सिंदबाद मुस्कुराया।
*

सिन्बाद ने सफीना का सिर अपने कंधे पर महसूस किया। उसे नहीं पता था कि वह इस द्वीप पर कैसे जीवित रहेगा, लेकिन वह जानता था कि सफीना के साथ वह कुछ भी कर सकता है।
उन्हें इस संयोग पर आश्चर्य हुआ कि उनकी पहली मुलाकात भी एक द्वीप पर हुई थी, और अब वे एक तरह से वहीं लौट आए थे जहाँ से शुरू किया था। सफीना ने चुप्पी तोड़ते हुए पूछा, 'क्या आपको लगता है कि इब्लिस वापस आएगा?' सिन्बाद ने कुछ पल सोचने के बाद जवाब दिया, 'मुझे ऐसा नहीं लगता। लेकिन बुराई कभी भी पनप सकती है, इसलिए जब भी वह सामने आए, हमें उसका सामना करने के लिए तैयार रहना चाहिए।' उसने सफीना की ओर देखा और आगे कहा, 'मैंने जिन भी लोकों का दौरा किया है, उनमें हम हमेशा साथ रहे हैं। किसी न किसी रूप में, हम अंत तक एक-दूसरे का साथ देते रहे हैं। अगर इस दुनिया या किसी और दुनिया में कभी कोई समस्या आती है जिसमें हमारी मदद की ज़रूरत हो, तो मुझे पता है कि हम वहाँ मौजूद होंगे।' सफीना ने धीरे से अपना चेहरा घुमाया और उसके होठों पर चुंबन किया। 'यह बहुत पहले हो जाना चाहिए था।'
सिंदबाद शरमा गया। 'हे भगवान, हाँ।'
समुद्र शांत था, गौरैया चहचहा रही थीं और सूरज उनके ऊपर चमक रहा था। सफीना ने अपने साहसिक जीवन पर विचार करते हुए आह भरी। 'हमने बहुत लंबा सफर तय किया है, राक्षसों, पक्षियों, देवताओं और दानवों से लड़ते हुए। क्या जीवन था! मुझे लगता है कि हमें कुछ आराम करने का हक है।'
सिंदबाद ने समुद्र की ओर देखा और सफीना को कसकर गले लगा लिया।
'बिल्कुल,' उसने उसके कान में फुसफुसाया।

***** *****

शुरुआत
चलिए बातचीत शुरू करते हैं…
Penguin को Twitter.com@penguinbooks पर फॉलो करें
हमारी सभी कहानियों से अपडेट रहने के लिए YouTube.com/penguinbooks पर जाएं। अपने Pinterest पर ‘Penguin Books’ को पिन करें Facebook.com/penguinbooks पर ‘Penguin Books’ को लाइक करें लेखक के बारे में और अधिक जानने के लिए और Penguin.co.in पर इस तरह की और भी कहानियाँ पढ़ने के लिए यहाँ जाएँ।

पेंगुइन बुक्स
अमेरिका | कनाडा | ब्रिटेन | आयरलैंड | ऑस्ट्रेलिया | न्यूजीलैंड | भारत | दक्षिण अफ्रीका | चीन |
सिंगापुर
पेंगुइन बुक्स, पेंगुइन रैंडम हाउस समूह की कंपनियों का हिस्सा है, जिनके पते

global.penguinrandomhouse.com पर देखे जा सकते हैं।

यह संग्रह 2023 में प्रकाशित हुआ।
कॉपीराइट © केविन मिसल 2023
लेखक के नैतिक अधिकार का दावा किया गया है।
जैकेट की तस्वीरें © ईशा नागर
यह डिजिटल संस्करण 2023 में प्रकाशित हुआ।
ई-आईएसबीएन: 978-9-357-08217-4
केवल भारतीय उपमहाद्वीप, दुबई और सिंगापुर में बिक्री के लिए उपलब्ध।
यह पुस्तक इस शर्त के अधीन बेची जाती है कि इसे प्रकाशक की पूर्व सहमति के बिना, व्यापारिक रूप से या किसी अन्य तरीके से, उधार नहीं दिया जाएगा, पुनर्विक्रय नहीं किया जाएगा, किराए पर नहीं दिया जाएगा या किसी अन्य प्रकार से प्रसारित नहीं किया जाएगा, सिवाय उस रूप में जिसमें यह प्रकाशित हुई है, और बाद के खरीदार पर भी इसी तरह की शर्त लागू की जाएगी।